THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 360 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) चैत्र शु.9 2083 शुक्रवार, 27 मार्च-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद ✲ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

फ्रांस गए एस जयशंकर

नई दिल्ली, 26 मार्च (एजेंसियां)। पश्चिम एशिया संकट के बीच विदेश मंत्री एस जयशंकर गुरुवार (26 मार्च,2026) को फ्रांस गए हैं। वहां उनकी जी-7 देशों के विदेश मंत्रियों के साथ बैठक होगी और उनकी इस यात्रा का एजेंडा ईरान युद्ध और इसकी वजह से होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों की सामान्य अंतर्राष्ट्रीय आवाजाही प्रभावित होने का समाधान खोजना है। विदेश मंत्री फ्रांस में जी-7 देशों के विदेश मंत्रियों के साथ बैठक में यह सुनिश्चित करने की कोशिश करेंगे कि पश्चिम एशिया संकट की वजह से होर्मुज से किसी तरह की आवाजाही प्रभावित न हो। हालांकि, गुरुवार को ही ईरान ने औपचारिक तौर पर कह दिया है कि उसने भारत समेत रूस, चीन, इराक और पाकिस्तान के लिए इसे खोल दिया है।

पीएम मोदी आज मुख्यमंत्रियों से करेंगे बात

तैयारियों और योजनाओं की करेंगे समीक्षा

नई दिल्ली, 26 मार्च (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज यानी 27 मार्च को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए सभी मुख्यमंत्रियों से बात करेंगे। इसमें ईरान जंग के चलते पैदा हुई परिस्थितियों पर चर्चा हो सकती है। चुनाव वाले राज्यों के सीएम आचार संहिता की वजह से इस बैठक का हिस्सा नहीं होंगे। इन राज्यों के चीफ सेक्रेटरी के लिए एक अलग बैठक होगी, जो कैबिनेट सेक्रेटरिएट के जरिए होगी।

मोदी ने 24 मार्च को राज्यसभा में कहा था कि अमेरिका-इजराइल की ईरान से जंग जारी रही तो इसके दुष्परिणाम होंगे। आने वाला समय देश की सबसे बड़ी परीक्षा लेने वाला है। इसमें राज्यों का सहयोग जरूरी है। हमें टीम इंडिया की तरह काम करना होगा। वहीं, सरकार ने देश में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी (रसोई गैस) की कमी की खबरों को पूरी तरह से खारिज कर दिया है।

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने बयान जारी कर कहा कि दुनिया में कुछ भी हो जाए, भारत के पास 60 दिन का कच्चा तेल और ऑयल रिजर्व है। सरकार ने सोशल मीडिया पर चल रही किल्लत की खबरों को 'भ्रामक और जानबूझकर फैलाया गया प्रोपेगैंडा' बताया है, जिसका मकसद बाजार में 'पैनिक बाइंग' शुरू कराना है। मंत्रालय ने कहा कि शॉर्टेज की अफवाह फैलाने वालों पर कार्रवाई की जाएगी। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने जम्मू में मीडिया से बात करते हुए कहा कि अफसोस की बात ये है कि जब हुकूमत की तरफ से बात होती है तो उसको कोई नहीं सुनता लेकिन अफवाहों पर सब लोग यकीन करते हैं। फिलहाल किसी भी चीज की कमी नहीं है, चाहे पेट्रोल-डीजल या एलपीजी सिलेंडर हों। उन्होंने अपील करते हुए कहा कि जो लोग अफवाहों के कारण पेट्रोल पंप पर लाइन लगाए हुए हैं, उनसे गुजारिश है कि सरकार मजबूर मत करिए नहीं तो कुछ दिनों के लिए पेट्रोल पंप ही बंद करने होंगे। उन्होंने आगे कहा कि अगर अफवाहों के आधार पर पेट्रोल पंप के बाहर डेरा जमाए रखोगे तो बेवजह हालात खराब हो जाएंगे। फिलहाल किसी चीज की कमी नहीं है। उन्होंने बताया कि कल पीएम मोदी के साथ है, उसमें आगे की जानकारी मिलेगी। फिलहाल पूरे देश में तेल की चीजों की कोई कमी नहीं है। गुरुवार को यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि अगर ईरान युद्ध लंबा खिंचा तो हर कोई प्रभावित होगा। उन्होंने कहा कि इस युद्ध ने पश्चिम एशिया, एशिया और लगभग पूरी दुनिया को प्रभावित किया है।

डंपर से टकराकर बस में आग, 13 जिंदा जले

22 घायल; 3 घंटे में आग पर काबू पाया गया, पीएम मोदी ने जताया शोक

डंपर से टक्कर के बाद बस पूरी तरह से जल गई। पैंसेंजर्स को बस से बाहर निकालने का समय भी नहीं मिला।

हैदराबाद/प्रकाशम, 26 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के प्रकाशम जिले में गुरुवार सुबह एक भीषण सड़क हादसे ने दिल दहला दिया। रायवरम गांव के पास एक निजी बस और ग्रेनाइट से लदे टिपर ट्रक की जोरदार टक्कर के बाद बस में आग लग गई, जिसमें 13 यात्रियों की जिंदा जलकर मौत हो गई, जबकि 22 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, हैदराबाद से पामुरु की ओर जा रही निजी बस जैसे ही चीमाकुर्थी की तरफ से आ रहे ट्रक के पास एक मोड़ पर पहुंची, तभी दोनों वाहनों की आमने-सामने टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि बस में तुरंत आग लग गई और उसमें सवार यात्री अंदर ही फंस गए। कई लोग आग की लपटों में घिरकर बाहर निकलने का मौका भी नहीं पा सके। घटना सुबह करीब 6:30 बजे की बताई जा रही है। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। स्थानीय ग्रामीणों और पुलिस टीम ने तत्काल राहत और बचाव कार्य शुरू किया। किसी तरह 22 घायलों को बाहर निकालकर नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है। मार्कपुरम के पुलिस अधीक्षक वी हर्षवर्धन राजू ने बताया कि इस दर्दनाक हादसे में 13 लोगों की मौत हुई है और घायलों में बस चालक भी शामिल है। सभी घायलों को बेहतर इलाज उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। बताया जा रहा है कि बस में करीब 35 यात्री सवार थे और यह तेलंगाना के जगित्याल से नेल्लोर जिले के कालिगिरी जा रही थी। >14

वीरता पदक विजेताओं को रेलवे में आजीवन मुफ्त यात्रा की सुविधा

नई दिल्ली, 26 मार्च (एजेंसियां)। भारत सरकार ने सेना, नौसेना और वायुसेना में वीरता पदक से सम्मानित सैनिकों के लिए एक महत्वपूर्ण फैसला लिया है। इस आदेश के तहत, इन वीरता पुरस्कार विजेताओं को भारतीय रेलवे में आजीवन मुफ्त यात्रा की सुविधा मिलेगी। यह सुविधा प्रथम श्रेणी, सेकेंड एसी या एसी चेयर कार में एक साथी के साथ उपलब्ध होगी।

रक्षा अधिकारियों ने बताया कि यह रियायत देश के बहादुर जवानों के सम्मान में दी गई है। यह योजना उन सभी सैनिकों पर लागू होगी जिन्हें सेना, नौसेना या वायुसेना पदक से सम्मानित किया गया है। पुरस्कार विजेताओं के जीवनसाथी भी इस सुविधा का लाभ उठा सकेंगे। इसमें विधवाएं और विधुर शामिल हैं, जब तक वे पुनर्विवाह नहीं करते। इसके अतिरिक्त, अविवाहित मरणोपरांत पुरस्कार विजेताओं के माता-पिता को भी यह सुविधा प्रदान की जाएगी।

यह कदम देश के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले और वीरता दिखाने वाले सैनिकों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करता है। इससे इन परिवारों को यात्रा में आर्थिक सहायता मिलेगी। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है। भारतीय रेलवे इस संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश जारी करेगा।

यह सुविधा पूरे भारतीय रेलवे नेटवर्क पर मान्य होगी। इस योजना के तहत सेना, नौसेना और वायुसेना पदक से सम्मानित सभी व्यक्ति पात्र होंगे। पुरस्कार विजेता के जीवनसाथी, जिनमें विधवाएं और विधुर शामिल हैं, पुनर्विवाह तक पात्र रहेंगे। अविवाहित मरणोपरांत पुरस्कार विजेताओं के माता-पिता भी इस सुविधा का लाभ उठा सकते हैं।

इजराइल बोला-होर्मुज बंद करने वाले ईरानी कमांडर को मारा

ईरान की बाब-अल-मंदेब पर हमले की धमकी, यह दुनिया का चौथा सबसे बड़ा शिपिंग रूट

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी, 26 मार्च (एजेंसियां)। इजराइल के रक्षा मंत्री काट्ज ने कहा कि ईरान के बंदर अब्बास इलाके हुए एयरस्ट्राइक में तंगसीरी मारे गए। इजराइली अधिकारियों के मुताबिक, तंगसीरी वही कमांडर थे जिन्होंने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को बंद करने की प्लानिंग की थी।

तंगसीरी हाल के दिनों में काफी एक्टिव नजर आ रहे थे। उन्हें होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों की आवाजाही लगभग रोक देने की रणनीति के पीछे अहम चेहरा माना जाता था। हालांकि ईरान ने अभी तक तंगसीरी के मौत की पुष्टि नहीं की है। इसी बीच खबरें हैं कि अमेरिका, ईरान के खार्ग द्वीप पर जमीनी हमला (ग्राउंड इनवेजन) कर सकता है। इसके जवाब में ईरान ने बाब-अल-मंदेब स्ट्रेट को बंद करने की चेतावनी दी है। बाब-अल-मंदेब रेड सी का एंट्री प्वाइंट है। यह रेड सी को अरब सागर से जोड़ता है। स्वेज नहर तक जाने वाले जहाज इसी रास्ते से गुजरते हैं। दुनिया के करीब 12 प्रतिशत तेल की सप्लाई यहीं से गुजरती है। यह दुनिया का चौथा सबसे बड़ा शिपिंग रूट है।

बाब-अल-मंदेब अफ्रीकी देश जिबूती में मौजूद अमेरिकी मिलिट्री बेस इस स्ट्रेट से सिर्फ 30 किमी दूर है। अगर बाब-अल-मंदेब में भी रुकावट आती है, तो मिडिल ईस्ट में चल रहा संघर्ष और बढ़ सकता है।

ईरान की मदद कर सकते हैं हूती विद्रोही :

यह यूरोप, एशिया और मिडिल ईस्ट को जोड़ने वाला अहम समुद्री रास्ता है। हर साल करीब 1 ट्रिलियन डॉलर (करीब 94 लाख करोड़ रुपये) का सामान इस रास्ते से गुजरता है। रोजाना लगभग 45 लाख बैरल तेल यहां से ट्रांसपोर्ट होता है। >14

होर्मुज में तनाव के बीच सरकार बोली

पेट्रोल-डीजल और एलपीजी की कोई कमी नहीं देश में 60 दिन का तेल भंडार मौजूद

नई दिल्ली, 26 मार्च (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने गुरुवार को साफ तौर पर कहा कि देश में पेट्रोलियम और एलपीजी की आपूर्ति पूरी तरह सुरक्षित और नियंत्रण में है। सरकार ने नागरिकों से अपील की है कि सोशल मीडिया पर फैलाए जा रहे 'भ्रामक और दुष्प्रचार' पर ध्यान न दें, जिसका उद्देश्य बेवजह घबराहट पैदा करना है।

पेट्रोल पंप मालिकों को राहत :

सरकार की ओर से कहा गया है कि कुछ जगहों पर घबराहट में ईंधन खरीदने की घटनाएं सामने आईं, लेकिन सरकार ने इसे सोशल मीडिया पर फैलाए गए भ्रामक वीडियो का परिणाम बताया। इसके बावजूद सभी उपभोक्ताओं को ईंधन उपलब्ध कराया गया और तेल कंपनियों ने रातभर डिपो चलाकर सप्लाई बढ़ाई। सरकार ने पेट्रोल पंप मालिकों को राहत देते हुए क्रेडिट सीमा 1 दिन से बढ़ाकर 3 दिन कर दी है, ताकि कार्यशील पूंजी की कमी के कारण किसी भी पंप पर ईंधन की कमी न हो। मंत्रालय ने बताया कि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज की मौजूदा स्थिति के बावजूद भारत को अपने 41 से अधिक वैश्विक आपूर्तिकर्ताओं से पहले की तुलना में अधिक कच्चा तेल मिल रहा है। देश की सभी रिफाइनरियां 100 प्रतिशत से अधिक क्षमता पर चल रही हैं और अगले 60 दिनों के लिए कच्चे तेल की आपूर्ति पहले से तय है।

60 दिनों का स्टॉक उपलब्ध

पेट्रोलियम मंत्रालय के अनुसार, भारत के पास कुल मिलाकर 74 दिनों की भंडारण क्षमता है, जिसमें से वर्तमान में लगभग 60 दिनों का स्टॉक उपलब्ध है। इसमें कच्चा तेल, पेट्रोलियम उत्पाद और भूमिगत रणनीतिक भंडारण (कवर्न) शामिल हैं। मंत्रालय ने बताया कि मध्य पूर्व संकट के 27वें दिन भी देश में कहीं भी पेट्रोल, डीजल या एलपीजी की कोई कमी नहीं है। सरकार ने कहा, हर भारतीय के लिए लगभग दो महीने की निरंतर आपूर्ति उपलब्ध है, चाहे वैश्विक परिस्थितियां कैसी भी हों। साथ ही अगले दो महीनों के लिए कच्चे तेल की खरीद भी पहले ही सुनिश्चित कर ली गई है। मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि कुछ देशों में जहां ईंधन की कीमतों में भारी वृद्धि, राशनिंग, ऑड-ईवन नियम और पेट्रोल पंप बंद होने जैसी स्थिति है, वहीं भारत में ऐसी किसी भी आपातकालीन उपाय की जरूरत नहीं है।

एलपीजी आपूर्ति भी पूरी तरह सुरक्षित

एलपीजी को लेकर भी सरकार ने किसी तरह की कमी से इनकार किया है। मंत्रालय के अनुसार, घरेलू उत्पादन में 40 प्रतिशत की वृद्धि की गई है, जिससे रोजाना उत्पादन 50 हजार मीट्रिक टन(टीएमटी) तक पहुंच गया है, जो कुल आवश्यकता का 60 प्रतिशत से अधिक है। अब आयात की दैनिक जरूरत घटकर 30 टीएमटी रह गई है। इसके अलावा, अमेरिका, रूस और ऑस्ट्रेलिया समेत कई देशों से 800 टीएमटी एलपीजी की खेप पहले से रास्ते में है, जो देश के 22 आयात टर्मिनलों पर पहुंचेगी।

सरकार ने कहा, लगभग एक महीने की एलपीजी आपूर्ति पूरी तरह सुनिश्चित है और अतिरिक्त खरीद लगातार जारी है।

जाति के नाम पर लोगों को उकसा रहे : निशिकांत दुबे

नई दिल्ली, 26 मार्च (एजेंसियां)। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर तीखा हमला करते हुए उन पर समाज में विभाजन पैदा करने का आरोप लगाया है। दुबे ने कहा कि सभी लोग सोनिया गांधी के बेहतर स्वास्थ्य की कामना करते हैं और उन्हें दुनिया के सर्वोत्तम डॉक्टरों से इलाज मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी का अस्तित्व आज भी काफी हद तक सोनिया गांधी की वजह से बना हुआ है।

भाजपा सांसद ने राहुल गांधी के एक हालिया बयान का जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने लोगों से अस्पतालों में डॉक्टरों की जाति पूछने की बात कही थी। दुबे ने कहा कि राहुल गांधी ने अपोलो अस्पताल में जाकर पूछने को कहा है कि कौन सा डॉक्टर अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग का है? दुबे ने इस पर सवाल उठाते हुए कहा कि उन्होंने अपने पूरे जीवन में कभी भी किसी डॉक्टर से उसकी जाति नहीं पूछी।

केरल की नर्स ने रातभर मेरी मां को संभाला : राहुल

नर्सें ही यहां की पहचान, राज्य में 5 लाख नर्सें, 9 अप्रैल को चुनाव

नई दिल्ली, 26 मार्च (एजेंसियां)। राहुल गांधी ने एक सभा में सोनिया गांधी की देखभाल कर रही केरल की नर्स का ज्रिक किया और इन्हें राज्य की पहचान बताया। दरअसल राहुल को कोझिकोड जाना था, लेकिन वे सोनिया गांधी के हॉस्पिटल में भर्ती होने की वजह से जा नहीं पाए। उन्होंने लोगों को वर्चुअली संबोधित किया।

राहुल ने कहा, मैं हॉस्पिटल में अपनी मां के कमरे में एक छोटे से सोफे पर सो रहा था। मैं भी हर बेटे की तरह अपनी मां की सेहत को लेकर बहुत परेशान हूं। हालांकि केरल की नर्स ने मेरी मां का बहुत ख्याल रखा, जिससे उन्हें राहत मिली। सिर्फ केरल की बात करें तो राज्य में करीब 5 लाख नर्सें रजिस्टर्ड हैं। वहीं देशभर में केरल की 10 लाख से ज्यादा नर्सें काम करती हैं। वहीं, विदेश में यह संख्या 20 लाख से ज्यादा है। ऐसा कहा जा रहा है कि राहुल ने नर्स का जिक्र कर इस तबके को साधने की कोशिश की है। केरल में 9 अप्रैल को सिंगल फेज में विधानसभा चुनाव होने हैं।

वर्चुअली संबोधन में पहले मां के बारे में बात की...

कल रात, मैं हॉस्पिटल में अपनी मां के कमरे में एक छोटे से सोफे पर सो रहा था। जैसे कि कोई भी बेटा अपनी मां की सेहत को लेकर परेशान रहता है, मैं भी परेशान था।

पूरी रात, मुझे सिर्फ एक चीज से सुकून मिला। मुझे केरल की एक नर्स से सुकून मिला जो हर घंटे मेरी मां को देखने आती थी। हर एक घंटे, वह आकर उन्हें देखती थी। वह मुस्कुराती थी और उनका हाथ पकड़ती थी। मैंने सोचा कि केरल की नर्सों ने कितने बेटों, बेटियों, भाइयों और बहनों को उनके सबसे मुश्किल पलों में सुकून दिया है।

सुबह-सुबह, मैंने उनसे पूछा, क्या आप रात में सोती हैं, या पूरी रात काम करती हैं? उन्होंने कहा, मैं पूरी रात काम करती हूं। तो, जब पूरी दुनिया सो रही है, केरल की औरतें, सिर्फ केरल में ही नहीं बल्कि दिल्ली में, पूरे देश में और दुनियाभर में लोगों को सुकून दे रही हैं। उनका हाथ थाम रही हैं, और उन्हें आराम महसूस करा रही हैं।

भूमि अधिग्रहण में मुआवजे पर सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला

> एनएचएआई से जुड़ी याचिका खारिज

नई दिल्ली, 26 मार्च (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने भूमि अधिग्रहण के मामले में अहम फैसला दिया है। शीर्ष अदालत ने कहा कि भूमि अधिग्रहण के मामले में मुआवजे और ब्याज की राशि वित्तीय बोझ की मात्रा पर निर्भर नहीं हो सकती।

इस टिप्पणी के साथ सर्वोच्च कोर्ट ने एनएचएआई की याचिका खारिज कर दी। सुप्रीम कोर्ट ने उचित मुआवजे की संवैधानिक गारंटी को कमजोर नहीं किए जा सकने पर जोर दिया। यह फैसला एनएचएआई की ओर से दायर पुनर्विचार याचिका पर आधारित है, जिसमें यह मांग की गई थी कि 2019 के उस फैसले को रद्द किया जाए जहां कहा गया था कि राजमार्गों के लिए भूमि अधिग्रहण पर लागू होने वाला मुआवजा और ब्याज केवल भविष्य में ही लागू होगा। देश के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत और जस्टिस उज्वल भुइयां की पीठ ने राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) की याचिका का निपटारा करते हुए यह टिप्पणी की। इसमें शीर्ष अदालत के चार फरवरी, 2025 के फैसले को वापस लेने का अनुरोध किया गया था। इस फैसले में शीर्ष अदालत ने कहा था कि 2019 का वह निर्णय पूर्वव्यापी रूप से लागू होगा। इसमें एनएचएआई अधिनियम के तहत अधिग्रहित भूमि वाले किसानों को मुआवजे और ब्याज देने की अनुमति दी गई थी। पीठ ने कहा कि भूस्वामियों को देय ब्याज भूमि अधिग्रहण अधिनियम के अनुसार होगा, जो नौ प्रतिशत है, न कि एनएचएआई अधिनियम के अनुसार, जिसमें पांच प्रतिशत की सीमा है।

सैटेलाइट बंद हो गया! तीनों सेनाओं के सामने बड़ी चुनौती

नई दिल्ली, 26 मार्च (एजेंसियां)। भारत का स्वदेशी रीजनल नैविगेशन सिस्टम बहुत बड़े संकट के दौर से गुजर रहा है। नैवआईसी या नैविगेशन विद इंडियन कॉन्स्टेलेशन के सैटेलाइट की परमाणु घड़ी में आई खराबी की वजह से इसके सामरिक और रक्षा क्षेत्र में इस्तेमाल को लेकर सवालिया निशान लग रहे हैं।

यह चिंता इसलिए बढ़ गई है कि आईआरएनएसएस-1एफ (इंडियन रीजनल नैविगेशनल सैटेलाइट सिस्टम-1एफ) सैटेलाइट में लगा अंतिम संचालित परमाणु घड़ी ने भी 10 मार्च को अचानक काम करना बंद कर दिया। इसके बाद पोजिशनिंग, नैविगेशन और टाइमिंग सेवाओं के लिए सिर्फ तीन ही सैटेलाइट बच गए, जो इस काम के लिए सक्षम हैं।

परमाणु घड़ियों में खराबी से नैवआईसी में दिक्कत

एक्सपर्ट कहते हैं कि नैवआईसी (नैवआईसी) सिस्टम के प्रभावी तरीके से काम करने के लिए कम से कम ऐसे चार सैटेलाइट की जरूरत है, जिनमें परमाणु घड़ियां ठीक से काम कर रही हों। अगर यह न्यूनतम जरूरत पूरी नहीं होती है तो चाहे नागरिक उपकरण हों या फिर रक्षा क्षेत्र में इस्तेमाल किए जाने वाले उपकरण, नैवआईसी सिस्टम भरोसेमंद नहीं रह जाता। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) की एक पूर्व वैज्ञानिक अनन्या रे के मुताबिक नैवआईसी जैसे सिस्टम दो तरह के सिंग्नलों पर काम करते हैं। एक ओपन सिंग्नल होता है, जो सिविलियन इस्तेमाल के लिए होता है और दूसरा प्रतिबंधित और संवेदनशील होते हैं, जो सिंग्नल बहुत ही सटीक होते हैं और इसका इस्तेमाल सशस्त्र सेनाएं करती हैं। सैन्य कार्रवाइयों के लिए यह बहुत ही महत्वपूर्ण है, क्योंकि इससे इसकी सटीकता प्रभावित होती है।

यूएस-ईरान जंग नहीं रुकी तो बुझ जाएंगे कई घरों के चूल्हे : शशि थरूर

कोल्लम, 26 मार्च (एजेंसियां)। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध ने अब भारत की चिंताएं बढ़ा दी हैं। कांग्रेस नेता शशि थरूर ने देश को आने वाले आर्थिक झटकों के प्रति आगाह किया है। थरूर का कहना है कि यह युद्ध सिर्फ मिसाइलों और बमों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका सीधा असर भारत के आम नागरिक के जीवन स्तर पर पड़ने वाला है। शशि थरूर ने कहा कि भारत अपनी जरूरत की लगभग 60 प्रतिशत लिक्विड पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) आयात करता है।

सबसे डराने वाली बात यह है इसका 90 प्रतिशत हिस्सा कतर और खाड़ी देशों से आता है। थरूर ने कहा, आज जो युद्ध के हालात बने हैं, उससे आपकी रसोई के सिलेंडर, रेस्टोरेंट और ढाबों में गैस की भारी किल्लत शुरू हो गई है। अगर यह तनाव जल्द खत्म नहीं हुआ, तो आने वाले दिनों में एलपीजी की सप्लाई ठप हो सकती है।

हर छोटी-बड़ी चीज महंगी हो जाएगी :

थरूर ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों को नियंत्रित करने के लिए सरकार की तारीफ की है। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि यह तूफान से पहले की शांति जैसा है। उन्होंने आगाह किया कि यदि युद्ध लंबा खिंचता है, तो अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें आसमान छूने लगेंगी। इसका सीधा असर भारत के ट्रांसपोर्टेशन और रसद पर पड़ेगा। इसके बाद हर छोटी-बड़ी चीज महंगी हो जाएगी। थरूर ने दावा किया कि अमेरिकी उपराष्ट्रपति वेंस के जरिए शांति वार्ता की खबर आ रही है। लेकिन, दूसरी तरफ हकीकत कुछ और ही बयां कर रही है।

श्रीलंकाई नौसेना ने सात भारतीय मछुआरों को पकड़ा

चेन्नई, 26 मार्च (एजेंसियां)। पाक जलडमरूमध्य में श्रीलंका की नौसेना ने गुरुवार तड़के रामेश्वरम के सात मछुआरों को गिरफ्तार कर लिया। इन मछुआरों पर अवैध रूप से मछली पकड़ने का आरोप है। नौसेना ने इस कार्रवाई में मछली पकड़ने वाली दो मशीनी नावें (ट्रॉलर) भी अपने कब्जे में ले ली हैं।

मत्स्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि बुधवार (25 मार्च) को रामेश्वरम मछली लैंडिंग केंद्र से कुल 365 टोकन जारी हुए थे। गिरफ्तार मछुआरे दो नावों पर सवार थे। जब वे नेदुनथीवू द्वीप के पास काम कर रहे थे, तभी श्रीलंकाई अधिकारियों ने उन्हें रोक लिया। ये नावें सिमसन और शशिकुमार की बताई जा रही हैं। समुद्र में शुरूआती पूछताछ के बाद, नौसेना ने मछुआरों को हिरासत में ले लिया। उन्हें आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए श्रीलंका के एक नौसैनिक बंदरगाह पर ले जाया गया है।

इंजीनियर से 30 लाख ठगने वाला साइबर दलाल गिरफ्तार

ग्वालियर, 26 मार्च (एजेंसियां)। राज्य साइबर सेल ने डिजिटल अरेस्ट ठगी मामले में बिहार से एक दलाल दीपक कुमार को गिरफ्तार किया है। आरोपी लोगों को ईडी और सीबीआई की धमकी देकर बैंक खातों से पैसे ठगने वाले गिरोह के लिए म्यूल खाते उपलब्ध कराता था। यह कार्रवाई शिवपुरी लिंक रोड निवासी सॉफ्टवेयर इंजीनियर हर्षित द्विवेदी से 30 लाख रुपए की ठगी के मामले में की गई। हर्षित द्विवेदी को वीडियो कॉल कर खुद को फेडेक्स कर्मचारी बताने वाले आरोपी ने उनके नाम से ड्रग्स पार्सल आने की बात कही। बाद में कॉल को नारकोटिक्स अधिकारियों से जोड़कर उन्हें डिजिटल अरेस्ट में रखा गया। उन्हें चेतावनी दी गई कि कॉल से हटने पर पुलिस कार्रवाई होगी। शिकायत के अनुसार आरोपियों ने बैंक खातों और संपत्ति की जानकारी ली। इसके बाद 30 लाख 25 हजार 719 रुपये अलग-अलग खातों में ट्रांसफर करा लिए।

फेसबुक, इंस्टा चलाना है तो कराना होगा केवाईसी

संसदीय समिति ने कर दी सिफारिश

नई दिल्ली, 26 मार्च (एजेंसियां)।

अगर संसदीय समिति की सिफारिशें मानी गईं तो जल्दी ही सोशल मीडिया प्लेटफार्म के लिए केवाईसी अनिवार्य हो सकता है। महिलाओं और नाबालिगों की सुरक्षा के लिए यह सिफारिश की गई है। गौरतलब है कि पिछले काफी वक्त से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से नाबालिगों को दूर रखने की बात हो रही है। संसदीय समिति ने गृह मंत्रालय और आईटी मंत्रालय को यह महत्वपूर्ण सिफारिश की है।

संसदीय समिति के प्रस्ताव के मुताबिक,सोशल मीडिया, डेटिंग एप्स और गेमिंग प्लेटफॉर्म्स पर केवाईसी आधारित उपयोगकर्ता के पहचान और उम्र की जांच करने की व्यवस्था लागू करने की बात कही गई है। यह सिफारिश महिलाओं के सशक्तीकरण पर संसदीय समिति द्वारा 'साइबर अपराध और महिलाओं की साइबर सुरक्षा' विषय पर प्रस्तुत की गई रिपोर्ट का हिस्सा है।

समिति ने जोर देकर कहा है कि फर्जी प्रोफाइल और गुमनाम उत्पीड़न जैसी समस्याओं को रोकने के लिए सभी डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर अनिवार्य केवाईसी सत्यापन होना चाहिए। समिति की रिपोर्ट में सुझाव दिया गया है कि कंपनियों को नियमित अंतराल पर उपयोगकर्ताओं का पुनः सत्यापन करना चाहिए और उन खातों पर विशेष नजर रखनी चाहिए जिनकी शिकायत बार-बार की जाती है।

डेटिंग और गेमिंग एप्स के लिए भी बने नियम

इसके अलावा, डेटिंग और गेमिंग एप्स के लिए सख्त लाइसेंसिंग नियम और आयु-सत्यापन प्रोटोकॉल बनाने की मांग की गई है। ताकि महिलाओं और नाबालिगों को धोखाधड़ी या शोषण से बचाया जा सके। उल्लंघन करने वाले प्लेटफॉर्म्स पर भारी जुर्माना लगाने का भी प्रस्ताव है। पैनल ने अपनी रिपोर्ट में इस बात को साफ किया है कि कैसे फर्जी खातों के कारण साइबर स्टालकिंग, ऑनलाइन उत्पीड़न और बिना सहमति के निजी तस्वीरों का प्रसार बढ़ रहा है।

सिफारिश पर कुछ सवाल भी

रिपोर्ट के अनुसार, सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग और पहचान की चोरी की घटनाएं अब आम हो गई हैं, जिन्हें रोकने के लिए केवाईसी के साथ-साथ शिकायतों की जांच के लिए सिस्टम बनाने की जरूरत है। इन उपायों से जहां एक ओर डिजिटल प्लेटफॉर्म्स का दुरुपयोग कम होगा और पहचान सुनिश्चित करना आसान होगा, वहीं दूसरी ओर इसे लेकर निजता और डेटा सुरक्षा पर बहस छिड़ने की भी संभावना है।

पुरी जगन्नाथ मंदिर पर ड्रोन उड़ाने वाले दो बंगालियों को हिरासत में लिया

पुरी, 26 मार्च (एजेंसियां)। ओडिशा पुलिस ने पुरी के जगन्नाथ मंदिर के ऊपर ड्रोन उड़ाने के आरोप में दो व्यक्तियों को हिरासत में लिया। पुलिस के अनुसार, दोनों आरोपी हुगली जिला, पश्चिम बंगाल के रहने वाले हैं और ड्रोन मैटी मंडप साही की छत से उड़ाया गया था। पुलिस ने ड्रोन, रिमोट कंट्रोल, बैटरी और मोबाइल फोन जब्त कर फोरेंसिक जांच के लिए भेजा। मामला एयरक्राफ्ट एक्ट के तहत दर्ज किया गया।

मणिपुर में फिर तनाव

कुकी उग्रवादियों ने सेना पर की फायरिंग, आधे घंटे चली मुठभेड़

नई दिल्ली, 26 मार्च (एजेंसियां)। मणिपुर के बिष्णुपुर जिले में भारतीय सेना और उग्रवादियों के बीच बुधवार देर रात मुठभेड़ हो गई। पुलिस के अनुसार, इस मुठभेड़ के बाद सेना, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) और राज्य पुलिस द्वारा संयुक्त तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस ने बताया कि यह गोलीबारी करीब 30 मिनट तक चली। बताया गया कि रात करीब 11:40 बजे संदिग्ध सशस्त्र कुकी उग्रवादियों ने फौलजांग/गोतोल इलाके से फौगाकचाओ आवांग लेइकाई स्थित भारतीय सेना के पोस्ट पर फायरिंग शुरू कर दी। इसके जवाब में और सीआरपीएफ की 58वीं बटालियन, जो उस क्षेत्र में तैनात थी, ने तुरंत जवाबी कार्रवाई की। इसके बाद दोनों ओर से गोलीबारी हुई।

संयुक्त तलाशी अभियान शुरू

गोलीबारी की घटना के तुरंत बाद, सेना, सीआरपीएफ, पुलिस और भारतीय रिजर्व बटालियन (आईआरबी) द्वारा एक संयुक्त तलाशी अभियान शुरू किया गया। यह अभियान उस क्षेत्र में केंद्रित है, जहां गोलीबारी हुई थी और साथ ही आस-पास के पहाड़ी इलाकों में भी चलाया जा रहा है।

नागरिकों से अफवाहें न फैलाने का आग्रह

सुरक्षा बल स्थिति पर कड़ी नजर बनाए हुए हैं और आसपास के पहाड़ी इलाकों में अपने अभियान जारी रखेंगे। अधिकारियों ने नागरिकों से किसी भी तरह की अफवाहें न फैलाने का आग्रह किया है। मणिपुर पिछले कुछ समय से जातीय हिंसा से जूझ रहा है, जिसमें मैतेई और कुकी समुदायों के बीच तनाव प्रमुख है। इस तरह की घटनाएं क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने की चुनौतियों को उजागर करती हैं। सेना और सुरक्षा बल लगातार शांति और व्यवस्था बहाल करने के प्रयास कर रहे हैं।

ओडिशा में 12.33 करोड़ के साइबर फ्रॉड में बंगाल का युवक गिरफ्तार

भुवनेश्वर, 26 मार्च (एजेंसियां)। ओडिशा पुलिस ने पश्चिम बंगाल के कोलकाता निवासी राहुल जायसवाल (36) को 12.33 करोड़ रुपये के ऑनलाइन निवेश धोखाधड़ी मामले में गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार, पीड़ित ने झूठे निवेश सुझाव और फर्जी टेस्टिमोनियल देखकर ट्रिक किए गए ऐप पर पैसे निवेश किए थे। अगस्त 2025 और सितंबर 2025 के बीच 52 लेन-देन में रकम नौ अलग-अलग खातों में ट्रांसफर की गई। जांच में पता चला कि आरोपी ने 4.15 लाख रुपये अपने खाते में ट्रांसफर किए। आरोपी एमबीए ग्रेजुएट और वर्तमान में स्व-रोजगार में है। पुलिस अन्य गिरोह के सदस्यों और बचे हुए पैसों की खोज में लगी है।

ऑनलाइन ट्रेडिंग के नाम पर ठगने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का भंडाफोड़

6 जालसाज गिरफ्तार

नई दिल्ली, 26 मार्च (एजेंसियां)। डिजिटल अरेस्ट, फर्जी निवेश और ऑनलाइन ट्रेडिंग के नाम पर ठगी करने वाले अंतरराज्यीय गैंग का पर्दाफाश करते हुए, अलग अलग राज्यों से बाहरी उत्तरी जिला साइबर सेल ने छह आरोपितों को पकड़ा है। इनकी गिरफ्तारी से 10.6 करोड़ की ठगी की बात सामने आई है। पुलिस ने इनके कब्जे से 19 लाख रुपये बरामद किए हैं।

जिसमें से कुछ रकम अदालत के आदेश पर पीड़ितों को लौटा दी गई हैं। जिला पुलिस उपायुक्त हरेश्वर वी स्वामी ने बताया कि साइबर सेल की टीम चार शिकायतों की तकनीकी जांच कर रही थी। जिसके जरिए पुलिस को आरोपितों के बारे में जानकारी मिली। इस जानकारी पर निरीक्षक गोविंद सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने दिल्ली के अलावा झारखंड, उत्तराखंड राजस्थान, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में संयुक्त रूप से छापामारी कर ऑनलाइन ठगी में शामिल छह आरोपितों को पकड़ लिया।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि एक मामले में बुजुर्ग दंपती को आरोपितों ने डिजिटल अरेस्ट कर 20 लाख रुपये ठग लिए थे। आरोपितों ने खुद को ट्राई और सीबीआई अधिकारी बताकर बुजुर्ग दंपती पर एक सप्ताह तक मानसिक दबाव बनाया और उनसे 20 लाख रुपये अपने बैंक खाते में डलवा लिए। इस मामले की जांच में पता चला कि 18.5 लाख रुपये बंधन बैंक के खाते में ट्रांसफर हुए थे। बैंक खाता झारखंड के रांची निवासी शशिकांत कुमार के नाम से था। पुलिस टीम ने रांची में छापेमारी कर आरोपित को गिरफ्तार कर लिया।

फाइनेंसर ने रखी घिनौनी शर्त 35 हजार के कर्ज माफ करने के लिए की शर्मनाक बात

हलवारा, 26 मार्च (एजेंसियां)। सुधार पुलिस ने इलाके बिल्डर, होटेलियर और कोलोनायजर ब्रहमदीप सिंह सिद्धू को संगीन आपराधिक धाराओं में मुकदमा दर्ज करके गिरफ्तार कर लिया है। सिद्धू पर महिला की प्रताड़ना जैसे गंभीर आरोप हैं। आरोपी पर महिला को कर्ज के रूप में दिए 35 हजार रुपये माफ करने के बदले शारीरिक संबंध बनाने की कोशिश और हफ्ते में एक रात साथ सोने के पांच हजार रुपये देने की पेशकश का आरोप है। आरोपी ने इतनी मानसिक यातनाएं दी कि पीड़ित महिला ने अपनी पीड़ा पुलिस को सुनाते हुए थाने में ही खुदकुशी कर लेने की धमकी दे डाली।

इस पर पुलिस प्रशासन ने उच्च अधिकारियों को अवगत करवाया। आरोपी ने पीड़ित महिला के कार्यस्थल पर जाकर भी उसे प्रताड़ित किया, जिसके बाद प्राइवेट कंपनी मालिकों द्वारा उसे नौकरी से निकाल दिया गया। महिला ने किसी तरह हिम्मत करके अपने पति को आरोपी के बारे में बताया। इसके बाद उन्होंने थाना सुधार में शिकायत दर्ज करवाई।

अग्निकांड-हर्षित ने कबूला उसने लगाई थी चार्जिंग पर कार

इंदौर, 26 मार्च (एजेंसियां)। इंदौर के ब्रजेश्वरी एनएक्स में कारोबारी मनोज पुगलिया के घर हुए भीषण अग्निकांड को लेकर पुलिस जांच में बड़ा खुलासा हुआ है। तिलक नगर पुलिस द्वारा दर्ज किए गए बयानों में सामने आया है कि हादसे के वक्त इलेक्ट्रिक कार (ईवी) चार्जिंग पर लगी हुई थी। इस मामले में पहले ईवी चार्जिंग से इनकार करने वाले परिवार के बयान अब बदल गए हैं, जिससे आग लगने की वजह को लेकर स्थिति साफ होती नजर आ रही है।

पुलिस अब मृतक मनोज पुगलिया की पत्नी सहित करीब 20 अन्य लोगों के बयान दर्ज करेगी। तिलक नगर थाना पुलिस ने मृतक मनोज पुगलिया के तीनों बेटों- सौरभ, सौमिल और हर्षित के साथ हर्षित के दोस्तों ऋषभ जादौन और शिवेंद्र के बयान दर्ज किए। करीब 4 घंटे चली पूछताछ में कई अहम तथ्य सामने आए। टीआई मनीष लोधा के मुताबिक, सौरभ और हर्षित ने स्वीकार किया है कि कार चार्जिंग पर लगाई गई थी।

टीवीके सभी 234 सीटों पर लड़ेगी

विजय राज्यव्यापी अभियान चलाएंगे; चुनाव में कैसी है तैयारी ?

चेन्नई, 26 मार्च (एजेंसियां)। तमिलनाडु में 23 अप्रैल को विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। इसमें अब एक महीने से भी कम समय बचा है। ऐसे में राज्य भर में राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। पार्टियां चुनाव प्रचार रणनीतियों और उम्मीदवारों के जनसंपर्क कार्यक्रमों को गति दे रही हैं। अभिनेता से राजनेता बने विजय ने घोषणा की है कि उनकी पार्टी, तमिलगा वेट्री कजगम (टीवीके), सभी 234 विधानसभा सीटों पर स्वतंत्र रूप से चुनाव लड़ेगी। यह एक आक्रामक चुनावी शुरुआत का संकेत है।

शुक्रवार को क्या कार्यक्रम हैं?

इस कदम से पार्टी की स्थिति एक ऐसे राजनीतिक परिदृश्य में एक महत्वपूर्ण नए प्रवेशकर्ता के रूप में स्थापित हो गई है। जिस पर लंबे समय से स्थापित द्रविड़ियन प्रमुख दलों का वर्चस्व रहा है। अपने चुनाव प्रचार अभियान के तहत पार्टी 27 मार्च को मामल्लापुरम में एक हाई-प्रोफाइल सार्वजनिक सभा में अपने उम्मीदवारों को पेश करने वाली है। पार्टी सूत्रों ने बताया कि विजय स्वयं मंच पर उम्मीदवारों को पेश करेंगे और पार्टी के दृष्टिकोण और चुनावी रोडमैप की रूपरेखा पेश करेंगे। यह टीवीके की तैयारियों में एक महत्वपूर्ण क्षण है। पार्टी के अंदरूनी सूत्रों के अनुसार, विजय के चेन्नई के पेरम्बूर निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने की संभावना है, हालांकि आधिकारिक पुष्टि की प्रतीक्षा है।

अभिनेता विजय

3,000 लोगों तक की सभाओं के लिए अनुमति दी

उनकी संभावित उम्मीदवारी ने काफी रुचि पैदा की है। विशेष रूप से पहली बार मतदान करने वाले मतदाताओं और युवाओं के बीच, जो उनके समर्थन आधार का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। पार्टी 28 मार्च को अपने चुनाव प्रचार की पूरी तैयारी कर रही है। विजय चेन्नई के प्रमुख निर्वाचन क्षेत्रों, जिनमें पेरम्बूर, कोलाथुर, विल्लीवाक्कम, अन्ना नगर और विरुगंबक्कम शामिल हैं, । विजय इसमें कई जनसभाओं को संबोधित करने वाले हैं। खबरों के मुताबिक, हर जगहों पर 3,000 लोगों तक की सभाओं के लिए अनुमति दे दी गई है। हालांकि, सूत्रों के अनुसार, चुनाव आयोग ने नियामक बाधाओं के कारण 12 अतिरिक्त निर्वाचन क्षेत्रों में प्रचार कार्यक्रम आयोजित करने के अनुरोधों को अस्वीकार कर दिया है। गौरतलब है कि ये प्रतिबंध 27 सितंबर, 2025 को विजय के एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान करूर में हुई दुखद भगदड़ की पृष्ठभूमि में लगाए गए हैं, जिसमें 41 लोगों की मौत हो गई थी। इस घटना के बाद, तमिलनाडु पुलिस ने अभिनेता-राजनेता से जुड़े सार्वजनिक कार्यक्रमों और भीड़ प्रबंधन पर सख्त दिशानिर्देश लागू किए ताकि ऐसी घटनाओं को रोका जा सके। जैसे-जैसे मतदान का दिन नजदीक आ रहा है। विजय और उनकी पार्टी के प्रवेश से चुनावी मुकाबले में एक नया आयाम जुड़ने की उम्मीद है, जबकि स्थापित गठबंधन पूरे राज्य में अपनी स्थिति मजबूत करना जारी रखे हुए हैं।

बठिंडा नगर निगम को नई कमिश्नर मिली; लवजीत क्लसी संभालेंगी जिम्मेदारी

बठिंडा, 26 मार्च (एजेंसियां)। बठिंडा नगर निगम को नई कमिश्नर मिल गई हैं। पंजाब सरकार ने पीसीए अधिकारी लवजीत क्लसी को नगर निगम का नया कमिश्नर नियुक्त किया है। वह शुक्रवार यानी आज या फिर सोमवार को अपना कार्यभार संभाल सकती हैं। उनकी नियुक्ति को प्रशासनिक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि उन्हें शहर के कामकाज का पहले से अच्छा अनुभव है। लवजीत क्लसी इससे पहले बठिंडा में अतिरिक्त उपायुक्त ग्रामीण और बीडीए में सहायक प्रशासक के रूप में अपनी सेवाएं दे चुकी हैं। इस कारण उन्हें स्थानीय स्तर की प्रशासनिक व्यवस्था, विकास कार्यों और लोगों की समस्याओं की अच्छी समझ है।

अधिकारियों का मानना है कि उनके अनुभव का सीधा लाभ नगर निगम के कामकाज को मिलेगा और लंबे समय से लंबित पड़े कार्यों में तेजी आएगी। सरकार ने मौजूदा व्यवस्था में बदलाव करते हुए कंचन से नगर निगम कमिश्नर का अतिरिक्त प्रभार वापस ले लिया है।

दिल्ली के मयूर विहार में भाभी का गला रेता, हालत गंभीर; देवर ने थाने पहुंचकर किया सरेंडर

नई दिल्ली, 26 मार्च (एजेंसियां)। मयूर विहार इलाके में रिश्तों को शर्मसार करने वाली वारदात सामने आई है। यहां देवर ने भाभी का गला रेत दिया और इसके बाद थाने पहुंचकर सरेंडर कर दिया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और गंभीर हालत में घायल महिला को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से डॉक्टरों ने उन्हें हालत नाजुक देखते हुए जीटीबी अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। पीड़िता की पहचान अफसाना के रूप में हुई है, जबकि आरोपित देवर का नाम असलम बताया जा रहा है।

घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने क्राइम टीम और फोरेंसिक टीम को बुलाकर साक्ष्य जुटाए और घटनास्थल की बारीकी से जांच की। पुलिस के अनुसार, आरोपित असलम वारदात के बाद सीधे थाने पहुंचा और खुद को पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने उसके खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और उससे पूछताछ की जा रही है।

शिवसेना यूबीटी में फूट

संजय राउत पर उद्धव ठाकरे के सामने भड़कीं प्रियंका चतुर्वेदी, कहा- आई वॉन्ट टू

मुंबई, 26 मार्च (एजेंसियां)।

शिवसेना (उद्धव बाला साहेब ठाकरे यूबीटी) की हालिया बैठक में अंदरूनी मतभेद खुलकर सामने आए हैं। राज्यसभा चुनाव के दौरान पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने सांसदों को संबोधित करते हुए एकजुटता का संदेश दिया था, लेकिन बैठक के दौरान कई मुद्दों पर असहमति भी दिखी। यह जानकारी चुनाव के करीब 10 दिन बाद सामने आई है।

सूत्रों ने दावा किया है कि बैठक की शुरुआत करते हुए उद्धव ठाकरे ने सांसदों से साफ कहा कि विपक्षी दल लगातार यह कह रहे हैं कि उनके सांसद टूट सकते हैं, लेकिन उन्हें अपने लोगों पर पूरा भरोसा है। सूत्रों के मुताबिक उन्होंने कहा था कि वह पूरी राजनीतिक लड़ाई अपने सांसदों के भरोसे ही लड़ रहे हैं। उनके इस बयान का मकसद साफ तौर पर पार्टी में एकता बनाए रखना था।

राज्यसभा सीट पर कांग्रेस का दबाव

सूत्रों का दावा है कि बैठक के बीच ही राज्यसभा चुनाव 2026 को लेकर कांग्रेस की ओर से दबाव भी सामने आया। मल्लिकार्जुन खरगे, केसी वेणुगोपाल और रमेश चेन्निथला ने उद्धव ठाकरे से संपर्क कर सीट कांग्रेस को देने की मांग की। इस पर उद्धव ठाकरे ने साफ कहा कि कांग्रेस को इस विषय पर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी से बात करनी चाहिए। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि हमारे कंधे पर बंदूक रखकर राजनीति करने से कुछ हासिल नहीं होगा।

सांसद प्रियंका चतुर्वेदी

बैठक के बाद भी उठे सवाल

दावा है कि बैठक खत्म होने के बाद भी असंतोष खत्म नहीं हुआ। एक सांसद ने सवाल उठाया कि प्रियंका चतुर्वेदी को छह साल मौका देने के बाद भी क्या हासिल हुआ? वहीं मराठवाड़ा के एक सांसद ने आदित्य ठाकरे की सक्रियता पर सवाल खड़े किए। उनका कहना था कि आदित्य को पूरे महाराष्ट्र में ज्यादा सक्रिय होकर दौरे करने चाहिए। सूत्रों के मुताबिक, बैठक में मौजूद आदित्य ठाकरे ने ज्यादा बातचीत नहीं की और कुछ नाराज़ नजर आए। उनकी चुप्पी ने भी पार्टी के अंदर चल रही खींचतान को और हवा दे दी। यह बैठक जहां एक तरफ एकजुटता का संदेश देने के लिए बुलाई गई थी, वहीं दूसरी तरफ इसने पार्टी के अंदर मौजूद मतभेदों को भी उजागर कर दिया।

प्रियंका चतुर्वेदी का विरोध, संजय राउत पर सवाल

दावा है कि बैठक के दौरान माहौल उस समय गरमा गया जब निवर्तमान राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी अचानक नाराज हो गईं। उन्होंने आपत्ति जताते हुए कहा कि वह विरोध दर्ज कराना चाहती हैं और सवाल उठाया कि संजय राउत ने शरद पवार का नाम क्यों लिया। मैं विरोध करना चाहती हूं। संजय राउत शरद पवार के बारे में बयान क्यों दे रहे थे? इस पर उद्धव ठाकरे ने तुरंत संजय राउत का बचाव किया और कहा कि अंतिम फैसला पार्टी प्रमुख के तौर पर वही लेंगे।

ओडिशा के सुंदरगढ़ में पुलिस कार्यक्रम का नाश्ता बना मुसीबत

57 स्टूडेंट्स बीमार; 19 की हालत नाजुक

राउरकेला, 26 मार्च (एजेंसियां)। सुंदरगढ़ जिले के सदर ब्लॉक अंतर्गत सालंगबुडा पंचायत हाई स्कूल में आम पुलिस जागरूकता कार्यक्रम के दौरान वितरित किया गया नाश्ता छात्रों के लिए मुसीबत बन गया। कार्यक्रम में सिंघाड़ा और बड़ा खाने के बाद लगभग 25 छात्रों की तबीयत अचानक बिगड़ गई, जिससे पूरे क्षेत्र में हड़कंप मच गया है। प्रारंभिक तौर पर इसे फूड पॉइजनिंग का मामला माना जा रहा है, हालांकि प्रशासन अभी इसकी पुष्टि करने में जुटा है।

जानकारी के अनुसार, धरुआडिही पुलिस द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में कक्षा 9वीं और 10वीं के छात्र शामिल हुए थे। नाश्ता करने के कुछ घंटों बाद, रात के समय कई छात्रों को दस्त और उल्टी की शिकायत होने लगी। स्थिति तब गंभीर हो गई जब 19 छात्राओं के स्वास्थ्य में तेजी से गिरावट आई। आनन-फानन में इन छात्राओं को माझापाड़ा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और सुंदरगढ़ सरकारी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में भर्ती कराया गया। कुल मिलाकर 19 छात्राओं और 38 लड़कों ने अस्वस्थ होने की शिकायत की थी, जिनमें से छात्राओं की स्थिति नाजुक बताई जा रही है।

इस घटना ने जांच के घेरे में दो पहलुओं को ला खड़ा किया है। जहां एक ओर पुलिस कार्यक्रम में बांटे गए नाश्ते पर सवाल उठ रहे हैं, वहीं यह भी पता चला है कि छात्रों ने उसी रात हॉस्टल में बना खाना भी खाया था। स्वास्थ्य विभाग और स्थानीय प्रशासन अब इस बात की जांच कर रहे हैं कि संक्रमण का असली स्रोत क्या था। फिलहाल, अधिकांश छात्र उपचार के बाद रिकवर कर रहे हैं, लेकिन अस्पताल में भर्ती छात्राओं पर डॉक्टरों की विशेष टीम नजर रख रही है। अधिकारियों ने मामले की तह तक जाने के लिए विस्तृत जांच के आदेश दिए हैं।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH
स्वतंत्र वार्ता
शुक्रवार, 27 मार्च, 2026 3

सुविचार: सन्दरता व गुणों की ओर हर व्यक्ति आकर्षित होता है किन्तु कुरूप व अयोग्य की सहायता करना एक दुर्लभ गुण है

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने एमएमटीएस सेवाओं में सुधार का दिया निर्देश

> कार्यालय समय के दौरान ट्रेनों की संख्या बढ़ाई जाए

हैदराबाद, 26 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने हैदराबाद के मुख्य शहरी क्षेत्रों में यात्रियों की आवश्यकताओं के अनुसार एमएमटीएस सेवाओं के संचालन पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि यात्रियों की संख्या में कमी और असुविधाओं को देखते हुए सेवाओं में सुधार करना अत्यंत आवश्यक है। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि कार्यालय समय के दौरान ट्रेनों की संख्या बढ़ाई जाए और समय का कड़ाई से पालन करते हुए सेवाएं नियमित रूप से चलाई जाएं। उन्होंने यह भी कहा कि कई स्टेशनों तक बस सेवा नहीं पहुंच पाने के कारण यात्रियों को कठिनाई होती है, इसलिए स्टेशनों तक पहुंच आसान बनाने के लिए छोटे बसों के संचालन पर विचार किया जाए। उन्होंने एमएमटीएस स्टेशनों पर यात्रियों के लिए सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि बेहतर सुविधाओं के साथ ही लोग एमएमटीएस सेवाओं की ओर आकर्षित होंगे।

अधिकारियों को आय के स्वावलंबी स्रोत बढ़ाने और अंतिम चरण की संपर्क सुविधा सुधारने के लिए भी कदम उठाने को कहा गया। इसके साथ ही यात्रियों की संख्या बढ़ाने और सुविधाओं के विस्तार की संभावनाओं पर अध्ययन कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा गया। इस समीक्षा बैठक में राज्य के परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर, मुख्य सचिव के. रामकृष्ण राव और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

अग्रवाल समाज तेलंगाना द्वारा कमिटियों के चेयरमैन का सम्मान समारोह आयोजित

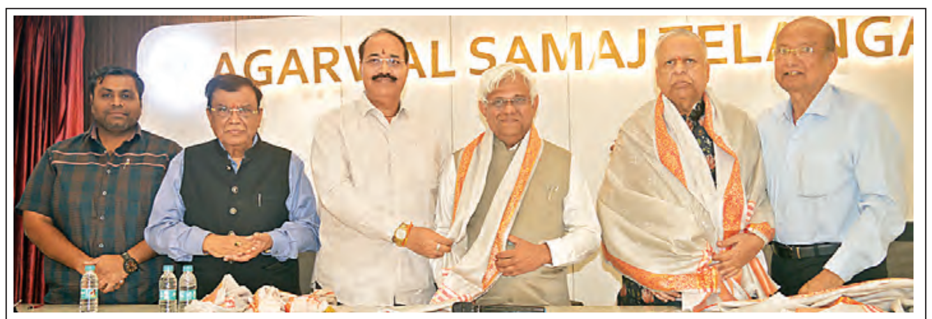

हैदराबाद, 26 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज तेलंगाना द्वारा समाज में नवगठित 65 कमिटियों के चेयरमैन का सम्मान समारोह राघव रत्ना टावर में आयोजित किया गया। एक प्रेस विज्ञप्ति द्वारा समाज की मीडिया एवं प्रेस कमिटी के चेयरमैन मुकुंद लाल अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि सर्व प्रथम महाराजा अग्रसेन की पूजा-अर्चना के पश्चात कार्यक्रम आरंभ हुआ। मंच पर समाज के अध्यक्ष अनिरुद्ध गुप्ता, कार्यवाहक अध्यक्ष नरेंद्र कुमार गोयल, पूर्व अध्यक्ष आर.एन. गुप्ता, उपस्थित थे।

अध्यक्ष जी ने अपने संबोधन में सबका साथ समाज का विकास की बात कही तथा कार्यवाहक अध्यक्ष नरेंद्र कुमार गोयल ने उपस्थित सभी चेयरमैन से आग्रह किया कि अपनी अपनी कमिटियों की रूप रेखा बनाकर समाज की उन्नति में अपना महत्वपूर्ण योगदान प्रदान करें। उन्होंने आगे कहा कि निकट भविष्य में हमारा उद्देश्य समाज के जरूरतमंद अग्रबंधुओं तक पहुंच कर सभी को समाज की सदस्यता दिलवा कर उनकी सेवा हेतु मुख्य योजनाओं का आयोजन करना है। अभी सभी के रसोई घरों में गैस की समस्या है उसके निजात हेतु इंडक्शन इलेक्ट्रिक के करीब 100 चूल्हे प्रदान करना सबसे प्रमुख है उसके पश्चात गर्मी के मौसम को ध्यान में रखते हुए शहर के विभिन्न स्थानों में वाटर कूलर लगाना है महिलाओं में सिलाई मशीन का वितरण करना है।

समाज द्वारा वितरित प्रिविलेज कार्ड का उपयोग करना जिसके कारण विभिन्न डायग्नोस्टिक सेंटर, हॉस्पिटल, मेडिकल स्टोर, होटल आदि स्थानों पर विशेष छूट प्राप्त कर सकें। धार्मिक यात्रा हेतु जगन्नाथ पुरी तीर्थ में करीब 500 अग्रबंधुओं को यात्रा में ले जाना तै कर रहे हैं। कार्यक्रम में गोपाल मोर, आर.एन, गुप्ता, सुरेश कुमार अग्रवाल दिल्लीवाले, मुकुंद लाल अग्रवाल ने अपने विचार रखे। कार्यक्रम में जिला समन्वय कर्ताओं में पूर्व जोन से महेंद्र अग्रवाल, पश्चिम जोन से मुकुंद लाल अग्रवाल, उत्तर जोन से सुनील चोखनी, दक्षिण जोन से श्रीमति अलका मिंडा, सेंट्रल जोन से अजय तुलसीयान तथा सभी जोन के मुखिया सुरेश कुमार टंडन का शाल द्वारा सम्मान किया गया। विभिन्न कमिटियों के चेयरमैन में अजय अग्रवाल, अजय दोचानिया, आकृति गोयल, आनंद नरेड़ी, अरुण डाकोतिया, सी.ए. मधुसूदन अग्रवाल, सी.ए. राजगोपाल, दीपक अग्रवाल, दीपक गुप्ता, दीपक सरायवाला, दिनेश केडिया, डॉ. अजय अग्रवाल, डॉ. सीमा जैन, गोपाल अग्रवाल, गोपाल मोर, हरीश गुप्ता, जनार्दन सुरेखा, जितेंद्र अग्रवाल, कमल अग्रवाल, किरन तायल, कृष्ण कुमार अग्रवाल, एम. नरेश कुमार, महावीर प्रसाद अग्रवाल, महेंद्र अग्रवाल, माया देवी अग्रवाल, मायाराम अग्रवाल, मीना केडिया, मुकेश अग्रवाल, मुकेश केडिया, मुकुंद लाल अग्रवाल, मुन्ना लाल अग्रवाल, नरेन्द्र कुमार गोयल, नवल किशोर बंसल, पंकज सांघी, पायल सराफ, प्रमोद कुमार सरायवाला, प्रमोद मोर, प्रशांत देव गुप्ता, प्रवीण अग्रवाल, प्रीति अग्रवाल, रचिता अग्रवाल, राज कुमार अग्रवाल, राम गोपाल अग्रवाल, रमाकांत गोयल, रमेश अग्रवाल, रामनिवास बंसल, रामप्रकाश अग्रवाल, रिंकू गर्ग, रितेश जगनानी, रितेश जैन, संजय गुप्ता, सतीश सरायवाला, शेष कुमार गोयल, सौरभ अग्रवाल, सुनील कुमार अग्रवाल, सुरेश कुमार अग्रवाल दिल्लीवाले, सुरेश बसल, सुरेश कुमार सिंघल, उदय गुप्ता का सम्मान शाल उढ़ाकर किया गया। अंजनी कुमार अग्रवाल, डी.पी. अग्रवाल, अजय अग्रवाल, भी वर्तमान कमिटियों के चेयरमैन हैं।

विशेष आमंत्रित सदस्यों में विनय जैन, दिनेश कुमार मोदी, रमन अग्रवाल, हरीगोविंद प्रसाद, डॉ. दिलीप पंसारी, दिनेश शहरपुरिया, हितेश अग्रवाल, डॉ. अशोक केडिया, अरुण अग्रवाल, गोविंद नारायण मोदी, अरुण अग्रवाल, अशोक चोखानी, शशिकांत गोयल आदि उपस्थित थे। अखिल भारतीय वैश्य सम्मेलन के गोपाल मोर एवं सुरेश कुमार अग्रवाल दिल्लीवाले द्वारा अध्यक्ष अनिरुद्ध गुप्ता एवं कार्यवाहक अध्यक्ष नरेंद्र कुमार गोयल का शॉल द्वारा सम्मान किया। कार्यक्रम का संचालन प्रतीक नरसरिया ने किया एवं उनके धन्यवाद ज्ञापन के साथ सभा का समापन हुआ।

शिक्षा ही परिवार की प्रगति की कुंजी : कोमटिरेड्डी

> मंत्री ने कल्याण लक्ष्मी चेक भी वितरित किए

हैदराबाद, 26 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। सड़क एवं भवन और फिल्ममेकिंग मंत्री कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने गुरुवार को कहा कि केवल शिक्षा ही परिवारों को बदल सकती है। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि हर बच्चा बिना किसी रुकावट के अपनी शिक्षा जारी रखे। मंत्री ने कंगल मंडल में एक सरकारी जूनियर कॉलेज के आधारशिला समारोह में भाग लिया, जिसका निर्माण कार्य 6 करोड़ रुपये की लागत से किया जाएगा। इसके बाद उन्होंने कल्याण लक्ष्मी चेक भी वितरित किए। सभा को संबोधित करते हुए कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने कहा कि राज्य सरकार शिक्षा को प्राथमिकता दे रही है और हर निर्वाचन क्षेत्र में यंग इंडिया इंटीग्रेटेड रेसिडेंशियल स्कूल आधुनिक सुविधाओं के साथ स्थापित किए जा रहे हैं। उन्होंने एक महत्वपूर्ण कल्याणकारी योजना की घोषणा करते हुए कहा कि आने वाले शैक्षणिक वर्ष से इंटरमीडिएट छात्रों को मिड-डे मील के साथ नाश्ता भी उपलब्ध कराया जाएगा। प्रस्तावित जूनियर कॉलेज ग्रामीण छात्रों के लिए अत्यंत लाभकारी होगा। नलगोंडा में चल रही पहलों को उजागर करते हुए मंत्री ने बताया कि सरकारी मेडिकल कॉलेज 150 करोड़ रुपये की लागत से पूरा हो चुका है, जबकि एक नर्सिंग कॉलेज दिसंबर तक तैयार होगा। कौशल विकास को मजबूत करने के लिए 20 करोड़ रुपये का एनएसी भवन और 80 करोड़ रुपये का एटीसी केंद्र स्थापित किया जा रहा है, साथ ही लगभग 2,500 महिलाओं को सिटविन कार्यक्रमों के तहत प्रशिक्षण दिया जा रहा है। मंत्री ने निजी योगदान भी याद दिलाया और कहा कि उन्होंने अपनी संसाधनों से भी शैक्षणिक संस्थाएं स्थापित की हैं, जिसमें एक जूनियर कॉलेज और एक सरकारी स्कूल का कॉर्पोरेट ढांचे में विकास शामिल है।

कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने जिले के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताते हुए कहा कि नलगोंडा के लोगों ने मुझे वही बनाया जो मैं आज हूं। मैं हमेशा किसी भी परिस्थिति में उनकी सेवा के लिए उपलब्ध रहूंगा। उन्होंने यह भी कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के सहयोग से नलगोंडा को राज्य का नंबर एक जिला बनाया जाएगा।

राज्यपाल ने श्री राम नवमी पर लोगों को शुभकामनाएं दीं

हैदराबाद, 26 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने श्री राम नवमी के पावन अवसर पर तेलंगाना के लोगों को हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। गुरुवार को जारी बयान में राज्यपाल ने कहा कि श्री राम नवमी पूरे देश में गहरी भक्ति के साथ मनाई जाती है।

यह पवित्र पर्व भगवान श्री राम के जन्म नक्षत्र 'पुनर्वसु' पर आता है, जो धर्म और आदर्श गुणों के प्रतीक माने जाते हैं। उन्होंने कहा कि इस अवसर पर श्री राम और माता सीता के कल्याण महोत्सव का आयोजन किया जाता है, जो दैवीय प्रेम और सामंजस्य का प्रतीक है। राज्यपाल ने कहा, श्री राम नवमी के इस अवसर पर हमें भगवान राम के आदर्श जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए और धर्म के सिद्धांतों को अपनाकर एक पूर्ण जीवन व्यतीत करना चाहिए।

अतिक्रमण पर हाईड्रा की कार्रवाई

संगारेड्डी, 26 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद आपदा प्रतिक्रिया और संपत्ति संरक्षण एजेंसी (हाईड्रा) के अधिकारियों ने गुरुवार को पटनचेरु मंडल के घनपुर गांव में एक परियोजना क्षेत्र में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की। जानकारी के अनुसार, भूखंड मालिकों ने शिकायत दिवस के दौरान हाईड्रा आयुक्त ए.वी. रंगनाथ से मुलाकात कर अवैध कब्जों की शिकायत की थी। शिकायत मिलने के बाद आयुक्त ने बुधवार को स्वयं मौके का दौरा किया और राजस्व सहित अन्य विभागों के अधिकारियों से चर्चा कर मामले को सही पाया।

महिला कल्याण संगठन अध्यक्ष का विजयवाड़ा डिवीजन दौरा

नवीनीकृत स्कूल और कल्याण सुविधाओं का किया उद्घाटन

विजयवाड़ा, 26 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे महिला कल्याण संगठन (एससीआर डब्लूडब्लूओ) ने विजयवाड़ा डिविजन के दौरे के दौरान कल्याण गतिविधियों के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण दिन मनाया। संगठन की अध्यक्ष वंदना श्रीवास्तव ने इस अवसर पर प्रमुख कार्यक्रमों का उद्घाटन किया।

इस दौरे का मुख्य आकर्षण जैक एंड जिल (ई.एम.) स्कूल, विजयवाड़ा के नवीनीकृत भवन का उद्घाटन था। इस अवसर पर वर्शा सोनाकिया, अध्यक्ष एससीआरड ब्लूडब्लूओ/ विजयवाड़ा डिविजन, कोंडा वीणा चंदना, उपाध्यक्ष एससीआरडब्लूडब्लूओ/बीजेडए श्रीमती निहारिका मानेरी, सचिव, एससीआरडब्लूडब्लूओ/बीजेडए आर. पवित्रा, स्कूल की सचिव तथा वी. सिंधुरा लक्ष्मी, कोषाध्यक्ष एससीआरडब्लूडब्लूओ/बीजेडए आदि उपस्थित रहे। स्कूल का नवीनीकरण एससीआरडब्लूडब्लूओ की शिक्षा क्षेत्र में प्रतिबद्धता और बच्चों के लिए सुरक्षित, सहायक एवं प्रेरक वातावरण सुनिश्चित करने की दिशा में प्रयासों को दर्शाता है। इसी पहल के तहत वंदना श्रीवास्तव ने स्वच्छता और सुरक्षित शौचालय इकाई का उद्घाटन भी किया, जिससे विद्यार्थियों में स्वच्छता और गरिमा को बढ़ावा मिलेगा। इसके अतिरिक्त, एससीआरडब्लूडब्लूओ ने विजयवाड़ा डिविजन के विभिन्न कार्यालयों में 14 और सुरक्षित शौचालय इकाइयां दान की। उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए वंदना श्रीवास्तव ने कहा, 'एससीआरडब्लूडब्लूओ शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में समग्र कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। जैक एंड जिल स्कूल में नवीनीकृत सुविधाएं बच्चों के समग्र विकास और सकारात्मक शिक्षण वातावरण को सशक्त बनाएंगी। वर्शा सोनाकिया, अध्यक्ष एससीआरडब्लूडब्लूओ विजयवाड़ा डिवीजन ने कहा, यह विजयवाड़ा डिविजन के लिए गर्व का अवसर है। नवीनीकृत स्कूल और आधुनिक स्वच्छता सुविधाएं विद्यार्थियों और समुदाय पर दीर्घकालिक सकारात्मक प्रभाव डालेंगी। कल्याण दौरे के दौरान एससीआरडब्लूडब्लूओ अध्यक्ष ने आशा किरण और ई-वर्ल्ड जैसी संस्थाओं का भी दौरा किया, जहां उन्होंने लाभार्थियों से संवाद किया और संगठन द्वारा चल रही कल्याण गतिविधियों की समीक्षा की।

पेट्रोल-डीजल की अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी : स्नेहा मेहरा

हैदराबाद, 26 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। विकाराबाद जिले की पुलिस अधीक्षक सुश्री स्नेहा मेहरा ने स्पष्ट किया है कि जिले में पेट्रोल और डीजल की कोई कमी नहीं है और इस संबंध में फैलाई जा रही अफवाहें पूरी तरह झूठी हैं। उन्होंने जनता से अपील की है कि वे घबराएं नहीं। स्नेहा मेहरा ने कहा कि सोशल मीडिया पर फैल रही झूठी खबरों के आधार पर पेट्रोल पंपों पर बड़ी संख्या में इकट्ठा होना और लंबी कतारें लगाना न केवल अनावश्यक यातायात समस्याएं पैदा कर सकता है, बल्कि कानून और व्यवस्था को भी प्रभावित कर सकता है। जिला एसपी ने चेताया कि पेट्रोल या डीजल की कमी से संबंधित झूठी जानकारी फैलाने वालों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने लोगों से कहा कि वे अपनी जरूरत के अनुसार ही ईंधन खरीदें और नियमों का उल्लंघन करके ईंधन जमा न करें। जो लोग गैरकानूनी रूप से ईंधन जमा करेंगे, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। जिला प्रशासन स्थिति की लगातार निगरानी कर रहा है और सभी नागरिकों से शांति बनाए रखने और पुलिस विभाग के सहयोग की अपील की है।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

VEENA SHURPALI, legally wedded wife of LT COL ARVIND RAMCHANDRA SHURPALI (RETD) R/O: H.NO.E-174, AWHO VED VIHAR, SUBHASH NAGAR, TIRUMALAGIRI, HYDERABAD , TELANGANA-500015 have changed my name from VEENA SHURPALI to VEENA ARVIND SHURPALI vide affidavit dt.09/05/1994

LOST OF PASSPORT

I, Mekala Ramesh S/o. Mastan Rao Mekala, R/o. F.No.501, Surya Residency Mahesh Nagar, Kapra Ecil, Hyd, T.S. While Cleaning & Renovation My House I Loss My Indian Original Passport Bearing No k4783284 If Found Cont:- 9951585025

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

बिहार कांग्रेस के बागियों पर गिरेगी गाज

नोटिस के जवाब में विधायकों ने आलाकमान को ही घेरा

पटना, 26 मार्च (एजेंसियां)। बिहार की सियासत में राज्यसभा चुनाव के नतीजों ने जो हलचल पैदा की थी, वह अब कांग्रेस के भीतर एक बड़े 'तूफान' में बदल गई है। अनुशासनात्मक कार्रवाई के डर से झुकने के बजाय, बागी विधायकों ने कांग्रेस आलाकमान को भेजे अपने जवाब में बेहद तल्ख तेवर दिखाए हैं। पार्टी नेतृत्व द्वारा जारी 'कारण बताओ नोटिस' का जवाब देते हुए इन बागियों ने खुद को निर्दोष बताते हुए प्रदेश नेतृत्व की रणनीति को ही कटघरे में खड़ा कर दिया है।

कांग्रेस ने मनोहर प्रसाद सिंह, सुरेंद्र प्रसाद और मनोज विश्वास को कारण बताओ नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा था। लेकिन जवाब में इन विधायकों ने अपनी गलती स्वीकार करने के बजाय प्रदेश नेतृत्व को ही जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने चुनाव के दौरान रणनीतिक चूक और समन्वय की कमी का आरोप लगाया है।

राज्यसभा चुनाव में कैसे बिगड़ा खेल

राज्यसभा चुनाव में पार्टी लाइन से हटकर कदम उठाने वाले विधायक मनोहर प्रसाद सिंह (मणिकारी), सुरेंद्र प्रसाद (वाल्मीकिनगर) और मनोज विश्वास (फारबिसगंज) को कांग्रेस ने दो दिनों के भीतर स्पष्टीकरण देने को कहा था। इन विधायकों ने अपने जवाब में माफी मांगने के बजाय सीधा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया है कि चुनाव के दौरान पार्टी के पास न तो कोई ठोस रणनीति थी और न ही विधायकों के बीच तालमेल बिठाने की कोई गंभीर कोशिश की गई।

राहुल गांधी और मल्लिका अर्जुन खड़गे

अब हाईकमान के फैसले पर नजर

कांग्रेस हाईकमान के पास अब विधायकों के जवाब पहुंच चुके हैं। ऐसे में सबकी नजर इस बात पर टिकी है कि पार्टी क्या कड़ा कदम उठाएगी या फिर कोई नरम रास्ता अपनाया जाएगा। यदि कार्रवाई होती है तो इसका असर आगामी चुनावी रणनीति पर भी पड़ सकता है।

एनडीए की जीत ने बदले सियासी समीकरण

चुनाव के नतीजों ने बिहार के कई बड़े चेहरों को दिल्ली की राजनीति का रास्ता दिखा दिया है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार (जदयू) अब राज्यसभा के जरिए एक नई भूमिका में नजर आएंगे। उनके साथ ही भाजपा के दिग्गज नेता नितिन नबीन और प्रदेश महासचिव शिवेश कुमार ने भी जीत दर्ज की है। जदयू के रामनाथ ठाकुर और आरएलएम के प्रमुख उपेंद्र कुशवाहा ने भी अपनी सीट पक्की कर ली है। इस क्लीन स्वीप ने जहां एनडीए के मनोबल को सातवें आसमान पर पहुंचा दिया है।

सीएम योगी ने सुनी समस्याएं

बोले-जनता की हर समस्या का त्वरित समाधान करें अधिकारी

गोरखपुर, 26 मार्च (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर प्रवास के दौरान गुरुवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनता की हर समस्या का त्वरित समाधान कराएं। समस्या से जुड़ी शिकायत को संवेदनशीलता से लेकर संतुष्टिप्रद निस्तारण सुनिश्चित कराने में कोई कोताही नहीं होनी चाहिए। जनता दर्शन में पहुंचे लोगों को मुख्यमंत्री ने आश्वस्त करते हुए कहा, चिंता मत करिए। सरकार आपकी हर समस्या पर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित कराएगी।

गुरुवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन के दौरान सीएम योगी करीब 200 लोगों से मिले। महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर लगी कुर्सियों पर बैठाए गए लोगो तक मुख्यमंत्री खुद पहुंचे और एक-एक कर उनकी समस्याओं को सुना। पास में खड़े अधिकारियों को समस्या समाधान हेतु आवश्यक दिशानिर्देश दिए। अलग-अलग मामलों से जुड़े समस्याओं के निस्तारण के लिए उन्होंने संबंधित प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों को प्रार्थना पत्र संदर्भित कर निर्देशित किया कि सभी समस्याओं का निस्तारण समयबद्ध, निष्पक्ष और संतुष्टिपरक होना चाहिए।

आठ वर्षीय बच्ची की हत्या आटे के ड्रम में छिपाई लाश

आगरा, 26 मार्च (एजेंसियां)। बालिका की हत्या का आरोप किरायेदार सुनील पर ही है। उसके कमरे में शव पड़ा मिला है। वह घटना के बाद से भाग गया है। पुलिस उसकी तलाश में लगी है। परिजन ने बताया कि सुनील पर कभी शक नहीं था कि वो ऐसा कर देगा। बच्ची के चाचा पवन ने बताया कि उनका घर तीन मंजिला है भूतल पर सात भाइयों का परिवार रहता है। दूसरी मंजिल पर जूता कारखाना है।

घर में ही एक कमरे में सुनील अपनी मां के साथ रह रहा था। वह भी मोहल्ले का ही रहने वाला है। कोरोना में कर्ज होने पर उनका मकान बिक गया था। इस कारण वह किराए पर रहने लगा। उसका बड़ा भाई दूसरे मकान में रहता है। सुनील की गलत आदतों की वजह से पत्नी छोड़ कर चली गई थी। अब वह अकेला ही रह रहा था। मां कभी-कभी उसके पास आ जाती थीं। मंगलवार शाम को वह नजर आया था। मगर सुबह वह सामने नहीं आया।

'सीएम पद न छोड़ें, बिहार को आपकी आवश्यकता है'

पढ़ते ही मुस्कुराए नीतीश कुमार, गार्ड से कहकर मंगवाया पोस्टर

पटना, 26 मार्च (एजेंसियां)। बिहार के आरा जिले में जनसंवाद कार्यक्रम के दौरान एक ऐसा भावुक दृश्य सामने आया, जिसने सोशल मीडिया पर तेजी से जगह बना ली। यह पल सिर्फ एक तस्वीर नहीं, बल्कि जनता और नेता के बीच जुड़ाव की एक कहानी बन गई। दरअसल, भीड़ में एक युवक "कृपया सीएम पद न छोड़ें" लिखा पोस्टर लेकर पहुंचा, जिसे देखकर सीएम नीतीश कुमार की प्रतिक्रिया खास बन गई। कार्यक्रम के दौरान जब यह पोस्टर सामने आया, तो माहौल कुछ देर के लिए भावुक हो उठा और सभी की नजरें उसी ओर टिक गईं।

जनसंवाद के दौरान युवक ने "कृपया सीएम पद न छोड़ें, आपकी बिहार को आवश्यकता है" लिखा पोस्टर उठाया। सीएम नीतीश कुमार की नजर जैसे ही उस पर पड़ी, उन्होंने तुरंत गार्ड को इशारा कर पोस्टर मंगवाया और ध्यान से उसे पढ़ा। पोस्टर पढ़ते ही उनके चेहरे पर हल्की मुस्कान आ गई, जिसमें भावनाएं साफ झलक रही थीं। इस मुस्कान ने वहां मौजूद लोगों के साथ-साथ सोशल मीडिया पर भी अलग-अलग प्रतिक्रियाएं पैदा कर दीं, जहां लोग इसे भावुक और खास पल बता रहे हैं।

सीएम नीतीश कुमार

लंबे कार्यकाल और भावनाओं का जुड़ाव

नीतीश कुमार पिछले 20 साल से भी ज्यादा समय से बिहार के मुख्यमंत्री रहे हैं। उनके लंबे कार्यकाल ने राज्य की राजनीति और विकास में गहरी छाप छोड़ी है, जिससे लोगों के बीच एक खास भावनात्मक जुड़ाव भी बना है। इसी जुड़ाव की झलक इस पोस्टर में देखने को मिली, जहां एक आम युवक ने अपनी भावनाओं को शब्दों में व्यक्त किया। शायद यही कारण रहा कि सीएम खुद भी इस पल को नजरअंदाज नहीं कर सके और पोस्टर को अपने पास मंगवाया।

समृद्धि यात्रा का समापन और आगे की दिशा

बताया जा रहा है कि सीएम नीतीश कुमार की समृद्धि यात्रा का समापन आज पटना में होगा। इस दौरान वे नालंदा और पटना में हजारों करोड़ की योजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे, जो राज्य के विकास के लिए अहम माने जा रहे हैं। यह यात्रा उनकी मुख्यमंत्री के रूप में आखिरी मानी जा रही है, क्योंकि वे राज्यसभा के लिए निर्वाचित हो चुके हैं। ऐसे में आरा की यह तस्वीर एक दौर के भावुक अंत और नई राजनीतिक यात्रा की शुरुआत का संकेत देती नजर आ रही है।

2000 करोड़ के कफ सीरप तस्करी मामले में

शुभम जायसवाल के खिलाफ चार्जशीट दाखिल, प्रत्यर्पण की राह खुली

वाराणसी, 26 मार्च (एजेंसियां)। करीब दो हजार करोड़ रुपये के कफ सीरप तस्करी मामले में वाराणसी कमिश्नरेट पुलिस ने सरगना शुभम जायसवाल के खिलाफ चार्जशीट दाखिल कर दी है। इस कार्रवाई के बाद दुबई में छिपे शुभम को प्रत्यर्पण के जरिए भारत लाने का रास्ता साफ हो गया है। सोनभद्र और गाजियाबाद में कफ सीरप की बड़ी बरामदगी के बाद इसकी तस्करी के तार वाराणसी से जुड़े मिले। 18 नवंबर को रोहनिया पुलिस ने भदवर स्थित एक जिम के तहखाने से करीब 500 पेटी कफ सीरप बरामद किया।

इस मामले में पुलिस शुभम के पिता भोला प्रसाद, स्वप्निल केसरी, आशीष यादव, दिनेश यादव, आजाद यादव जायसवाल और महेश सिंह के खिलाफ चार्जशीट दाखिल कर चुकी है। औषधि निरीक्षक जुनाब अली की तहरीर पर 18 दिसंबर को सारनाथ थाने में कोडीनयुक्त कफ सीरप के गैर-चिकित्सीय उपयोग का मुकदमा दर्ज किया गया था। जांच में सारनाथ के दवा कारोबारी विष्णु पांडेय के पीडी फार्मा के जरिए इस नेटवर्क के तार कानपुर और प्रयागराज तक जुड़े मिले। पुलिस जांच में सामने आया कि गिरोह का संचालन शुभम जायसवाल कर रहा था। साथ में उसका पिता भोला प्रसाद, कानपुर का विनोद अग्रवाल, प्रयागराज के फैजुर रहमान और मोहम्मद सैफ समेत वाराणसी के कई कारोबारी शामिल थे।

23 मार्च को इन सभी के खिलाफ भी आरोपपत्र दाखिल किया जा चुका है। नई दिल्ली स्थित सफेमा कोर्ट ने शुभम के पिता भोला प्रसाद और उसके करीबी मनोज यादव की कुल 13.55 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त करने का आदेश दिया है। जब्ती की कार्रवाई में 20 अचल संपत्तियां और सात बैंकों में जमा 86.51 लाख रुपये शामिल हैं।

बीजेपी और संजय निषाद की बढ़ेगी मुश्किलें?

अखिलेश यादव के इस फैसले की हर ओर हो रही चर्चा

लखनऊ, 26 मार्च (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी (सपा) ने संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करने की दिशा में अहम कदम उठाते हुए महिला नेतृत्व को नई जिम्मेदारी सौंपी है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पूर्व सांसद फूलन देवी की बहन रुक्मणी निषाद को समाजवादी महिला सभा, उत्तर प्रदेश का प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया है। समाजवादी पार्टी द्वारा की गई यह नियुक्ति आगामी चुनावों के मद्देनजर संगठन को जमीनी स्तर पर सशक्त करने की रणनीति का हिस्सा मानी जा रही है। रुक्मणी निषाद को प्रदेश अध्यक्ष बनाए जाने से न केवल महिला संगठन को नई ऊर्जा मिलने की उम्मीद है,

अध्यक्ष अखिलेश यादव

बल्कि निषाद समुदाय में भी पार्टी की पकड़ मजबूत होने की संभावना जताई जा रही है। रुक्मणी निषाद लंबे समय से सामाजिक सरोकारों और राजनीतिक गतिविधियों में सक्रिय रही हैं। पार्टी के साथ उनका जुड़ाव उन्हें जमीनी हकीकत से जोड़ता है, जिसे देखते हुए नेतृत्व ने उन पर यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। माना जा रहा है कि उनकी नियुक्ति से महिला कार्यकर्ताओं के बीच नई सक्रियता आएगी और संगठनात्मक विस्तार को गति मिलेगी।

नई जिम्मेदारी संभालने के बाद रूक्मणी निषाद प्रदेशभर में महिला इकाइयों को सक्रिय करने, महिलाओं से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाने और पार्टी की नीतियों को घर-घर तक पहुंचाने पर जोर देंगी। साथ ही आगामी चुनावों में महिला कार्यकर्ताओं की भागीदारी बढ़ाने की दिशा में भी विशेष अभियान चलाया जाएगा। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि सपा का यह कदम सामाजिक समीकरण साधने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित हो सकता है।

कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने अयोध्या में किया रामलला के दर्शन

बोले- हम नहीं करते धर्म की राजनीति

लखनऊ, 26 मार्च (एजेंसियां)। कांग्रेस से राज्यसभा सदस्य और दो बार मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने गुरुवार को दिन में अयोध्या में हनुमान गढ़ी के साथ रामलला मंदिर में दर्शन-पूजन किया। दिग्गी राजा के नाम से विख्यात दिग्विजय सिंह अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण होने के बाद पहली बार रामलला का दर्शन करने पहुंचे थे। दर्शन-पूजन के बाद मंदिर प्रांगण से बाहर आए कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने कहा कि जब प्रभु का बुलावा आता है तो हर व्यक्ति आ जाता है इसलिए जब मुझे बुलावा आया, तो मैं उपस्थित हो गया।

नेता दिग्विजय सिंह

उन्होंने कहा कि प्रभु के दर्शन करके अच्छा लगा। कांग्रेस में तो हर व्यक्ति अपनी आस्था अनुसार धर्म का पालन करता है। हम धर्म का दुरुपयोग ना तो व्यवसाय के लिए करते हैं और ना राजनीति के लिए करते हैं। नेता दिग्विजय सिंह ने हनुमान गढ़ी मंदिर में भी पूजा-अर्चना की और उन्होंने कहा कि मैंने तो कभी भी राम मंदिर निर्माण का विरोध नहीं किया। मैंने कभी राम मंदिर निर्माण का विरोध नहीं किया है।

मैं अयोध्या राजनीति करने नहीं आया हूं। मैंने राम मंदिर निर्माण के दौरान चंदा भी दिया था। सभी पर श्रीराम की कृपा बनी रहे। रामलला के दर्शन करने के बाद उन्होंने अपनी भावनाएं व्यक्त कीं। दिग्विजय सिंह ने कहा कि रामलला के दर्शन कर बहुत अच्छा लगा। उन्होंने प्रभु राम से कामना की कि पूरे देश में खुशहाली फैले, तरक्की हो और सभी लोगों के बीच सद्भाव बना रहे। राम मंदिर के निर्माण और उसकी भव्यता को लेकर पूछे गए सवाल पर उन्होंने कहा कि इस विषय पर तो मैं विस्तार से बाद में चर्चा करूंगा।

अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के बाद पहली बार कांग्रेस के किसी बड़े नेता ने रामलला का दर्शन कर आशीर्वाद लिया। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह गुरुवार को अयोध्या पहुंचे। उन्होंने हनुमानगढ़ी और राम जन्मभूमि मंदिर में दर्शन किया। उनसे पहले यूपी कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय भी रामलला का दर्शन कर चुके हैं।

देवरिया में चार घंटे कोर्ट में मौजूद रहीं राज्य मंत्री

आचार संहिता उल्लंघन केस में बरी

राज्य मंत्री विजयलक्ष्मी गौतम

देवरिया, 26 मार्च (एजेंसियां)। चार वर्ष पहले विधानसभा चुनाव के दौरान कोविड नियमों की अनदेखी व आदर्श आचार संहिता उल्लंघन के तहत दर्ज मामले में कोर्ट ने निर्णय सुनाया। राज्य मंत्री विजयलक्ष्मी गौतम सहित 13 आरोपितों को दोषमुक्त कर दिया। निर्णय से पहले राज्य मंत्री विजयलक्ष्मी गौतम कोर्ट में उपस्थित हुईं व अपने विरुद्ध जारी गैर जमानती वारंट निरस्त करने की मांग की। करीब चार घंटे चली सुनवाई के बाद कोर्ट ने सभी आरोपितों को राहत दी। अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रज्ञा सिंह की कोर्ट ने कहा कि अभियोजन पक्ष आरोप साबित करने में असफल रहा।

कोर्ट ने अपने आदेश की प्रति डीएम, एसपी व वरिष्ठ अभियोजन अधिकारी को भी भेजने का निर्देश दिया है। यह मामला 26 जनवरी 2022 का है, जब थाना सलेमपुर में फ्लाइंग स्क्वायड टीम के प्रभारी व तत्कालीन खंड शिक्षा अधिकारी व्यासदेव यादव की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया गया था। आरोप था कि विधानसभा क्षेत्र सलेमपुर में एक कार्यक्रम के दौरान कंबल वितरण करते समय आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन हुआ व कोविड नियमों की अनदेखी की गई। मामले की सुनवाई के दौरान अभियोजन को बड़ा झटका तब लगा जब मुख्य सरकारी गवाह ही अपने बयान से मुकर गए।

कोर्ट में तत्कालीन खंड शिक्षा अधिकारी व्यासदेव यादव यह तक नहीं बता सके कि घटना के समय जिले के डीएम व एसडीएम कौन थे। इतना ही नहीं, उन्होंने प्रस्तुत फोटोग्राफ्स को लेकर भी अपना बयान बदलते हुए कहा कि कार्यक्रम में सोशल डिस्टेंसिंग का पालन हुआ था। वह महामारी अधिनियम की अवधि तक नहीं बता सके व यहां तक कह दिया कि वे विजयलक्ष्मी गौतम को पहचानते नहीं हैं।

कोर्ट ने साक्ष्यों और गवाहों के बयानों का अवलोकन करने के बाद पाया कि अभियोजन पक्ष आरोप सिद्ध करने में विफल रहा।

फर्जी दस्तावेजों से मलेशिया की नागरिकता

हिंदुस्तान में भी बना रहा वोटर, आरोपी गिरफ्तार

आज़मगढ़, 26 मार्च (एजेंसियां)। आज़मगढ़ जिले के निजामाबाद थाना क्षेत्र से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। ग्राम सुराई निवासी मो। कुद्दूस उर्फ कुद्दूस पुत्र अली रजा ने फर्जी दस्तावेज तैयार कर मलेशिया की नागरिकता हासिल की और साथ ही भारत में मतदाता बनकर सरकारी योजनाओं का लाभ उठाता रहा। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

पुलिस के अनुसार आरोपी ने कूटरचित दस्तावेज तैयार कर अपना नाम बदलकर मोहम्मद कुद्दूस बिन रज्जाक शाह कर लिया और पिता का नाम भी बदल लिया। इसी बदले हुए नाम पर उसने मलेशिया का पासपोर्ट बनवाया और बाद में ओसीआई कार्ड भी हासिल कर लिया। हाल ही में वह मलेशिया से वापस अपने गांव लौटा था।

जांच में सामने आया कि ओसीआई कार्ड धारक होने के बावजूद आरोपी का नाम ग्राम सुराई की मतदाता सूची में दर्ज था और वह भारतीय नागरिक की तरह सरकारी योजनाओं का लाभ भी उठा रहा था। एसआईआर यानी विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के दौरान भी उसने मतदाता के रूप में फार्म भरा और अपनी असली स्थिति छिपाने की कोशिश की, लेकिन इसी अभियान में पूरा मामला उजागर हो गया।

हाई कोर्ट का बड़ा फैसला

साधारण आपराधिक मामला सरकारी नौकरी में बाधा नहीं

हाई कोर्ट की लखनऊ बेंच

लखनऊ, 26 मार्च (एजेंसियां)। हाई कोर्ट की लखनऊ बेंच ने महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि मात्र साधारण प्रकृति के लंबित आपराधिक मामले के आधार पर किसी अभ्यर्थी को सरकारी नौकरी से वंचित नहीं किया जा सकता, विशेष तौर पर तब जब उसने मामले की जानकारी स्वयं दी हो। यह निर्णय न्यायमूर्ति करुणेश सिंह पवार की एकल पीठ ने राकेश कुमार वर्मा की सेवा संबंधी याचिका को मंजूर करते हुए पारित किया। याची का चयन उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा कनिष्ठ सहायक पद पर हुआ था और वह चिकित्सकीय रूप से भी उपयुक्त पाया गया था। इसके बावजूद लंबित एक आपराधिक मुकदमे के आधार पर उसे नियुक्ति देने से इनकार कर दिया गया था। याची के विरुद्ध धारा 498-ए, 323, 504, 506 आइपीसी तथा दहेज निषेध अधिनियम के तहत मामला दर्ज था, जो उसके बड़े भाई के वैवाहिक विवाद से जुड़ा हुआ था। अदालत ने पाया कि याची इस मामले में मुख्य आरोपी नहीं, बल्कि सह-आरोपी है और उसके खिलाफ कोई विशिष्ट आरोप भी नहीं है।

न्यायालय ने सुप्रीम कोर्ट द्वारा अवतार सिंह मामले में दिए निर्णय का हवाला देते हुए कहा कि यदि अभ्यर्थी ने आपराधिक मामले की जानकारी स्वयं दी है और मामला गंभीर प्रकृति का नहीं है, तो उसे केवल इसी आधार पर अयोग्य नहीं ठहराया जा सकता। न्यायालय ने यह भी कहा कि पारिवारिक विवाद से जुड़े मामलों में सामान्य आरोपों के आधार पर किसी व्यक्ति के भविष्य को प्रभावित करना उचित नहीं है। ऐसे मामलों में सुधारात्मक दृष्टिकोण अपनाया जाना चाहिए, न कि दंडात्मक। इसी आधार पर न्यायालय ने नियुक्ति से इनकार संबंधी 6 जुलाई, 2020 के आदेश को निरस्त करते हुए, संबंधित विभाग को याची को तत्काल नियुक्ति पत्र जारी करने का आदेश दिया है।

क्या हुआ यूपी में लापता 1 लाख लोगों का?

पुलिस ने हाईकोर्ट में कहा- मी लॉर्ड 95000 ढूंढ लिए

लखनऊ, 26 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में लापता एक लाख से अधिक लोगों को लेकर योगी सरकार ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के लखनऊ बेंच की सुनवाई में बड़ा दावा किया है। सरकार ने दावा किया है कि लापता लोगों को तलाशने में यूपी पुलिस करीब 80 फीसदी तक सफल रही है। दरअसल, हाईकोर्ट लखनऊ बेंच में लापता लोगों के संबंध में स्वत संज्ञान लिया था और फिर उससे संबंधित याचिका पर सुनवाई की। सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से दावा किया गया 1 जनवरी 2024 से 17 मार्च 2026 तक लापता हुए लोगों में से 79.84 फीसदी लोगों का पता लगाया जा चुका है।

यूपी पुलिस ने लगा लिया 95 हजार लोगों का पता

इस संबंध में अपर मुख्य सचिव गृह संजय प्रसाद और डीजीपी राजीव कृष्ण ने व्यक्तिगत हलफनामा भी दाखिल किया। सुनवाई के दौरान अपर मुख्य सचिव गृह संजय प्रसाद और डीजीपी राजीव कृष्ण भी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए जुड़े रहे। कोर्ट को बताया गया कि 1 जनवरी 2024 से 17 मार्च 2026 1,19,070 हुए थे जिनमें से 95,061 लोगों का पता लगाया जा चुका है। कोर्ट को बताया गया कि 2013 से अब तक लापता बच्चों और बालिगों के संबंध में राज्य सरकार की ओर से 11 बार दिशा निर्देश जारी किए जा चुके हैं।

2 साल में लापता हुए थे 1 लाख से अधिक लोग

बता दें कि एक लापता व्यक्ति से संबंधित मामले की सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट के संज्ञान में आया था की प्रदेश में करीब 2 साल में 108300 लोग लापता हो चुके हैं । इन लोगों के संबंध में रिपोर्ट भी दर्ज हैं। इस स्थिति को गंभीर और चिंताजनक करार देते हुए "प्रदेश में गुमशुदा लोगों के संबंध में" शीर्षक से जनहित याचिका दर्ज करने का आदेश दिया था।

सिद्धिविनायक मंदिर में चोरी का मामला

स्टाफ ही निकला चोर, 8 आरोपी गिरफ्तार; उंगलियों से निकालते थे पैसे

मुंबई, 26 मार्च (एजेंसियां)। मुंबई के प्रसिद्ध सिद्धिविनायक मंदिर में एक चौंकाने वाला चोरी का मामला सामने आया है, जिसमें मंदिर के स्टाफ की ही संलिप्तता पाई गई है। पुलिस ने अब तक 80,000 रुपये नकद बरामद किए हैं। साथ ही मामले में अब तक कुल 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। जांच में पता चला है कि चोरी उस समय की गई जब दान पेटियों को एक कमरे से दूसरे कमरे में ले जाया जा रहा था। आरोपियों ने शक से बचने के लिए पेटियों से उंगलियों के जरिए धीरे-धीरे पैसे निकाले। इस मामले में ड्यूटी पर मौजूद स्टाफ शामिल था, जो बाद में चोरी की रकम आपस में बांट लेते थे। यह चोरी पिछले दो महीनों से जारी थी। शनिवार को एफआईआर दर्ज की गई, जिसके बाद पुलिस ने तेजी से कार्रवाई करते हुए कई गिरफ्तारियां कीं।

आरा सिविल कोर्ट बम ब्लास्ट केस में बड़ा फैसला

हाईकोर्ट ने रद्द की फांसी और उम्रकैद की सजा

पटना, 26 मार्च (एजेंसियां)। पटना उच्च न्यायालय ने वर्ष 2015 के बहुचर्चित आरा सिविल कोर्ट बम ब्लास्ट कांड में बड़ा फैसला सुनाया है। अदालत ने इस मामले में सुनाई गई मृत्युदंड और आजीवन कारावास की सजाओं को निरस्त कर सभी सजायाफ्ता अभियुक्तों को राहत दी है। मुख्य न्यायाधीश संगम कुमार साहू और न्यायाधीश राजीव रंजन प्रसाद की खंडपीठ ने अपीलों पर सुनवाई पूरी करने के बाद 12 फरवरी 2026 को सुरक्षित रखे गए फैसले को अब सुनाया है। हाईकोर्ट ने मृत्युदंड प्राप्त लम्बू शर्मा को फांसी की सजा से मुक्त कर दिया है।

इसके साथ ही अन्य अभियुक्त-चांद मियां, नईम मियां, रिंकू यादव, प्रमोद सिंह, श्याम विनय शर्मा और अंशु कुमार, को भी आजीवन कारावास की सजा से बरी कर दिया गया।

जेल से फरारी मामले में सजा बरकरार

हालांकि कोर्ट ने लम्बू शर्मा और अखिलेश उपाध्याय को जेल से फरार होने के मामले में दी गई सजा को बरकरार रखा है। इस प्रकरण में उन्हें कोई राहत नहीं मिली है।

वर्चुअल पेशी का दिया गया निर्देश

सुनवाई के दौरान अदालत ने राज्य सरकार को निर्देश दिया था कि सभी सजायाफ्ता अभियुक्तों को वर्चुअल माध्यम से कोर्ट में उपस्थित कराया जाए, ताकि वे सीधे कार्यवाही से जुड़ सकें।

2015 में हुआ था बड़ा धमाका

उल्लेखनीय है कि 23 जनवरी 2015 को आरा सिविल कोर्ट परिसर में एक महिला आत्मघाती हमलावर ने खुद को बम से उड़ा लिया था। इस घटना में दो अन्य लोगों की भी मौत हो गई थी और कई लोग घायल हुए थे।

अपराधी को भगाने की थी साजिश

इस हमले का उद्देश्य एक अपराधी को भगाना था। धमाके के बाद मची अफरा-तफरी के दौरान लम्बू शर्मा अन्य अपराधियों के साथ फरार हो गया था।

2019 में निचली अदालत ने सुनाई थी सजा

इस मामले में अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश त्रिभुवन यादव ने 21 अगस्त 2019 को भारतीय दंड संहिता और विस्फोटक अधिनियम के तहत लम्बू शर्मा को मृत्युदंड और अन्य सात अभियुक्तों को उम्रकैद की सजा सुनाई थी। साथ ही सभी पर आर्थिक दंड भी लगाया गया था।

एक्ट्रेस बोली- मेरे साथ भोपाल में बदसलूकी हुई

वुमन पावर अवॉर्ड में सीएम का नाम लेकर धमकाने का दावा; कहा- वीडियो बिना अनुमति पोस्ट किया

अभिनेत्री कांची सिंह

भोपाल, 26 मार्च (एजेंसियां)। वुमन पावर अवॉर्ड-2026 सेरेमनी में भोपाल आईं टीवी अभिनेत्री कांची सिंह ने आयोजकों और रेस्टोरेंट संचालक पर बदसलूकी के आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि उन्हें मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का नाम लेकर धमकाने की कोशिश भी की गई। हालांकि, आयोजकों और रेस्टोरेंट संचालक ने इन आरोपों को खारिज कर दिया है। यह कार्यक्रम 14 मार्च को हुआ था।

कांची सिंह ने दैनिक भास्कर से बातचीत में अपनी बात रखी। कांची सिंह ने कहा कि इवेंट के दौरान उन्हें कोई परेशानी नहीं हुई। कार्यक्रम समय पर पूरा हुआ और भुगतान भी समय पर मिला। स्टेज प्रस्तुति, प्रतिभागियों से बातचीत और अन्य गतिविधियां सामान्य रहीं। तब तक आयोजन से कोई शिकायत नहीं थी और माहौल सकारात्मक था। इवेंट के बाद आयोजकों ने कांची सिंह को डिनर के लिए बुलाया, जो बीना श्रीवास्तव के जन्मदिन पर था। कांची ने इसे शिष्टाचार मानकर शामिल होने का फैसला किया और कहा कि वह ऐसे आयोजनों में लोगों से जुड़ना पसंद करती हैं।

डिनर के दौरान वीडियो रिकॉर्डिंग होती रही कांची के अनुसार, डिनर स्थल पर उनका भव्य स्वागत हुआ। स्क्रीन पर उनके वीडियो चलाकर माहौल खास बनाने की कोशिश की गई। डिनर के दौरान उनके रिएक्शन, खाने और अन्य गतिविधियों की लगातार रिकॉर्डिंग हो रही थी।

कांची ने कहा कि उन्हें नहीं लगा था कि इन वीडियो का इस्तेमाल प्रमोशन के लिए होगा। एक्ट्रेस कांची सिंह ने आरोप लगाया कि उनके वीडियो अनुमति के बिना सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए। किसी भी कलाकार के कंटेंट का इस्तेमाल करने से पहले उसकी सहमति लेना जरूरी होता है। उन्होंने इसे प्रोफेशनल एथिक्स के खिलाफ बताते हुए नाराजगी जताई।

ढोंगी बाबा अशोक खरात मामले में सियासत तेज

शिंदे गुट ने उद्धव ठाकरे पर लगाए आरोप

मुंबई, 26 मार्च (एजेंसियां)। महाराष्ट्र की राजनीति में अशोक खरात केस को लेकर हर दिन नई प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। इस मामले में आरोप प्रत्यारोपों के बीच नया राजनीतिक विवाद तब शुरू हुआ जब शिवसेना शिंदे गुट की प्रवक्ता शीतल म्हात्रे ने पानी कनेक्शन को लेकर शिवसेना यूबीटी पर गंभीर आरोप लगाए। यह मामला नासिक का है और 2020 में मंजूर पानी आपूर्ति आदेश अब बड़े राजनीतिक विवाद का कारण बन गया है। शीतल म्हात्रे ने सोशल मीडिया पोस्ट कर दावा किया कि अशोक खरात को पानी का कनेक्शन 'मातोश्री' के दबाव में दिया गया था और यह एक बड़ा छुपा हुआ राज हो सकता है। उन्होंने यूटीबी गुट से इस पर जवाब देने की मांग की और कहा कि अगर यह राज खुला तो कई चौंकाने वाली बातें सामने आएंगी। उनके इस बयान के बाद राजनीतिक हलकों में हलचल तेज हो गई है और सभी की नजर अब विपक्ष की प्रतिक्रिया पर टिकी है। वहीं उन्होंने हाल ही में अपना पोस्ट हटा भी लिया है।

शीतल म्हात्रे

यूबीटी पर शिवसेना क्या आरोप लगा रही है?

रिपोर्ट के मुताबिक, उद्धव ठाकरे के मुख्यमंत्री रहते हुए अशोक खरात की 'शिवनिका' संस्था को नासिक के दरना बांध से 39 लाख लीटर पानी की आपूर्ति मंजूर की गई थी।

इसके लिए करीब 48 किलोमीटर लंबी पाइपलाइन भी बिछाई गई थी, हालांकि यह पानी पीने के लिए आरक्षित बताया गया था। आरोप है कि इस पानी का इस्तेमाल खरात के 21 एकड़ के आम के बाग में किया जा रहा था, जिससे यह मामला और विवादित हो गया है। यह प्रस्ताव 25 जून 2020 को कैबिनेट उप-समिति की बैठक में मंजूर किया गया था।

क्या है अशोक खरात केस?

अशोक खरात पर कई महिलाओं के यौन शोषण के गंभीर आरोप हैं और पुलिस ने उसे 29 मार्च तक हिरासत में भेज दिया है। एसआईटी की जांच में अब तक कई खुलासे हो चुके हैं और उसके खिलाफ 10वां मामला भी दर्ज किया गया है। जांच में यह भी सामने आया कि उसके पास लाइसेंसी हथियार था, जिसे नासिक प्रशासन ने जारी किया था और उसके फार्महाउस से 21 कारतूस बरामद किए गए, जिनमें से 5 इस्तेमाल हो चुके थे। अब इस लाइसेंस को रद्द करने की प्रक्रिया चल रही है और जांच एजेंसियां लगातार नए पहलुओं की पड़ताल कर रही हैं।

फिर खुलेंगी व्यापमं घोटाले की फाइलें

सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई और एमपी सरकार से पूछा- 320 पेजों की शिकायत पर अब तक क्या हुआ?

दिल्ली/भोपाल, 26 मार्च (एजेंसियां)। व्यापमं महाघोटाले की जांच की आंच एक बार फिर तेज होने वाली है। सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व विधायक पारस सकलेचा की याचिका पर कड़ा रुख अपनाते हुए सीबीआई और मध्य प्रदेश सरकार को स्पष्ट आदेश दिए हैं। कोर्ट ने पूछा है कि सकलेचा द्वारा दी गई 320 पन्नों की डिटेल शिकायत पर अब तक क्या एक्शन लिया गया? जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा और जस्टिस एनवी।

अंजारिया की बेंच ने आदेश दिया कि जांच एजेंसी और राज्य शासन अब तक की गई पूरी जांच और दाखिल चार्जशीट का ब्योरा शपथ पत्र (एफिडेविट) के साथ पेश करें। मामले की अगली सुनवाई 16 अप्रैल 2026 को तय की गई है। सकलेचा की ओर से सीनियर एडवोकेट विवेक तन्खा , सर्वम रितम खरे , विपुल तिवारी, इंद्रदेव सिंह मौजूद थे।

हनी ट्रैप कर फर्जी एफआईआर से चल रहा था वसूली का खेल! दिल्ली क्राइम ब्रांच ने महिला और साथी को दबोचा

नई दिल्ली, 26 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच की इंटर-स्टेट सेल ने हनी ट्रैप और फर्जी मुकदमों के जरिए वसूली करने वाले एक संगठित गिरोह का पर्दाफाश किया है। इस मामले में पुलिस ने दरियागंज निवासी 44 वर्षीय महिला और उसके सहयोगी यशदेव सिंह चौहान (44), न्यू उस्मानपुर निवासी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार आरोपित महिला पर आरोप है कि वह लोगों को हनी ट्रैप में फंसाकर उनके खिलाफ गंभीर आपराधिक मुकदमे दर्ज कराती थी और बाद में समझौते के नाम पर पैसे वसूलती थी।

इस संबंध में मेहरौली थाने में एफआईआर दर्ज की गई है। जांच में सामने आया कि महिला ने एक सेवानिवृत्त आर्मी कैप्टन से सोशल मीडिया के जरिए संपर्क किया था। उसने खुद को उनकी किताबों के प्रमोशन से जुड़ी पेशेवर सेवाएं देने वाली बताकर बातचीत शुरू की। बाद में कथित तौर पर उसने पैसे के लेन-देन के बाद विवाद पैदा किया और कैप्टन के खिलाफ मेहरौली थाने में 2021 में दुष्कर्म समेत कई गंभीर धाराओं में केस दर्ज कराया। मामला अदालत पहुंचा और बाद में सुप्रीम कोर्ट ने 25 फरवरी 2025 को इस एफआईआर को कानून की प्रक्रिया का दुरुपयोग बताते हुए रद्द कर दिया। इसके बाद सेवानिवृत्त कैप्टन की शिकायत पर महिला और उसके सहयोगी के खिलाफ वसूली का मामला दर्ज किया गया।

कश्मीर में आतंकी नेटवर्क पर प्रहार: श्रीनगर शोपियां और गांदरबल में सीआईके की छापेमारी

जम्मू, 26 मार्च (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर में काउंटर इंटेलिजेंस कश्मीर ने घाटी में आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई करते हुए कई जिलों में एक साथ छापेमारी की है। मिली जानकारी के मुताबिक श्रीनगर, शोपियां और गांदरबल में कार्रवाई जारी है। यह कार्रवाई एक अंतरराष्ट्रीय आतंकी मॉड्यूल के खुलासे के बाद की गई है। इस मॉड्यूल को कश्मीर निवासी शब्बीर अहमद लोन संचालित कर रहा था, जो फिलहाल बांग्लादेश में रहकर सक्रिय है।

शब्बीर अहमद लोन गांदरबल के कंगन का रहने वाला है जो बांग्लादेश में रहकर आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा का लिए काम कर रहा है और उसी के निर्देश पर नेटवर्क चला रहा है। इस मॉड्यूल को बांग्लादेश और पाकिस्तान में बैठे हैंडलर्स से निर्देश मिल रहे थे। इनके जरिए स्थानीय युवाओं को जोड़ने, फंडिंग और आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने की साजिश रची जा रही थी।

छापेमारी के दौरान कई संदिग्ध दस्तावेज, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और अन्य सामग्री जब्त की गई है, जिनकी जांच की जा रही है। इसी बीच बांदीपोरा जिले में एक ड्रग पेडलर के खिलाफ भी बड़ी कार्रवाई की गई है। प्रशासन ने उसकी अवैध संपत्ति जब्त कर ली है। अधिकारियों का कहना है कि आतंकवाद और नशे के नेटवर्क के बीच संबंधों की भी जांच की जा रही है।

पंचकूला के कोटक महिंद्रा बैंक में

160 करोड़ की एफडी के साथ हुआ खेल, एसीबी ने किया गिरफ्तार

पंचकूला, 26 मार्च (एजेंसियां)। हरियाणा के पंचकूला नगर निगम में करीब 160 करोड़ रुपए के घोटाले में बड़ी अपडेट सामने आई है। कोटक महिंद्रा बैंक घोटाले में विजिलेंस और एसीबी ने पहली गिरफ्तारी की। एजेंसी ने बैंक में रिलेशनशिप मैनेजर रहे दिलीप कुमार राघव को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि दिलीप ने मुख्य आरोपी के साथ मिलकर पंचकुला नगर निगम को फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) से संबंधित झूठी रिपोर्ट भेजी थीं। फिर बैंक कर्मचारियों ने फर्जी कागज के जरिए एफडी के नगर निगम का पैसा फर्जी खातों में ट्रांसफर किया। मामले का खुलासा तब हुआ, जब नगर निगम प्रशासन ने कुछ दिन पहले एफडी की राशि ट्रांसफर करनी चाहिए। इसके बाद निगम के अधिकारियों को घोटाले की भनक लगी।

बैंक स्टेटमेंट में राशि, फिर ट्रांसफर नहीं हुई

दरअसल, निगम ने 58 करोड़ रुपए की एक एफडी की मैच्योरिटी राशि खाते में ट्रांसफर करना चाही। बैंक स्टेटमेंट में राशि तो ट्रांसफर दिखाई गई, लेकिन पैसा खाते में नहीं पहुंचा। जांच में पता चला कि स्टेटमेंट भी फर्जी था और रकम गायब है।

एफआईआर दर्ज करवाने की प्रक्रिया शुरू

इसके बाद जब नगर निगम ने अन्य एफडी को भी मैच्योर कर खाते में ट्रांसफर करने का अनुरोध किया। तब पता चला कि बैंक द्वारा दी गई सभी एफडी जाली थीं और खाते में कोई राशि मौजूद नहीं थी। निगम ने बैंक के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। हरियाणा सरकार को बैंक को डी-इंपैनल करने का पत्र भी लिखा है। साथ ही मामले में बैंक और निगम के कुछ कर्मचारियों की संलिप्तता की भी आशंका है।

फनिंगो गेम जोन में लगी भीषण आग, युवक की जिंदा जलकर मौत, वेल्डिंग के दौरान हुआ था शॉर्ट सर्किट

जबलपुर, 26 मार्च (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश में जबलपुर के बरगी थाना क्षेत्र अंतर्गत जबलपुर-नागपुर हाईवे स्थित मानेगांव में बने फ़निंगो एडवेंचर एरीना के फन गेम जोन में भीषण आग लगने से हड़कंप मच गया। हादसा इतना भयावह था कि देखते ही देखते पूरा गेम जोन आग की चपेट में आ गया। घटना के दौरान अंदर मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई और जान बचाने के लिए लोग इधर-उधर भागने लगे। वहीं आग की चपेट में आने से एक युवक की दर्दनाक मौत हो गई। आग इतनी भयंकर थी कि युवक का शव पूरी तरह जलकर कंकाल में तब्दील हो गया, जिससे उसकी पहचान कर पाना मुश्किल हो गया। प्रारंभिक जांच में दमकल टीम ने मौके पर किसी जनहानि से इंकार किया था, लेकिन देर रात पुलिस द्वारा दोबारा सर्च ऑपरेशन चलाए जाने पर जले हुए अवशेषों के बीच एक नर कंकाल बरामद हुआ, जिससे पूरे मामले ने गंभीर रूप ले लिया। आग लगने की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की आधा दर्जन गाड़ियां और पानी के टैंकर मौके पर पहुंचे। कड़ी मशक्कत के बाद करीब 3 घंटे में आग पर काबू पाया जा सका। वहीं आग शांत होने के बाद दमकल की टीम के द्वारा निरीक्षण किया गया लेकिन खाना पूर्ति करने के बाद वह वापस लौट आई और किसी भी जनहानि की घटना से इनकार कर दिया।

'अक्सर परेशान करता था इसलिए मार डाला', दिल्ली में 15 साल के किशोर को तीन नाबालिगों ने उतारा मौत के घाट

नई दिल्ली, 26 मार्च (एजेंसियां)। नॉर्थ ईस्ट दिल्ली के दयालपुर इलाके में बीती रात 15 वर्षीय किशोर सुभान की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। वारदात के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने किशोर को अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस के अनुसार, हत्या की वजह आपसी झगड़ा बताई जा रही है। इलाके के ही कुछ नाबालिग आरोपितों पर शक है, जो वारदात के बाद से फरार थे। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी जिसमें उसे सफलता मिली है।

पुलिस ने मामले में तीन नाबालिग आरोपितों को पकड़ लिया है, जिनकी उम्र 13 से 17 वर्ष के बीच बताई जा रही है। पूछताछ में आरोपितों ने खुलासा किया कि मृतक उनमें से एक को अक्सर परेशान और बुली करता था। इसी बात से नाराज होकर तीनों ने मिलकर उस पर चाकू से हमला कर दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। आरोपितों की निशानदेही पर पुलिस ने वारदात में इस्तेमाल चाकू भी बरामद कर लिया है।

नशा तस्करी में पंजाब देश में नंबर-1

तीन साल में हुई रिकॉर्ड वृद्धि; ये जिले बने हॉटस्पॉट

चंडीगढ़, 26 मार्च (एजेंसियां)। पंजाब में नशा तस्करी के मामलों में रिकॉर्ड बढ़ोतरी दर्ज की गई है और राज्य अब देश में नंबर-1 पर पहुंच गया है। तीन साल में ड्रग्स तस्करी में डेढ़ गुना उछाल आया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2025 में 1.16 लाख किलोग्राम ड्रग्स बरामद की गई जो अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा है। रिपोर्ट में सामने आया है कि पाकिस्तान से सटी सीमा के गांव तस्करों के निशाने पर हैं। ड्रोन के जरिये सीमा पार से ड्रग्स गिराने के मामलों में तेजी आई है जिससे सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ गई है। पंजाब की 553 किलोमीटर लंबी अंतरराष्ट्रीय सीमा से जुड़े अमृतसर, तरनतारन, गुरदासपुर, पठानकोट, फिरोजपुर और फाजिल्का जिले तस्करी के प्रमुख मार्ग बनते जा रहे हैं। आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2023 में 47,475 किलो और 2024 में 46,227 किलो ड्रग्स बरामद की गई थी लेकिन 2025 में इसमें भारी उछाल आया और आंकड़ा 1.16 लाख किलो तक पहुंच गया। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) की रिपोर्ट के मुताबिक सीमावर्ती जिलों में ड्रोन के जरिये तस्करी के मामलों में लगातार वृद्धि हो रही है।

अन्य राज्यों में भी तस्करी लेकिन पंजाब सबसे आगे

जम्मू-कश्मीर में वर्ष 2024 में 5,708 किलो और 2025 में 4,491 किलो ड्रग्स पकड़ी गई। गुजरात में 2024 में 20,971 किलो और 2025 में 22,758 किलो बरामद हुई। राजस्थान में कुल बरामदगी ज्यादा होने के बावजूद वहां मामलों में कमी दर्ज की गई है जबकि पंजाब में हालात तेजी से बिगड़े हैं।

ड्रग्स के साथ हथियार और जाली नोट भी बरामद

रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि पंजाब सीमा से ड्रग्स के साथ-साथ हथियार, गोला-बारूद और जाली नोटों की तस्करी भी बढ़ी है। सीमावर्ती इलाकों से एके-47, एके-56 राइफल, आरडीएक्स और विदेशी हथियार बरामद किए जा रहे हैं, जो सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा हैं।

एंटी-ड्रोन सिस्टम तैनात फिर भी चुनौती बरकरार

पंजाब सरकार ने ड्रोन तस्करी पर रोक के लिए तरनतारन से एंटी-ड्रोन सिस्टम की शुरुआत की है। 51.41 करोड़ रुपये से नौ अत्याधुनिक सिस्टम लगाए गए हैं जो ड्रोन और उसके कंट्रोल स्टेशन की लोकेशन ट्रैक कर रियल-टाइम अलर्ट देते हैं। हालांकि, तस्कर लगातार नए तरीके अपना रहे हैं। पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों ने निगरानी बढ़ाई है लेकिन सीमा पार से हो रही तस्करी पर पूरी तरह नियंत्रण अभी भी बड़ी चुनौती बना हुआ है।

देहरादून एयरपोर्ट पर खाने पीने के संचालन से जुड़ीं याचिकाएं खारिज

ऋषिकेश, 26 मार्च (एजेंसियां)। देहरादून एयरपोर्ट पर फूड एंड बेवरेज संचालन को लेकर चल रहे मामले में उत्तराखंड हाईकोर्ट ने महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए मनीष टैक्सी सर्विस की ओर से दायर दोनों याचिकाओं को खारिज कर दिया है। यह फैसला मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति मनोज कुमार गुप्ता और न्यायमूर्ति सुभाष उपाध्याय की खंडपीठ ने सुनाया है। एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एएआई) ने वर्ष 2024 में फूड एंड बेवरेज आउटलेट्स के संचालन के लिए कंसेशन एग्रीमेंट किया था, जिसके तहत याचिकाकर्ता की फर्म को सात वर्षों के लिए संचालन का अधिकार दिया गया था।

लेकिन बाद में लाइसेंस शुल्क के भुगतान और अन्य शर्तों के पालन को लेकर दोनों पक्षों के बीच विवाद उत्पन्न हो गया था। एएआई का आरोप था कि याचिकाकर्ता समय पर बकाया राशि जमा नहीं कर सका है। जिस संबंध में कई नोटिस जारी किए गए। बकाया राशि न चुकाने पर एएआई द्वारा बैंक गारंटी से संबंधित राशि वसूली करने के बाद 31 मई 2025 को कंसेशन एग्रीमेंट समाप्त कर दिया। याचिकाकर्ता ने एएआई की इस कार्रवाई को अनुचित बताते हुए हाईकोर्ट में चुनौती देते हुए एएआई द्वारा जारी टेंडर प्रक्रिया को भी रोकने की मांग की थी। उनका कहना था कि उन्हें पूरी साइट समय पर नहीं दी गई, जिससे व्यवसाय प्रभावित हुआ।

'शादी के नाम पर करोड़ों की ठगी'

महिला प्रोफेसर समेत 40 को झांसा, इंदौर के कैफे में लड़की से डेट पर पहुंचा; अरेस्ट

इंदौर, 26 मार्च (एजेंसियां)। शादी के नाम पर महिलाओं को झांसा देने वाले एक युवक को अमहदाबाद पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी पर आरोप है कि वो अब तक शादी के नाम पर 40 से अधिक महिलाओं का ठगी का शिकार बना चुका है। इतना ही नहीं, मैट्रिमोनियल साइट के जरिए महिलाओं से संपर्क बनाता था और फिर करोड़ों रुपए ठग लेता था। अंतरराज्यीय आरोपी अमित पिता नवीन चौबे निवासी शालिनी रोड देवास को अहमदाबाद पुलिस ने इंदौर से गिरफ्तार किया है।

पुलिस के मुताबिक, आरोपी ने अहमदाबाद की महिला प्रोफेसर से शादी के वादा किया था और उससे 50 लाख रुपए ठगी की थी। एमपी, मुंबई और गुजरात की करीब 40 से अधिक महिलाओं से शादी के नाम पर लाखों रुपयों की ठगी की है। आरोपी अमित खुद को सिविल कॉन्ट्रैक्टर बताकर महिलाओं को झांसे में लेता था फिर उनसे शादी का वादा करके पैसे ऐंठता था। आरोपी अक्सर विधवा और प्रोफेशनल महिलाओं को टारगेट करता था।

इसके बाद इमोशनल कहानी सुनाकर भरोसा जीतता और फिर एक्सीडेंट, ईडी छापा और परिवार में बीमारी के नाम पर पैसे ऐंठता था। अहमदाबाद की 33 वर्षीय महिला प्रोफेसर की शिकायत पर 11 मार्च 2026 को सोला हाईकोर्ट थाना पुलिस ने आरोपी के खिलाफ ठगी का केस दर्ज किया था। प्रोफेसर ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 2022 में उनके पति की मौत हो गई थी। पति की मौत के बाद परिवार में मां और 5 साल की बेटी है। मां ने पुनर्विवाह के लिए उनकी प्रोफाइल मैट्रिमोनियल साइट पर डाली थी। नवंबर-दिसंबर 2024 में आरोपी अमित ने संपर्क कर शादी की इच्छा जताई। उसने खुद को अनाथ बताते हुए इमोशनल कहानी सुनाई और विश्वास जीतने की कोशिश की।

महिला प्रोफेसर के अनुसार, सिविल कॉन्ट्रैक्टर प्रोफेसर ने बताया कि मेरे जन्मदिन पर 27 फरवरी 2025 को आरोपी अहमदाबाद पहुंचा। खुद को करोड़ों का कारोबारी और इंदौर निगम का सिविल कॉन्ट्रैक्टर बताया मुंबई में 18 करोड़ का घर होने का दावा कर शादी का लुभावना प्रस्ताव रखा। इसके बाद आरोपी ने पिता के एक्सीडेंट, मेडिकल इमरजेंसी व इलाज के बहाने 5 लाख रुपए लिए। इसके बाद आरोपी ने बहन की शादी व घर में कैश मिलने का हवाला देकर ईडी छापे की कहानी गढ़ी। निगम के टेंडर पास होने का झांसा देकर 50 लाख रुपए ठगे।

अफगानिस्तान-पाकिस्तान में फिर झड़प, 3 की मौत

ईद पर 5 दिन का सीजफायर खत्म होने के बाद हिंसा शुरू, 3 पाकिस्तानी चौकियां तबाह

काबुल/इस्लामाबाद, 26 मार्च (एजेंसियां)। अफगानिस्तान और पाकिस्तान की सीमा पर बुधवार को फिर से लड़ाई शुरू हो गई। अफगान तालिबान अधिकारियों के मुताबिक, इस हमले में 2 आम नागरिकों की मौत हो गई और 8 घायल हो गए। वहीं पाकिस्तान का भी एक नागरिक मारा गया।

अफगानिस्तान और पाकिस्तान ने मिलकर ईद को लेकर 5 दिनों का अस्थायी युद्धविराम घोषित किया था। 25 मार्च को सीजफायर खत्म होने के बाद दोनों देशों में फिर से झड़प शुरू हो गई।

एक अफगान अधिकारी ने बताया कि युद्धविराम खत्म होते ही पाकिस्तानी सेना ने नरई और सरकानो इलाकों में दर्जनों तोप के गोले दागे। उन्होंने कहा कि जवाब में अफगान सीमा बलों ने भी गोलीबारी की और तीन पाकिस्तानी सैन्य चौकियों को तबाह कर दिया, इस हमले में 1 व्यक्ति मारा गया।

यह हिंसा उस समझौते के करीब एक हफ्ते बाद हुई है, जिसमें दोनों देशों ने लड़ाई रोकने पर सहमति जताई थी। यह समझौता सऊदी अरब, तुर्किये और कतर के कहने पर हुआ था। इससे पहले पाकिस्तान ने 17 मार्च

की रात अफगानिस्तान में हवाई हमले किए थे।

अफगान तालिबान सरकार का दावा है कि इन हमलों में काबुल के एक नशा मुक्ति अस्पताल को निशाना बनाया गया, जिसमें 400 से ज्यादा लोग मारे गए थे। हालांकि पाकिस्तान ने नागरिकों को निशाना बनाने से इनकार किया है और कहा है कि उसने एक गोला-बारूद के भंडार पर हमला किया था। मीडिया और संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट में नशा मुक्ति केंद्र पर हमले की बात सामने आई, लेकिन पाकिस्तान की सेना ने किसी नागरिक के मारे जाने की बात स्वीकार नहीं की।

इसके बजाय पाकिस्तान के सैन्य प्रवक्ता अहमद शरीफ चौधरी ने आरोप लगाया कि तालिबान नशे के आदी लोगों को आत्मघाती हमलों के लिए इस्तेमाल करता है। हालांकि उन्होंने अपने दावे के समर्थन में कोई सबूत नहीं दिया। इधर, पाकिस्तान तालिबान यानी तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) ने भी कहा है कि उसने ईद के 3 दिन के अपने युद्धविराम के बाद पाकिस्तान के अंदर हमले फिर से शुरू कर दिए हैं। टीटीपी, अफगान तालिबान से अलग है लेकिन उसके साथ जुड़ा हुआ है। 2021 में अफगान तालिबान के सत्ता में आने के बाद से टीटीपी ने पाकिस्तान में अपने हमले बढ़ा दिए हैं। अमेरिका और संयुक्त राष्ट्र ने टीटीपी को आतंकवादी संगठन घोषित कर रखा है।

पाकिस्तान का आरोप है कि काबुल टीटीपी के नेताओं और हजारों लड़ाकों को पनाह दे रहा है, जो सीमा पार से हमले करते हैं। हालांकि अफगानिस्तान इस आरोप को खारिज करता है।

पाकिस्तान ने साफ कहा है कि जब तक अफगान तालिबान सरकार यह भरोसा नहीं देती कि उसकी जमीन का इस्तेमाल आतंकी हमलों के लिए नहीं होगा, तब तक वह टीटीपी और उसके समर्थकों को अफगानिस्तान के अंदर निशाना बनाता रहेगा।

पाकिस्तान का कहना है कि यह आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई है। उसके मुताबिक देश में आतंकी हमले बढ़े हैं और 2025 पिछले एक दशक का सबसे हिंसक साल रहा। पाकिस्तान लंबे समय से आरोप लगाता रहा है कि तालिबान अपने यहां ऐसे समूहों को पनाह देता है, जो पाकिस्तान में हमले करते हैं।

अमेरिका की ईरान पर 'अंतिम प्रहार' की तैयारी

भीषण बमबारी के बीच घुसेगी जमीनी सेना, 4 विकल्पों पर विचार

वॉशिंगटन, 26 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका की ओर से ईरान पर बहुत बड़े स्तर पर हमला किया जा सकता है। इसमें एक तरफ एयरफोर्स ईरान में भीषण बमबारी करेगी तो साथ ही जमीन पर सैनिक उतारे जाएंगे। दो अमेरिकी अधिकारियों और मामले से परिचित सूत्रों का हवाला देते हुए एक्सियोस ने अपनी रिपोर्ट में यह दावा किया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि पेंटागन की ओर से ईरान में 'अंतिम प्रहार' के लिए बड़े सैन्य विकल्प पर काम किया जा रहा है।

रिपोर्ट कहती है कि अगर बातचीत में प्रगति नहीं होती है। विशेष रूप से होर्मुज जलडमरूमध्य बंद रहता है तो फिर सैन्य अभियान तेज होगा। अमेरिकी अधिकारियों का मानना है कि जबरदस्त सैन्य हमले वार्ता में अधिक मोलभाव की शक्ति देंगे।

इससे ट्रंप को कुछ मिल जाएगा, जिसे दिखाकर वे जीत की घोषणा कर सकें।

क्या होगा अमेरिका का आखिरी प्रहार

निजी चर्चाओं से परिचित अधिकारियों और सूत्रों ने चार प्रमुख 'अंतिम प्रहारों' का वर्णन किया है। ट्रंप इनमें से किसी एक

को चुन सकते हैं। इसमें पहला विकल्प खर्ग द्वीप पर आक्रमण या उसकी घेराबंदी करना हो सकता है, जो ईरान का मुख्य तेल निर्यात केंद्र है। यह ईरान को आर्थिक तौर पर कमजोर और झुकने पर मजबूर करेगा।

अमेरिका का दूसरा विकल्प ईरान के लारक द्वीप पर आक्रमण करना होगा। यह एक ऐसा द्वीप है, जो होर्मुज जलडमरूमध्य पर नियंत्रण रखने में ईरान की मदद करता है।

इस रणनीतिक जगह पर ईरानी बंकर, हमलावर जहाज और रडार मौजूद हैं। इससे ईरानी अफसर जलडमरूमध्य में होने वाली गतिविधियों पर नजर रखते हैं।

अमेरिका का एक और विकल्प अबू मूसा के रणनीतिक द्वीप और दो छोटे द्वीपों पर कब्जा करने का हो सकता है। ये द्वीप जलडमरूमध्य के पश्चिमी प्रवेश द्वार के पास स्थित हैं। इन पर ईरान का नियंत्रण है लेकिन यूएई भी इन पर अपना दावा करता है। इस विवाद का फायदा अमेरिका उठा सकता है।

अमेरिका का चौथा विकल्प होर्मुज जलडमरूमध्य के पूर्वी हिस्से में ईरानी तेल का निर्यात करने वाले जहाजो को रोकना या उन पर कब्जा हो सकता है। साथ ही अमेरिकी सेना की ईरान के अंदर जमीनी अभियान की योजना है, ताकि परमाणु संयंत्रों के भीतर दबे संवर्धित यूरेनियम को कब्जे में लिया किया जा सके।

जमीनी हमले का जोखिम

अमेरिका को इन योजनाओं को सफल बनाने के लिए जमीन पर सेना को उतारना होगा। हालांकि इसमें जोखिम के चलते अमेरिका बड़े पैमाने पर हवाई हमलों की तरफ जाने का विकल्प चुन सकता है।

हालांकि कहा गया है कि ट्रंप ने अभी तक इनमें से किसी परिदृश्य पर कोई आखिरी फैसला नहीं किया है। वाइट हाउस के अधिकारी जमीनी अभियान को फिलहाल खारिज कर रहे हैं।

अमेरिका की ओर से ईरान पर बड़े हमले की यह रिपोर्ट ऐसे समय सामने आई है, जब पाकिस्तान, मिस्र और तुर्की दोनों पक्षों के बीच बैठक आयोजित करने की कोशिश कर रहे हैं। ईरान ने अमेरिका की मांगों की शुरुआती सूची को खारिज कर दिया था। हालांकि ईरान ने बातचीत की संभावना को पूरी तरह से खत्म नहीं किया है।

सीनियर आईपीएस रतन लाल डांगी सस्पेंड

रायपुर, 26 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ सरकार ने सीनियर आईपीएस रतन लाल डांगी को सस्पेंड कर दिया है। कुछ दिन पहले एसआई की पत्नी ने डांगी पर यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए थे। उनके खिलाफ विभागीय जांच लंबित होने के कारण यह कार्रवाई की गई है। शासन के गृह (पुलिस) विभाग ने निलंबन का आदेश जारी किया है।

बता दें कि 5 महीने पहले सरकार ने कार्रवाई करते हुए डांगी को आईजी के पद से हटा दिया था। अब सस्पेंड होने के बाद उनका मुख्यालय नया रायपुर पीएचक्यू निर्धारित किया गया है। इस दौरान वे सक्षम अधिकारी की अनुमति के बिना मुख्यालय नहीं छोड़ सकेंगे।

15 अक्टूबर 2025 को एसआई की पत्नी ने यौन शोषण का आरोप लगाया। पीड़िता ने पुलिस मुख्यालय में औपचारिक रूप से शिकायत दर्ज कराई थी। उसने बताया था कि साल 2017 में

रतनलाल डांगी से उसकी मुलाकात कोरबा में हुई थी, जब आईपीएस डांगी वहां एसपी पद पर तैनात थे। शुरूआती बातचीत सोशल मीडिया पर हुई, जो आगे बढ़ती गई। दंतेवाड़ा में पदस्थापना के दौरान वह वीडियो कॉल के माध्यम से उन्हें योग सिखाती थी। राजनांदगांव और सरगुजा में आईजी बनने के बाद डांगी ने कथित रूप से उसे परेशान करना शुरू किया। बिलासपुर आईजी रहते हुए उत्पीड़न का सिलसिला और बढ़ गया।

शिकायत में महिला ने बताया कि आईपीएस डांगी उसे अपनी पत्नी की गैरमौजूदगी में बंगले में बुलाते थे।

ईरानी बारुदी सुरंग ने 40 साल पहले उड़ा दिया था अमेरिकी युद्धपोत

हो गया था 21 फीट का छेद, आज भी डरते हैं अमेरिकी

तेहरान, 26 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका-इजरायल गठबंधन और ईरान के बीच तकरीबन एक महीने से चल रही जंग में इस हफ्ते चौंकाने वाला दावा सामने आया है। ईरान ने बुधवार को अमेरिका के प्रमुख विमान वाहक पोत यूएसएस अब्राहम लिंकन पर क्रूज मिसाइलें दागने का दावा किया है। ईरानी नौसेना के क्रूज मिसाइलों से यूएसएस अब्राहम लिंकन को निशाना बनाए जाने के दावे ने क्षेत्र की करीब 40 साल पुरानी एक घटना को चर्चा में ला दिया है। साल 1988 में इस क्षेत्र में एक अमेरिकी युद्धपोत को ईरान तबाह कर चुका है।

पीटर एविस ने न्यूयॉर्क टाइम्स में अपने लेख में बताया है कि साल 1988 में कैसे एक अमेरिकी जंगी जहाज ईरानी माइन से टकराया था। यह अमेरिकी फ्रिगेट सैमुअल बी. रॉबर्ट्स था, जो अप्रैल 1988 में एक ईरानी माइन से टक्कर के बाद क्षतिग्रस्त हुआ था। जहाज पर मौजूद क्रू खतरे का अहसास होने के बावजूद इससे बच नहीं सका था। फारस की

खाड़ी में अप्रैल, 1988 में अमेरिकी नौसेना का फ्रिगेट था। खतरे के अहसास पर जहाज के कैप्टन ने लेफ्टिनेंट गॉर्डन वैन हुक को पुल पर बुलाकर उन्हें दूरबीन थमाई। दूरबीन से जहाज के चीफ इंजीनियर लेफ्टिनेंट वैन हुक ने आगे तीन ईरानी माइन को खतरे को देखा। इसे देखकर जहाज को रोक दिया गया।

तेल टैंकरों को सुरक्षा देने के लिए भेजे गए अमेरिकी बेड़े के हिस्सा के तौर पर फारस की खाड़ी में गया यह फ्रिगेट माइन से काफी पहले ही रुक गया। ये जहाज करीब 10 मिनट तक खड़ा रहा और इसके बाद अचानक एक अनदेखी माइन जहाज के नीचे फट गई। यह एक बड़ा धमाका था और जहाज बुरी तरह से हिल गया। माइन ने जहाज में 21 फीट चौड़ा छेद कर दिया। इससे जहाज को भारी नुकसान हुआ बल्कि वह तकरीबन डूब ही गया। चालक दल के 10 सदस्य गंभीर रूप से घायल हो गए। 14 अप्रैल 1988 को फ्रिगेट सैमुअल बी. रॉबर्ट्स पर हुआ यह हमला आज भी इस पूरे क्षेत्र में अमेरिकी नेवी को अपनी सुरक्षा को लेकर सतर्क करता है।

फ्रिगेट सैमुअल बी. रॉबर्ट्स अमेरिकी सुरक्षा अभियान का हिस्सा था। इसे 'ऑपरेशन अर्नेस्ट विल' कहा गया, जो 1987 में शुरू हुआ था। इस ऑपरेशन की शुरुआत काफी खराब रही। जुलाई 1987 में सुरक्षा बेड़े की पहली समुद्री यात्रा के दौरान दो अमेरिकी युद्धपोतों की सुरक्षा में चल रहे एक कुवैती टैंकर ब्रिजेटन से एक समुद्री माइन टकरा गई।

ब्रिजेटन नाम का यह टैंकर बाकी की यात्रा में वह युद्धपोतों के आगे-आगे चला, ताकि समुद्री सुरंगों से उनकी रक्षा कर सके। ऑपरेशन की मुश्किल शुरुआत के बावजूद अमेरिकी सुरक्षा बेड़े की हिफाजत में चल रहे कुवैती टैंकरों को इसके बाद कोई और नुकसान नहीं पहुंचा। हालांकि सैमुअल बी. रॉबर्ट्स इतना खुशकिस्मत नहीं रहा।

सैमुअल बी. रॉबर्ट्स जब समुद्री सुरंग की चपेट में आया, तब वह किसी जहाज की सुरक्षा नहीं कर रहा था। उस वक्त वह ईंधन भरवाने के लिए उत्तर दिशा की ओर बढ़ रहा था।

100 फीट ऊंचा महावीरी पताका

दो लाख रुपए में हुआ तैयार, झंडे को देखने के लिए दूर-दराज से पहुंच रहे लोग

हजारीबाग, 26 मार्च (एजेंसियां)। हजारीबाग जिले के कटकमसांडी प्रखंड स्थित खुटरा गांव में इस वर्ष रामनवमी के अवसर पर आस्था और सामाजिक समरसता का अनूठा संगम देखने को मिला। गांव में लगभग 100 फीट ऊंचा महावीरी पताका स्थापित किया गया है, जो पूरे क्षेत्र में आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। इस विशाल झंडे को देखने के लिए दूर-दराज से भी श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। गांव की बजरंग समिति के अध्यक्ष अजय कुमार साव ने बताया कि यहां झंडा स्थापित करने की परंपरा पुरानी है। हालांकि, इस बार ग्रामीणों ने इसे विशेष और ऐतिहासिक बनाने का निर्णय लिया, जिसके तहत इतने बड़े झंडे का निर्माण कराया गया। यह झंडा अब पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बन गया है। इस आयोजन की सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इस झंडे को तैयार करने में मोहम्मद सुलेमान की अहम भूमिका रही। उन्होंने लगभग एक वर्ष की कड़ी मेहनत से करीब 400 मीटर कपड़े का उपयोग कर यह झंडा बनाया। इसके निर्माण में लगभग 2 लाख रुपए की लागत आई है। सुलेमान की इस भागीदारी ने इस आयोजन को धार्मिक सद्भाव और भाईचारे का प्रतीक बना दिया है।

रामनवमी के इस भव्य आयोजन में स्थानीय विधायक प्रदीप प्रसाद भी शामिल हुए। उन्होंने ग्रामीणों के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि यह आयोजन न केवल धार्मिक आस्था को दर्शाता है, बल्कि समाज में आपसी सौहार्द और एकजुटता का भी सशक्त संदेश देता है।

पाकिस्तानी नेवी को मिल सकता है ऑस्ट्रेलियाई लेजर वेपन सिस्टम

तुर्की कर रहा मदद, भारत की बढ़ेगी चिंता

इस्लामाबाद, 26 मार्च (एजेंसियां)। पाकिस्तान को ऑस्ट्रेलिया से लेजर वेपन सिस्टम मिल सकता है। पाकिस्तान की नेवी इसके लिए तुर्की के जरिए कोशिश कर रही है। सोर्स के हवाले से बताया है कि पाकिस्तानी नेवी के खरीद निदेशालय ने 4 फरवरी को दो 10 kW लेजर हथियार सिस्टम (एलडब्ल्यूएस) और रडार सिस्टम के लिए टेंडर जारी किया है। इस सिस्टम को पाकिस्तान नौसेना के जहाजों पर ड्रोन-रोधी समाधान के तौर पर लगाया जाएगा। इसमें कथित तौर पर तुर्की और ऑस्ट्रेलिया से खरीद पर पाकिस्तान की नजर है।

रेजोनेंट के मुताबिक, लेजर वेपन सिस्टम के क्षेत्र में ऑस्ट्रेलियाई कंपनी इलेक्ट्रो ऑप्टिक सिस्टम्स (ईओएस) बड़ी खिलाड़ी है। कंपनी ने उच्च-

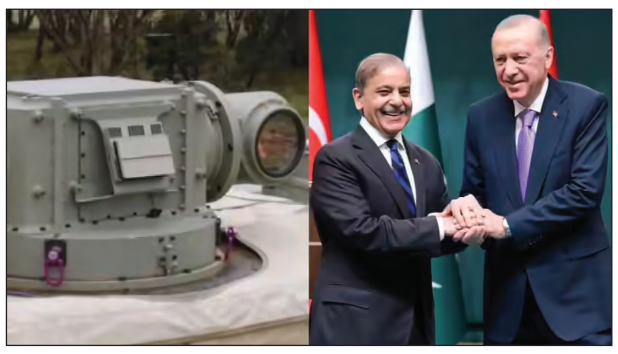

शक्ति वाला अपोलो लेजर हथियार सिस्टम (100 kW वर्ग तक) बनाया है और अपनी अंतर्राष्ट्रीय साझेदारियां बढ़ा रही है। सऊदी अरब में फरवरी में वर्ल्ड डिफेंस शो के दौरान ईओएस ने लेजर-आधारित निर्देशित ऊर्जा हथियारों के संयुक्त विकास के लिए तुर्की की रक्षा क्षेत्र की दिग्गज कंपनी रॉकेटसन के साथ रणनीतिक सहयोग समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं।

रॉकेटसन ने अपना अलका लेजर वेपन सिस्टम विकसित किया है। यह एक बहुमुखी यूएवी-रोधी के तौर पर काम करता है। इसमें समायोज्य-शक्ति वाला लेजर, इलेक्ट्रॉनिक जैमर, इलेक्ट्रो-ऑप्टिक सेंसर और रडार शामिल हैं। अलका सिस्टम 10 kW की शक्ति पर 2.2 किमी तक की मारक क्षमता प्रदान करता है। इसे स्थिर ठिकानों, ट्रक पैलेट या बख्तरबंद वाहनों पर लगाया जा सकता है।

पाकिस्तान नौसेना के टेंडर में विशेष रूप से 20 kW-वर्ग (या 10 kW तक बढ़ाई जा सकने वाली क्षमता वाले) लेजर हथियार सिस्टम की मांग की गई है। जानकारों का मानना है कि पाकिस्तान ने तुर्की के बजाय ऑस्ट्रेलियाई ईओएस को पसंद बनाया है।

ईओएस से वह तुर्की की ROKETSAN के जरिए बात कर रहा है। यह पाकिस्तान का समुद्री रक्षा के लिए निर्देशित-ऊर्जा हथियार बढ़ाने के प्रयास का हिस्सा है।

डोनाल्ड ट्रंप ने नाटो देशों पर निकाला गुस्सा

ईरान के खिलाफ मदद ना करने पर कोसा, तेहरान को भी दे दी धमकी

वॉशिंगटन, 26 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने नॉर्थ अटलांटिक ट्रीटी ऑर्गनाइजेशन (नाटो) के सदस्य देशों पर गुस्सा निकाला है। ट्रंप का कहना है कि ईरान के खिलाफ लड़ाई में नाटो ने अमेरिका की कोई मदद नहीं की है। ट्रंप ने ईरान को भी अमेरिका का प्रस्ताव स्वीकारने या फिर हमलों के लिए तैयार रहने के लिए धमकाया है। ट्रंप की नाटो देशों से नाराजगी ऐसे समय आई है, जब अमेरिका के ज्यादातर सहयोगी देशों ने इस संघर्ष से खुद को दूर रखने की कोशिश की है।

डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को 'ट्रुथ सोशल' पर अपनी पोस्ट में लिखा है कि नाटो देशों ने ईरान के खिलाफ युद्ध में बिल्कुल कुछ नहीं किया है। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका

को नाटो से किसी चीज की जरूरत नहीं है लेकिन हम इस बहुत ही महत्वपूर्ण समय को याद जरूर रखेंगे। ट्रंप पहले भी नाटो की आलोचना करते रहे हैं।

डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को अपने जाने-पहचाने अंदाज में कई बातें कही हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने एक ओर नाटो के सहयोगियों को अमेरिका की मदद ना करने के लिए कोसा है तो वहीं ईरान के रवैये पर भी निराशा जताई है। ट्रंप ने कहा है कि ईरान को जल्दी से जल्दी चीजों को मानना चाहिए क्योंकि समझौते के लिए समय निकलता जा रहा है।

डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि ईरानी वार्ताकार बहुत अलग और अजीब हैं। वे हमसे समझौता करने की भीख मांग रहे हैं, ये उन्हें करना भी चाहिए, क्योंकि वे सैन्य रूप से पूरी तरह तबाह हो चुके हैं और उनकी वापसी की कोई गुंजाइश नहीं है। इसके बावजूद वे सार्वजनिक रूप से कहते हैं कि अमेरिकी प्रस्ताव पर 'विचार' कर रहे हैं। यह तरीका ठीक नहीं है।

ट्रंप ने ईरान को धमकाने की कोशिश करते हुए कहा है कि बेहतर होगा कि वे जल्द ही गंभीर हो जाएं, इससे पहले कि बहुत देर हो जाए। क्योंकि एक बार ऐसा हो गया, तो फिर वापसी का कोई रास्ता नहीं होगा और इसका अंजाम अच्छा नहीं होगा। ऐसे में ईरान के लिए अमेरिका का प्रस्ताव मानना अच्छा होगा। ट्रंप ने सप्ताह की शुरुआत में कहा था कि अमेरिका और ईरान संघर्ष समाप्त करने के लिए बातचीत कर रहे हैं। इससे पहले उन्होंने कहा था कि ईरान समझौता करने के लिए बहुत बेताब है लेकिन आंतरिक परिणामों के डर से सार्वजनिक रूप से ऐसा कहने से डरते हैं। अमेरिका और इजरायल के 28 फरवरी को ईरान पर हमले के बाद शुरू हुए युद्ध के बाद से ट्रंप ने लगातार कई तरह के बयान दिए हैं।

जैविक उद्यान में गूंजी नन्हीं शेरनी की दहाड़

एशियाई शेर के कुनबे में हुआ इजाफा

रांची, 26 मार्च (एजेंसियां)। झारखंड की राजधानी स्थित भगवान बिरसा जैविक उद्यान (ओरमांझी) के लिए एक बड़ी खुशखबरी सामने आई है। उद्यान में लंबे अंतराल के बाद एशियाई शेरनी 'सबरी' की मादा शावक अब बड़ी हो रही है। अब चिड़ियाघर आने वाले पर्यटक इस नन्हीं मेहमान का दीदार कर सकेंगे। उद्यान के निदेशक जब्बार सिंह ने बताया कि पहले मौजूद एशियाई और हाइब्रिड शेरों की वृद्धावस्था के कारण मृत्यु हो गई थी, जिससे शेर का बाड़ा खाली हो गया था। काफी कोशिशों के तहत 16 जून 2025 को छत्तीसगढ़ के रायपुर स्थित नंदनवन जू से 'अभय' (नर) और 'सबरी' (मादा) एशियाई शेरों की जोड़ी लाई गई थी। 12 अगस्त 2025 को इनका सफलतापूर्वक मिलन कराया गया।

जानकारी के अनुसार, मादा शेरनी सबरी ने 28 नवंबर 2025 को एक मादा शावक को जन्म दिया था। जन्म के 10 दिनों बाद ही शावक की तबीयत बिगड़ गई और उसकी स्थिति काफी गंभीर हो गई थी। स्थिति को देखते हुए उसे मां से अलग कर अस्पताल के विशेष कक्ष में रखा गया। उद्यान के पशु चिकित्सकों, जीव वैज्ञानिकों और वन कर्मियों की दिन-रात की मेहनत के बाद अब शावक पूरी तरह स्वस्थ है और 4 माह की हो चुकी है।

चूंकि शावक अभी छोटी है, इसलिए उसे उसकी मां 'सबरी' के पास बनी एक सुरक्षित नर्सरी में शिफ्ट किया गया है। पर्यटकों की उत्सुकता को देखते हुए प्रशासन ने विशेष इंतजाम किए हैं।

साहिबगंज कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी

साहिबगंज, 26 मार्च (एजेंसियां)। साहिबगंज व्यवहार न्यायालय को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद गुरुवार को पूरे जिले में सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट मोड पर आ गई हैं। यह धमकी ईमेल से कोर्ट के रजिस्ट्रार के नाम भेजी गई है।

घटना की जानकारी मिलते ही अमित कुमार सिंह (पुलिस अधीक्षक) और हेमंत सती (डीसी) समेत प्रशासनिक अधिकारी तत्काल मौके पर पहुंचे और पूरे न्यायालय परिसर को घेरते हुए हाई अलर्ट घोषित कर दिया।

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए बम निरोधक दस्ता और डॉग स्क्वायड को बुलाया गया।

बांग्लादेश में बस नदी में गिरी, 26 की मौत

6 लोगों की जान बचाई, बस को बड़ी नाव पर चढ़ाते समय हुआ हादसा

ढाका, 26 मार्च (एजेंसियां)। बांग्लादेश के राजबाड़ी जिले में हुए बस हादसे में मरने वालों की संख्या बढ़कर 26 हो गई है। यह हादसा तब हुआ जब यात्रियों से भरी बस दाउलतदिया घाट पर फेरी (बड़ी नाव) में चढ़ते समय पद्मा नदी में गिर गई।

फायर सर्विस के मुताबिक, 23 शव बस के अंदर से निकाले गए, जिनमें 11 महिलाएं, 8 पुरुष और 5 बच्चे शामिल हैं।

इसके अलावा 8 लोगों को जिंदा बचाया गया था, लेकिन उनमें से 3 लोगों की बाद में अस्पताल में मौत हो गई। कुछ लोगों की तलाश जारी है। वहीं, 22 मृतकों के शव उनके परिवारों

को सौंप दिए गए हैं। बस में करीब 40 लोग सवार थे। हादसा बुधवार शाम को हुआ। तब सिर्फ 2 लोगों की मौत की खबर आई थी। बांग्लादेश में बसों और गाड़ियों को नदी पार कराने के लिए फेरी का इस्तेमाल होता है। यह एक बड़ी नाव या जहाज जैसा होता है। प्रधानमंत्री तारिक रहमान ने रेस्क्यू ऑपरेशन की जानकारी ली और जांच के आदेश दिए।

रेस्क्यू ऑपरेशन में फायर सर्विस की चार टीमें और 10 गोताखोर शामिल रहे। इनके साथ सेना, पुलिस, कोस्टगार्ड, BIWTC और लोकल प्रशासन ने भी मिलकर काम किया। कुल 25 मृतकों में से 22 शव फायर सर्विस ने निकाले, 2 लोगों को स्थानीय लोगों ने बचाया लेकिन बाद उनकी मौत हो गई, जबकि 1 शव नौसेना के गोताखोरों ने बरामद किया। मरने वालों में ज्यादातर की पहचान कर ली गई है, जिनमें महिलाएं, पुरुष और छोटे बच्चे भी शामिल हैं। हादसे के बाद प्रशासन ने जांच के लिए 5 सदस्यीय कमेटी बना दी है।

मर्यादा, आस्था और आदर्श जीवन का संदेश

सौरभ वार्ष्णेय

भए प्रगट कृपाला दीनदयाला कौसल्या हितकारी। हरषित महतारी मुनि मन हारी अद्भुत रूप बिचारी॥ यह चौपाई सुनते ही मन भी राममय हो जाता है।

भारत की सांस्कृतिक परंपरा में त्योहार केवल उत्सव नहीं होते, बल्कि वे जीवन जीने की दिशा भी देते हैं। ऐसा ही एक पावन पर्व है राम नवमी, जो भगवान राम के जन्मोत्सव के रूप में पूरे देश में श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जाता है।

वर्ष 2026 में भी यह पर्व लोगों के जीवन में आस्था, संयम और आदर्शों की नई ऊर्जा लेकर आएगा। राम नवमी चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को मनाई जाती है। यह वही दिन है जब अयोध्या में राजा दशरथ के घर भगवान राम का जन्म हुआ था। राम केवल एक देवता ही नहीं, बल्कि आदर्श पुत्र, आदर्श राजा और आदर्श मानव के रूप में भी पूजे जाते हैं। उनका जीवन हमें सिखाता है कि कठिन परिस्थितियों में भी धर्म और सत्य का मार्ग नहीं छोडऩा चाहिए।आज के बदलते सामाजिक परिदृश्य में राम के आदर्श और भी प्रासंगिक हो जाते हैं। जब समाज में नैतिक मूल्यों का ह्रास दिखाई देता है, तब राम का जीवन हमें मर्यादा, त्याग और कर्तव्यनिष्ठा की याद दिलाता है।

राम ने अपने पिता के वचन को निभाने के लिए 14 वर्षों का वनवास स्वीकार किया, जो आज के समय में कर्तव्य और परिवार के प्रति समर्पण का सर्वोच्च उदाहरण है।राम नवमी के अवसर पर देशभर के मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना होती है। भक्तजन व्रत रखते हैं, रामचरितमानस का पाठ करते हैं और भजन-कीर्तन के माध्यम से भगवान राम का गुणगान करते हैं। अयोध्या सहित अनेक स्थानों पर शोभायात्राएं निकाली जाती हैं, जो इस पर्व की भव्यता को और बढ़ा देती हैं।यह पर्व हमें केवल धार्मिक आस्था तक सीमित नहीं रखता, बल्कि एक बेहतर समाज के निर्माण की प्रेरणा भी देता है। रामराज्य की कल्पना—जहां न्याय, समानता और सुख-शांति हो—आज भी हमारे लोकतांत्रिक मूल्यों का आधार बनी हुई है। राम नवमी हमें यह संदेश देती है कि सच्चाई, धैर्य और मर्यादा के मार्ग पर चलकर ही जीवन को सार्थक बनाया जा सकता है। यदि हम भगवान राम के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाएं, तो न केवल हमारा व्यक्तिगत जीवन सुधरेगा, बल्कि समाज में भी सकारात्मक परिवर्तन आएगा।

रामनवमी के दिन सुबह 10 बजे से लेकर 12 बजे तक का समय विशेष रूप से शुभ रहेगा. इस दौरान पुनर्वसु नक्षत्र का संयोग भी रहेगा, जो पूजा के लिए और भी अधिक फलदायी माना जाता है. इस समय भगवान श्रीराम और हनुमान जी की पूजा करने से विशेष लाभ प्राप्त होता है.

रामनवमी: जीवन जीने की दिशा भी

भारत की सांस्कृतिक परंपरा में राम नवमी केवल एक धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि जीवन को सही दिशा देने वाली प्रेरणा भी है। यह दिन भगवान राम के जन्म का प्रतीक है, जिन्हें मर्यादा पुरुषोत्तमर कहा जाता है—अर्थात मर्यादा, नैतिकता और आदर्श जीवन के सर्वोच्च उदाहरण।

आदर्शों से भरा जीवन

रामनवमी हमें सिखाती है कि जीवन केवल सफलता या सत्ता पाने का नाम नहीं है, बल्कि अपने कर्तव्यों और मूल्यों को निभाने का नाम है। भगवान राम ने हर परिस्थिति में सत्य, धर्म और कर्तव्य को सर्वोपरि रखा—चाहे वह वनवास हो, परिवार के प्रति जिम्मेदारी हो या प्रजा के प्रति कर्तव्य।

संतुलन और संयम का संदेश

आज की तेज़ रफ्तार जिंदगी में जहां स्वार्थ और प्रतिस्पर्धा बढ़ रही है, राम का जीवन संयम और संतुलन का संदेश देता है। उन्होंने क्रोध, अहंकार और लोभ पर नियंत्रण रखते हुए जीवन जिया—जो आज भी हर व्यक्ति के लिए मार्गदर्शक है।

रिश्तों की मर्यादा

रामनवमी हमें यह भी सिखाती है कि रिश्तों की गरिमा बनाए रखना कितना महत्वपूर्ण है। राम ने पुत्र, भाई, पति और राजा—हर भूमिका में आदर्श स्थापित किया। उनके जीवन से हमें यह सीख मिलती है कि संबंध केवल अधिकार नहीं, बल्कि जिम्मेदारी भी होते हैं।

संघर्ष में भी धैर्य

जीवन में कठिनाइयाँ आना स्वाभाविक है, लेकिन राम का जीवन बताता है कि धैर्य और सकारात्मक सोच से हर संकट को पार किया जा सकता है। उन्होंने विपरीत परिस्थितियों में भी अपने मार्ग से कभी विचलित नहीं हुए।

आज के संदर्भ में रामनवमी

आज के समय में रामनवमी केवल पूजा-पाठ तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि इसे अपने जीवन में उतारने की जरूरत है। ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा, सहनशीलता और न्याय—ये सभी गुण हमें बेहतर इंसान और बेहतर समाज बनाने में मदद करते हैं।

रामनवमी हमें याद दिलाती है कि सच्चा उत्सव केवल बाहरी नहीं, बल्कि आंतरिक परिवर्तन में है। जब हम भगवान राम के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाते हैं, तभी यह पर्व वास्तव में सार्थक होता है।

हनुमान जी को अर्पण करें तुलसी का माला

हनुमान जी की पूजा करते समय कुछ विशेष बातों का ध्यान रखना चाहिए. इस दिन लाल वस्त्र पहनकर पूजा करना शुभ माना गया है. साथ ही हनुमान जी को चमेली के तेल में सिंदूर मिलाकर अर्पित करना चाहिए. यह उन्हें अत्यंत प्रिय होता है और इससे भक्तों पर उनकी विशेष कृपा बनी रहती है. भोग के रूप में लड्डू या रोट अर्पित करना भी उत्तम माना गया है.इसके अलावा तुलसी का विशेष महत्व बताया गया है. मान्यता है कि यदि रामनवमी के दिन हनुमान जी को तुलसी की माला अर्पित की जाए, तो वे अत्यंत प्रसन्न होते हैं और भक्तों की सभी इच्छाएं पूरी करते हैं. ऐसा करने से जीवन के कष्ट और बाधाएं दूर होती हैं और सुख-शांति का वास होता है.

रावण भी डरता था इस राक्षसी से!

अशोक वाटिका में की मां सीता की रक्षा, थीं विभीषण की बेटी

रामायण की कथा में कई पात्र हैं जिनकी कहानियां अक्सर नजरअंदाज हो जाती हैं. उनमें से एक हैं विभीषण की बेटी, जिनके बारे में आज तक बहुत कम लोग जानते हैं. हम जानते हैं कि विभीषण भगवान राम के परम भक्त थे और रावण के भाई होने के बावजूद धर्म के मार्ग पर चलते थे, लेकिन उनकी पुत्री का जिक्र मुख्य रामायण में नहीं मिलता. इसके बावजूद कई प्राचीन और क्षेत्रीय ग्रंथों में त्रिजटा का उल्लेख मिलता है, और यह जानना इसलिए भी रोचक है क्योंकि रावण तक उनके व्यक्तित्व और भविष्यदर्शी गुणों से भयभीत था।

विभीषण की बेटी त्रिजटा को सुंदरता और बुद्धिमत्ता की मिसाल माना जाता है. राक्षस कुल में जन्म लेने के बावजूद उनका चरित्र शांत और विचारशील था. कहा जाता है कि रावण, जो अपनी बहादुरी और ताकत के लिए कुख्यात था, वास्तव में विभीषण की बेटी की दिव्य शक्तियों और दूरदर्शिता से डरता था।

त्रिजटा और अशोक वाटिका

जब माता सीता का हरण हुआ और उन्हें लंका में रखा गया, तब उनका निवास अशोक वाटिका में था. रावण ने वहां राक्षसियों को सीता के चारों ओर तैनात किया था, ताकि वे उन्हें डराने और उनके प्रति विवाह के प्रस्ताव के लिए राजी करने का प्रयास करें. लेकिन इस दौरान त्रिजटा ने अपनी समझदारी और दूरदर्शिता दिखाई. उन्होंने अपनी सहकर्मी राक्षसियों को समझाया कि सीता माता को परेशान करना गलत है और उन्हें सम्मान के साथ देखना चाहिए. त्रिजटा ने राक्षसियों से कहा कि उन्हें माता सीता की सेवा करनी चाहिए और उन्हें किसी भी प्रकार की परेशानियों में डालने से बचना चाहिए. उनकी यह बात इतनी प्रभावशाली थी कि सभी राक्षसियों ने उनकी आज्ञा मान ली।

भविष्यद्रष्टा के रूप में त्रिजटा

त्रिजटा में भविष्य देखने की क्षमता थी. उन्होंने राक्षसियों और माता सीता को बताया कि जल्द ही हनुमान और वानर सेना लंका पर हमला करेंगे और भगवान राम सीता माता को बचाने आएंगे. यह भविष्यवाणी रावण और राक्षसों के लिए चेतावनी थी. उनकी इस दूरदर्शिता के कारण ही अशोक वाटिका में सीता माता की सुरक्षा में सहयोग बढ़ा।

रावण क्यों डरता था

त्रिजटा केवल सुंदर या बुद्धिमान नहीं थीं, बल्कि उनके पास कुछ दिव्य शक्तियां भी थीं. वे माता सीता को घटित होने वाली घटनाओं की जानकारी देती रहती थीं, और उनका हर शब्द सच्चा साबित होता था. रावण जानता था कि त्रिजटा धर्म और भगवान विष्णु के प्रति श्रद्धावान हैं. यही कारण था कि रावण उनके सामने कभी अपनी पूर्ण ताकत का प्रयोग नहीं करता और उनसे डरता था।

बनारस में त्रिजटा का मंदिर

कहा जाता है कि त्रिजटा को माता सीता ने वरदान दिया कि कार्तिक पूर्णिमा के अगले दिन उन्हें देवी स्वरूप में पूजा जाएगा. इस कथानक के अनुसार, रावण के वध के बाद माता सीता ने त्रिजटा को काशी (वाराणसी) में विराजमान होने का आशीर्वाद दिया. आज भी वहां उनके नाम का एक छोटा मंदिर मौजूद है, जहां साल में एक दिन विशेष पूजा होती है. भक्त इस दिन मूली, बैंगन और अन्य सामग्री का भोग लगाकर त्रिजटा की पूजा करते हैं।

राजस्थान में सबसे ऊंची हनुमान प्रतिमा

30 किलोमीटर दूर से दिखेगी, सोने जैसा रंग चढ़ा

श्री श्रीजी के हनुमानजी' का आज लोकार्पण हुआ। इसे नाथद्वारा (राजससमंद) में दुनिया की सबसे ऊंची शिव प्रतिमा विश्वास स्वरूपम के सामने करीब 500 फीट की ऊंचाई पर गिरिराज पर्वत पर बनाया गया है।

प्रतिमा की स्वर्ण चमक फीकी नहीं पड़े, इसके लिए थाइलैंड से विशेष गोल्ड कलर मंगवाया गया है। करीब 150 टन वजनी प्रतिमा के निर्माण में कोई परेशानी नहीं आए, इसके लिए 3 साल तक हर दिन सुंदरकांड और हनुमान चालीसा का पाठ किया गया।

गिरिराज पर्वत पर प्रणाम मुद्रा में बजरंगबली दक्षिणमुखी प्रतिमा प्रभु श्रीनाथजी और विश्वासरूपम प्रतिमा (भगवान शिव) की ओर प्रणाम मुद्रा में तैयार की गई है। प्रतिमा की स्थापना का उद्देश्य स्वामी भक्ति को बताया गया है, इसी वजह बजरंगबली का मुख श्रीनाथ जी और शिव प्रतिमा की ओर है। माना जाता है कि प्रभु श्रीनाथजी जब ब्रज से मेवाड़ पधारे, तब सभी देवी-देवता भी श्रीजी की सेवा के लिए उनके साथ मेवाड़ आए, इसलिए हनुमानजी की प्रतिमा का नाथद्वारा में गिरिराज पर्वत पर स्थापना की गई। निर्माण कार्य के दौरान यहां लगातार धार्मिक अनुष्ठान भी किया गया। शास्त्रों के अनुसार- दक्षिणमुखी प्रतिमा तंत्र और भक्ति शास्त्र के अनुसार अत्यंत फलदायी और रक्षक मानी जाती है।

गिरिराज पर्वत पर स्थापित हनुमानजी की प्रतिमा देश की चौथी सबसे ऊंची प्रतिमा है। नाथद्वारा में श्री श्रीजी के हनुमानजी की

ऐसी है हनुमानजी की ये प्रतिमा

मौसम से बचने के लिए तीन तरह की लेयरिंग

- UV प्रोटेक्टेड कोटिंग
- वाटरप्रूफ लेयरिंग
- एंटी-करोजन ट्रीटमेंट (स्टील के लिए)

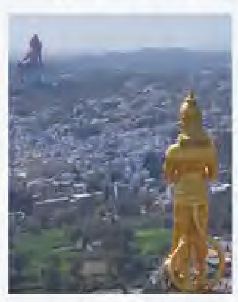

प्रतिमा करीब 30 किलोमीटर दूर से दिखाई देती है।

साल 2022 में हुई थी शुरुआत

प्रतिमा का निर्माण विश्वास स्वरूपम बनाने वाले मूर्तिकार नरेश कुमावत ने किया है।

कुमावत का कहना है कि पहाड़ी के ऊपर हवा का दबाव इतना अधिक होता है कि क्रेन को खड़ी रखना भी करीब-करीब असंभव था। हर समय हादसे की आशंका बनी रहती थी। प्रतिमा को मॉर्डन टेक्नोलॉजी और मजबूत संरचना के साथ तैयार किया गया। ये प्रतिमा करीब 13 मंजिल इमारत जितनी ऊंची है। प्रतिमा जिस बेस पर बनाई गई है उसकी ऊंचाई करीब 20 फीट है। वहीं, प्रतिमा 111 फीट ऊंची है। इस तरह जमीन से इसकी कुल हाइट 131 फीट है।

हनुमान प्रतिमा के मूर्तिकार नरेश कुमावत देश- विदेश में 6 हजार से अधिक मूर्तियां बना चुके हैं। कनाडा में 14 से अधिक मूर्तियां विभिन्न मंदिरों में स्थापित हैं। जहां हनुमानजी से लेकर शिवजी की बड़ी-बड़ी प्रतिमाएं हैं। इसके अलावा उन्होंने न्यू पार्लियामेंट, सुप्रीम कोर्ट ऑफ इंडिया और राम मंदिर में भी काम किया है। प्रतिमा निर्माण से जुड़े गिरीश रतिलाल शाह ने बताया- यह प्रतिमा क्षेत्र में आस्था का प्रमुख केंद्र बनने के साथ ही नाथद्वारा में धार्मिक पर्यटन को नई दिशा देगी।

सामने है 369 फीट ऊंची शिव प्रतिमा

नाथद्वारा में ही भगवान शिव की 369 फीट ऊंची प्रतिमा है। इसे 'विश्वास स्वरूपम' कहा जाता है। शिव प्रतिमा का लोकार्पण तीन साल पहले किया गया था। इससे बनने में करीब 10 साल का समय लगा था। विश्वास स्वरूप को लेकर दावा है कि ये विश्व की सबसे ऊंची शिव प्रतिमा हैं। इस प्रतिमा के अंदर भी जाया जा सकता है।

चैत्र महानवमी पर गौरी योग का शुभ संयोग

नजर दोष से बचाव का उपाय

अगर परिवार के किसी सदस्य को नजर लगी हो, तो इसके लिए चैत्र नवरात्रि की नवमी तिथि के दिन आप उपाय कर सकते हैं। एक कच्चे नारियल को साफ लाल रंग के वस्त्र में लपेट लें। अब इसे अपने या जिसे भी नजर दोष हो उसके सिर पर से सात बार घुमाएं। फिर, नारियल को लेजाकर मंदिर के पास या चौराहे पर रख दें। इस उपाय को चुपचाप करना चाहिए। ज्योतिष एक्सपर्ट डॉ मधु प्रिया के अनुसार, इस उपाय को करने से नजर दोष से बचाव होता है। साथ ही, नकारात्मक ऊर्जा दूर रहती है।

आर्थिक बाधाएं दूर करने का उपाय

अगर आप कुछ समय से आर्थिक बाधाओं का सामना कर रहे हैं, तो इसके लिए नवमी तिथि के दिन मां दुर्गा को पूजा के समय 108 कमल के फूल या उसकी माला अर्पित करनी चाहिए। अगर ऐसा संभव न हो तो आप देवी को गुड़हल के फूल या उसकी माला भी अर्पित कर सकते हैं। साथ ही, इस दौरान कम से कम 108 बार 'ओम श्रीं ह्रीं क्लीं महालक्ष्म्यै नमः' मंत्र का जाप करना चाहिए। मान्यता है की नवरात्रि के अष्टमी तिथि पर इस उपाय को करने से आर्थिक बाधाओं से राहत मिल सकती है। साथ ही, कर्ज से मुक्ति दिलाने के लिए भी इस उपाय को अच्छा माना गया है।

वैवाहिक जीवन में मधुरता का उपाय

वैवाहिक जीवन में मधुरता का उपाय

दांपत्य जीवन में अगर परेशानी आ रही है या मनमुटाव चल रहा हो, तो नवरात्रि की नवमी तिथि पर शाम के समय एक सरल उपाय कर सकते हैं। इसके लिए शाम को प्रदोष काल के समय अपने पास के मंदिर में श्रृंगार का सामान भेंट करें। साथ ही, मां दुर्गा से जीवन में मधुर दांपत्य जीवन और अटूट बंधन की प्रार्थना करें। मान्यता है कि इस उपाय को करने से वैवाहिक जीवन में आ रही परेशानियों से राहत मिल सकती है। साथ ही, पति-पत्नी के बीच का रिश्ता मजबूत होता है।

करियर में उन्नति का उपाय

अगर आप करियर में किसी समस्या या बाधाओं का सामना कर रहे हैं तो नवमी तिथि के दिन हनुमान चालीसा या सुंदरकांड का पाठ करना चाहिए। इसके अलावा, सुबह जल्दी उठकर स्नानादि के पश्चात सूर्य को अर्घ्य दें और साथ ही आदित्य हृदय स्तोत्र का पाठ करें।

स्वतंत्र वार्ता

शुक्रवार, 27 मार्च - 2026

संकट नहीं, अवसर का समय

अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव ने एक बार फिर दुनिया को यह सख्त संदेश दे दिया है कि ऊर्जा सुरक्षा अब केवल आर्थिक मुद्दा नहीं, बल्कि रणनीतिक अस्तित्व का प्रश्न बन चुकी है। वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं पर निर्भरता जितनी गहरी होती है, संकट के समय उसका जोखिम उतना ही बड़ा हो जाता है। यही कारण है कि यूरोप, यूनाइटेड किंगडम और जापान जैसे विकसित देश अब "आउट ऑफ बॉक्स" सोच के साथ घरेलू ऊर्जा स्रोतों को मजबूत करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। भारत के लिए भी यह संकेत स्पष्ट है कि ऊर्जा आत्मनिर्भरता अब विकल्प नहीं, अनिवार्यता है। भारत लंबे समय से तेल और गैस के आयात पर अत्यधिक निर्भर रहा है। इससे न केवल विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव पड़ता है, बल्कि वैश्विक राजनीतिक घटनाक्रमों का सीधा असर देश की अर्थव्यवस्था पर भी पड़ता है। ऐसे में ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉरपोरेशन (ओएनजीसी) द्वारा समुद्री क्षेत्रों में ड्रिलिंग रिग्स किराये पर लेने और बड़े पैमाने पर अन्वेषण की दिशा में उठाया गया कदम एक सकारात्मक संकेत है। यह दर्शाता है कि भारत अब केवल योजनाओं तक सीमित नहीं रहना चाहता, बल्कि जमीनी स्तर पर ऊर्जा उत्पादन बढ़ाने के लिए गंभीर प्रयास कर रहा है। विशेष रूप से कृष्णा-गोदावरी बेसिन और अंडमान के अल्ट्रा-डीपवॉटर क्षेत्रों में अन्वेषण गतिविधियों का विस्तार यह बताता है कि सरकार दीर्घकालिक रणनीति के तहत नए ऊर्जा स्रोतों की तलाश को प्राथमिकता दे रही है। हालांकि डीपवॉटर अन्वेषण महंगा और जोखिम भरा होता है, लेकिन इसके परिणामस्वरूप मिलने वाले संभावित भंडार भारत की ऊर्जा स्थिति को पूरी तरह बदल सकते हैं। यही कारण है कि वैश्विक कंपनियों के साथ साझेदारी करके आधुनिक तकनीक और विशेषज्ञता को शामिल करना एक दूरदर्शी कदम माना जाना चाहिए। ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में केवल तेल-गैस ही नहीं, बल्कि वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों पर भी समान रूप से ध्यान देना जरूरी है। सरकार द्वारा एलपीजी पर निर्भरता कम करने के लिए एथेनॉल आधारित कुकिंग स्टोव के प्रयोग की दिशा में उठाए जा रहे कदम इस सोच को दर्शाते हैं। हालांकि यह पहल अभी शुरुआती चरण में है, लेकिन यदि इसे व्यापक स्तर पर लागू किया गया तो यह ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में ऊर्जा खपत के स्वरूप को बदल सकती है। साथ ही, सौर ऊर्जा और इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग को बढ़ावा देना भी ऊर्जा सुरक्षा के व्यापक लक्ष्य का महत्वपूर्ण हिस्सा है। लेकिन यहां भी एक बड़ी चुनौती सामने आती है—बैटरी निर्माण के लिए जरूरी खनिजों की आपूर्ति। वर्तमान में भारत इन संसाधनों के लिए चीन सहित अन्य देशों पर निर्भर है। ऐसे में यदि ऊर्जा आत्मनिर्भरता का लक्ष्य हासिल करना है, तो इन खनिजों के घरेलू उत्पादन और वैकल्पिक आपूर्ति स्रोतों की तलाश भी उतनी ही जरूरी होगी। दरअसल, वैश्वीकरण के इस दौर में पूर्ण आत्मनिर्भरता संभव नहीं है, लेकिन निर्भरता का संतुलित और सुरक्षित ढांचा तैयार करना पूरी तरह संभव है। भारत को अब ऊर्जा नीति में विविधीकरण, तकनीकी निवेश और घरेलू उत्पादन क्षमता के विस्तार पर एक साथ काम करना होगा। यही रणनीति भविष्य के संकटों से देश को सुरक्षित रख सकती है। स्पष्ट है कि ऊर्जा सुरक्षा अब केवल आर्थिक विकास का आधार नहीं रही, बल्कि राष्ट्रीय संप्रभुता और रणनीतिक मजबूती की भी कुंजी बन चुकी है। ऐसे समय में भारत के लिए यही सही अवसर है कि वह निर्णायक कदम उठाकर ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में ठोस और तेज़ प्रगति सुनिश्चित करे। यही आने वाले समय में एक मजबूत और सुरक्षित भारत की पहचान बनेगा।

माथे पर चंदन लगाकर घूमने वाले दो ठग पुलिस के शिकंजे में

स्नेहा सिंह

साधु-संत, महात्मा या गुरु बनने के लिए शिक्षित होना कोई जरूरी नहीं है। देश में शिक्षा का स्तर बढ़ने के बावजूद साधु-संत-बाबा का स्वांग रचकर बैठे ठग तत्व तरह-तरह के कारनामे करते रहते हैं। पिछले पंद्रह दिनों में दो ऐसी घटनाएं सामने आई हैं, जिनके कारण माथे पर चंदन का लेप लगाकर घूमने वाले या चमत्कार का दावा करने वालों को लोग एक बार फिर शक की नजर से देखने लगे हैं। लोग अपनी जीवन की समस्याओं के समाधान के लिए चमत्कारी संतों की तलाश में भटकते रहते हैं। कमजोर मानसिक स्थिति वाले परेशान लोग ऐसे बाबाओं के जाल में फंस जाते हैं। अब तो इन बाबाओं ने चैटजीपीटी जैसे एआई टूल्स का भी इस्तेमाल शुरू कर दिया है। सोशल मीडिया पर ओशो रजनीश की शैली में गुरु बनकर घूमने वाले ठग लोगों की भरमार दिखाई देती है।

सूरत के योगगुरु प्रदीप जोतंगिया 2.38 करोड़ रुपए की नकली करेंसी के साथ पकड़े जाने के बाद उनसे योग सीखने वाले और रोज उनके प्रवचन सुनने वालों को गहरा झटका लगा है। योग सिखाने की आड़ में प्रदीप जोतंगिया समय के साथ गॉडमैन प्रदीपजी बन गया था। सूरत के कामरेज में उसका 'सत्यम योग फाउंडेशन' कई लोगों के लिए आस्था का केंद्र बन गया था। प्रदीप की गाड़ी से ही नकली नोट पकड़े जाने के बाद उससे जुड़े सभी लोगों में डर फैल गया, क्योंकि सभी की जांच हो रही है। प्रदीपजी चैटजीपीटी का इस्तेमाल करता था और नकली नोटों के लिए कागज चीन से मंगवाता था।

दूसरी ओर, नासिक के अशोक खरात का मामला भी काफी चर्चा में है। वह अपने पास नकली सांप रखता था, जंगली जानवरों की खाल रखकर और -सीरी' ऐप के जरिए तरह-तरह की आवाजें निकालकर खुद को चमत्कारी साबित करता था। अशोक खरात मर्चेंट नेवी का रिटायर्ड कर्मचारी है। जिस महिला ने उसके खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है, उसका वह पिछले तीन साल से शोषण कर रहा था। शिकायत के बाद एक और महिला सामने आई और उसने कहा कि वह उसके पति को आफिस के बाहर खड़ा रखकर अंदर उसके साथ गलत काम करता था। बताया जाता है कि खरात लोगों पर वशीकरण करता था और उसकी बात न मानने पर बुरा होने की धमकी देता था। वह खुद को दैवी शक्तियों वाला बताकर रिमोट कंट्रोल से सांप बुलाने का दावा करता था।

अशोक खरात की ठगी और दुष्कर्म का जाल विदेशों तक फैला हुआ है। उसने लगभग 150 बार विदेश यात्राएं की हैं। महाराष्ट्र महिला आयोग की रुपाली चकनाकर पर भी अशोक खरात के कारण सवाल उठे हैं। खरात के साथ उनका वीडियो काफी विवादित बना हुआ है। कुछ साल पहले केरल में एक मामला सामने आया था, जहां एक युवती ने आत्मरक्षा में उसका यौन शोषण करने वाले गॉडमैन का गुप्तांग काट दिया था। उसने खुद तिरुवनंतपुरम पुलिस को बुलाकर अपराध कबूल किया था। उसका कहना था कि अगर वह केस करती तो फैसला आने तक मामला लंबा चलता और तब तक वह दरिंदा अन्य युवतियों का शिकार करता रहता। युवती ने कहा था कि अगर वह इस ढोंगी स्वामी के खिलाफ बलात्कार की शिकायत करती तो शायद कोई उसकी बात पर विश्वास नहीं करता, लेकिन अब जब उसने उसका अंग काट दिया है, तो लोग उसकी बात को सच मान रहे हैं। उस युवती की मां को उस स्वामी की हरकतों की जानकारी थी, लेकिन वह उसे अपना गुरु मानती थी, इसलिए चुप रही। अंततः युवती ने कठोर कदम उठाकर खुद ही न्याय कर लिया। यदि ऐसी महिलाओं को प्रोत्साहन मिले तो अन्य महिलाओं में भी हिम्मत आएगी और वे अपने शोषण से बच सकेंगी। इस तरह के तथाकथित महात्माओं के मामले समय-समय पर सामने आते रहते हैं। लोगों को चेतावनी भी दी जाती है, लेकिन जीवन की जटिल समस्याओं में उलझे अंधश्रद्धालु लोग जाने-अनजाने इन फर्जी बाबाओं के जाल में फंस ही जाते हैं। इस समस्या का एक ही समाधान है, लोगों को खुद जागरूक बनना होगा।

आत्महत्या विकल्प नहीं हो सकता?

अशोक भाटिया

हाल ही में अमेरकि-ईरान जंग में मध्यस्थता करने पर जयशंकर ने पाकिस्तान को अमेरकि का दलाल कहकर पुकारा। साथ ही ये भी कहा कि पाकिस्तान 1981 से ऐसा करता आ रहा है।यह कोई नई बात नहीं है। अमेरकि हमेशा उसका इस्तेमाल करता रहा है। ईरान संकट पर बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में वपिक्ष का सवाल था कि अमेरकि ईरान युद्ध में पाकिस्तान मध्यस्थता कर रहा है, हमारी भूमिका क्या है? इन सवालों पर वदिश मंत्री एस जयशंकर ने साफ साफ कहा कि भारत खुद को पाकिस्तान की तरह 'दलाल' के रूप में नहीं देखता है। भारत की भूमिका प्रोडक्टवि है। भारत चाहता है कि शांति हो।

अमेरिका और ईरान के बीच तनाव कम करने के लिए पाकिस्तान और तुर्की जैसे देश मध्यस्थ की भूमिका निभाने की कोशिश कर रहे हैं। इस पर जयशंकर ने कहा कि पाकिस्तान की मध्यस्थता की कोशिशों में कुछ भी नया नहीं है, क्योंकि अमेरिका 1981 से उस देश का इस्तेमाल कर रहा है। संसद परिसर में आयोजित इस बैठक में उन्होंने दो टूक कहा, हम कोई 'दलाल' देश नहीं हैं।" सरकार ने विपक्षी नेताओं को बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को स्पष्ट संदेश दिया है कि पश्चिम एशिया में युद्ध जल्द खत्म होना चाहिए, क्योंकि इसका असर सभी पक्षों पर पड़ रहा है। भारत ने इस मुद्दे पर तनाव कम करने के अपने रुख को दोहराया है।

सरकार ने विपक्ष के उन आरोपों को खारिज कर दिया जिसमें कहा गया था कि नई दिल्ली इस वैश्विक संकट पर खामोश है। सरकार ने पलटवार करते हुए कहा, "हम स्थिति पर टिप्पणी भी कर रहे हैं और प्रतिक्रिया भी दे रहे हैं।" कूटनीतिक सक्रियता का उदाहरण देते हुए बताया गया कि जब ईरान का दूतावास खुला, तो विदेश सचिव ने बिना किसी देरी के वहां जाकर शोक पुस्तिका पर हस्ताक्षर किए थे।

इस दौरान विदेश मंत्री एस जयशंकर का जवाब इतिहास के पन्नों को उधेड़ने वाला था। सूत्रों के अनुसार, बैठक में पाकिस्तान की मध्यस्थता का जिक्र आने पर जयशंकर ने तंज कसते हुए कहा कि यह तो 1981 से चल रहा है, अमेरिका ने सालों से पाकिस्तान को ईरान के साथ बातचीत में लगा रखा है। सवाल ये कि आखिर 1981 में ऐसा क्या हुआ था, जिसका जिक्र कर विदेश मंत्री ने पाकिस्तान की हैसियत और अमेरिका के साथ उसके रिश्तों की पूरी कलई खोल कर रख दी। बात 1979 की है, जब ईरान में ऐतिहासिक इस्लामिक क्रांति हुई थी। इसी क्रांति के दौरान तेहरान स्थित अमेरिकी दूतावास पर ईरानी प्रदर्शनकारियों ने कब्जा कर लिया और 400 से ज्यादा दिनों तक अमेरिकी राजनयिकों को बंधक बनाए रखा। यह इतिहास का वह चर्चित बंधक संकट था जिसने अमेरिका और ईरान के रिश्तों में हमेशा के लिए एक गहरी खाई खोद दी। इस घटना के बाद 7 अप्रैल 1980 को अमेरिका और ईरान के बीच राजनयिक संबंध पूरी तरह से टूट गए। दोनों देशों ने एक-दूसरे के यहां अपने दूतावास बंद कर दिए और सीधी बातचीत का कोई रास्ता नहीं बचा। लेकिन अंतरराष्ट्रीय राजनीति में धुर विरोधी देशों को भी संवाद का कोई न कोई 'बैकचैनल' या पिछला दरवाजा खुला रखना पड़ता है। यहीं से उस व्यवस्था का जन्म हुआ जिसे जयशंकर ने 'दलाली' का नाम दिया।

जनवरी 1981 में अमेरिका और ईरान के बीच अल्जीयर्स समझौता हुआ। इसके तहत तय किया गया कि दोनों देश एक-दूसरे की राजधानियों में किसी तीसरे 'तटस्थ' देश के राजनयिक संरक्षण में अपने इंट्रेस्ट पर फोकस करेंगे। ईरान में अमेरिकी हितों की देखभाल का जिम्मा स्विट्जरलैंड के दूतावास को सौंपा गया, जो आज भी कायम है। वहीं, अमेरिका की राजधानी वाशिंगटन डीसी में ईरान के हितों की जिम्मेदारी शुरुआत में अल्जीरिया को दी गई थी। लेकिन 1992 में अल्जीरिया में हुए गृह युद्ध के दौरान जब ईरान ने वहां के इस्लामिक धड़े का समर्थन किया, तो अल्जीरिया ने यह जिम्मेदारी छोड़ दी। अल्जीरिया के हटते ही पाकिस्तान ने इस अवसर को लपक लिया और अमेरिका में ईरान का संरक्षक बन बैठा। तब से लेकर आज तक अमेरिका में ईरान का जो भी आधिकारिक कामकाज होता है, वह पाकिस्तानी दूतावास की छतरी तले ही होता है। वाशिंगटन डीसी के 2209 विस्कॉन्सिन एवेन्यू स्थित पाकिस्तानी दूतावास के पते से ही 2015 तक ईरानी सरकार ने अमेरिका में अपना काम किया। बाद में जगह की कमी के कारण ईरान को दूसरी जगह दे दी गई। लेकिन चौंकाने वाली बात यह है कि आज भी कानूनी और कूटनीतिक रूप से यह जगह पाकिस्तानी दूतावास का ही हिस्सा मानी जाती है और इसे पाकिस्तान का राजनयिक संरक्षण प्राप्त है। इस कार्यालय में काम करने वाले कर्मचारियों को पाकिस्तानी प्रोटोकॉल कवर मिलता है। करीब 15 लाख ईरानी-अमेरिकियों के पासपोर्ट रिन्यू करने से लेकर जन्म और विवाह प्रमाण पत्र बनाने तक का सारा काम इसी दफ्तर से होता है। इस पूरी व्यवस्था को देखकर साफ समझ आता है कि पाकिस्तान अमेरिका और ईरान के बीच महज एक डाकघर की भूमिका निभाता है। जो भी देश इन दोनों धुर विरोधियों के बीच बातचीत का सूत्रधार बनता है, उसके कागजात इस्लामाबाद के जरिए ही आगे बढ़ते हैं। यह पाकिस्तान की उस अवसरवादी और दोहरी नीति का सबसे बड़ा उदाहरण है जहां वह एक तरफ कर्जे के लिए ईरान के कट्टर प्रतिद्वंद्वी सऊदी अरब के सामने हाथ फैलाता है और खुद को सुन्नी दुनिया का मसीहा बताता है, तो दूसरी तरफ अमेरिका में तेहरान (शिया शक्ति) का राजनयिक चैनल भी चलाता है। जयशंकर का इशारा पाकिस्तान की इसी भूमिका की ओर था कि वह 1981 में बनी व्यवस्था के तहत आज भी दोनों पक्षों के बीच एक किराए के संदेशवाहक का काम कर रहा है। जयशंकर का 1981 का जिक्र केवल इस कूटनीतिक डाकघर तक ही सीमित नहीं था, बल्कि यह उस साल की ओर भी सीधा इशारा था जब अमेरिका ने पाकिस्तान को अपने भू-राजनीतिक मोहरे के रूप में पूरी तरह से खरीद लिया था। 1979 में अफगानिस्तान में सोवियत संघ के आक्रमण के बाद अमेरिका को इस क्षेत्र में एक ऐसे मोहरे की जरूरत थी जो चंद डॉलरों के एवज में उसके इशारों पर काम कर सके और अपनी जमीन का इस्तेमाल करने दे। पाकिस्तान इस काम के लिए खुशी-खुशी तैयार हो गया। इसके बाद 1981 में रोनाल्ड रीगन के नेतृत्व वाले अमेरिकी प्रशासन और पाकिस्तान के बीच एक बेहद अहम सैन्य और आर्थिक समझौता हुआ। इस डील के तहत अमेरिका ने पाकिस्तान की सुरक्षा और अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के नाम पर 3.2 बिलियन डॉलर का भारी-भरकम 5 वर्षीय पैकेज मंजूर किया। इसी समझौते के तहत पाकिस्तान को पहली बार अत्याधुनिक एफ-16 (F-16) लड़ाकू विमानों की खेप मिली थी। इस कदम ने दक्षिण एशिया के सैन्य संतुलन को पूरी तरह से बिगाड़ दिया था।

क्या अभिभावकों को मिल रहा है उनके पैसे का सही मूल्य?

डॉ. सत्यवान सौरभ

आज के दौर में शिक्षा केवल ज्ञान प्राप्त करने का साधन नहीं रह गई है, बल्कि यह एक तेजी से बढ़ता हुआ व्यवसाय भी बन चुकी है। शहरों से लेकर छोटे कस्बों तक, निजी स्कूलों की संख्या लगातार बढ़ रही है और उनके साथ-साथ बढ़ रही है उनके प्रचार-प्रसार की रणनीतियाँ। अखबारों, होर्डिंग्स, सोशल मीडिया और यहां तक कि स्थानीय कार्यक्रमों में भी स्कूलों के आकर्षक विज्ञापन देखने को मिलते हैं। हर स्कूल अपने आप को "सर्वश्रेष्ठ", "भविष्य निर्माता" और "सफलता की गारंटी" देने वाला संस्थान बताता है। लेकिन असली सवाल यह है कि क्या ये दावे वास्तविकता से मेल खाते हैं, या फिर यह केवल अभिभावकों की उम्मीदों और भावनाओं का लाभ उठाने का एक तरीका है? आज का अभिभावक पहले से कहीं अधिक जागरूक है, लेकिन साथ ही वह अपने बच्चों के भविष्य को लेकर उतना ही चिंतित भी है। वह चाहता है कि उसका बच्चा एक अच्छे स्कूल में पढ़े, बेहतर सुविधाएं प्राप्त करे और जीवन में आगे बढ़े। इसी सोच के चलते वह अक्सर अपनी आय से अधिक खर्च करने के लिए भी तैयार हो जाता है। कई परिवार ऐसे हैं जो अपनी जरूरतों में कटौती करके, कर्ज लेकर या अतिरिक्त काम करके बच्चों की फीस भरते हैं। उनके मन में यह विश्वास होता है कि महंगे स्कूल में पढ़ाई का मतलब है बेहतर शिक्षा और निश्चित सफलता। निजी स्कूल इसी मनोविज्ञान को समझते हैं और अपने प्रचार में इसका भरपूर उपयोग करते हैं। वे अपने कैंपस, इंफ्रास्ट्रक्चर, स्मार्ट क्लासरूम, एयर-कंडीशंड सुविधाओं, खेल गतिविधियों और अन्य आधुनिक संसाधनों को प्रमुखता से दिखाते हैं।

इसके साथ ही, वे प्रतियोगी परीक्षाओं जैसे मेडिकल, इंजीनियरिंग, कानून और रक्षा सेवाओं में सफलता के बड़े-बड़े दावे भी करते हैं। कई बार विज्ञापनों में कुछ चुनिंदा छात्रों की उपलब्धियों को इस तरह प्रस्तुत किया जाता है, जैसे वह पूरे स्कूल के स्तर को दर्शाती हों।

लेकिन जब हम इन दावों को गहराई से परखते हैं, तो एक अलग ही तस्वीर सामने आती है। वास्तविकता यह है कि प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता का प्रतिशत बहुत कम होता है। चाहे वह मेडिकल प्रवेश परीक्षा हो, इंजीनियरिंग की प्रतिष्ठित परीक्षाएं हों, या फिर कानून और रक्षा सेवाओं से जुड़ी परीक्षाएं—इनमें सफल होने वाले छात्रों की संख्या अक्सर सीमित होती है। कई बार तो पूरे साल में गिने-चुने छात्र ही इन परीक्षाओं को पास कर पाते हैं। ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या स्कूल द्वारा किए गए दावे वास्तविकता के अनुरूप हैं?

यह भी एक महत्वपूर्ण तथ्य है कि इन प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी केवल स्कूल की पढ़ाई के आधार पर संभव नहीं होती। अधिकतर छात्र अलग से कोचिंग संस्थानों का सहारा लेते हैं, जहां उन्हें विशेष रूप से इन परीक्षाओं के लिए तैयार किया जाता है। वे अतिरिक्त समय, मेहनत और संसाधन लगाते हैं। ऐसे में यदि कोई स्कूल इन छात्रों की सफलता का पूरा श्रेय अपने ऊपर लेता है, तो यह अभिभावकों को गुमराह करने जैसा हो सकता है।

बोर्ड परीक्षाओं के परिणाम भी किसी स्कूल की गुणवत्ता को मापने का एक प्रमुख आधार होते हैं। लेकिन यहां भी अक्सर देखा जाता है कि बहुत कम छात्र ही 90 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त कर पाते हैं। 95 प्रतिशत से ऊपर अंक लाने वाले छात्रों की संख्या तो और भी कम होती है। यदि कोई स्कूल खुद को क्षेत्र का अग्रणी संस्थान बताता है, तो उससे यह अपेक्षा की जाती है कि उसके परिणाम भी उसी स्तर के हों। लेकिन कई बार यह अपेक्षा पूरी नहीं हो पाती। फीस का मुद्दा इस पूरे विषय का सबसे संवेदनशील पहलू है। निजी स्कूलों की फीस लगातार बढ़ती जा रही है, और कई मामलों में यह मध्यम वर्गीय परिवारों की आर्थिक क्षमता से बाहर हो जाती है। फीस के अलावा भी कई तरह के अतिरिक्त खर्च होते हैं—जैसे परिवहन शुल्क, यूनिफॉर्म, किताबें, वार्षिक शुल्क, गतिविधि शुल्क आदि। कुल मिलाकर, एक बच्चे की शिक्षा पर होने वाला खर्च काफी अधिक हो जाता है। यहां यह समझना जरूरी है कि स्कूलों को अपने संचालन के लिए धन की आवश्यकता होती है। अच्छे शिक्षक, आधुनिक सुविधाएं, सुरक्षा व्यवस्था, और सह-पाठ्यक्रम गतिविधियां—इन सभी का एक खर्च होता है। लेकिन समस्या तब उत्पन्न होती है जब फीस और शिक्षा की गुणवत्ता के बीच संतुलन नहीं होता। यदि स्कूल अत्यधिक फीस ले रहा है, तो उससे यह अपेक्षा करना गलत नहीं है कि वह उसी स्तर की गुणवत्ता भी प्रदान करे।

सरकार ने इस समस्या को देखते हुए कई राज्यों में फीस नियंत्रण के लिए नियम और कानून बनाए हैं। फीस रेगुलेशन कमेटियां गठित की गई हैं, जिनका उद्देश्य स्कूलों द्वारा मनमानी फीस वृद्धि को रोकना है। लेकिन व्यवहार में इन नियमों का प्रभाव सीमित दिखाई देता है। कई बार अभिभावकों को अपने अधिकारों की जानकारी नहीं होती, और वे अकेले आवाज उठाने से हिचकिचाते हैं।

इस स्थिति में अभिभावकों की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण हो जाती है। उन्हें केवल विज्ञापनों के आधार पर निर्णय लेने के बजाय स्कूल के वास्तविक प्रदर्शन, शिक्षकों की गुणवत्ता, और पिछले परिणामों का गंभीरता से विश्लेषण करना चाहिए। यदि संभव हो, तो अन्य अभिभावकों से बातचीत करनी चाहिए और उनके अनुभव जानने चाहिए। स्कूल के दावों और वास्तविकता के बीच अंतर को समझना आवश्यक है।

इसके अलावा, यदि अभिभावकों को लगता है कि स्कूल पारदर्शिता नहीं बरत रहा है या गलत दावे कर रहा है, तो उन्हें सामूहिक रूप से आवाज उठानी चाहिए। एकजुट होकर स्कूल प्रबंधन से जवाब मांगना, और आवश्यक होने पर संबंधित शिक्षा अधिकारियों या बोर्ड के पास शिकायत दर्ज कराना, एक प्रभावी कदम हो सकता है। इससे न केवल समस्या का समाधान हो सकता है, बल्कि भविष्य में ऐसी स्थितियों को रोका भी जा सकता है।

यह भी जरूरी है कि हम सफलता की परिभाषा को केवल अंकों और प्रतियोगी परीक्षाओं तक सीमित न रखें। हर बच्चा अलग होता है, उसकी रुचियां और क्षमताएं भी अलग होती हैं। शिक्षा का उद्देश्य केवल एक परीक्षा में सफलता दिलाना नहीं, बल्कि बच्चे के समग्र विकास को सुनिश्चित करना होना चाहिए। एक अच्छा स्कूल वही है जो बच्चे को आत्मनिर्भर, आत्मविश्वासी और जिम्मेदार नागरिक बनने में मदद करे।

आज के समय में यह समझना बेहद जरूरी है कि कोई भी स्कूल सफलता की गारंटी नहीं दे सकता। स्कूल केवल एक मंच प्रदान करता है, जहां से बच्चा अपनी यात्रा शुरू करता है। उसकी सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि वह कितना मेहनत करता है, उसे कैसा मार्गदर्शन मिलता है, और उसका वातावरण कैसा है।अंततः, शिक्षा को एक सेवा के रूप में देखा जाना चाहिए, न कि केवल एक व्यापार के रूप में। स्कूलों की जिम्मेदारी है कि वे पारदर्शिता बनाए रखें, अपने दावों के प्रति जवाबदेह रहें, और अभिभावकों के विश्वास को बनाए रखें। वहीं, अभिभावकों की भी यह जिम्मेदारी है कि वे जागरूक रहें, सही जानकारी के आधार पर निर्णय लें, और आवश्यकता पड़ने पर अपनी आवाज उठाएं।

आतंकवाद का सबसे बड़ा गढ़ बना है पाकिस्तान

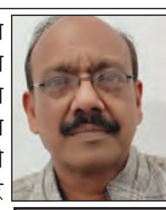

मनोज कुमार अग्रवाल

विश्व भर में पाकिस्तान सबसे बड़ा आतंकवाद का गढ़ बन गया है। पाकिस्तान की खुद की कमर आज उस आतंकवाद ने तोड़ दी है जिसे कभी शह देकर उसने ही पाला पोसा था। इस बात की पुष्टि ग्लोबल टेररिज्म इंडेक्स कर रहा है, जिसमें पहली बार पाकिस्तान शीर्ष स्थान पर पहुंचा है। साल 2025 में आतंकवाद से जुड़ी मौतों के मामले में 6 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

इंस्टीट्यूट फॉर इकोनॉमिक्स एंड पीस (आईईपी) द्वारा जारी ग्लोबल टैररिज्म इंडैक्स 2026 के अनुसार, पिछले साल पाकिस्तान में आतंकवादी घटनाओं में 1,139 मौतें दर्ज की गईं, जो वहां की बिगड़ती सुरक्षा स्थिति को दिखाती हैं। ग्लोबल टैररिज्म इंडैक्स 2026 में 163 देशों में आतंकवाद के असर का आकलन किया गया है। इस रिपोर्ट में बताया गया है कि पाकिस्तान का अपने पड़ोसी देशों, खासकर अफगानिस्तान के साथ तनावपूर्ण संबंध हैं। इसके अलावा प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान और बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी की तरफ से बढ़ती हिंसा ने पाकिस्तान के लिए सुरक्षा जोखिमों को बढ़ा दिया है। पाकिस्तान में आतंकी हमलों में मौत की संख्या भी चौंकाने वाली है। रिपोर्ट से पता चलता है कि पाकिस्तान में आतंकवाद से होने वाली मौतें अब 2013 के बाद से अपने सबसे ऊंचे स्तर पर हैं। 2025 में देश में आतंकवाद से 1,139 मौतें और 1,045 घटनाएं दर्ज की गई थी। इंस्टीट्यूट फॉर इकोनॉमिक्स एंड पीस की रिपोर्ट में तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) को पाकिस्तान के लिए सबसे बड़ा खतरा बताया गया है। कहा गया है कि टीटीपी ने पाकिस्तान के भीतर सबसे खतरनाक आतंकी समूह के रूप में अपनी स्थिति मजबूत की है। यह वैश्विक स्तर पर तीसरा सबसे खतरनाक आतंकी समूह है। आईईपी के आंकड़ों से पता चलता है कि 2009 के बाद से पाकिस्तान में कुल हमलों में टीटीपी के हमलों का हिस्सा 67 प्रतिशत से ज्यादा रहा है, और पाकिस्तान में होने वाले हमलों के लिए यह दूसरे सबसे सक्रिय समूह, बीएलए के मुकाबले पांच गुना ज्यादा जिम्मेदार है। खास बात यह है कि दुनिया के 4 सबसे खतरनाक समूहों में टीटीपी ही एकमात्र ऐसा संगठन था जिसकी गतिविधियों में पिछले साल बढ़ोतरी देखी गई। 2025 में टीटीपी की मारक क्षमता में भारी बढ़ोतरी हुई। आतंकवादी घटनाओं की संख्या 24 प्रतिशत बढ़कर 595 हमलों तक पहुंच गई। ये हमले मुख्य रूप से अफगानिस्तान की सीमा के पास खैबर पख्तूनख्वा इलाके में हुए, जिनमें 637 लोगों की मौत हुई-यह आंकड़ा 2011 के बाद से सबसे ज्यादा है। रिपोर्ट बताती है कि 6000 से 6500 टीटीपी लड़ाके अफगानिस्तान के अंदर से काम कर रहे हैं और वहीं से पाकिस्तान में हमले कर रहे हैं। करीब 85% हमले अफगान सीमा के 10 से 50 किलोमीटर के दायरे में होते हैं।

पाकिस्तान के कबायली इलाकों को लंबे समय तक ऐसे समूहों का सुरक्षित ठिकाना माना जाता रहा है। यहां से तालिबान, हक्कानी नेटवर्क, अल-कायदा और बाद में टीटीपी जैसे संगठन मजबूत हुए। 2021 में अफगानिस्तान में तालिबान की वापसी के बाद टीटीपी को और सुरक्षित ठिकाना मिल गया। पाकिस्तान ने अफगान सरकार से कार्रवाई की मांग की, लेकिन कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया।एक नकारात्मक सोच रखने वाला और कट्टरपंथी राह पर चलने वाला पाकिस्तान आतंकवाद को समर्थन व संरक्षण देने वाला पाकिस्तान आज खुद आतंकवाद का शिकार है।

एक रिपोर्ट के अनुसार हालांकि, कुल हमलों की संख्या में थोड़ी कमी आई, लेकिन 2025 लगातार छठा साल रहा जब आतंकवाद से मौतों में बढ़ोतरी दर्ज की गई। इसके अलावा, देश में बंधक बनाने की घटनाओं में भी भारी उछाल देखा गया। 2024 में 101 के मुकाबले 2025 में 655 लोग बंधक बनाए गए। यह वृद्धि मुख्य रूप से जाफर एक्सप्रेस हमले के कारण हुई, जिसमें 442 लोगों को बंधक बनाया गया था।

बता दें कि आतंरिक सुरक्षा की स्थिति खासकर खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान में सबसे ज्यादा खराब है, जहां 2025 में कुल आतंकी हमलों का 74 प्रतिशत और मौतों का 67 प्रतिशत हिस्सा दर्ज किया गया। वैश्विक स्तर पर पाकिस्तान अब बुर्किना फ़ासो, नाइजीरिया, नाइजर और डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो के साथ उन पांच देशों में शामिल है, जहां दुनियाभर की लगभग 70 फीसदी आतंकी मौतें होती हैं। यह ताजा रैंकिंग 2025 में दूसरे स्थान पर रहने के बाद आई है, जो पाकिस्तान में लगातार बिगड़ती सुरक्षा स्थिति की पुष्टि करती है।

2021 में जब काबुल में तालिबान ने सत्ता संभाली तो पाकिस्तान की एस्टेब्लिशमेंट मिठाइयां बांट रही थी। उन्हें लगा था कि उनका स्ट्रैटेजिक डेप्थ का सपना पूरा हो गया। लेकिन पासा पूरी तरह पलट गया। अफगानिस्तान में आतंकी घटनाओं और मौतों में 95% की भारी गिरावट आई। आज वहां की सड़कों पर होने वाले धमाके कम हुए हैं और तालिबान ने ऐसे समूहों पर नकेल कसी है। आपको बता दें जनरल आसिम मुनीर के कार्यकाल में पाकिस्तान आतंकवाद का नया एक्सपोर्ट-इंपोर्ट हब बन चुका है। पाकिस्तान की सेना और खुफिया एजेंसी जिस तालिबान को अपना एसेट मानती थी, उसी से जुड़ा टीटीपी अब खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान में पाकिस्तानी फौज का शिकार कर रही है। मुनीर साहब राजनीति और इमरान खान को दबाने में इतने व्यस्त रहे कि सीमाओं की सुरक्षा और आंतरिक स्थिरता उनके हाथ से निकल गई।

आदमी मवेशी और भाषण दाना

डॉ टी महादेव राव

नेताजी ने कहा अब शाम हो या रात हो आज देर रात तक सारे क्षेत्र को कवर करना होगा। चुनाव के सिर्फ दस दिन बचे हैं। इस क्षेत्र का आखिरी गांव भी हम जाएंगे और अपने चुनावी भाषण से उन्हें प्रभावित करेंगे। निजी सचिव ने कहा ₹सर गांव में रात आठ बजे के बाद लोग बाग सो जाते हैं। हम लोग अगर नौ बजे भी गए तो वहां कोई हमको मिलेगा नहीं। फिर किसको भाषण सुनाएंगे?

क्या आज भी ऐसे गांव है?

बिल्कुल हैं। गांव के सरपंच बताते हैं कि सारे गांव में सिर्फ पंचायत में टीवी है। वह भी साढ़े सात बजे बंद कर देते हैं। लोग आठ बजे खाना खाकर सो जाते हैं।चलो वहीं चलते हैं! लोगों ने इंतजाम कर दिया होगा। दौरा खत्म करके हम लोग फिर लौटेंगे। पहुंच कर देखा तो पंडाल सजा हुआ था। मंच बना हुआ था और मंच पर पांच कुर्सियां और सामने कई कुर्सियां लगी हुई थीं। कोई वहां नहीं था सिवाय एक व्यक्ति के जो सामने की पंक्ति में बैठा मंच को निहार रहा था।

सरपंच और पंचों ने आकर नेताजी का स्वागत किया तब जाकर मंच पर बैठे। सरपंच ने अपने हाथ मलते हुए अपनी मजबूरी सामने रखी नेताजी यहां सारे लोग आठ बजे सो जाते हैं और उन्हें किसी चीज से लेना देना नहीं है। सारे के सारे किसान हैं और कुछ लोग जातिगत व्यवसाय में लगे हुए लोग हैं। इसलिए लाख बताने के बावजूद लोग अपना अनुशासन भरा समय पालन करते हुए घर पर सो रहे हैं। नेताजी को जिज्ञासा हुई कि जब कोई नहीं तो यह सामने आदमी कौन बैठा है?

सरपंच ने बताया कि यह गांव में यह बहुत बड़ा आसामी है जिसके पास पचास के लगभग मवेशी हैं। दस एकड़ जमीन है जिसमें फलों के वृक्ष लगे हैं। वह अपना काम खुद करता है। बहुत मनाने के बाद यहां आया है।

नेताजी ने घड़ी देखी और निजी सचिव ने कहा शुरू करें।

नेताजी ने अपना भाषण शुरू करते हुए सामने बैठे आसामी को देखा और कहा क्यों भाई! शुरू करें? उसने कहा साहब देखिए। जब मैं अपने मवेशियों को घास और दाना डालने जाता हूं तो एक मवेशी रहे या पचास मवेशी, मैं उन्हें घास दाना पानी डालता हूं। इसी तरह आप भी देखें सैकड़ों रहें या एक अकेला आप भाषण शुरू कर सकते हैं।' नेताजी शुरू हो गए और पचास मिनट तक लंबा चौड़ा भाषण दे डाला। जो लोग उपस्थित थे सभी ने ताली बजाई। नेता जी मंच से नीचे उतरे और उस एक मात्र श्रोता सह दर्शक से पूछा कैसा लगा मेरा भाषण?

उसने कहा नेताजी मैं जानता हूं कि पचास मवेशियों के लिए ले जाया गया सारा दाना एक ही मवेशी को नहीं खिलाना चाहिए। यह बात मैं जानता हूं लेकिन मुझे लगता है कि आप इस बात को नहीं जानते। मैं सरपंच जी के कहने पर आ गया। भाषण अच्छा खासा भारी था। अब तक तो मैं अपने घर में गहरी नींद में होता। कहते हुए वह चला गया। नेताजी अपना सा मुंह बनाकर कार की ओर चल पड़े।

हमेशा अपने शरीर की इज्जत करूंगी, चाहे किसी भी शेप या साइज में रहूं : कियारा आडवाणी

गतवर्ष जब फिल्म 'वॉर 2' रिलीज हुई तब कियारा आडवाणी का शानदार फिगर इसकी सबसे चर्चित बातों में से एक बन गया था। फिल्म में ऋतिक रोशन के साथ कियारा की स्क्रीन प्रैजैंस और फिटनैस से कोई नजर नहीं हटा पाया था। फैंस को ऋतिक और जूनियर एन. टी. आर. का एक साथ स्क्रीन पर एक्शन और हाई- ऑक्टेन ड्रामा देखने को मिला, लेकिन कियारा का बिकिनी लुक उसकी ऑन-स्क्रीन इमेज में बड़ा बदलाव था ।

गौरतलब है कि कियारा ने सिद्धार्थ मल्होत्रा से 2023 में शादी की थी और जुलाई 2025 में उसने एक बच्ची का स्वागत किया । कियारा ने ताया कि मां बनने के बाद अपने शरीर को लेकर उसकी सोच कैसे बदल गई है।

'वॉर 2' उसके मां बनने के बाद अगस्त 2025 में रिलीज हुई थी । कियारा ने बिकिनी सीन के लिए शेप में आने के लिए अपने स्ट्रिक्ट रूटीन के बारे में बात की। कियारा ने कहा, ₹ डिलीवरी के बाद मेरे मन में एक ख्याल आया, ₹मैंने यह पहले भी किया है, मैं इसे फिर से करूंगी।

उसने आगे कहा कि 'वॉर 2' में जिस बिकिनी सीन की इतनी चर्चा हुई थी, उसे शूट करते समय उसका शरीर जैसा दिखता था और बच्चे को जन्म देने के बाद जैसा दिखता था, उन दोनों के बीच का अंतर शुरू में समझना मुश्किल था। उसके अनुसार अब बच्चे को जन्म देने के तुरंत बाद शेप में वापस आने का दबाव बेकार लगता है ।

अपनी सोच में आए बदलाव के बारे में कियारा ने कहा, जब मैं अपने शरीर को देखती हूं तो मुझे लगता है, 'वाह, तुमने एक इंसान को जन्म दिया है। इसकी कोई तुलना नहीं है।' अब, मैं किसी भी शेप या साइज में रहूं, मैं हमेशा अपने शरीर की इज्जत करूंगी। आपको अपने शरीर को समझना होगा कि वह आपके लिए क्या कर सकता है ।

वहीं हाल ही में कियारा की न्यूट्रिशनिस्ट निकोल लिन्हारेस से' वॉर 2' में उसकी फिटनैस के राज के बारे में पूछा गया।

यह देखना दिलचस्प था कि लोग ऋतिक रोशन जैसे सितारे, जो अपनी शानदार बॉडी के लिए लोकप्रिय है, की फिल्म में भी कियारा की फिटनेस के बारे में बात कर रहे थे । निकोल से पूछा गया कि हीरो और हीरोइन के लिए न्यूट्रिशन और फिटनैस प्लानिंग कितनी अलग होती है तो उसने बताया कि यह अंतर मुख्य रूप से बायोलॉजी और हार्मोन्स पर निर्भर करता है, जिससे फीमेल एक्टर्स को तैयार करना ज्यादा सावधानी वाली प्रक्रिया बन जाती है ।

उसने कहा, " मुख्य अंतर हार्मोन्स का है। पुरुषों के लिए फिटनैस लक्ष्य हासिल करना बहुत आसान होता है। क्योंकि 'टेस्टोस्टेरोन' उनका मुख्य हार्मोन होता है। वे आसानी से फैट कम कर सकते हैं और तेजी से मसल्स बना सकते हैं इसलिए 'एब्स' बनाना उनके लिए ज्यादा फायदेमंद होता है। महिलाओं के लिए 'एग्रेसिव ' होने के बजाय 'प्रोटैक्टिव' होना पड़ता है क्योंकि आप कोर्टिसोल, थायरॉइड, प्रोजेस्टेरोन और एस्ट्रोजन से निपट रही होती हैं और आपको यह पक्का करना होता है कि यह सब संतुलित हो । 'क्रैश डाइट' या 'सख्त टाइमलाइन' इसमें रुकावट डाल सकती हैं।

" इसीलिए महिला क्लाइंट्स के साथ हम बहुत पहले शुरू करते हैं। एक हीरो का बदलाव 2 महीने में हो सकता है, लेकिन हीरोइन के शरीर में लगभग 4 महीने लगते हैं। अगर आप इसे हैल्दी तरीके से करना चाहते हैं | कियारा के साथ हमने ठीक यही किया । उसने मुझे बहुत साफ-साफ बताया कि वह कुछ भी 'अनसस्टेनेबल' या 'क्रैश' नहीं करना चाहती । फोकस समझदारी वाले पोषण पर था- कैलोरी प्लान करना, खाने का समय और यह पक्का करना कि लुक पाने के साथ-साथ लंबे शूट रखने के लिए उसके पास काफी एनर्जी हो ।

अगली फिल्म कियारा जल्द ही अपनी अगली बड़ी फिल्म 'टॉक्सिक : ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन अप्स' में नजर आएगी।

पसंद है अकेले रहना : अनन्या पांडे

पहले मैं बिल्कुल भी अकेली नहीं रह सकती थी। मुझे 10 मिनट भी अकेले बैठने में डर लगता था

अनन्या पांडे ने हाल ही में दिए अपने एक इंटरव्यू में अपने पुराने रोमांटिक रिश्तों, उनसे जुड़ी उम्मीदें और अपने निजी जीवन के बारे में काफी कुछ बताया । उसने खुद के जीवन जीने के तरीकों में बदलाव की बात भी कही । अनन्या ने अपने पिछले रिश्तों में की गई गलतियों के बारे में बताया और माना कि उसका पार्टनर खुश रहे इसलिए उसने कई समझौते किए। कई बार उसने 'खुद को बदला ।

उसकी फिल्म 'गहराइयां' में उसके रोल को कुछ ऐसे ही दिखाया गया था लेकिन जिस तरह उसने फिल्म में खुद के महत्व को पहचाना, वैसे ही रियल लाइफ में भी यह बात समझ गई कि रिश्ते में प्यार और आजादी होनी चाहिए।

बदल लेती थी खुद को

इंटरव्यू में अनन्या ने कहा कि वह रिश्तों में अपनी पर्सनैलिटी बदल लेती थी, अक्सर अपनी पहचान की कीमत पर।

उसने कहा, "पिछले रिश्तों में, मैं चाहती थी कि दूसरा इंसान मुझसे ज्यादा चमके। खुद को नीचा दिखाने या खुद को छोटा दिखाने की कीमत पर, मैं खुद को बहुत बदल लेती, दूसरे इंसान जैसी बन जाती ।

कमतर होना चाहती थी

उसने आगे कहा, "काश मैंने पहले सीख लिया होता कि कोई मुझे बदले न और न ही मेरे पर इतना असर डाले। मुझे लगता था कि मुझे उससे कमतर होना है और यह कुछ ऐसा है जो मैं चाहती हूं। काश मैं इस भ्रम से पहले निकल गई होती । ₹

अलग घर में रहने से बहुत कुछ बदला

उसने यह भी बताया कि कैसे वह एक समय अकेले रहने से जूझती थी और उसे हमेशा अपने आस - पास किसी की जरूरत होती थी । उसने कहा, "मैं ऐसी इंसान हुआ करती थी जो बिल्कुल भी अकेली नहीं रह सकती थी। मुझे 10 मिनट भी अकेले बैठने में डर लगता था। मुझे हमेशा अपने आस - पास किसी की जरूरत होती थी, मेरा पार्टनर, मेरे माता-पिता, मेरे दोस्त। हालांकि, अपनी खुद की जगह पर जाने से वह नजरिया काफी बदल गया ।

अनन्या ने कहा, जब मैंने अकेले रहना शुरू किया, भले ही मैं अपने माता-पिता के साथ एक ही बिल्डिंग में रहती थी, उस थोड़ी-सी जगह सब कुछ बदल दिया । अपना खुद का माहौल बनाना और अपने तरीके से काम करना, इसने जगह के लिए मेरे प्यार को बदल दिया । मुझे अब अकेले रहना बहुत पसंद है ।

रिलेशनशिप के बारे में अफवाहें

अनन्या पहले आदित्य रॉय कपूर के साथ रिलेशनशिप में थी। इसके अलावा कार्तिक आर्यन के साथ भी उसका नाम जुड़ा। अब उसके बारे में अफवाह है कि वह वॉकर ब्लैंको को डेट कर रही है जो एक पूर्व मॉडल है और खबर है कि गुजरात के जामनगर में 'वंतारा वाइल्डलाइफ इनिशिएटिव' के साथ काम करता है।

ये अफवाहें तब सामने आईं जब उसे मुंबई के जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सैंटर में अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की शादी के सैलिब्रेशन के दौरान ब्लैंको के साथ समय बिताते हुए देखा गया था। बाद में उसे एक पैंडेंट पहने भी देखा गया जिसमें एक स्टार के साथ ' AW' और एक दिल बना हुआ था, जिससे उनके रोमांस के बारे में अटकलें और बढ़ गईं।

जल्द रिलीज होगी अगली फिल्म

उसकी पिछली फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी' फ्लॉप रही थी । फिल्म में उसके साथ कार्तिक आर्यन था। अब वह रोमांटिक ड्रामा 'चांद मेरा दिल' में नजर आएगी जो 8 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसमें उसके साथ लक्ष्य लालवानी है जिसे फिल्म 'किल' और वैब सीरीज 'बैड्स ऑफ बॉलीवुड' से प्रसिद्धि मिली है।

समांथा रुथ प्रभु ने खोले निजी जिंदगी के राज

समांथा रुथ प्रभु अपनी अगली एक्शन ड्रामा फिल्म 'मां इंटी बंगारम ' की रिलीज की तैयारी कर रही है। एक नए इंटरव्यू में उसने अपनी पर्सनल और प्रोफैशनल जिंदगी के बारे में खुलकर बात की ।

उसने हल्के-फुल्के अंदाज में अपने और पति राज निदिमोरु के संबंधों के बारे में बात करते हुए कहा, राज और मैं सच में एक ऐसे परेशान करने वाले कपल हैं जो हर काम साथ में करते हैं। हम सब कुछ एक साथ करते हैं- साथ खेलते हैं और साथ मिलकर ही वर्कआऊट भी करते हैं। हमें यह बहुत पसंद है । अगर मुझे एक दिन के लिए भी कहीं जाना पड़े, तो मेरा हाल बेहाल हो जाता है... (बेहोश होने का नाटक करते हुए।) मुझे नहीं लगता कि यह हमारे रिश्ते का 'हनीमून फेज' है। अब तो इतना समय बीत चुका है कि इसे 'हनीमून फेज' नहीं कहा जा सकता ।

हॉलीवुड एक्टर लियोनार्डो डिकैप्रियो और डायरैक्टर मार्टिन स्कोर्सेसे का उदाहरण देते हुए उसने आगे कहा, "लियोनार्डो डिकैप्रियो लगातार मार्टिन स्कोर्सेसे के साथ काम करते रहते हैं, और उनकी एक्टिंग में हर बार कुछ नया और गहरापन देखने को मिलता है । मुझे लगता है कि राज के साथ होने की वजह से मैं भी एक बेहतर एक्ट्रैस बनती जा रही हूं।'

पहली मुलाकात

समांथा और राज की पहली मुलाकात वैब सीरीज 'द फैमिली मैन' के दूसरे सीजन के सैट पर हुई थी। बाद में, दोनों ने अमेरिकन वैब सीरीज 'सिटाडेल' के इंडियन वर्जन 'सिटाडेल : हनी बनी' पर साथ मिलकर काम किया।

साल 2024 में, जब दोनों को कई पब्लिक इवैंट्स में साथ देखा गया, तो उनके रिश्ते को लेकर अफवाहें उड़ने लगी थीं। कुछ रिपोर्ट्स में तो यह भी कहा गया कि वे दोनों के 'राज' अब साथ रहने लगे हैं। हालांकि, दोनों ने अपने रिश्ते के बारे में चुप्पी साधे रखी, लेकिन समांथा अक्सर अपने सोशल मीडिया पोस्ट्स में राज को टैग करती रहती थी जिससे इन अफवाहों को और भी ज्यादा हवा मिली। आखिरकार, इन दोनों ने 1 दिसम्बर, 2025 को कोयंबटूर में स्थित ईशा फाऊंडेशन में 'लिंग भैरव विवाह' की रस्मों के अनुसार शादी कर ली। इस शादी में उनके कुछ करीबी दोस्त और परिवार के लोग ही शामिल हुए थे। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट के जरिए अपनी शादी की खबर सभी के साथ शेयर की, जिसे देखकर उनके फैन्स खुशी से झूम उठे ।

इससे पहले, समांथा की शादी एक्टर नागा चैतन्य से हुई थी। शादी के चार साल बाद साल 2021 में दोनों अलग हो गए थे। वहीं, राज की पहली शादी श्यामाली डे से हुई थी। इस कपल ने 2015 में शादी की थी और माना जाता है कि 2022 में वे अलग हो गए।

मानसिक स्वास्थ्य का रखती है ध्यान

जैसे-जैसे सोशल मीडिया पर मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी चर्चाएं तेज होती जा रही हैं ' अफर्मेशन काड्र्स' धीरे-धीरे एक आसान 'सैल्फ-केयर' (खुद की देखभाल का) साधन के तौर पर लोकप्रियता हासिल कर रहे हैं । सकारात्मक संदेशों से सजे ये कार्ड आत्मविश्वास बढ़ाने, घबराहट या बेचैनी को कम करने और जिंदगी के प्रति एक सकारात्मक नजरिया विकसित करने के उद्देश्य से तैयार किए जाते हैं। समांथा ने हाल ही में बताया कि वह अपने बैग में हमेशा कुछ ' अफर्मेशन काड्र्स' रखती है और उन्हें रोजाना पढ़ती है। एक हालिया इंटरव्यू में उसने अपने बैग एक झलक दिखाई, जिसमें 'अफर्मेशन काड्र्स' का एक बॉक्स था। समांथा ने कहा, हो सकता है लोग मेरा मजाक उड़ाएं, लेकिन मेरे पास सच में 'अफर्मेशन काड्र्स' हैं। वे बहुत प्यारे हैं।

अच्छे रोल के लिए जरूरी है इंतजार : कृतिका कामरा

डांस और एक्टिंग में मेरी रुचि थी लेकिन कभी मैंने प्रोफैशनल तरीके से इसको नहीं देखा। कॉलेज ज्वॉइन करने के कुछ महीनों के बाद वहां पर ऑडिशन चल रहे थे।

कृतिका कामरा ने अपने करियर के अलग- अलग दौर में टैलीविजन, फिल्मों और ओ.टी. टी. में सहजता से काम किया है लेकिन उसके लिए अब इन माध्यमों को बदलते रहना वह विचार नहीं रहा जिससे वह अपनी पहचान बनाना चाहती है। टैलीविजन पर पिछली बार 'प्रेम या पहेली : चंद्रकांता' (2017) में नजर आई, कृतिका कहती है, "मुझे उम्मीद है कि मेरे लिए यह बदलाव अब पूरा हो चुका है। जब से मैंने टैलीविजन छोड़ा है, मैंने काफी काम किया है और अब मैं उससे आगे बढ़ना चाहती हूं।

वह इसे अपना ' 2.0 दौर' कहती है- एक ऐसा अध्याय जो 'मित्रों' तथा 'भीड़' जैसी फिल्मों और 'बंबई मेरी जान' तथा 'ग्यारह ग्यारह' जैसे ओ.टी. टी. शो के साथ शुरू हुआ।

वह कहती है, "मुझे लगता है कि आज मेरी फिल्मों की लिस्ट में इस क्षेत्र में काफी काम हो चुका है। मैं अब अगले अध्याय के लिए उत्साहित हूं। मैं यह नहीं कहूंगी कि मैं पूरी तरह संतुष्ट हूं, क्योंकि एक कलाकार के तौर पर आप कभी पूरी तरह संतुष्ट नहीं हो सकते, लेकिन मैं जिस जगह पर हूं और जिस तरह का काम चुन उससे मैं खुश हूं।

कृतिका के लिए, प्रोजैक्ट्स के बीच इंतजार करना एक सोच-समझकर लिया गया फैसला है- भले ही इसमें कई महीने लग जाएं। वह कहती है, "यह हमारे इस काम का एक हिस्सा ही है। मेरे लिए, सबसे बड़ा संघर्ष उस तरह का काम ढूंढ़ने का रहा है जो मैं करना चाहती हूं। खासकर एक महिला कलाकार होने के नाते, पसंद एक लग्जरी है- कभी-कभी आपको सच में कई सालों तक इंतजार करना पड़ता है और मेहनत करनी पड़ती है। जब आप ज्यादा चुनने लगती हैं, तो इंतजार और लंबा हो जाता है।

वह मानती है, "भले ही माहौल बेहतर हुआ है, लेकिन महिलाओं के लिए मुश्किलें अब भी ज्यादा हैं। यह पहले से बेहतर है, लेकिन हम अभी भी ऐसी जगह नहीं पहुंचे हैं जहां अच्छी तरह से लिखे गए, दमदार महिला किरदार आसानी से मिल सकें। मुझे चुनने की वह ताकत चाहिए, क्योंकि इसे पाने के लिए मैंने बहुत मेहनत की है ।

करियर की शुरूआत

अपने करियर की शुरुआत के बारे में वह बताती है, 'मैं मध्य प्रदेश से हूं और दिल्ली में पढ़ाई कर रही थी । इसके बाद नैशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन एंड टैक्नोलॉजी ज्वॉइन की। डांस और एक्टिंग में मेरी रुचि थी लेकिन कभी मैंने प्रोफैशनल तरीके से इसको नहीं देखा। कॉलेज ज्वॉइन करने के कुछ महीनों के बाद वहां पर ऑडिशन चल रहे थे, कुछ कास्टिंग डायरैक्टर्स आए हुए थे तो उन्होंने मुझसे पूछा कि क्या आप ऑडिशन देना चाहती हैं, मैंने पूछा ऑडिशन क्या होता है? मुझे उसके बारे में कुछ पता नहीं था। उन्होंने बताया कि हम आपको एक स्क्रिप्ट देंगे और आपको अंदर आकर एक्टिंग करनी है। मुझे यह भी नहीं पता था कि अंदर कैमरा भी होता है। मैंने जाकर परफॉर्म किया और करीब 2 महीने बाद उनकी कॉल आई कि हमें आपका ऑडिशन अच्छा लगा, क्या आप मुंबई शिफ्ट हो सकती हैं? उस वक्त मैं 18 साल की थी और मां से बात की और उन्हें लेकर मुंबई आ गई और कांट्रैक्ट साइन कर लिया।'

'मटका किंग' में कृतिका ने हाल ही में अपने शानदार लुक के जरिए अपनी आने वाली सीरीज' मटका किंग' की एक झलक दिखाई है। पारंपरिक पारसी गारा साड़ी पहने, कृतिका का लुक शो में उसके किरदार जैसा ही लग रहा था, जिसमें वह एक पारसी महिला का किरदार निभाने वाली है।

उसके एक करीबी सूत्र ने बताया कि वह 'मटका किंग' की सांस्कृतिक बारीकियों और उस दौर के माहौल को समझने में पूरी तरह से डूबी हुई है और उसकी स्टाइलिंग के चुनाव में उसकी यही लगन झलकती है। हाल ही में एक छोटे से ब्रेक के बाद वह काम पर लौटी है।

मां बनने के बाद मेरी दुनिया बदल गई

आलिया भट्ट

आलिया की निजी जिंदगी पहले से कहीं ज्यादा निजी हो गई है। अब वह अपनी भावनाओं और पारिवारिक पलों को दुनिया के सामने लाने से पहले कई बार सोचती है।

बॉलीवुड की सबसे सफल अभिनेत्रियों में से एक आलिया भट्ट ने हाल ही में एक इंटरव्यू में अपनी जिंदगी में आए बड़े बदलावों को लेकर खुलकर बात की। उसने बताया कि मां बनने के बाद उसकी सोच, प्राथमिकताएं और निजी दुनिया पूरी तरह बदल गई है।

आलिया ने कहा कि कई बार उसे ऐसा महसूस होता है कि वह सोशल मीडिया से पूरी तरह दूरी बना ले और सिर्फ अपने काम पर ध्यान दे। उसके अनुसार एक अभिनेत्री होने के नाते अभिनय ही उसकी असली पहचान है, लेकिन लगातार ऑनलाइन मौजूद रहने का दबाव कई बार थका देता है। उसने स्वीकार किया कि कुछ दिन ऐसे होते हैं जब मन करता है कि सारे सोशल मीडिया अकाऊंट डिलीट कर दिए जाएं और सिर्फ कैमरे के सामने किरदारों में जिया जाए ।

आलिया ने यह भी माना कि सोशल मीडिया से पूरी तरह दूरी बनाना उसके लिए आसान नहीं है । इसकी वजह है कि इसी प्लेटफॉर्म के जरिए उसे उन लोगों से जुड़ाव महसूस होता है, जिन्होंने शुरुआत से उसके काम को प्यार दिया है। हालांकि, वह यह भी स्वीकार करती है कि हर पल खुद को सार्वजनिक रखना मानसिक रूप से थकाने वाला हो सकता है।

उसने कहा, कई बार मैं सुबह उठती हूं और सोचती हूं, ठीक है, मैं बस अपना सोशल मीडिया डिलीट करना चाहती हूं और एक ऐसी एक्ट्रैस बनना चाहती हूं जो सिर्फ एक्टिंग करे। मैं बार-बार इस बातचीत में शामिल नहीं होना चाहती। मुझे पता है कि इससे उन बहुत से लोगों से मेरा कॉन्टैक्ट खत्म हो जाएगा, जिन्होंने शुरुआत से मुझे सपोर्ट किया है, और मैं ऐसा नहीं करना चाहती ।

निजी जिंदगी को लेकर की बात

साल 2022 में बेटी राहा के जन्म के बाद आलिया की जिंदगी में बड़ा बदलाव आया। उसने बताया कि गर्भावस्था 9 महीनों के दौरान न सिर्फ शरीर बदलता है, बल्कि सोच और भावनाएं भी एक नए दौर में प्रवेश कर जाती हैं लेकिन जब बच्चा इस दुनिया में आता है, तो वह एहसास इतना गहरा होता है कि इंसान पहले जैसा रह ही नहीं पाता ।

आलिया के अनुसार मातृत्व एक ऐसा अनुभव है जो इंसान शरीर के साथ-साथ सोच और नजरिए को भी गहराई से बदल देता है।

आलिया के अनुसार मां बनने के बाद उसकी निजी जिंदगी पहले से कहीं ज्यादा निजी हो गई है। अब वह अपनी भावनाओं और पारिवारिक पलों को दुनिया के सामने लाने से पहले कई बार सोचती है। मुस्कुराते हुए उसने कहा कि उसके फोन की गैलरी अब उसकी बेटी राहा की तस्वीरों से भरी हुई है और खुद की तस्वीरें खींचने के लिए उसे खास मेहनत करनी पड़ती है।

फिल्मों से नहीं छूटा नाता

निजी जिंदगी में आए बदलावों के बावजूद आलिया का फिल्मी सफर लगातार आगे बढ़ रहा है। वह अपनी बहन शाहीन भट्ट के साथ मिलकर एक युवा प्रेम कहानी पर आधारित फिल्म को प्रोड्यूस कर रही है, जो एक ऐसी लड़की की कहानी है, जिसे लगता है कि उसकी जिंदगी पूरी तरह प्लान के मुताबिक चल रही है, लेकिन अचानक सब कुछ बदल जाता है।

वहीं बतौर अभिनेत्री उसकी अगली फिल्मों की बात करें तो आलिया जल्द ही यशराज बैनर की फिल्म 'अल्फा' में नजर आएगी। इसमें उसके साथ शरवरी वाघ और बॉबी देओल भी अहम भूमिकाओं में हैं । यह यशराज फिल्म्स के स्पाई यूनिवर्स की पहली महिला केंद्रित फिल्म होगी । आलिया फिल्म में एक जासूस का रोल करेगी, उसके साथ शरवरी वाघ भी एक्शन से भरपूर रोल में है । यह फिल्म 10 जुलाई को थिएटरों में रिलीज होने वाली है

वहीं वह संजय लीला भंसाली की फिल्म 'लव एंड वॉर' का भी हिस्सा है जिसमें उसके साथ रणबीर कपूर और विक्की कौशल हैं।

'मैं कूल लड़की नहीं हूं'

आलिया गत दिनों लंदन में आयोजित 79वें ब्रिटिश एकैडमी फिल्म अवार्ड्स (बाफ्टा) में शामिल हुई थी लेकिन उसकी आलोचना भी हुई। वहां उससे एक ऐसी फिल्म का नाम बताने को कहा गया जिसका प्लॉट ट्विस्ट बेहद प्रभावशाली हो । वह कुछ पल के लिए हैरान दिखी। फिर उसने हॉलीवुड फिल्म 'गॉन गर्ल' का नाम लिया। इसके बाद कई दर्शकों ने सवाल उठाया कि क्या उसने वाकई फिल्म देखी थी ?

उसने कहा, "असल में मुझे लगता है यह सबसे बेहतरीन ट्विस्ट है । ये 10 साल पहले रिलीज हुई थी तो मैंने इसे उसके बाद नहीं देखा इसलिए जब उन्होंने पूछा तो मुझे जो सही लगा वही मैंने कह दिया ।

मैं बिल्कुल अतीत में खो गई थी। मुझे लगता है कि लोगों ने वही देखा। हां, मैं एक कूल लड़की हूं। मैं एक प्यारी लड़की हूं। लेकिन मैं कूल होने से ज्यादा प्यारी हो सकती हूं। हालांकि, बाद में आलिया ने कहा कि असल में, मुझे नहीं लगता कि मैं कूल हूं। मैं अनकूल लड़की हूं, मेरी बहन ऐसा कहती है ।

कुछ लोग आपका फायदा उठाते हैं : डोनल बिष्ट

कई बार कलाकारों को लोगों की सलाह पर भरोसा करना महंगा पड़ जाता है। ऐस ही एक अनुभव बिष्ट ने साझा किया। डोनल ने बताया कि उसे इम्तियाज अली के एक प्रोजैक्ट के लिए फाइनल शॉर्टलिस्ट किया गया था। वह इस प्रोजैक्ट के आखिरी राऊंड तक पहुंच चुकी थी और निर्देशक और उसकी टीम के साथ उसकी मीटिंग भी हो चुकी थी ।

यह उसके करियर का एक बड़ा मौका था, जिसे लेकर वह काफी उत्साहित थी और उसे पूरा भरोसा था कि वह इस प्रोजैक्ट का हिस्सा बन सकती है। उसने बताया कि जैसे ही उसे इस मीटिंग के बारे में पता चला, उसने यह खुशखबरी अपने करीबियों के साथ साझा की। इस मौके को लेकर वह बेहद खुश थी और उसने इसे अपने करियर का टर्निंग प्वॉइंट मान लिया था लेकिन यहीं से उसके लिए मुश्किलें शुरू हो गईं, क्योंकि उसके आस- पास के लोगों ने उसे अलग-अलग तरह की सलाह देना शुरू कर दिया।

डोनल ने कहा, "लोगों ने बताया कि मीटिंग में कैसे बात करनी चाहिए, किन बातों को कहना है और किन चीजों से बचना है। मुझे यह भी भरोसा दिलाया गया कि अगर मैं इन सलाहों को मानती हूं, तो यह प्रोजैक्ट निश्चित रूप से मिल जाएगा। शुरुआत में मुझे लगा कि ये सब मेरे भले के लिए कहा जा रहा है, लेकिन बाद में यही सलाह मेरे लिए नुकसानदायक साबित हुई । उसने बताया, "जब मैं मीटिंग में पहुंचीं, तो इन सभी बातों का असर मेरे व्यवहार में साफ नजर आया। मैं आत्मविश्वास के साथ अपनी बात नहीं रख पाई और कई जगह हिचकिचाती हुई दिखी। मेरे जवाबों में स्पष्टता की कमी थी । डोनल ने कहा, " स्थिति इतनी उलझ गई कि टीम को मेरी हालत को लेकर चिंता होने लगी। बाद में मुझे कास्टिंग टीम और इंडस्ट्री के कुछ लोगों का फोन आया, जिन्होंने मुझसे पूछा कि क्या मैं ठीक हूं, क्या मैं किसी मानसिक तनाव में हूं या कोई मुझे गलत दिशा में गाइड कर रहा है । यह मेरे लिए काफी चौंकाने वाला था, क्योंकि मैंने खुद ऐसा कुछ महसूस नहीं किया था।

इस पूरे अनुभव पर बात करते हुए डोनल ने कहा, उस समय मैं लोगों की नीयत को समझ नहीं पाई। मुझे लगा कि सभी मेरी मदद करना चाहते हैं, लेकिन समय के साथ मुझे एहसास हुआ कि कुछ लोग ऐसे भी होते हैं जो आपको आगे बढ़ते हुए नहीं देखना चाहते। ऐसे लोग आपके आस-पास रहते हैं, आपका फायदा उठाते हैं और जब उनका काम पूरा हो जाता है, तो आपको नुक्सान पहुंचाने की कोशिश करते हैं ।

यह अनुभव मेरे लिए एक जरूरी सबक साबित हुआ। इस घटना ने मुझे सिखाया कि करियर और जिंदगी से जुड़े फैसले खुद ही लेने चाहिएं। खासकर एंटरटेनमैंट इंडस्ट्री में, जहां हर निर्णय बहुत महत्वपूर्ण होता है, वहां अपने दिल और दिमाग पर भरोसा करना जरूरी है।

शोहरत पाने के लिए मुझे किसी की जरूरत नहीं : रिद्धिमा पंडित

क्रिकेट और बॉलीवुड का गहरा नाता है। आए दिन किसी न किसी एक्ट्रैस का नाम क्रिकेटर से जोड़ा जाता है। कई बार एक्ट्रैस और क्रिकेटर्स के डेटिंग की खबरें सच होती हैं तो कई बार ये अफवाहें होती हैं। कुछ समय पहले रिद्धिमा पंडित और शुभमन गिल को लेकर भी खबर आई थी। दोनों के अफेयर के चर्चे जोरों पर थे। रिद्धिमा पर आरोप लगा कि वह लाइमलाइट के लिए शुभमन गिल के नाम का इस्तेमाल कर रही है। अब रिद्धिमा ने इन अफवाहों पर चुप्पी तोड़ी है।

एक इंटरव्यू में उसने कहा, मेरा नाम रिद्धिमा पंडित है। मैं जहां हूं, वहां पहुंचने के लिए बहुत मेहनत की है। मुझे किसी की जरूरत नहीं है। मैं इस बात को चिल्ला-चिल्ला कर बोल सकती हूं क्योंकि ऐसा कहने के लिए भी आपको हिम्मत चाहिए होती है। जब भी कोई एक्ट्रैस और क्रिकेटर साथ आते हैं, तो वह भारतीय जनता को एक्साइट करती है। कुछ लोग हैं जिन्हें ऐसा लगता है कि मुझे इस तरह की चीजें पसंद हैं। कई लोगों ने मुझसे यह भी कहा कि तुम इस अटैंशन एंज्वॉय क्यों नहीं करतीं। मैंने उनसे यही कहा कि मुझे इस तरह की अटेंशन नहीं चाहिए ।

रिद्धिमा इससे पहले भी यह बात साफ कर चुकी है कि उसका और शुभमन का कोई रिश्ता नहीं है । दोनों की डेटिंग की खबरें झूठी हैं।

ऋतिक के भाई संग रहा रिश्ता उसकी पर्सनल लाइफ की बात करें, तो एक समय था जब वह ऋतिक रोशन के कजिन ईशान के साथ रिलेशनशिप में थी। दोनों ने 10 साल तक एक- दूसरे को डेट किया लेकिन 10 साल बाद इनके रिश्ते में दरार आनी शुरू हो गई और दोनों ने हमेशा के लिए अलग होने का फैसला किया।

धारावाहिक 'बहू हमारी रजनीकांत' फेम रिद्धिमा गत दिनों रियलिटी शो 'द 50' में नजर आई थी। रिद्धिमा को उम्मीद थी कि वह इस शो में आखिर तक रहेगी, लेकिन ऐसा न हो सका। रिद्धिमा ने कहा, सच कहूं तो मैंने सोचा था कि मैं अपना गेम खेलूंगी और शाइन करूंगी लेकिन वहां जाकर पता चला कि पूरा शो गुटबाजी पर टिका है। एक-दूसरे पर निर्भरता इतनी बढ़ गई कि खेल में गंदी राजनीति होने लगी।

पूरी तरह से तैयार थी मैं : 'सोनाली राऊत'

रियलिटी शो 'बिग बॉस' से पहचान पाने वाली एक्ट्रैस और मॉडल सोनाली राउत ने गत दिनों रितेश देशमुख द्वारा होस्ट किए जाने वाले रियलिटी शो 'बिग बॉस मराठी 6' में हिस्सा लिया था लेकिन स्वास्थ्य कारणों से उसे शो बीच में ही छोड़ना पड़ा।

घर के अंदर बिताया गया उसका समय जरूर चर्चा में रहा। घर से बाहर आने के बाद सोनाली ने अपने इस सफर, सह-प्रतियोगियों के साथ रिश्तों, शो के फॉर्मेट, होस्ट रितेश देशमुख की प्रतिक्रिया और हिंदी व मराठी 'बिग बॉस' के अंतर पर खुलकर बात की। 'बिग बॉस मराठी 6' का ऑफर मिलने पर अपनी पहली प्रतिक्रिया के बारे में उसने बताया, "सच कहूं तो मैं बहुत एक्साइटेड थी। मैंने सोचा था कि इस बार 100 दिन पूरे करके ही बाहर आऊंगी। मैंने मानसिक और शारीरिक रूप से खुद को तैयार भी किया था लेकिन दुर्भाग्य से मेरी तबीयत ने साथ नहीं दिया और मुझे बीच में ही बाहर आने का फैसला लेना पड़ा।

शो बीच में छोड़ने का क्या उसे अफसोस है, पर उसने कहा, अफसोस तो थोड़ा है ही क्योंकि मैं लंबा सफर तय करना चाहती थी लेकिन सेहत सबसे जरूरी है। मैंने जो समय घर के अंदर बिताया, वह मेरे लिए यादगार रहा। मैं उसे पॉजिटिव तरीके से ही देखती हूं।

घर के अंदर का सबसे खास अनुभव बताते हुए उसने कहा, सबसे खास चीज थी वहां के लोगों की कहानियां । कोई मजदूर परिवार से था, कोई किसान परिवार से, किसी के माता-पिता बहुत मेहनत वाला काम करते हैं। उनकी स्ट्रगल स्टोरी सुनकर मुझे बहुत इमोशनल महसूस हुआ। मैंने सोचा कि अगर भविष्य में मैं किसी की मदद कर सकूं, तो जरूर करूंगी। मुझे शुरुआत में थोड़ा फर्क महसूस हुआ क्योंकि मैं मुंबई से हूं और इंडस्ट्री बैकग्राऊंड से आती हूं लेकिन धीरे-धीरे सबके साथ अच्छा कनैक्शन बन गया । मुझे सबका बहुत प्यार मिला। मैं अब ज्यादा मैच्योर हो गई हूं। पहले शायद मैं छोटी-छोटी बातों पर रिएक्ट कर देती थी, लेकिन अब मैं शांत रहना पसंद करती हूं। बिना वजह ड्रामा या लड़ाई में पड़ना मुझे सही नहीं लगता।

काम मांगने से शर्माती नहीं : शिल्पा शिरोडकर

शिल्पा शिरोडकर 1990 के दशक की प्रसिद्ध अभिनेत्री है। अपने करियर के सुनहरे दौर में उसने गोविंदा, अनिल कपूर, सुनील शैट्टी से लेकर अमिताभ बच्चन के साथ हिट फिल्मों में काम किया था । वह अमिताभ बच्चन के साथ फिल्म 'खुदा गवाह' में नजर आई थी। शिल्पा ने अमिताभ के साथ कई और फिल्मों में भी काम किया । हालांकि, करियर के बीच में उसने शादी करके अपनी पर्सनल लाइफ पर ध्यान देने के लिए लंबे समय का ब्रेक लिया । अब वह फिर से बॉलीवुड में सक्रिय हो चुकी है। उसने रियलिटी शो 'बिग बॉस 18' में शानदार खेल दिखाया । इसके बाद उसने सोनाक्षी सिन्हा और सुधीर बाबू के साथ फिल्म 'जटाधारा' में काम किया।

एक हालिया इंटरव्यू में शिल्पा ने अपनी आने वाली फिल्म और वैब सीरीज को लेकर बातचीत की और साथ ही कहा कि वह लगातार काम करना चाहती है।

उसने बताया कि वह एक वैब सीरीज के साथ ही एक फिल्म भी कर रही है जिसकी आधिकारिक घोषणा जल्द होगी और वह साल के आखिर तक व्यस्त रहेगी लेकिन उसे और काम चाहिए। शिल्पा ने यह भी कहा कि वह लोगों से मिलती है या उनका नंबर उसे मिलता है तो बिना झिझक के वह काम मांगती है ।

उसे लगता है कि काम मांगने में कोई बुराई नहीं है और इसीलिए वह उन लोगों से कहती है, "भाई, मुझे काम चाहिए, कोई अच्छा प्रोजैक्ट हो तो दे दो ।

शिल्पा के अनुसार उसे लोगों को यह बताने में कोई शर्म नहीं कि वह काम की तलाश में है और अगर कोई मदद कर सकता है तो उसे इसके बारे में पता होना चाहिए। वह तेलुगु सुपरस्टार महेश बाबू की पत्नी नम्रता शिरोडकर की बड़ी बहन है ।

'शरारत' से छाई जैस्मीन सैंडल्स

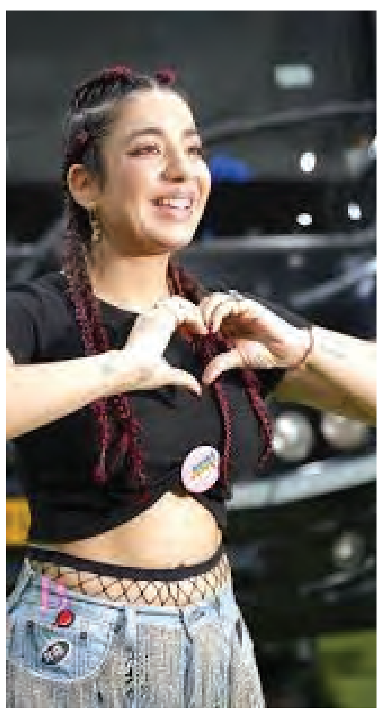

पंजाबी म्यूजिक इंडस्ट्री की 'गुलाबी क्वीन' कही जाने वाली और अपनी दमदार आवाज से लोगों के दिलों पर राज करने वाली जैस्मीन सैंडल्स यूं तो पहले ही काफी लोकप्रिय है लेकिन फिल्म 'धुरंधर' का गीत 'शरारत' गाने के बाद तो उसकी प्रसिद्धि रातों-रात तेजी से बढ़ी है ।

भारतीय और अमेरिकी प्लेबैक सिंगर जैस्मीन ने अब तक के करियर में कई हिट पंजाबी और हिंदी गाने गाए हैं। जैस्मीन का जन्म 4 सितंबर, 1990 में जालंधर में हुआ लेकिन वह पली-पढ़ी कैलिफोर्निया में है।

जैस्मीन ने अपने करियर की शुरुआत 2008 में गाने 'मुस्कान' (एल्बम 'द डायमंड') से की थी। 2012 में उसने रैपर बोहेमिया और सोनी म्यूजिक कंपनी के साथ मिलकर एल्बम 'गुलाबी' के लिए काम किया और पंजाबी म्यूजिक इंडस्ट्री में पहचान बनाई।

जैस्मीन ही वह सिंगर है जिसने सलमान खान की फिल्म 'किक' का सुपरहिट गाना 'यार न मिले' गाया था ।

इसके अलावा जैस्मीन ने 'इश्क दा सुट्टा' (वन नाइट स्टैंड), 'रात जश्न दी' (जोरावर) और फिल्म 'मुंज्या ' के 'तरस' जैसे कई हिट गाने गाए हैं।

जैस्मीन को उसके बालों के अनूठे रंगों के लिए भी जाना जाता है । कभी उसके बाल गुलाबी होते हैं तो कभी सुर्ख लाल ।

गत दिनों वह तब सुर्खियों में आ गई जब दिल्ली में संगीत कार्यक्रम के दौरान पुरुषों द्वारा महिलाओं को परेशान किए जाने पर जैस्मीन ने अपना गाना बीच में ही रोक दिया और सोशल मीडिया पर यह घटना वायरल हो गई ।

वीडियो क्लिप में देखा जा सकता है कि गाना शुरू करने के कुछ देर बाद ही अचानक से वह कहती है कि 'सुरक्षाकर्मियों, क्या आप कृपया इन दोनों आदमियों को हटा सकते हैं ? ये कुड़ियां नु तंग कर रहे हैं। '

इसके बाद वह कहती है कि जब तक लड़कियों को सुरक्षित महसूस नहीं होगा, मैं गाऊंगी ही नहीं ।

होटल-रेस्टोरेंट बिल में अलग से नहीं जोड़ सकेंगे एलपीजी चार्ज

सरकार बोली– ऐसा किया तो कार्रवाई होगी, 5% गैस–क्राइसिस चार्ज वसूलने का मामला आया था

नई दिल्ली, 26 मार्च (एजेंसियां)। होटल-रेस्टोरेंट ग्राहकों से 'एलपीजी चार्ज' नहीं ले सकेंगे। केंद्र सरकार ने कहा कि रेस्टोरेंट अपने बिल में खाने की कीमत के अलावा केवल सरकारी टैक्स जोड़ सकेंगे।

एलपीजी संकट के बीच सेंट्रल कंज्यूमर प्रोटेक्शन अथॉरिटी (सीसीपीए) ने कहा कि होटल-रेस्टोरेंट को अपनी सभी इनपुट कॉस्ट को मेन्यू में दी गई कीमतों में ही शामिल करना होगा।

अगर कोई रेस्टोरेंट गैस की बढ़ती कीमतों या किसी अन्य ऑपरेशनल खर्च का हवाला देकर बिल में अलग से चार्ज जोड़ता है, तो यह नियमों का उल्लंघन माना जाएगा।

कैफे ने नींबू पानी पर 5% गैस-क्राइसिस चार्ज वसूला था

बेंगलुरु के एक कैफे ने नींबू पानी के बिल पर 5% 'गैस क्राइसिस चार्ज' लगाया था। ग्राहक ने दो मिंट लेमोनेड ऑर्डर किए, जिनकी कुल कीमत 358 रुपए थी।

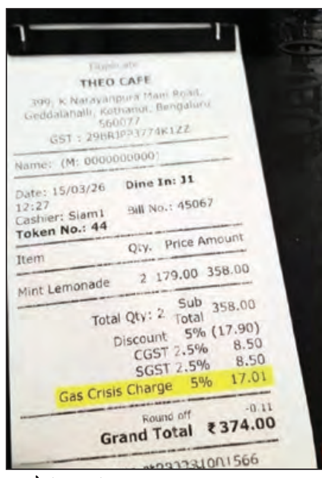

कैफे ने 17.90 (5%) डिस्काउंट दिया, फिर जीएसटी के साथ 5% यानी 17.01 'गैस क्राइसिस चार्ज' जोड़ा। इससे कुल बिल 374 हो गया।

सर्विस चार्ज पर लगी रोक को घुमाने की कोशिश

सीसीपीए जांच में पाया गया कि कई होटल-रेस्टोरेंट 'सर्विस चार्ज' रोक को बाईपास करने के लिए नए नाम से चार्ज ले रहे हैं। इसे उपभोक्ता अधिकारों का हनन बताते हुए अथॉरिटी ने सख्त निगरानी और कार्रवाई की बात कही।

बिल में ऐसे चार्ज दिखें तो क्या करें?

सीसीपीए ने कहा है कि अगर बिल में एलपीजी चार्ज, फ्यूल चार्ज या कोई अन्य एक्स्ट्रा फीस जुड़ी हुई दिखे, तो सबसे पहले होटल या रेस्टोरेंट मैनेजमेंट से उसे हटाने को कहें।

अगर वे इसे हटाने से मना करते हैं, तो ग्राहक 4 तरीकों से अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

हेल्पलाइन नंबर: नेशनल कंज्यूमर हेल्पलाइन 1915 पर कॉल कर शिकायत करें।

मोबाइल ऐप: एनसीएच एप से भी शिकायत दर्ज की जा सकती है।

ई-जाग्रति पोर्टल: ऑनलाइन शिकायत के लिए e-Jagriti पोर्टल का इस्तेमाल करें।

कलेक्टर को शिकायत: जिला कलेक्टर या सीसीपीए को भी शिकायत कर सकते हैं।

भूसे के गोदाम में छिपा रखे थे 24 एलपीजी सिलेंडर

आजमगढ़ में कालाबाजारी का गजब खेल? डीएम की ताबड़तोड़ छापेमारी

आजमगढ़, 26 मार्च (एजेंसियां)। एक तरफ जहां मिडिल ईस्ट में हो रहे भारी जंग से पूरे विश्व में एलपीजी व पेट्रोल, डीजल की किल्लत देखने को मिल रही है। वहीं दूसरी तरफ जमाखोरों द्वारा गैस की भारी जमाखोरी भी देखने को मिल रही है। इस जमाखोरी से निपटने के लिए आजमगढ़ जिला प्रशासन ने पूरी तरह से कमर कस लिया है।

जिलाधिकारी आजमगढ़ रविन्द्र कुमार के नेतृत्व में जिलापूर्ति विभाग आजमगढ़ एक तरफ जहां लगातार सूत्रों द्वारा प्राप्त शिकायतों और सूचनाओं के आधार पर अभियान चला छापेमारी कर रहा है। तो वहीं दूसरी तरफ लगातार जमाखोरों पर विधिक कार्रवाई के लिए लगातार मुकदमें भी पंजीकृत करा रहा है।

पिछले पंद्रह दिनों में आजमगढ़ जिला प्रशासन ने एक गैस एजेंसी संचालक, तीन दुकानदारों, एक जमाखोर और एक ढाबा संचालक पर मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की है। जबकि एक अन्य गैस एजेंसी

के खिलाफ भी जांच के दौरान अनियमितता सामने आने पर कालाबाजारी के मामले में जिला प्रशासन द्वारा मुकदमा पंजीकृत करने की कार्रवाई की जा रही है। लगातार हो रही कार्रवाई से जिला प्रशासन ने यह पूरी तरह से साफ कर दिया है कि जमाखोरों की अब खैर नहीं है।

लगातार मिल रही शिकायतों और अनियमितता को लेकर की गई छापेमारी के क्रम में प्रभारी जिलापूर्ति अधिकारी आजमगढ़ विकास कुमार सिंह ने बातचीत में बताया कि सगड़ी तहसील क्षेत्र के तौहीद इंडेन ग्रामीण वितरक बनकट बिलरियागंज पर 43 कमर्शियल गैस सिलेंडर कम पाए गए।

जबकि निजामाबाद तहसील क्षेत्र के संजरपुर बाजार स्थित एक घाटी समोसे के दुकान से पांच घरेलू और एक कमर्शियल गैस सिलेंडर बरामद हुआ।

वहीं बुढ़नपुर तहसील के कस्बा स्थित एक गैस स्टोव रिपेयरिंग की दुकान से 4 घरेलू एक कमर्शियल और एक पेट्रोमैक्स और रिफीलिंग के सामान बरामद हुए।

बातचीत में उन्होंने बताया कि लालगंज तहसील क्षेत्र के श्रीकांतपुर गांव से एक व्यक्ति के भूसे के गोदाम से 19 घरेलू और 5 कमर्शियल सिलेंडर जांच के दौरान मिले। जबकि निजामाबाद तहसील के हाफिजपुर चौक में एक गैस स्टोव रिपेयरिंग की गुमटी से छापेमारी के दौरान जिला प्रशासन को दो पेट्रोमैक्स, चार घरेलू और एक कमर्शियल सिलेंडर और रिफीलिंग के सामान मिले।

पैराडाइज ढाबे पर छापेमारी के दौरान दस घरेलू खाली सिलेंडर मिले हैं। जिनका कोई कागज संस्थान द्वारा उपलब्ध नहीं कराया गया है। बातचीत के दौरान विकास सिंह ने कहा कि इन सभी के संचालकों के साथ सुसंगत धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कराकर कार्रवाई की जा रही है।

दिल्ली-लंदन एअर इंडिया फ्लाइट सऊदी से लौटी

खराबी के बावजूद 7 घंटे हवा में रही, विमान को 11 दिन पहले भी डायवर्ट करना पड़ा था

नई दिल्ली, 26 मार्च (एजेंसियां)। नई दिल्ली से लंदन जा रहा एअर इंडिया का A350-900 (VT-JRF) विमान गुरुवार को तकनीकी खराबी के कारण दिल्ली लौट आया। यह करीब सात घंटे हवा में रहा। फ्लाइट ट्रैकिंग वेबसाइट के अनुसार, विमान ने सुबह करीब 6 बजे दिल्ली से उड़ान भरी थी। करीब चार घंटे बाद सऊदी अरब के एयरस्पेस में विमान को लौटाने का फैसला लिया गया। विमान लगभग सात घंटे हवा में रहने के बाद दोपहर करीब 12:30 बजे वापस दिल्ली पहुंचा।

सूत्रों के अनुसार, उड़ान के दौरान विमान में अजीब आवाजें सुनी गईं। हालांकि, एअर इंडिया के प्रवक्ता ने कहा कि एहतियातन विमान को वापस लौटाया गया। दिल्ली में इसकी जांच की जा रही है। यात्रियों को जल्द लंदन पहुंचाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

इसी विमान में 11 दिन पहले 15 मार्च को भी तकनीकी खराबी आई थी। न्यूयॉर्क से दिल्ली आते समय विमान में सीट नंबर 32 और 33 पर बैठे यात्रियों को फ्लोर के नीचे से तेज कंपन और आवाज महसूस हुई। इससे अचानक उनकी नींद टूट गई। यात्रियों ने तुरंत क्रू को इसकी जानकारी दी। उस समय विमान आयरलैंड के तट के पास था। पायलटों ने तुरंत विमान को शैनन एयरपोर्ट पर डायवर्ट करने का फैसला किया।

विमान में करीब 300 लोग सवार थे। यह विमान 19 मार्च को दिल्ली वापस लाया गया। इसके बाद इस विमान ने दिल्ली-लंदन-दिल्ली और दिल्ली-न्यूयॉर्क रूट पर करीब 10 बार उड़ान भरी, लेकिन गुरुवार को फिर से इसी तरह की तकनीकी समस्या सामने आ गई।

इंदौर में इंजीनियर को कार से कुचलकर मार डाला

सोसाइटी में पति के सामने मर्डर, 2 बच्चों की मां थी, आरोपी का पिता बोला– सबको निपटाएंगे

इंदौर, 26 मार्च (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के इंदौर में पेंटहाउस किराए पर देने के विवाद में एक शख्स ने कार से एक महिला को कुचल दिया, जिससे उनकी मौत हो गई। मृतक महिला का नाम शंपा पाठक पांडे है। वह इंफोसिस में सॉफ्टेवयर इंजीनियर थीं। 13 मार्च को दो बच्चों और पति के साथ अपने फ्लैट में शिफ्ट हुई थीं।

घटना बुधवार रात 10.30 बजे लसूड़िया थाना क्षेत्र के एमआर-11 स्थित शिव वाटिका टाउनशिप की है। पुलिस ने हत्या का केस दर्ज कर आरोपी शख्स और उसके पिता को गिरफ्तार कर लिया है।

रिहाइशी बिल्डिंग में पेंटहाउस चलाने पर विवाद था

टीआई तारेश सोनी के मुताबिक, टाउनशिप की सागरश्री एन्क्लेव बिल्डिंग में कुलदीप चौधरी ने अपना पेंटहाउस एअरबीएनबी को किराए पर दे रखा है। यहां रोज नए लोग आते थे। इस बात को लेकर रहवासियों

की आपत्ति थी।

कल रात रहवासियों ने उनके फ्लैट की लाइट बंद कर दी थी। यह देखकर कुलदीप चौधरी नीचे आए। उन्होंने रहवासियों के फ्लैट की लाइट बंद कर दी। इस बात को लेकर मारपीट हुई। इसके बाद बेटा मोहित चौधरी कार लेकर आया। पहले वहां रहने वाली महिला कर्मचारी और फिर शंपा पांडे को टक्कर मार दी।

शंपा को बॉम्बे हॉस्पिटल में एडमिट किया गया। जहां उनकी मौत हो गई। पूरी वारदात बिल्डिंग में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है। पुलिस ने बिल्डिंग में लगा डीवीआर जब्त कर ली है। एअरबीएनबी के जरिये यहां कौन-कौन लोग आते थे, इसकी जांच की जाएगी।

यह एक ऑनलाइन प्लेटफॉर्म और मोबाइल एप है। यह यात्रियों को दुनियाभर में स्थानीय लोगों के घर, अपार्टमेंट या अनोखी जगहें, जैसे ट्रीहाउस, विला कम समय के लिए किराए पर बुक करने की सुविधा देता है।

अयोध्या (उत्तर प्रदेश) के रहने वाले सौरभ पांडे ने बताया कि बुधवार रात को बिल्डिंग के नीचे शोर हो रहा था। यह सुनकर हम नीचे गए। कुछ देर में मारपीट होने लगी। इस बीच पेंटहाउस के मालिक का बेटा 60-70 की स्पीड में कार लाया।

पहले एक महिला कर्मचारी को घायल किया। फिर मेरी तरफ बढ़ा। मैं जैसे-तैसे बचा, लेकिन उसने मेरी पत्नी शंपा को चपेट में ले लिया। पहले पत्नी को बोनट लगा, लेकिन उसने कार नहीं रोकी। सीधे दीवार में जाकर टक्कर मार दी। पत्नी के सिर में बहुत ज्यादा चोट लगी। वह नीचे गिर गई। इसके बाद उसने कार चढ़ा दी। वह चाहता तो कार रोक सकता था।

कश्मीर में ईरान के लिए 18 करोड़ चंदा जुटाया गया

श्रीनगर, 26 मार्च (एजेंसियां)। कश्मीर घाटी में ईरान के समर्थन में करोड़ों रुपए का चंदा जुटाया गया है। इससे देश की सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हो गई हैं। आशंका है कि इन पैसों का इस्तेमाल आतंकी फंडिंग में हो सकता है।

सूत्रों के मुताबिक, अब तक 17.91 करोड़ रुपए चंदा जुटाया गया है। इनमें से 85% राशि शिया समुदाय ने दान की है। कश्मीर का बड़गाम शिया बहुल इलाका है। यहां से करीब 9.5 करोड़ रुपए जुटाए गए हैं।

यह फंडरेजिंग अभियान जकात और सदका के जरिए लिया जा रहा है। इसका उद्देश्य मौजूदा संघर्ष से प्रभावित ईरानी नागरिकों की मदद करना बताया गया है।

सूत्रों के मुताबिक भारत में ईरानी दूतावास ने सीधे पैसे ट्रांसफर करने के लिए एक विशेष बैंक अकाउंट भी खोला है, जिसमें UPI के जरिए भुगतान की सुविधा दी गई है। अधिकारियों का मानना है कि चंदे की राशि और बढ़ सकती है। प्रशासन ने लोगों को सलाह दी है कि वे सीधे दूतावास के आधिकारिक माध्यमों से ही पैसा भेजें, ताकि जवाबदेही सुनिश्चित हो सके। खुफिया सूत्रों ने यह भी बताया कि पहले भी चैरिटी के नाम पर जुटाए गए फंड के दुरुपयोग के मामले सामने आ चुके हैं।

खुफिया एजेंसियां फंड की निगरानी कर रही हैं। उनका कहना है कि चंदे का कुछ हिस्सा गलत हाथों में जा सकता है या उसका गलत इस्तेमाल हो सकता है। अधिकारियों ने माना कि लोगों की भावना सही हो सकती है, लेकिन बिचौलिये और बिना सत्यापन वाले संगठन पारदर्शिता को प्रभावित कर सकते हैं।

जांच में यह भी संकेत मिले हैं कि कुछ शिया धार्मिक नेता और संगठन विभिन्न गतिविधियों के लिए ईरान से आर्थिक सहायता प्राप्त करते हैं।

ट्रांसजेंडर बिल में क्या संशोधन कर रही सरकार?

जिसका विपक्ष कर रहा विरोध

नई दिल्ली, 26 मार्च (एजेंसियां)। संसद के दोनों सदनों लोकसभा और राज्यसभा से ट्रांसजेंडर पर्सन्स (प्रोटेक्शन ऑफ राइट्स) एक्ट में संशोधन को मंजूरी मिलते ही देश की सियासत गरमा गई है। संसद के अंदर तीखी बहस और बाहर सड़कों पर विरोध-प्रदर्शन, इस बिल को लेकर बढ़ते विवाद की कहानी बयां कर रहे हैं। सदन विपक्ष ने इस संशोधन पर कड़ा विरोध जताया। कांग्रेस सांसद तिरुची शिवा ने बिल को गहन समीक्षा के लिए सेलेक्ट कमेटी के पास भेजने का प्रस्ताव रखा, लेकिन सरकार ने इसे तुरंत खारिज कर दिया।

13 मार्च को ट्रांसजेंडर शब्द की उपयुक्त परिभाषा देने और इस वर्ग के लोगों को नुकसान पहुंचाने के मामले में सजा के प्रावधान वाला एक विधेयक लोकसभा में पेश किया गया। विधेयक में कहा गया है कि ट्रांसजेंडर व्यक्तियों की सही और सुनिश्चित पहचान करना और उनकी सुरक्षा के लिए

एक उपयुक्त परिभाषा देना जरूरी है ताकि उन्हें मौजूदा कानून का फायदा मिल सके।

साल 2014 में सुप्रीम कोर्ट ने ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को तीसरे जेंडर का दर्जा दिया। साथ ही अपनी जेंडर से जुड़ी पहचान करने का अधिकार भी दिया। इसके साथ ही सरकार को आदेश दिया कि ट्रांसजेंडर वर्ग को सामाजिक-शैक्षणिक रूप से पिछड़ा माना जाए।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के 5 साल बाद केंद्र सरकार 2019 में ट्रांसजेंडरों से जुड़ा कानून 2019 में लेकर आई। ट्रांसजेंडर की नई परिभाषा तय की गई। साथ ही उन्हें खुद की पहचान करने का अधिकार दिया गया।

अब 2026 में सरकार एक्ट में संशोधन करखुद की पहचान करने के अधिकार को खत्म करना चाह रही है। साथ ही परिभाषा में भी बदलाव किया जा रहा है।

पुराने प्रावधान के तहत कोई भी व्यक्ति डीएम से ट्रांसजेंडर का सर्टिफिकेट ले सकता था। लेकिन अब प्रावधान के तहत पहले सीएमओ से सर्टिफिकेट लेना होगा, फिर से डीएम से यहां आवेदन करना होगा। डीएम अस्पताल प्रबंधन से सर्जरी से जुड़ी जानकारी लेंगे। इसके बाद ही सर्टिफिकेट जारी किया जा सकता है। इसके अलावा जो लोग धोखे से या फिर जबरदस्ती ट्रांसजेंडर बनाए गए हैं, उन्हें भी नई परिभाषा में शामिल किया गया है। इसके अलावा नए बिल में सजा का भी प्रावधान है, नए बिल में बच्चों को ट्रांसजेंडर बनाने पर आजीवन कारावास की सजा व 5 लाख रुपये जुर्माना का प्रावधान है। वहीं बालिग के मामले में 10 साल तक की सजा व दो लाख तक का जुर्माना हो सकता है।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने मंगलवार को कहा कि ट्रांसजेंडर व्यक्तियों से संबंधित विधेयक ट्रांसजेंडर लोगों के संवैधानिक अधिकारों एवं पहचान पर सीधा हमला है, जिसका कांग्रेस पुरजोर विरोध करेगी।

अजित पवार की मौत के बाद पार्टी हथियाने की कोशिश

भतीजे रोहित का दावा– प्रफुल्ल पटेल समेत तीन नेताओं ने ईसी को लेटर लिखा था

मुंबई, 26 मार्च (एजेंसियां)। एनसीपी (एसपी) विधायक रोहित पवार ने दावा किया कि अजित पवार की मौत के बाद प्रफुल्ल पटेल समेत तीन नेताओं ने एनसीपी (अजित पवार) पर कब्जा करने की कोशिश की थी।

रोहित पवार ने कहा कि अजित पवार की मौत के 18 दिन बाद, 16 फरवरी को प्रफुल्ल पटेल, सुनील तटकरे और बृजमोहन श्रीवास्तव ने चुनाव आयोग को लेटर भेजा था। लेटर में कहा गया कि पार्टी संविधान में बदलाव किया गया है। अब सभी अधिकार वर्किंग प्रेसिडेंट को दिए जाएं।

प्रफुल्ल पटेल एनसीपी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष थे। अजित पवार की मौत के समय वही पार्टी के प्रमुख थे।

अजित पवार के भतीजे रोहित ने बुधवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर यह बातें कहीं। उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस में संबंधित डाक्यमेंट्स

भी दिखाए और मामले की आपराधिक जांच की मांग की।

रोहित ने कहा कि अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार को शुरुआत में इसकी जानकारी नहीं थी। हालांकि बाद में उन्होंने चुनाव आयोग को लेटर लिखा।

सुनील तटकरे बोले- पार्टी मामलों में दखल न दें

एनसीपी (अजित पवार) के प्रदेश अध्यक्ष सुनील तटकरे ने बिना नाम लिए कहा कि कुछ लोग पार्टी के अंदरूनी मामलों में दखल देना बंद करें।

उन्होंने कहा कि अजित पवार के खिलाफ पहले भी साजिशें हुईं। अब उनकी मौत के बाद भी ऐसे प्रयास हो रहे हैं।

वहीं, एनसीपी के एक नेता ने कहा कि वर्किंग प्रेसिडेंट को अदालत और चुनाव आयोग से जुड़े मामलों में संवाद का अधिकार पहले से दिया गया था। रोहित भ्रम पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं।

रोहित पवार ने प्लेश क्रैश हादसे से जुड़ी कंपनी वीएसआर वेंचर्स पर भी सवाल उठाए। उनका कहना है कि हादसे के बाद भी कंपनी को 80-90 करोड़ रुपए का पेमेंट किया गया। कुछ लोग इस कंपनी को बचाने की कोशिश कर रहे हैं।

उन्होंने अजित पवार की मौत के मामले में बेंगलुरु में एफआईआर भी दर्ज कराई है। इसपर उन्होंने कहा कि उन्हें सलाह दी गई थी कि वह ऐसे राज्य में शिकायत दर्ज कराएं, जहां उन्हें न्याय मिल सके। इसके बाद उन्होंने कर्नाटक के बेंगलुरु में जीरो एफआईआर दर्ज कराई।

अजित पवार की 28 जनवरी को पुणे के बारामती एयरस्ट्रिप के पास प्लने क्रैश में मौत हो गई थी।

इस हादसे में उनके साथ 4 और लोगों की जान गई थी। उनकी मौत के बाद 26 फरवरी को सुनेत्रा पवार को एनसीपी का नया अध्यक्ष चुना गया। उन्हें डिप्टी सीएम का पद भी दिया गया।

अखाड़ों पर संकट के बादल?

पुजारी महासंघ ने पीएम मोदी को लिखा पत्र अखाड़ा परिषद को खत्म करने की मांग उठाई

उज्जैन, 26 मार्च (एजेंसियां)। अखिल भारतीय पुजारी महासंघ ने प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर देश में अखाड़ों और अखाड़ा परिषद को समाप्त करने की मांग की है। महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष महेश पुजारी ने पत्र में कहा कि सनातन धर्म में मूल रूप से ऋषि-मुनि परंपरा रही है, न कि अखाड़ों की। उनका कहना है कि अखाड़ों की स्थापना जिस उद्देश्य से की गई थी, वह अब पूरा हो चुका है।

पत्र में उल्लेख किया गया है कि आदि शंकराचार्य द्वारा लगभग ढाई से तीन हजार वर्ष पूर्व सनातन धर्म की रक्षा के लिए अखाड़ों की स्थापना की गई थी। लेकिन वर्तमान में कई अखाड़ों में साधु-संत पद, प्रतिष्ठा और ऐश्वर्य को लेकर आपसी विवादों में उलझे हुए हैं। हाल ही में उज्जैन में अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष पद को लेकर हुए विवाद का जिक्र करते हुए महासंघ ने कहा कि ऐसी घटनाएं सनातन धर्म की छवि को नुकसान पहुंचा रही हैं। महासंघ ने आरोप लगाया कि आज कई अखाड़े व्यावसायिक केंद्र बनते जा रहे हैं। साधु-संतों के निवास के लिए दिए गए स्थान अब गार्डन और यात्री गृह में बदल चुके हैं, जिनसे करोड़ों रुपये की आय हो रही है। इसके बावजूद सिंहस्थ जैसे आयोजनों के नाम पर सरकार से भारी धनराशि की मांग की जाती है, जबकि साधु-संतों को त्याग, तप और भजन में लीन रहना चाहिए। पत्र में यह भी कहा गया है कि संतों के लिए दीक्षा के बाद जमीन खरीदना-बेचना अनुचित माना जाता है, फिर भी कई स्थानों पर सरकारी जमीनों पर अतिक्रमण के आरोप सामने आए हैं। महासंघ ने निष्पक्ष जांच की मांग करते हुए दावा किया कि जांच होने पर बड़ी मात्रा में जमीन साधु-संतों के नाम पर पाई जा सकती है। अंत में महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष महेश पुजारी ने प्रधानमंत्री से आग्रह किया कि त्रेता युग में भगवान श्रीराम को सप्त ऋषियों का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ था।

कार-बाइक की टक्कर पिता-पुत्री की मौत

गुमला, 26 मार्च (एजेंसियां)। गुमला-रांची एनएच-43 पर बुधवार देर रात हुए एक सड़क हादसे में बाइक सवार पिता और उसकी तीन वर्षीय बेटी की मौत हो गई। यह घटना नागफेनी में साहू ढाबा के पास हुई। वहीं, हादसे में मृतक की पत्नी और दूसरी बेटी गंभीर रूप से घायल हो गई।

हादसा कार द्वारा बाइक में पीछे से टक्कर मारने की वजह से हुई। मृतकों की पहचान पतिया और बरहाटोली पालकोट निवासी 30 वर्षीय कुलदीप गोप और उनकी तीन वर्षीय बेटी अंशिका के रूप में की गई है। हादसे में कुलदीप की पत्नी और दूसरी बेटी गंभीर रूप से घायल हैं।

कुशीनगर पुलिस के 4 सिपाही चला रहे थे गांजा तस्करी का गिरोह

यूपी से बिहार तक सरकारी गाड़ी से करते थे सप्लाई

कुशीनगर, 26 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के कुशीनगर से पुलिस महकमे को दागदार करने वाला मामला सामने आया है। जहां चार सिपाहियों पर गांजा तस्करी के संगठित नेटवर्क चलाने का आरोप लगा है। चौंकाने वाली बात यह है कि इस पूरे सिंडिकेट का खुलासा किसी बाहरी जांच से नहीं, बल्कि गिरोह के ही एक सदस्य द्वारा रची गई झूठी लूट की कहानी से हुआ। मामले में पुलिस ने 12 आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

जानकारी के मुताबिक, 20 मार्च को सुंदर लाल निषाद नामक व्यक्ति ने डायल-112 पर कॉल कर 3 लाख 5 हजार रुपये लूटे जाने की सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस सक्रिय हुई और जांच

शुरू की गई। थाना रामकोला प्रभारी निरीक्षक धनवीर सिंह ने जब सुंदर लाल से पूछताछ की तो उसके बयान में विरोधाभास सामने आया, जिससे पुलिस को शक हुआ। इसके बाद पुलिस ने उसका मोबाइल कब्जे में लेकर जांच की। मोबाइल फ्लाइट मोड पर था और डेटा डिलीट किया गया था, लेकिन रिकवरी ऐप की मदद से डिलीट सामग्री निकाली गई।

मोबाइल से गांजे की बोरियों और नकदी की गड्डियों की कई तस्वीरें बरामद हुईं। कड़ाई से पूछताछ में सुंदर लाल ने पूरे नेटवर्क का खुलासा कर दिया। उसने बताया कि कुशीनगर पुलिस के चार सिपाही सूरज गिरी, विनोद गुप्ता, जितेंद्र पाल और नितेश यादव इस तस्करी नेटवर्क के मास्टरमाइंड हैं। आरोप है कि ये सिपाही ओडिशा से गांजे की खेप मंगवाते थे और सरकारी गाड़ियों के प्रभाव का इस्तेमाल कर बिना जांच के उसे यूपी और बिहार के विभिन्न इलाकों में खपाते थे।

पुलिस ने छापेमारी के दौरान 21 किलो 100 ग्राम गांजा, 73 हजार रुपये नकद और एक अपाचे बाइक बरामद की। मौके से सुरेश यादव को गिरफ्तार किया गया, जिसे इस गिरोह का अहम सदस्य बताया जा रहा है। पुलिस ने मामले में कुल 12 आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की गंभीर धाराओं में केस दर्ज कर जांच तेज कर दी है।

इस खुलासे के बाद पुलिस विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो गए हैं। जिस पुलिस पर अपराध रोकने की जिम्मेदारी है, उसी के कुछ कर्मियों पर तस्करी में शामिल होने के आरोप ने लोगों को हैरान कर दिया है।

वहीं, रामकोला प्रभारी निरीक्षक धनवीर सिंह की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

लंदन हाईकोर्ट ने नीरव मोदी की प्रत्यर्पण के खिलाफ याचिका खारिज की

कहा– भारत के आश्वासन पर भरोसा

नई दिल्ली, 26 मार्च (एजेंसियां)। लंदन हाईकोर्ट ने भगोड़े हीरा कारोबारी नीरव मोदी की प्रत्यर्पण के खिलाफ मामले को फिर से खोलने की याचिका खारिज कर दी है। यह फैसला भारत सरकार की ओर से दिए गए आश्वासनों की गुणवत्ता पर आधारित था। मोदी पंजाब नेशनल बैंक के 13,000 करोड़ रुपये के धोखाधड़ी मामले में भारत में वांछित है। उसने संजय भंडारी के मामले के आधार पर अपनी याचिका दायर की थी। भगोड़े आर्थिक अपराधी संजय भंडारी के मामले में भारतीय एजेंसियों द्वारा यातना की संभावना पर प्रत्यर्पण रद्द कर दिया गया था। लंदन उच्च न्यायालय ने मानवाधिकारों के आधार पर भंडारी को प्रत्यर्पण आदेश से मुक्त कर दिया था। उच्च न्यायालय की पीठ में लॉर्ड जस्टिस स्टुअर्ट स्मिथ और जस्टिस जय ने नीरव मोदी का मामला फिर से खोलने की अनुमति देने से इनकार कर दिया। उन्होंने भारत सरकार के नोट वर्बल में दिए गए आश्वासनों पर भरोसा किया। अदालत ने कहा कि यदि भारत सरकार के आश्वासन नहीं होते, तो वे अपील को फिर से खोलने पर विचार कर सकते थे। पीठ ने मुंबई में जेल से अदालत तक यात्रा के दौरान यातना के वास्तविक जोखिम के तर्क को खारिज कर दिया। अदालत ने भारत और ब्रिटेन के बीच आपसी विश्वास और संधि समझौतों को महत्वपूर्ण माना। हालांकि, मोदी के वकील फिट्जगेराल्ड ने कुछ हलफनामे के सबूतों पर सवाल उठाए थे।पीठ ने कहा कि भारत सरकार के आश्वासन कुछ भी गड़बड़ या अस्पष्टता नहीं हैं। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने नीरव मोदी को आर्थर सड़क जेल में रखने की विस्तृत योजना भेजी थी। इसमें उसे मिलने वाली सुविधाएं और मुकदमे के दौरान कानूनी सहायता शामिल थी। ये आश्वासन गृह मंत्रालय के एक सक्षम अधिकारी की ओर से दिए गए थे।

पश्चिम एशिया में तनाव के बीच चिंता में बाजार

दुनिया की हालात देख निवेशक बरत रहे सतर्कता

मुंबई,26 मार्च(एजेंसियां)। पिछले दिन बुधवार 25 मार्च को शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद हुआ सेंसेक्स 1200 अंक चढ़ा, वहीं निफ्टी 23300 के पार पहुंच गया। बाजार में यह बढ़त अमेरिका-ईरान के बीच तनाव कम होने के संकेत, कच्चे तेल कीमतों में गिरावट आई जो कि सकारात्मक वैश्विक संकेतों की वजह से देखने को मिली। लेकिन जानकारों का कहना है, कि बाजार में चिंता अभी भी बनी हुई है। रामनवमी के अवसर पर गुरुवार 26 मार्च को को नेशनल स्टॉक एक्सचेंज और बॉम्स स्टॉक एक्सचेंज बंद है, लेकिन आज से कल तक वैश्विक घटनाक्रम में क्या बदलाव आते हैं उसको लेकर बाजार सतर्क बना हुआ है। निवेशक रिस्क लेने की मूड में नहीं हैं और सतर्क होकर निवेश कर रहे हैं।

वैश्विक बाजार का हाल

लाइवलॉन्ग वेल्थ के संस्थापक और रिसर्च एनालिस्ट हरिप्रसाद कहते हैं कि भारतीय इक्विटी बाजार में उछाल आया, बेंचमार्क इंडेक्स 1.5 प्रतिशत से अधिक चढ़े। अमेरिका और ईरान के बीच सकारात्मक घटनाक्रम की खबरों ने बाजार में उत्साह का माहौल पैदा किया। इससे वैश्विक बाजार में रिस्क ऑन रिएक्शन देखने को मिला।

हालांकि सतर्क रूख अभी भी अपनाया जा रहा है।

कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से मिली थी थोड़ी राहत

प्रसाद कहते हैं, बाजार में बढ़त का एक बड़ा कारण कच्चे तेल की कीमतों में आई गिरावट भी रही, जिसमें कच्चे तेल 100 डॉलर प्रति बैरल के निशान से नीचे आ गया। कच्चे तेल के प्रति भारत की मैक्रो सेंसिटिविटी को देखते हुए इससे महंगाई की उम्मीदें, करेंसी के दबाव और कॉर्पोरेट मार्जिन पर राहत मिली। लेकिन बाजार के रिएक्शन से पता चलता है कि घरेलू बाजार के सेंटिमेंट अभी भी वैश्विक एनर्जी डायनामिक्स से जुड़े हुए हैं। रैली के बाद भी वोलैटिलिटी बनी हुई है, भारत का वीआईएक्स 24 के निशान के ऊपर बना हुआ है। इससे पता चलता है कि अंदर की घबराहट अभी कम नहीं हुई है और मौजूदा तेजी में मजबूत इंस्टीट्यूशनल भरोसे की कमी है। हालांकि गुरुवार को कच्चे तेल के दाम में उछाल देखने को मिला। ब्रेंट क्रूड 1.3 प्रतिशत बढ़कर 98.51 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

अमेरिका-ईरान तनाव में कमी के संकेत का पड़ा असर

जियोजित इंवेस्टमेंट लिमिटेड के रिसर्च हेड विनोद नायर कहते हैं, वैश्विक रिस्क सेंटिमेंट में सुधार की वजह से शांति की उम्मीदों भी कुछ बढ़ी हैं। इसमें अमेरिका-ईरान के बीच बातचीत की संभावना, मिले-जुले भू-राजनीतिक घटनाक्रम की वजह से कच्चे तेल की कीमतें 100 डॉलर के नीचे आ गईं है, जिसका बाजार ने स्वागत किया है।

होर्मुज स्ट्रेट के जरिए समुद्री आवाजाही सामान्य होने के शुरुआती संकेतों से निवेशकों का भरोसा और बढ़ने की उम्मीद है, हालांकि अभी कुछ कहना जल्दबाजी होगी। नायर कहते हैं, घरेलू रैली बड़े पैमाने पर थी, जिसमें सभी सेक्टर में वैल्यू ड्रिवन खरीदारी से सहारा मिला। भारत का वैल्यूएशन प्रीमिमय जो कुछ समय से ऊंचा बना हुआ था, अब कुछ हद तक स्तर पर आ गया है। इससे निवेशकों को मौजूदा मार्केट स्तर पर अधिक मदद मिली है। हालांकि तेल की कीमतों में यह वृद्धि ऐसे समय में हुई जब तेहरान ने बुधवार को अमेरिका द्वारा प्रस्तावित युद्धविराम योजना को खारिज कर दिया।

खुदरा महंगाई काबू में रखने के प्रयास

सरकार ने तय किया पांच साल का लक्ष्य, आम आदमी को कितनी राहत?

नई दिल्ली, 26 मार्च (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने अगले पांच वर्षों के लिए खुदरा महंगाई (रिटेल इन्फ्लेशन) का लक्ष्य चार प्रतिशत पर यथावत रखने का निर्णय लिया है। यह लक्ष्य 1 अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2031 तक लागू रहेगा। वित्त मंत्रालय के आर्थिक कार्य विभाग ने 25 मार्च 2026 को जारी अधिसूचना में इसकी जानकारी दी। अधिसूचना के अनुसार, महंगाई के लिए 4 प्रतिशत का लक्ष्य तय किया गया है, जबकि इसकी ऊपरी सहनशील सीमा 6 प्रतिशत और निचली सीमा 2 प्रतिशत रखी गई है। यह निर्णय भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 की धारा 45जेडए के तहत, रिजर्व बैंक के परामर्श से लिया गया है।

एमपीसी के फैसले पर पड़ेगा असर

सरकार के इस फैसले के साथ ही भारतीय रिजर्व बैंक का मौजूदा जनादेश भी बरकरार रहेगा। मौद्रिक नीति समिति अब भी इसी लक्ष्य के अनुरूप नीतिगत ब्याज दरों का निर्धारण करेगी, ताकि महंगाई को निर्धारित दायरे में रखा जा सके। गौरतलब है कि भारत ने 2016 में औपचारिक रूप से महंगाई लक्ष्य निर्धारण (इन्फ्लेशन टार्गेटिंग) का ढांचा अपनाया था। उसी समय एमपीसी का गठन हुआ था, जिसे मूल्य स्थिरता बनाए रखने की जिम्मेदारी सौंपी गई। शुरुआती अवधि मार्च 2021 तक थी, जिसके बाद सरकार ने इस लक्ष्य को लगातार जारी रखा है। यह दूसरा अवसर है जब सरकार ने बिना बदलाव के चार प्रतिशत लक्ष्य को आगे बढ़ाया है।

मौजूदा महंगाई की स्थिति

फरवरी 2026 में सीपीआई आधारित महंगाईः 3.21%

ग्रामीण महंगाईः 3.37%

शहरी महंगाईः 3.02%

खाद्य महंगाई : 3.47%

यानी महंगाई फिलहाल लक्ष्य (4%) से नीचे है। इस दौरान टमाटर, मटर और फूलगोभी जैसी सब्जियों की कीमतों में 10 प्रतिशत से अधिक की गिरावट दर्ज की गई, जिससे खाद्य महंगाई पर दबाव कम हुआ।

कैसे जुटाया जाते हैं आंकड़े?

सरकार के अनुसार, महंगाई के आंकड़े देशभर के 1407 शहरी बाजारों और 1465 गांवों से एकत्र किए जाते हैं।

1 अप्रैल से जरूरी दवाइयां होगी महंगी, एनपीपीए ने दी पेनकिलर-एंटीबायोटिक के दाम बढ़ाने की मंजूरी

नई दिल्ली, 26 मार्च (एजेंसियां)। आम लोगों को महंगाई का एक और झटका लगने वाला है। 1 अप्रैल से 767 जरूरी दवाइयां महंगी हो जाएंगी। नेशनल फार्मास्युटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी ने बुधवार को बताया कि निर्माता थोक मूल्य सूचकांक के आधार पर दवाओं की कीमत में 0.64 प्रतिशत तक की बढ़ोत्तरी करने को मंजूरी दे दी है। एनपीपीए भारत का कहना है कि निर्धारित दवाओं के अधिकतम खुदरा मूल्य में 0.64% तक महंगा कर सकते हैं। 25 मार्च को जारी ऑफिस मेमोरेंडम में कहा गया है, "वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के उद्योग और आंतरिक व्यापार विभाग के आर्थिक सलाहकार कार्यालय द्वारा उपलब्ध कराए गए थोक मूल्य सूचकांक के आंकड़ों के आधार पर, कैलेंडर वर्ष 2025 के दौरान 2024 की समान अवधि की तुलना में डब्ल्यूपीआई में सालाना बदलाव (+)0.64956% रहा है।" मेमोरेंडम के अनुसार, निर्माता डब्ल्यूपीआई के आधार पर अधिकतम खुदरा मूल्य बढ़ा सकते हैं और इसके लिए सरकार की पूर्व अनुमति की जरूरत नहीं होगी। मेमो में कहा गया है,"औषधि आदेश, 2013 (डीपीसीओ), 2013) के पैरा 16(2) के प्रावधानों के अनुसार, निर्माता इस डब्ल्यूपीआई के आधार पर निर्धारित दवाओं के अधिकतम खुदरा मूल्य में वृद्धि कर सकते हैं और इसके लिए सरकार की पूर्व स्वीकृति जरूरी नहीं होगी।" आवश्यक दवाओं की राष्ट्रीय सूची में 900 दवाओं के फॉर्मुलेशन शामिल हैं। इनमें दर्द निवारक (पेनकिलर), एंटीबायोटिक्स और एंटी-इन्फेक्टिव दवाएं शामिल हैं। बता दें कि बढ़ी हुई कीमतें जीएसटी के बिना हैं। और निर्माताओं, थोक और खुदरा विक्रेताओं के लिए सीलिंग प्राइस से ज्यादा कीमत पर दवाइयां बेचना गैरकानूनी है।

कांग्रेस समेत चार राष्ट्रीय दलों के कुल चंदे से 1000% ज्यादा बीजेपी को मिला

नई दिल्ली, 26 मार्च (एजेंसियां)। वित्त वर्ष 2024-25 में देश के प्रमुख राजनीतिक दलों की चंदे से हुई कमाई के आंकड़े सामने आ चुके हैं। भाजपा एक बार फिर देश में सबसे ज्यादा चंदा पाने वाली पार्टी के तौर पर उभरी है। वहीं, दूसरा नंबर कांग्रेस का है। चौंकाने वाली बात यह है कि भारत के पहले नंबर के राजनीतिक दल और दूसरे नंबर के राजनीतिक दल के तरफ से जुटाए गए चंदे के बीच का दायरा करीब 12 गुना से ज्यादा है। यह आंकड़ा इसलिए भी आश्चर्य में डालने वाला है, क्योंकि भाजपा के पास कांग्रेस के मुकाबले सिर्फ दोगुने दानकर्ता ही हैं। यानी साफ तौर पर भाजपा को मिलने वाला चंदा बड़ी राशियों का है। भाजपा और कांग्रेस के अलावा कई और पार्टियों ने भी 2024-25 में मिले दान की राशि का खुलासा किया है। नियमों के मुताबिक, राष्ट्रीय दलों को 20 हजार रुपये से अधिक के चंदे का रिकॉर्ड दिखाना होता है और यह पूरा रिकॉर्ड 30 सितंबर 2025 तक चुनाव आयोग के पास भेजना होता है। ऐसे में यह जानना अहम है कि आखिर 2024-25 में अलग-अलग पार्टियों को कितना चंदा मिला? इन पार्टियों ने कितने दानकर्ता जुटाए? किस दल ने एलान किया कि उसे 20 हजार रुपये से ज्यादा का चंदा ही नहीं मिला? इसके अलावा राज्यवार स्तर पर राष्ट्रीय दलों को कहां-कहां से दान मिला? इन दलों के कॉरपोरेट और व्यक्तिगत स्तर पर दिए गए चंदे के क्या आंकड़े हैं? इसके अलावा सभी राष्ट्रीय राजनीतिक दलों को कुल मिलाकर 11,343 दानकर्ताओं की तरफ से 6648.563 करोड़ रुपये का चंदा मिला।भारतीय जनता पार्टी (भाजपा): देशभर में राजनीतिक दलों को जितना चंदा मिला, उसकी कुल राशि में 91 फीसदी से ज्यादा भाजपा को ही मिली। भाजपा ने 2024-25 के लिए 6074.015 करोड़ रुपये का दान दिखाया है। उसे यह दान 5522 दानदाताओं के जरिए मिला। यह राशि भाजपा के बाद चंदा जुटाने वाले चार राष्ट्रीय दलों को मिले कुल चंदे से 10 गुना से भी अधिक है। कांग्रेसः कांग्रेस ने अपना दान 517.394 करोड़ रुपये दिखाया है, जो कि उसे 2501 दानकर्ताओं से मिला है। कांग्रेस को मिली यह राशि भाजपा के मुकाबले करीब 1000 प्रतिशत कम है।

आप ने 2024-25 के लिए अपनी दान की राशि 38.106 करोड़ रुपये दर्शायी है, जो कि उसे 2554 दानकर्ताओं की तरफ से मिली। माकपा को 2024-25 में 16.957 करोड़ रुपये का दान मिला, जो कि 741 दानदाताओं से जुटाया गया।

पूर्वोत्तर की इस प्रमुख पार्टी ने अपना दान 2.091 करोड़ रुपये दिखाया है, जो कि उसे 25 दानकर्ताओं से मिला।

रीइंश्योरेंस के लिए बने जियो फाइनेंशियल व एलियांस के संयुक्त उद्यम ने शुरू किया कारोबार

नई दिल्ली, 26 मार्च (एजेंसियां)। रीइंश्योरेंस के लिए बने जियो फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड और एलियांज ग्रुप के संयुक्त उद्यम एलियांज जियो रीइंश्योरेंस लिमिटेड ने भारत में अपना परिचालन शुरू कर दिया है। कंपनी को भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (आईआरडीएआई) से 12 मार्च 2026 को अंतिम नियामकीय मंजूरी मिली थी। मुंबई स्थित यह संयुक्त उद्यम जियो फाइनेंशियल की स्थानीय पहुंच और डिजिटल नेटवर्क को एलियांज की वैश्विक अंडरराइटिंग विशेषज्ञता के साथ जोड़कर बीमा कंपनियों को जोखिम प्रबंधन क्षमता उपलब्ध कराएगा।

जियो फाइनेंशियल की ओर से क्या कहा गया?

जियो फाइनेंशियल के एमडी एवं सीईओ हितेश सेठिया ने कहा कि यह एलियांज के साथ व्यापक बीमा साझेदारी की दिशा में पहला कदम है। एलियांज के बोर्ड सदस्य क्रिस टाउनसेंड ने कहा कि यह संयुक्त उद्यम भारत के बीमा बाजार के लिए दीर्घकालिक रीइंश्योरेंस समाधान विकसित करेगा। कपनी की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार, इसकी अगुवाई सोनिया रावल करेंगी, उन्हें एलियांज जियो रीइंश्योरेंस लिमिटेड का मुख्य कार्यकारी अधिकारी नियुक्त किया गया है। कंपनी ने बताया कि वह भारत में बीमा पहुंच बढ़ाने के लक्ष्य में योगदान देगी। इसका लक्ष्य 2047 तक 'सभी के लिए बीमा' के सरकार के उद्देश्य को पूरा करना है। कंपनी दीर्घकालिक समाधानों पर ध्यान केंद्रित करेगी। सोनिया रावल के नेतृत्व में यह संयुक्त उद्यम अपनी रणनीतियों को आगे बढ़ाएगा और भारत बढ़ते बीमा बाजार में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

4.70 लाख करोड़ रुपये स्वाहा, क्रिप्टो मार्केट में डूबी निवेशकों की बड़ी रकम, किसने किया बड़ा नुकसान?

नई दिल्ली,26 मार्च(एजेंसियां)। क्रिप्टोकरेंसी बाजार में गुरुवार को बड़ी गिरावट आई। क्रिप्टो मार्केट कैप पिछले 24 घंटे में करीब 2% गिर गया। दोपहर 2:30 बजे यह करीब 2% की गिरावट के साथ 2.40 ट्रिलियन डॉलर पर कारोबार कर रहा था। 24 घंटे की गिरावट से निवेशकों को करीब 4.70 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया। वहीं इस गिरावट का असर दुनिया की सभी प्रमुख क्रिप्टोकरेंसी में दिखाई दिया। क्रिप्टो मार्केट की इस गिरावट की सबसे ज्यादा मार काइट क्रिप्टो पर पड़ी। कॉइनमार्केटकैप की टॉप 100 क्रिप्टो में शामिल काइट 24 घंटे में करीब 10% गिर गई। दोपहर 2:30 बजे काइट 0.2097 डॉलर पर कारोबार कर रही थी। हालांकि इस गिरावट के उलट कुछ ऐसी भी क्रिप्टो रहीं जिनमें तेजी आई।

किस क्रिप्टो में कितनी गिरावट?

पिछले 24 घंटे में दुनिया की लगभग सभी प्रमुख क्रिप्टोकरेंसी में गिरावट आई है।

बिटकॉइन करीब 1.80% की गिरावट के साथ 70 हजार डॉलर के नीचे कारोबार कर रहा था।

इथेरियम में ढाई फीसदी से ज्यादा की गिरावट थी। इस गिरावट के साथ यह 2116 डॉलर पर था।

बाइनेंस भी 2 फीसदी से ज्यादा लुढ़क चुका था। यह 2:30 बजे करीब 632 डॉलर पर था।

रिपल में करीब 3 फीसदी और सोलाना में करीब 4 फीसदी की गिरावट आई हुई थी। डॉगकॉइन भी करीब 5 फीसदी की गिरावट पर था।कार्डानो 4 फीसदी से ज्यादा गिरकर 0.2599 डॉलर पर कारोबार कर रहा था। शिबा इनु में भी 4 फीसदी से ज्यादा की गिरावट थी।

इन क्रिप्टो में आई तेजी

ऐसा नहीं है कि मार्केट में गिरावट से सभी क्रिप्टो लुढ़क गईं। कुछ क्रिप्टोकरेंसी ऐसी भी रहीं जिनमें तेजी आई। इसमें ट्रॉन, कैंटन, मीमकोर, पाई नेटवर्क कॉइन आदि शामिल हैं। 24 घंटे में ट्रॉन में 2 फीसदी से ज्यादा की तेजी आई। कैंटन कॉइन एक फीसदी से ज्यादा उछल गया। मीमकोर में करीब 40 फीसदी का उछाल आया। पाई नेटवर्क कॉइन में भी मामूली तेजी देखी गई।

मार्केट में गिरावट क्यों आई?

क्रिप्टो मार्केट में इस गिरावट को ईरान युद्ध से जोड़कर देखा जा रहा है। वहीं अमेरिका के क्रिप्टो नियामक विधेयक के कारण भी क्रिप्टो बाजार में हलचल मच गई। ईरान युद्ध की बात करें तो अमेरिका ने ईरान को युद्धविराम प्रस्ताव भेजा। इसे लेकर ईरान ने अमेरिका के साथ सीधी बातचीत से इनकार कर दिया। वहीं अमेरिका के क्रिप्टो विधेयक से बाजार में अनिश्चितता पैदा हो रही है। डिस्क्लेमरः क्रिप्टोकरेंसी में 24 घंटे कारोबार होता है। ऐसे में इनकी कीमत पल-पल बदलती रहती है। कुछ ही मिनटों में क्रिप्टोकरेंसी की कीमत काफी गिर जाती है और निवेशकों को बड़ा नुकसान हो जाता है। ऐसे में इसमें निवेश करने से पहले एक्सपर्ट की राय जरूर ले लें।

1 अप्रैल 2026 से लागू होगा नया इनकम टैक्स कानून, टैक्सपेयर पर पड़ेगा क्या असर?

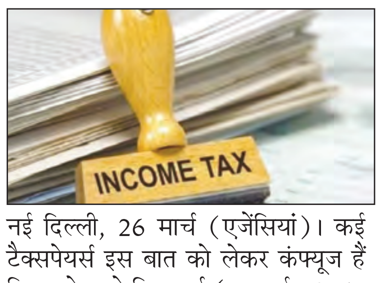

नई दिल्ली, 26 मार्च (एजेंसियां)। कई टैक्सपेयर्स इस बात को लेकर कंफ्यूज हैं कि आने वाले वित्त वर्ष (एफवाई 2026-27) में उनके इनकम टैक्स स्लैब बदलेंगे या नहीं, क्योंकि 1 अप्रैल 2026 से आयकर अधिनियम, 2025 लागू होने वाला है. इस नए कानून में टैक्स सिस्टम को नए तरीके से डिजाइन किया गया है, जिससे लोगों को लग रहा है कि शायद पुराने और नए टैक्स सिस्टम के स्लैब भी बदल गए हों. वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट 2026 में बताया था कि आयकर अधिनियम, 2025, 1 अप्रैल 2026 से लागू होगा. इसमें दिए गए टैक्स स्लैब एफवाई 2026-27 की कमाई पर लागू होंगे. अब आसान भाषा में समझते हैं कि स्लैब बदले हैं या नहीं.

पुराना टैक्स सिस्टम के स्लैब

0 से 2.5 लाख रुपयेः 0% टैक्स

2.5 लाख से 5 लाख रुपयेः 5%

5 लाख से 10 लाख रुपयेः 20%

10 लाख से ऊपरः 30%

नया टैक्स सिस्टम एफवाई 2026-27 के लिए

0 से 4 लाख रुपयेः 0%

4 लाख से 8 लाख रुपयेः 5%

8 लाख से 12 लाख रुपयेः 10%

12 लाख से 16 लाख रुपयेः 15%

16 लाख से 20 लाख रुपयेः 20%

20 लाख से 24 लाख रुपयेः 25%

24 लाख से ऊपरः 30%

नए टैक्स सिस्टम की खास बातें

यह अब डिफॉल्ट टैक्स सिस्टम है, यानी अगर आप कुछ नहीं चुनते, तो यही लागू होगा. हालांकि, आप आईटीआर भरते समय पुराना सिस्टम चुन सकते हैं (अगर आपके पास बिजनेस इनकम नहीं है). सेक्शन 87ए के तहत 12 लाख रुपये तक की इनकम पर टैक्स छूट मिलती रहेगी, यानी इस लिमिट तक टैक्स जीरो हो सकता है.

क्या 1 अप्रैल 2026 से स्लैब बदलेंगे?

नहीं, सरकार ने बजट 2026 में न तो पुराने और न ही नए टैक्स सिस्टम के स्लैब में कोई बदलाव किया है. आयकर अधिनियम, 2025 में भी मौजूदा टैक्स स्ट्रक्चर को ही जारी रखा गया है.

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति		
सुर्य	मीन	मे
चंद्र	मिथुन	मे
मंगल	कुंभ	मे
बुध	कुंभ	मे
गुरु	मिथुन	मे
शुक्र	मेष	मे
शनि	मीन	मे
राहु	कुंभ	मे
केतु	सिंह	मे

लग्नारभ समय	
मीन....	05-40 बजे
मेष.....	07-16 बजे
वृष....	09-00 बजे
मिथुन..	11-01 बजे
कर्क...	13-13 बजे
सिंह---	15-25 बजे
कन्या--	17-32 बजे
तुला-----	19-37 बजे
वृश्चिक..	21-47 बजे
धनु.....	00-00 बजे
मकर....	02-07 बजे
कुंभ....	03-57 बजे

श्री रौद्र श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- 2083

शक संवत् -1948, सूर्य उत्तरायणे /उत्तर , ऋतु- बसंत

महावीर निर्वाण संवत् -2551 , राजा गुरु, मन्त्री भौम

कलियुग अवधि - 432000

भोग्य कलि वर्ष. - 426873

कलियुग संवत् - 5127 वर्ष,

सूर्योदय 06-20

सूर्यास्त. 18 -24

कल्पारंभ संवत् - 1972949127

सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - 1955885127

दिशाशूल - पश्चिम - दही खाकर घर से निकले

मास - चैत्र कृष्ण पक्ष शुक्रवार 27 March 2026

तिथि - नवमी 10-06 तक उपरान्त दशमीं

नक्षत्र - पुनर्वसु 15-23 तक उप पुष्य

योग - अतिगण्ड 22-09 रात्रि तक उप सुकर्मा

करण - कौलव 10-06 तक उप तैतिल

सर्वार्थ सिद्धि योग 15-24 से

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 10-50 से 12-22 तक

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया		
चंचल	06-20 - 07-47	शुभ
लाभ	07-47 - 09-19	शुभ
अमृत	09-19 - 10-50	शुभ
काल	19-50 - 12-22	अशुभ
शुभ	12-22 - 13-53	शुभ
रोग	13-53 - 15-24	अशुभ
उत्पात	15-24 - 16-56	अशुभ
चंचल	16-56 - 18-24	शुभ

रात का चौघड़िया		
रोग	18-24 - 19-56	अशुभ
काल	19-56 - 21-24	अशुभ
लाभ	21-24 - 22-53	शुभ
उत्पात	22-53 - 00-21	अशुभ
शुभ	00-21 - 01-50	शुभ
अमृत	01-50 - 03-18	शुभ
चंचल	03-18 - 04-47	शुभ
रोग	05-47 - 06-20	अशुभ

आपका राशिफल

मेष — चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,

आज का दिन आपके लिए विशेष हो सकता है । आपके दृष्टिकोण में आज कोई नया आयाम जुड़ेगा या आप किसी अपरिचित व्यक्ति के दृष्टिकोण से अत्यधिक प्रभावित होंगे । आपको यह सीख मिलेगी कि अपना भविष्य तय करने में तथा अपनी जिंदगी में फिलहाल चल रही समस्या से जूझने में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका आप०को ही निभानी है ।

वृष — ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,

आज सब कुछ आपके मनचाहे तरीके से होगा और आपको अपने प्रयासों में सफलता मिलेगी । आप पुराने नुक्सान की भरपाई भी कर लेंगे । इसके परिणामस्वरूप आप अपनी संभावनाओं के प्रति अधिक आशावादी भी हो सकते हैं ,किसी भी अवसर के बारे में गहरे से सोचे बिना जोखिम ना उठायें । असावधान रहेंगे तो किसी से मुठभेड़ हो सकती है ।

मिथुन — का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,

आपको खुद पर बहुत यकीन है लेकिन अति आत्मविश्वास और अधिकार जताने की प्रवृति से बचें ।दूसरों पर अपनी राय थोपने की आदत से आज आपको नुक्सान उठाना पड़ सकता है । केवल सही होना ही काफी नही है,आपको इसक अभी ध्यान रखना होगा कि आप दूसरों को नाराज न करें ।

कर्क — ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,

आज आप आकर्षण का केंद्र रहेंगे ।फोकस का केंद्र रहना आपकी सहज विशेषता है जिसके कारण कई लोग आपसे इर्ष्या करेंगे । जब आप सहज रूप से वर्त्तमान .भूतकाल और भविष्य के बारे में सोचेंगे तो आपको बहुत से अपने जवाब और समाधान मिल जायेंगे ।

सिंह — मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,

दिन की शुरुआत अच्छी खबर से होगी । आप काफी समय से जिस योजना पर काम कर रहे थे ,वह आज फलीभूत होगी । सहकर्मियों के साथ कहीं बाहर जा सकते हैं । आपको अच्छा लगेगा । आज वित्त सम्बन्धी कोई फैसला लेंगे जो भविष्य में लाभकारी साबित होगा । आज किसी तीर्थ की यात्रा भी कर सकते हैं ।

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

यह समय दोस्तों के साथ हल्का –फुल्का समय गुजारने के लिए बहुत अच्छा है । कोई पार्टी करें या शाम को मस्ती के साथ गुजरें,आप पार्टी की जान बने रहेंगे ।इस दौरान आप किसी ऐसे व्यक्ति से भी मिलेंगे जिसकी रुचियाँ आप जैसी होंगी और वो आप जैसे कार्यकलापों का आनंद लेगा । आपको अपनी क्षमता का अनुभव भी होगा ।

तुला — रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,

आज आपका मूड हल्का फुल्का और नाटकीय बना रहेगा और आज आप हर खुबसूरत चीज से प्रभावित होंगें । इससे आपका कुछ अनावश्यक खर्च भी हो सकता है । आज आप जो भी करेंगे,उसमें सौन्दर्यबोध का काफी असर रहेगा । आज सुन्दरता से सम्बंधित कोई उपचार ले सकते हैं ,पूरे दिन हंसी मजाक वाले मूड में रहेंगे और इससे कार्यस्थल पर भी माहौल खुशनुमा रहेगा ।

वृश्चिक — तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,

आप पिछले कुछ दिनों से काफी व्यस्त दिनचर्या बिता रहे हैं । अब सारी चीजों को व्यवस्थित करने का समय है । आज आपको तुलनात्मक रूप से थोड़ी राहत मिलेगी,लेकिन आपको इस समय का उपयोग अपनी सब चीजों को व्यवस्थित करने में लगाना चाहिए ।नही तो सब कुछ और अधिक उलझता जाएगा और आप स्थिति के नियंत्रण से बाहर होने के कारण और भी अधिक परेशान रहेंगे ।

धनु — ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे

आज हर कोई आपकी तरफ आकर्षित होगा । सब आपकी समझ और शिष्टता से प्रभावित होंगे । खूब प्रशंसा मिलेगी । इस बेहतरीन समय का प्रयोग नए दोस्त बनाने और नए लोगों से मिलने जुलने में करें । इससे आपके सामने नए अवसर खुलेंगे । आप किसी जटिल समस्या में फंस गए लगते हैं।

मकर — भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी

आज हर कोई आपकी तरफ आकर्षित होगा । सब आपकी समझ और शिष्टता से प्रभावित होंगे । खूब प्रशंसा मिलेगी । इस बेहतरीन समय का प्रयोग नए दोस्त बनाने और नए लोगों से मिलने जुलने में करें । इससे आपके सामने नए अवसर खुलेंगे । आप किसी जटिल समस्या में फंस गए लगते हैं।

कुंभ — गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,

आज का दिन सभी भावनात्मक और वास्तविक मुद्दों के मामले उतार चढाव भरा रहेगा । गृहों की चाल यह बता रही है कि आप सुबह भावनात्मक बने रह सकते हैं और सब चीजों के बारे में अपनी भावनात्मक प्रतिक्रिया के नजरिये से ही सोचेंगे । इससे कुछ गलत फैसलों की भी सम्भावना है लेकिन शाम तक सब ठीक हो जाएगा और आप और स्पष्ट तरीके से सोच और देख पायेंगे ।

मीन — दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची

आज आप सामान्य से अधिक भावनात्मक हैं ,दूसरे इसका फायदा उठा सकते हैं । कार्यस्थल पर कार्य का दबाव रहेगा,जिससे थकान का अनुभव करेंगे । कुछ कार्य सहकर्मियों को दे दें या कल के लिए बचा रखें । काम थोडा भले ही करें लेकिन गुणवत्ता बनाये रखें । आज किसी ख़ास व्यक्ति के साथ स्वादिष्ट भोजन का लुत्फ़ उठा सकते हैं ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

कांग्रेस का बड़ा दांव : हर ग्राम पंचायत में बनेगी कमेटी

5 लाख पदाधिकारी नियुक्त होंगे

जयपुर, 26 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान कांग्रेस ने पंचायत और निकाय चुनाव से पहले बड़ा फैसला लेते हुए सभी ग्राम पंचायतों और शहरी वार्डों में 21 सदस्यीय कमेटियां बनाने का निर्णय लिया है। पार्टी ने 19 अप्रैल तक 5 लाख से अधिक पदाधिकारी नियुक्त करने का लक्ष्य रखा है।

आगामी निकाय और पंचायत चुनावों से पहले कांग्रेस ने राजस्थान में संगठन को मजबूत करने के लिए बड़ा फैसला लिया है। पार्टी ने पहली बार राज्य की सभी ग्राम पंचायतों और शहरी वार्डों में कार्यकारिणी समितियां गठित करने का निर्णय लिया है। इस अभियान के तहत प्रदेशभर में 5 लाख से अधिक पदाधिकारियों की नियुक्ति का लक्ष्य रखा गया है। पार्टी के निर्देशानुसार, राजस्थान की 14,726 ग्राम पंचायतों में 21 सदस्यीय कमेटियां बनाई जाएंगी, जिनमें एक अध्यक्ष भी शामिल होगा। इस प्रक्रिया से ग्रामीण क्षेत्रों में करीब 3.23 लाख पदाधिकारियों की नियुक्ति होगी। पंचायतों के पुनर्गठन के बाद उनकी संख्या में वृद्धि हुई है, जिससे संगठन विस्तार का दायरा और बढ़ गया है।

इसी तरह शहरी क्षेत्रों में भी कांग्रेस संगठन को मजबूत करने के लिए 10,245 वार्डों में 21 सदस्यीय समितियां गठित की जाएंगी। प्रत्येक वार्ड में एक अध्यक्ष सहित समिति का गठन होगा, जिससे शहरों में 2.11 लाख से अधिक पदाधिकारी नियुक्त किए जाएंगे। इस तरह ग्रामीण और शहरी दोनों स्तरों पर मिलाकर कुल लगभग 5.35 लाख पदाधिकारी तैयार किए जाएंगे।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने बताया कि इस पहल का उद्देश्य संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करना है, ताकि आगामी चुनावों में पार्टी को मजबूती मिल सके। उन्होंने सभी जिला अध्यक्षों को निर्देश दिए हैं कि 19 अप्रैल तक कमेटियों के गठन की प्रक्रिया पूरी कर ली जाए। डोटासरा ने आरोप लगाया कि राज्य की मौजूदा सरकार हार के डर से निकाय और पंचायत चुनावों में देरी कर रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस मजबूत संगठन और व्यापक जनसमर्थन के साथ चुनाव मैदान में उतरने के लिए पूरी तरह तैयार है।

सराफा व्यापारी की गोली मारकर हत्या

बदमाश जेवरात लूटकर फरार, बाजार बंद रहा

विधायक कुंवर जगत सिंह ने 72 घंटे में गिरफ्तारी का आश्वासन दिया

भरतपुर, 26 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान के भरतपुर जिले का नदबई कस्बा शाम गोलियों की तड़तड़ाहट से दहल उठा। बेखौफ बदमाशों ने सर्राफा व्यापारी योगेंद्र चौपड़ा की गोली मारकर हत्या कर दी और जेवरात से भरा बैग लूटकर फरार हो गए। इस दुस्साहसिक वारदात के बाद पूरे क्षेत्र में तनाव व्याप्त है और व्यापारियों के साथ-साथ आम जनता का गुस्सा सातवें आसमान पर है। 45 वर्षीय सर्राफा व्यापारी योगेंद्र चोपड़ा अपनी दुकान मंगल कर स्कूटी से घर लौट रहे थे। जब वे पंजाबी मोहल्ले के पास पहुंचे, तो पहले से घात लगाए बैठे बाइक सवार बदमाशों ने उन्हें रोका। इससे पहले कि योगेंद्र कुछ समझ पाते, बदमाशों ने बेहद नजदीक से उनके गले में गोली दाग दी। गोली लगने के बाद योगेंद्र लहूलुहान होकर स्कूटी समेत सड़क पर गिर पड़े। बदमाश मौके का फायदा उठाकर उनका जेवरात से भरा बैग लूटकर फरार हो गए। स्थानीय लोग उन्हें तुरंत अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

घटना की सूचना मिलते ही नदबई विधायक कुंवर जगत सिंह ने कड़ा रुख अख्तियार किया।

उन्होंने इस घटना को बेहद दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए बदमाशों को सीधी चेतावनी दी है। विधायक ने कहा, मुझे इस घटना से गहरा झटका लगा है। जिन लोगों ने इस हत्या को अंजाम दिया है, उन्हें जल्द पकड़ लिया जाएगा। मैं कसम खाकर कहता हूं कि नदबई में ऐसी वारदात दोबारा नहीं होगी। अब खून का बदला खून से लिया जाएगा।

विधायक ने मृतक के परिवार को सांत्वना देते हुए सरकारी सहायता, मुआवजा और परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी दिलाने का वादा किया है। उन्होंने स्वीकार किया कि पिछले 18 महीनों में छोटी-मोटी 4-5 वारदातें हुई हैं, लेकिन लूट के लिए हत्या जैसी यह पहली बड़ी घटना है, जिसने कानून-व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। गुरुवार सुबह जैसे ही खबर फैली, नदबई का पूरा बाजार स्वतः स्फूर्त बंद हो गया। व्यापारियों और सर्व समाज के लोगों ने पुलिस प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। आक्रोशित लोग मृतक का शव स्ट्रेचर पर रखकर मुख्य बाजार से रैली निकालते हुए थाने तक पहुंचे और वहां धरना दिया।

व्यापारियों ने पुलिस को आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए 72 घंटे का अल्टीमेटम दिया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई, तो आंदोलन और उग्र होगा। मुख्यमंत्री के नाम सौंपे गए ज्ञापन में मृतक की पत्नी को सरकारी नौकरी और उनके पुत्र को एमबीबीएस में प्रवेश दिलाने जैसी मांगें रखी गई हैं। योगेंद्र चोपड़ा अपने परिवार के इकलौते कमाऊ सदस्य थे। उनके पिता का पहले ही देहांत हो चुका था। अब परिवार में उनकी वृद्ध मां, छोटा भाई, पत्नी, एक बेटा और एक बेटी रह गए हैं। इस घटना ने पूरे परिवार को बिखरने की कगार पर ला खड़ा किया है, जिससे स्थानीय समाज में और भी अधिक सहानुभूति और गुस्सा है।

जोधपुर पहुंचा आतंकी संगठन आईएसआईए का नेटवर्क

हैंडलर गिरफ्तार, लॉरी पर बेचता था चश्में-बेल्ट

जोधपुर, 26 मार्च (एजेंसियां)। आतंकी संगठन आईएसआईएस का नेटवर्क जोधपुर तक होने का बड़ा खुलासा हुआ है। आंध्रप्रदेश की पुलिस ने स्थानीय पुलिस के सहयोग से एक युवक को पकड़ा है, जो आईएसआईएस के सोशल मीडिया नेटवर्क से जुड़ा हुआ था। नई सड़क क्षेत्र में लॉरी लगाकर सामान बेचने वाले इस युवक के मोबाइल में संदिग्ध चैट और अहम जानकारियां मिली हैं। विजयवाड़ा पुलिस आरोपी को गिरफ्तार कर अपने साथ ले गई है और उससे गहन पूछताछ की जा रही है।

आंध्रप्रदेश की विजयवाड़ा पुलिस ने हाल ही में आईएसआईएस की कट्टरपंथी विचारधारा से जुड़े एक युवक को गिरफ्तार किया था। पूछताछ के दौरान जोधपुर के नई सड़क क्षेत्र में रहने वाले जिशान (19) का नाम सामने आया। इसके बाद विजयवाड़ा पुलिस की विशेष टीम जोधपुर पहुंची और स्थानीय पुलिस के सहयोग से जिशान को गिरफ्तार कर लिया। कार्रवाई को गोपनीय रखते हुए पुलिस ने उसे देर रात हिरासत में लिया।

जिशान नई सड़क स्थित सनसिटी मार्केट के बाहर लॉरी लगाकर चश्मे और बेल्ट जैसे सामान बेचता है। वह 12वीं तक पढ़ा-लिखा है और सामान्य जीवन जी रहा था। विजयवाड़ा पुलिस ने स्थानीय सदरबाजार थाना प्रभारी माणकराम विश्नोई के साथ मिलकर रात में उसे घेराबंदी कर पकड़ा। जैसे ही वह घर जाने के लिए निकला, पुलिस ने उसे दबोच लिया। आंध्रप्रदेश पुलिस ट्रेन से लेकर रवाना हो गई।

प्रारंभिक जानकारी में सामने आया है कि आरोपी स्टूडेंट्स इस्लामिक मूवमेंट ऑफ इंडिया से भी जुड़ा हुआ था। इस घटना के बाद स्थानीय पुलिस और इंटेलीजेंस एजेंसियां अलर्ट हो गई हैं। जांच में यह भी सामने आया है कि युवक को संचालित करने वाले हैंडलर ने पहले उसकी परीक्षा ली थी और सफल होने के बाद उसे ग्रुप का एडमिन बना दिया गया था। इसके बाद वह अन्य युवाओं को कट्टरपंथी विचारधारा से जोड़ने लगा। आरोपी ने अपने मोबाइल से देश विरोधी कंटेंट डिलीट कर दिया था, लेकिन आंध्रप्रदेश पुलिस के पास उसका बैकअप पहले से उपलब्ध था। जांच में यह खुलासा हुआ कि वह 'बीईएनएक्स' नाम के एक ऑनलाइन ग्रुप का एडमिन था, जिसमें वह कट्टरपंथी विचारधारा से जुड़े वीडियो, मैसेज और वॉइस नोट साझा करता था।

डिप्टी सीएम प्रेमचंद बैरवा के सामने छात्रा ने फाड़कर उछाले कागज

डिग्री लेते हुए बोली- बेइज्जती करके इज्जत देने का शुक्रिया

जयपुर, 26 मार्च (एजेंसियां)। हरिदेव जोशी पत्रकारिता व जनसंचार विश्वविद्यालय का तृतीय दीक्षांत समारोह राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर के सभागार में संपन्न हुआ। समारोह में छात्र-छात्राओं ने डिग्री देने की बात पर हंगामा कर दिया।

बता दें कि दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता राज्यपाल व कुलाधिपति हरिभाऊ बागडे ने की। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी मुख्य अतिथि व उप मुख्यमंत्री और उच्च शिक्षा मंत्री प्रेमचंद बैरवा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। समारोह में सीमित छात्रों को ही अतिथियों के हाथों डिग्री दिलाई गई। लेकिन अन्य छात्रों ने भी मंच से डिग्री देने की मांग करते हुए हंगामा कर दिया।

छात्र विरोध करते हुए अतिथियों के पीछे बाहर तक आ गए और गाड़ी रोकने का प्रयास करने लगे। लेकिन पुलिसकर्मियों ने छात्रों को रोक लिया। इस दौरान कुछ छात्रों

ने समारोह में कागज फाड़कर उछाल दिए। छात्रों का तर्क था कि उनके अभिभावक भी कार्यक्रम में आए हैं। इसके बाद विरोध को देखते हुए डिप्टी सीएम प्रेमचंद बैरवा को वापस मंच पर आना पड़ा और सभी छात्रों को मंच से डिग्रियां बांटी। इस दौरान एक छात्रा ने डिप्टी सीएम से मंच पर डिग्री लेते हुए समारोह में यूनिवर्सिटी के खिलाफ विवादित बोल बोल दिए। छात्रा ने कहा कि यूनिवर्सिटी का बेइज्जती करके इज्जत देने का शुक्रिया।

इधर, समारोह का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। कुलगुरु प्रो. नंद किशोर पांडेय ने वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए विश्वविद्यालय की शैक्षणिक उपलब्धियों, नवाचारों और भविष्य की योजनाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय मीडिया व जनसंचार के क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण और व्यावहारिक शिक्षा देने के लिए निरंतर प्रयासरत है। दीक्षांत समारोह में वर्ष 2024 और 2025 में उत्तीर्ण कुल 271 विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान की गईं। इनमें 269 स्नातक व स्नातकोत्तर और 2 शोधार्थियों को पीएचडी की डिग्री दी गई। शैक्षणिक उत्कृष्टता के आधार पर 12 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया, जबकि 35 विद्यार्थियों को वरीयता प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि दीक्षांत समारोह केवल शैक्षणिक उपलब्धि का उत्सव नहीं, बल्कि जीवन में नई शुरुआत का प्रतीक है। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा, वे अपने ज्ञान का उपयोग समाज के कल्याण के लिए करें और अहंकार से दूर रहें। मुख्य अतिथि वासुदेव देवनानी ने कहा कि दीक्षांत केवल डिग्री प्राप्त करने का अवसर नहीं, बल्कि विश्वास अर्जित करने का क्षण है। उन्होंने कहा कि आज के डिजिटल और एआई युग में फेक न्यूज की चुनौती बढ़ गई है। उप मुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा ने कहा कि यह दिन विद्यार्थियों के परिश्रम की औपचारिक पहचान का है।

जान पर खेल पिता को बचाने कुएं में कूदा बेटा

60 फीट गहरे पानी से सुरक्षित निकाला

प्रतापगढ़, 26 मार्च (एजेंसियां)। प्रतापगढ़ जिले के अरनोद क्षेत्र के चूपना गांव में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां एक पिता के जरिए कुएं में कूदने के बाद बेटे ने अपनी जान की परवाह किए बिना कुएं में छलांग लगाकर पिता की जान बचाई. चूपना-भावगढ़ मार्ग पर स्थित बस स्टैंड के पास हुई इस घटना के बाद इलाके में बेटे के साहस की चर्चा हर तरफ हो रही है. चूपना निवासी चेनराम डांगी ने बीती रात अज्ञात कारणों के चलते बस स्टैंड के पास स्थित एक पुराने और करीब 60 फीट गहरे कुएं में छलांग लगा दी. जैसे ही यह खबर परिवार को मिली, चेनराम के बेटे राहुल ने बिना देर किए साहस दिखाया और पिता को बचाने के लिए खुद भी गहरे कुएं में उतर गया. कुएं के अंदर राहुल ने पिता को संभाला और ग्रामीणों की मदद से दोनों को सुरक्षित बाहर निकाला गया.

ईरान-इजरायल युद्ध से 90 लाख भारतीयों पर संकट

खाड़ी देशों से वतन लौट रहे राजस्थान के युवक

जयपुर, 26 मार्च (एजेंसियां)। हवा में उड़ते आग के गोले, रद्द होती फ्लाइट्स और छंटनी की आहट..। ईरान-इजरायल युद्ध की चिंगारी ने खाड़ी देशों में रह रहे 90 लाख भारतीयों की रातों की नींद उड़ा दी है। बांसवाड़ा, झुंझुनूं और नागौर के हजारों युवा युद्ध के मुहाने पर खड़े होकर वतन लौटने की जद्दोजहद कर रहे हैं। कोई तीन गुना किराया देकर घर पहुंच रहा है, तो कोई तेल के कुओं पर सन्नाटे के बीच अपनी नौकरी बचाने की कोशिश कर रहा है।

कुवैत में एयरपोर्ट बंद होने की वजह से वहां काम करने वाले भारतीय कामगारों को बस मार्ग से सऊदी अरब पहुंचाया जा रहा हैं। यहां से वे फ्लाइट से आ रहे हैं। जयपुर से कुवैत की फ्लाइट निरस्त है। कुवैत की गल्फ नेशनल ड्रिलिंग कंपनी में काम करने वाले सुरेश कुमार योगी ने बताया कि उनकी 1 अप्रेल को कुवैत जाने वाली फ्लाइट की टिकट कैंसिल हो गई है।

एक तेल कंपनी में रिंग मैनेजर कोटपूतली-बहरोड़ जिले के विराटनगर निवासी अंकित योगी ने कुवैत से फोन पर बताया कि तनाव की वजह से तेल कंपनियों ने प्रोडेक्शन कम कर दिया है। कुवैत में 30 फीसदी तेल कुओं में उत्पादन बंद है।

अमरीका के सैन्य बेस होने के कारण बहरीन, कुवैत, कतर, यूएई, सऊदी अरब, जॉर्डन, इराक, ओमान, तुर्की, सीरिया सीधे तौर पर प्रभावित हैं। खाड़ी देशों के भारतीय कामगारों के लिए रोजगार का संकट बढ़ेगा। खाड़ी देशों में करीब 90 लाख भारतीय कामगार हैं।

नागौर निवासी आइटी इंजीनियर समीर गौरी ने पत्रिका को बताया कि कतर के शहरों में सामान्य जनजीवन शांत है, लेकिन तेल रिफाइनरियों को निशाना बनाया जा रहा है। इससे अनिश्चितता का माहौल बना हुआ है। संयुक्त अरब अमीरात के शारजाह में होटल पर काम करने वाले नागौर जिले के धारणा गांव निवासी लक्ष्मण फरड़ौदा ने बताया कि वहां हालात सामान्य हैं। झुंझुनूं जिले के पचलंगी निवासी हमीद मोहम्मद, जो सऊदी अरब के जॉर्डन के तुरैफ एयरपोर्ट पर चालक के रूप में कार्यरत है। पिछले 45 दिनों से भारत लौटने का प्रयास कर रहा था। भारत लौटने के लिए उसे चार फ्लाइट बदलनी पड़ी। सऊदी अरब में भारत लौटना चाहने वाले लोगों को टिकट मिलने में भारी परेशानी हो रही है।

बिसाऊ के सलीम खान दुबई घूमने गया थे, लेकिन वहां हुए मिसाइल व ड्रोन हमलों के कारण 10 दिन तक संकट में फंस गए। आखिरकार ज्यादा किराया देकर वह भारत लौट सका तो परिजनों ने राहत की सांस ली।

मटकी बेचने वाले को आयकर विभाग ने थमाया 9 करोड़ का नोटिस, सदमे में परिवार

बूंदी, 26 मार्च (एजेंसियां)। बूंदी जिले के झालीजी का बराना निवासी मटकी बेचने वाले युवक को आयकर विभाग ने एक माह में नौ करोड़ रुपए टैक्स जमा करवाने का नोटिस जारी किया है। नोटिस प्राप्त होने के बाद से युवक विष्णु कुमार एवं उसके परिवार की नींद उड़ी हुई है। कई कार्यालयों के चक्कर लगाने के बाद भी उसे कोई राहत नहीं मिल पा रही है। पीड़ित युवक विष्णु कुमार प्रजापत ने बताया कि आयकर विभाग ने 18 मार्च को जारी हुए डिमांड नोटिस में एक माह में आठ करोड़ 98 लाख 79 हजार 260 रुपए जमा करवाने को कहा गया है।

विष्णु ने बताया उन्हें 11 मार्च 2025 को आयकर विभाग, बूंदी का नोटिस प्राप्त हुआ था, जिसमें बताया सुरेन्द्र सिंह बाबेल नामक व्यक्ति से 10 करोड़ 61 लाख 83 हजार रुपए का विक्रय लेनदेन वितीय वर्ष 2020-21 में किया जाना बताया गया है। जबकि वह इस नाम के व्यक्ति को नहीं जानता एवं ना ही ऐसे किसी व्यक्ति से कभी मिला है। विष्णु द्वारा जब आयकर विभाग, जीएसटी विभाग की वेबसाइट पर उक्त तथ्य को जांचा गया तो पता लगा कि 19 मार्च 2020 को गिरगांव मुंबई (महाराष्ट्र) में भूमिका ट्रेडिंग के नाम से एकल स्वामित्या फर्म का जीएसटी रजिस्ट्रेशन करवा लिया गया था।

उक्त फर्म के रजिस्ट्रेशन में प्रार्थी के आधार पैन व अन्य दस्तावेजों का उपयोग कर किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा यह लेनदेन किया गया है, जिससे उसका कोई लेना देना नहीं है। उक्त फर्म द्वारा एक अन्य कंपनी के साथ राशि 2 करोड़ 83 लाख 22 हजार 195 रुपए का वितीय लेनदेन किया गया है, जिससे भी उसका कोई लेना देना नहीं है। इस प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के 2 डायरेक्टर हैं, जिनका नाम भी ऑनलाइन दिखाई दे रहा है।

भारत-पाक बॉर्डर पर मिला दुर्लभ वन्यजीव

जैसलमेर, 26 मार्च (एजेंसियां)। सीमावर्ती जैसलमेर में पाए जाने वाले कई दुर्लभ वन्यजीवों की फेहरिस्त में कैराकल (जंगली बिल्ली) भी शामिल है। पूरे देश में सिर्फ 50 कैराकल की मौजूदगी मानी जाती है। ऐसे में जैसलमेर में कैराकल के बारे में वाइल्ड लाइफ इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया ने अध्ययन शुरू किया है। जिले के घोटारू में कैराकल पर लगे रेडियो कॉलर के कैमरे में उसका परिवार कैद हुआ है। वन विभाग ने एक सप्ताह पहले कैराकल पर रेडियो कॉलर और मोशन सेंसिंग कैमरा लगाया था। इसके बाद विभाग के पास अब जैसलमेर में आधिकारिक तौर पर 3 कैराकल होने की पुष्टि हुई है।

तीन से चार दिन में घरेलू गैस सिलेंडर की आपूर्ति, मंत्री सुमित गोदारा का दावा

जयपुर, 26 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान में एलपीजी किल्लत दूर करने के लिए राज्य स्तर पर प्रयास तेज हो गए हैं। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा ने विभागीय अधिकारियों और गैस कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की।

बैठक में मंत्री सुमित गोदारा ने दावा किया कि घरेलू रसोई गैस आपूर्ति में कोई समस्या नहीं है, तीन से चार दिन में सिलेंडर उपलब्ध कराया जा रहा है। प्रदेश में अब 20 फीसदी व्यावसायिक सिलेंडरों की आपूर्ति की जा रही है, ताकि शैक्षणिक संस्थान, अस्पताल और अन्नपूर्णा रसोइयों का संचालन बाधित न हो।

साथ ही उन्होंने 24 घंटे में राजस्थान की सभी 1300 गैस एजेंसियों का निरीक्षण पूरा करने के निर्देश दिए। बिना ओटीपी और डायरी में एंट्री के घरेलू सिलेंडर की आपूर्ति बंद करने को भी कहा।

गोदारा ने कहा कि ज्यादा बुकिंग के कारण गैस कंपनियों के सर्वर ठप हो गए थे, लेकिन अब यह समस्या नहीं है और प्रदेश में एलपीजी संकट नहीं है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि निरीक्षण के दौरान एजेंसी पर आने वाले उपभोक्ताओं से भी बातचीत करें। मंत्री ने कहा कि जिन जिलों में पीएनजी लाइन बिछ चुकी है, वहां कनेक्शन तेजी से जारी किए जाएं, ताकि उपभोक्ताओं को वैकल्पिक सुविधा मिल सके। उन्होंने अफसरों को निर्देश दिया कि पीएनजी कनेक्शन के लाभ से आमजन एवं संस्थाओं को अवगत कराते हुए उन्हें अधिक से अधिक पीएनजी कनेक्शन लेने के लिए प्रोत्साहित करें।

पुलिस का 'साइबर संग्राम' 222 गुम मोबाइल बरामद, 72 लाख से अधिक राशि होल्ड कराई

अलवर, 26 मार्च (एजेंसियां)। अलवर जिले में साइबर अपराध पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान 'साइबर संग्राम 2.0' के तहत पुलिस ने कार्रवाई करते हुए ठगों के नेटवर्क पर कड़ा प्रहार किया है। एक जनवरी 2026 से अब तक की गई कार्रवाई में साइबर ठगी की 72 लाख 60 हजार 874 रुपए की राशि होल्ड कराई गई है, जबकि 17 लाख 13 हजार 598 रुपए परिवादियों के खातों में वापस दिलवाए गए हैं। इसके अलावा सीईआइआर पोर्टल के माध्यम से 222 गुम मोबाइल फोन बरामद कर उन्हें उनके मालिकों को सौंपा गया। साथ ही समन्वय पोर्टल पर कार्रवाई करते हुए 60 प्रकरण दर्ज कर 78 साइबर अपराधियों को चिन्हित किया गया है। इनकी गिरफ्तारी और सत्यापन के लिए 51 वारंट व नोटिस अन्य जिलों और राज्यों में भेजे गए हैं।

किशनगढ़ पुलिस ने पकड़ा अवैध हथियारों का जखीरा

यूट्यूब से सीखा देशी कट्टे बनाना, रंगे हाथ दबोचे आरोपी

अजमेर, 26 मार्च (एजेंसियां)। अजमेर जिले में किशनगढ़ पुलिस ने अवैध हथियार बनाने वाली एक फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया है. मामला क्षेत्र के कांकनियावास गांव का है जो एक पंचर की दुकान की आड़ में संचालित की जा रही थी. इस कार्रवाई के दौरान पुलिस पूछताछ में कई बेहद चौंकाने वाले खुलासे हुए जिसने सभी के होश उड़ा के रख दिए है. जिसमें एक यह है कि आरोपियों ने हथियार बनाने का हुनर किसी ट्रेनिंग सेंटर में नहीं, बल्कि यूट्यूब वीडियो देखकर सीखा था. इस मामले में पुलिस ने पहले से एक आरोपी को गिरफ्तार किया हुआ था जिसके बाद दूसरी गिरफतारी हुई है, जिससे इस पूरे नेटवर्क के तार कुख्यात गैंग से जुड़े होने का खुलासा हुआ है.

आईपीएस अजय सिंह राठौड़ ने बताया कि पहले आरोपी मोहम्मद रोशन (28) को गिरफ्तार किया गया था. अब इस मामले में दूसरा आरोपी नरेश चौधरी (35) को भी दबोचा गया है. गिरफ्तार आरोपी नरेश चौधरी के खिलाफ पहले से ही कई आपराधिक मामले दर्ज हैं और वह हिस्ट्रीशीटर बताया जा रहा है. पुलिस के अनुसार, उसके खिलाफ 7 से 8 मुकदमे दर्ज हैं. पूछताछ में उसके कुख्यात बीआरसी गैंग से जुड़े होने की जानकारी सामने आई है.जांच में सामने आया है कि दोनों आरोपी संगठित रूप से अवैध हथियार बनाने और सप्लाई करने का काम कर रहे थे.

कांस्टेबल और दलाल रिश्वत लेते ट्रैप

अलवर, 26 मार्च (एजेंसियां)। अलवर के कठूमर में एसीबी ने 20 हजार की रिश्वत लेते कांस्टेबल और दलाल को गिरफ्तार किया. एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) की दौसा टीम ने कठूमर थाने पर छापा मारा. परिवादी ने रिपोर्ट दी थी कि उसके बेटे को एक मामले में बचाने के एवज में 40 हजार रुपये की रिश्वत मांगी जा रही है. शिकायत के सत्यापन के बाद एसीबी टीम दौसा और भरतपुर संयुक्त टीम ने कार्रवाई की योजना बनाई.

हिस्ट्रीशीटर व उसके गुर्गों को पकड़ने गई पुलिस टीम पर गाड़ी चढ़ाने का प्रयास, लग्जरी कार को छोड़ भागे

सीकर, 26 मार्च (एजेंसियां)। सीकर शहर के पास ढाका की ढाणी गांव में एक हिस्ट्रीशीटर को पकड़ने गई पुलिस पर हिस्ट्रीशीटर महेंद्र फोगावट व उसके तीन गुर्गों ने सबलपुरा के आगे दाना-पानी रेस्टोरेंट के पास ढाका की ढाणी जाने वाले रास्ते में थार कार से जानलेवा हमला कर दिया। हिस्ट्रीशीटर व उसके साथी बदमाशों ने पुलिस की कार को टक्कर मारकर गाड़ी चढ़ाने का प्रयास किया था। पुलिस ने आरोपियों को पकड़ने के लिए उनकी कार के टायरों पर तीन राउंड फायरिंग की लेकिन बदमाश अंधेरे का फायदा उठाकर भाग निकले। पुलिस ने आरोपियों की लग्जरी कार को फतेहपुर रोड पर सुनसान जगह से जब्त किया है।

सदर थानाधिकारी इंद्रराज मरोड़िया ने बदमाश महेंद्र की गाड़ी को रुकवाने के लिए उसके टायर को पंक्चर करने के लिए तीन राउंड फायर किए। गाड़ी तेज स्पीड में होने से निशाना नहीं लग पाया और महेंद्र अंधेरे का फायदा उठाकर वहां से गाड़ी लेकर फरार हो गया।

सरकार बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और पोषण उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध : सीएम

> प्रसिद्ध अर्थशास्त्री कार्तिक मुरलीधरन ने मुख्यमंत्री से मुलाकात की

हैदराबाद, 26 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने कहा है कि राज्य सरकार प्रत्येक बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने के लिए सभी आवश्यक उपाय कर रही है। आज विधान परिषद हॉल में प्रसिद्ध अर्थशास्त्री कार्तिक मुरलीधरन ने मुख्यमंत्री से मुलाकात की। इस अवसर पर मुरलीधरन ने मुख्यमंत्री का ध्यान 0 से 10 वर्ष तक के बच्चों में पोषण की कमी और सीखने के परिणामों में अंतर से संबंधित विभिन्न रिपोर्टों की ओर आकर्षित किया। उन्होंने छोटे उम्र में पोषण की कमी के कारण भविष्य में उत्पन्न होने वाली स्वास्थ्य समस्याओं और बच्चों के मानसिक तनाव पर भी प्रकाश डाला, यदि उन्हें प्रारंभिक चरण में उचित शिक्षा नहीं मिलती। मुख्यमंत्री ने अर्थशास्त्री के सुझावों का स्वागत करते हुए कहा कि सरकार पहले से ही इन विशेष मुद्दों पर विशेष ध्यान दे रही है। मुख्यमंत्री ने बताया कि सरकार ने स्कूलों में मध्याह्न भोजन के अतिरिक्त नाश्ते के लिए पर्याप्त निधि भी आवंटित की है। मुरलीधरन ने सुझाव दिया कि आंगनवाड़ी केंद्रों में बच्चों को नियमित रूप से पौष्टिक भोजन वितरित करने के लिए एक अतिरिक्त व्यक्ति नियुक्त किया जाए। अधिकारियों ने बताया कि यह अतिरिक्त व्यक्ति 'पोषण सहेली' के रूप में कार्य करेगा और बच्चों को आंगनवाड़ी केंद्रों में पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने में मदद करेगा। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि मुरलीधरन के सुझावों को कोर अर्बन रीजन इकोनॉमी क्षेत्र के सभी 29 स्कूलों में पायलट आधार पर लागू करने की संभावना का अध्ययन किया जाए और इस विशेष मुद्दे पर प्रसिद्ध अर्थशास्त्री से परामर्श कर एक विशेष रिपोर्ट सरकार को प्रस्तुत की जाए। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्का, महिला और बाल कल्याण मंत्री सीतक्का, मुख्य सचिव के. रामकृष्ण राव, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव वी. शेषाद्री, मुख्यमंत्री के सचिव माणिक राज, मुख्यमंत्री के विशेष सचिव अजित रेड्डी, वित्त विभाग के प्रधान सचिव संदीप कुमार सुलतानिया, शिक्षा विभाग की सचिव योगिता राणा, महिला और बाल कल्याण विभाग की सचिव अनीता रामचंद्रन, योजना विभाग के सचिव डॉ. गौरव उप्पल, एसईआरपी सीईओ दिव्या, उपमुख्यमंत्री के सचिव कृष्ण भास्कर, महिला और बाल कल्याण विभाग की निदेशक श्रुति ओझा, स्कूल शिक्षा निदेशक नवीन निकोलस और मुख्यमंत्री के ओएसडी वेमुला श्रीनिवासुलु भी उपस्थित थे।

गैर-शुल्क शराब की बड़ी खेप पकड़ी

गोवा-दिल्ली से तस्करी कर लाए 127 बोतलें, दो आरोपी गिरफ्तार

हैदराबाद, 26 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। निषेध एवं उत्पाद शुल्क विभाग ने गुरुवार तड़के बड़ी कार्रवाई करते हुए पहाड़ीशरीफ इलाके में 127 गैर-शुल्क शराब की बोतलें जब्त कीं। इस दौरान तस्करी में शामिल दो आरोपियों को भी गिरफ्तार किया गया।

विभाग के अधिकारियों के अनुसार, सूचना के आधार पर एसटीएफ टीम ने कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को पकड़ा, जो गोवा और दिल्ली से बिना शुल्क चुकाए शराब लेकर आए थे। बताया गया कि आरोपी विमान से हैदराबाद पहुंचे थे और शराब की बोतलों को एक बैग में छिपाकर ले जा रहे थे। पूर्व सूचना के चलते टीम ने पहाड़ीशरीफ रोड पर घेराबंदी कर उनकी कार को रोका और तलाशी के दौरान अवैध शराब बरामद की।

मिलावटी आइसक्रीम फैक्ट्री का भंडाफोड़, आरोपी गिरफ्तार

हैदराबाद, 26 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। कमिश्नर टास्क फोर्स, खैरताबाद और सिकंदराबाद ज़ोन टीमों ने संयुक्त रूप से मुशीराबाद पुलिस थाना क्षेत्र में स्थित ब्लू बेल्स आइसक्रीम फैक्ट्री पर छापेमारी की और एक व्यक्ति, पत्तला अशोक को गिरफ्तार किया। आरोपी बिना वैध लाइसेंस के फैक्ट्री चला रहा था और एक्सपायर्ड व ग़ैर-स्वच्छ सामग्री का उपयोग कर आइसक्रीम तैयार कर रहा था। डीसीपी, कमिश्नर टास्क फोर्स, हैदराबाद शहर, वैभव गायकवाड़ रघुनाथ ने बताया कि जांच के दौरान पाया गया कि फैक्ट्री में बड़ी मात्रा में मिलावटी और अस्वच्छ आइसक्रीम का उत्पादन और बिक्री की जा रही थी। ये उत्पाद ग्राहकों को गुणवत्ता वाली आइसक्रीम बताकर बेचे जा रहे थे, जिससे अवैध लाभ प्राप्त किया जा रहा था। फैक्ट्री में उपयोग की जाने वाली सामग्री की अधिकांश एक्सपायर्ड थी और स्टोरेज की स्थिति अत्यंत अस्वच्छ पाई गई। कच्चे माल और तैयार उत्पादों को गंदे और असुरक्षित वातावरण में रखा जा रहा था, जिससे लोगों के स्वास्थ्य को गंभीर खतरा था। जप्त किए गए उत्पादों में कई नामी-गिरामी कंपनियों की आइक्रीम शामिल है। गिरफ्तार आरोपी और जब्त सामग्री आगे की कार्रवाई के लिए मशीराबाद पुलिस थाना को सौंप दी गई। यह कार्रवाई इंस्पेक्टर पी. राघवेंद्र, इंस्पेक्टर जे. राजशेखर, उपनिरीक्षक ए. कृष्णा और खैरताबाद टास्क फोर्स के कर्मचारियों द्वारा की गई।

श्री रामनवमी शोभा यात्रा को लेकर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था

1 लाख श्रद्धालुओं के शामिल होने की उम्मीद, कई मार्गों पर ट्रैफिक डायवर्जन

हैदराबाद, 26 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। शुक्रवार को शहर में निकाली जाने वाली श्री रामनवमी शोभा यात्रा के शांतिपूर्ण और सुचारू संचालन के लिए व्यापक सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं।

पुलिस प्रशासन ने संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरतते हुए सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध किए हैं। वार्षिक शोभा यात्रा आसिफनगर के सीतारामबाग मंदिर से शुरू होकर मंगलहाट, धूलपेट, जुमेरात बाजार, बेगम बाजार, बरटान बाजार, सिद्दियंबर बाजार, गौलीगुडा और सुल्तान बाजार होते हुए हनुमान टेकड़ी स्थित हनुमान व्यायामशाला मैदान में समाप्त होगी। इस दौरान विधायक टी राजा सिंह की श्री राम युवा सेना और डॉ. भगवत राव के नेतृत्व वाली श्री रामनवमी उत्सव समिति सहित विभिन्न संगठनों द्वारा अलग-अलग जुलूस भी निकाले जाएंगे। कार्यक्रम में राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है।

आयोजकों के अनुसार, राज्यभर से करीब एक लाख श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। जुलूस में देवी-देवताओं की आकर्षक झांकियां सजाई जाएंगी, वहीं मार्ग में स्थित मंदिरों को भव्य रूप से सजाया गया है।

श्रद्धालुओं के लिए जगह-जगह भोजन और जल शिविर भी लगाए जाएंगे। इसके अलावा देश के विभिन्न हिस्सों से आए कलाकार पारंपरिक नृत्य और मार्शल आर्ट का प्रदर्शन करेंगे। सुरक्षा व्यवस्था के तहत पुलिस ने बम निरोधक दस्ता, त्वरित कार्रवाई बल, आयुक्त कार्य बल, त्वरित प्रतिक्रिया दल और दंगा नियंत्रण बल को तैनात किया है। संवेदनशील इलाकों में पुलिस पिकेट लगाए गए हैं और वरिष्ठ अधिकारी कमान एवं नियंत्रण केंद्र से पूरे जुलूस पर नजर रखेंगे। महिलाओं की सुरक्षा के लिए सादे कपड़ों में पुलिसकर्मियों और विशेष महिला सुरक्षा दल की भी तैनाती की गई है। वहीं, यातायात पुलिस ने जुलूस के मार्ग पर ट्रैफिक डायवर्जन लागू करने की सूचना जारी कर नागरिकों से वैकल्पिक मार्ग अपनाने की अपील की है।

श्री भाग्यलक्ष्मी मंदिर, हैदराबाद में चैत्र नवरात्रि महोत्सव के पावन अवसर पर अष्टमी के दिन लक्ष्मी प्राप्ति हवन संपन्न हुआ तथा माता जी के मोहिनी रूप के दर्शन हुए, साथ ही छप्पन भोग अर्पित किया गया।

हैदराबाद में गैस सिलेंडर चोरी की कोशिश से शहर में तनाव फैल गया; यह घटना फिल्म नगर पुलिस स्टेशन क्षेत्र के अंतर्गत शेखपेट जंक्शन पर रिपोर्ट की गई।

आरोग्यश्री के 727 करोड़ बकाया, निजी अस्पतालों को 231 करोड़ देना बाकी : सीएम

हैदराबाद, 26 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने गुरुवार को विधानसभा में बताया कि राज्य सरकार पर कुल 727 करोड़ रुपये का बकाया है, जिसमें आरोग्यश्री योजना के तहत निजी अस्पतालों को देय 231.44 करोड़ रुपये भी शामिल हैं। प्रश्नकाल के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार आरोग्यश्री के मरीजों को शिक्षण अस्पतालों में भेजने की योजना बना रही है। उन्होंने बताया कि राज्य में करीब 35 मेडिकल कॉलेज पहले से संचालित हैं, लेकिन विभिन्न कारणों से मरीज इन अस्पतालों में कम पहुंच रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि आरोग्यश्री के अलावा शिक्षण अस्पतालों को मुख्यमंत्री राहत कोष (सीएमआरएफ) से भी वित्तीय सहायता दी जाएगी। बेहतर प्रबंधन सुनिश्चित करने के लिए इन अस्पतालों में प्रथम श्रेणी के अधिकारियों की नियुक्ति की जाएगी। मुख्यमंत्री के अनुसार, दिसंबर 2023 से अब तक सरकार ने आरोग्यश्री बिलों के लिए कुल 2,408 करोड़ रुपये का भुगतान किया है, जिसमें 927 करोड़ रुपये सरकारी अस्पतालों और 1,480 करोड़ रुपये निजी अस्पतालों को दिए गए हैं।

वसुंधरा बिल्डएक्स ने अपने सालाना सेलिब्रेशन के दौरान पुलिस हैदराबाद सिटी सिक्योरिटी काउंसिल को 25 लाख का डोनेशन दिया। वरुण अग्रवाल, रमेश बाबू पोथिरेड्डी, संदीप पोथिरेड्डी, के. राहुल और श्रुति अग्रवाल ने यह डोनेशन हैदराबाद कमिश्नर के आईपीएस सज्जनार को कमांड कंट्रोल सेंटर में दिया।

मलकाजगिरि में वक्फ संपत्ति विवाद से 18 हजार मकान मालिक परेशान

हैदराबाद, 26 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। गुरुवार को विधानसभा सत्र के दौरान मलकाजगिरि के विधायक मर्री राजशेखर रेड्डी ने क्षेत्र के निवासियों को झेलनी पड़ रही संपत्ति संबंधी समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। विधायक ने बताया कि मलकाजगिरि निर्वाचन क्षेत्र की लगभग 384 एकड़ भूमि में फैली 76 कॉलोनियों को वक्फ बोर्ड की संपत्ति घोषित कर दिया गया है।

इसके बाद पंजीकरण विभाग ने वर्ष 2024 में इसे धारा 22-ए के तहत प्रतिबंधित सूची में शामिल कर दिया, जिससे संपत्ति के लेन-देन पर रोक लग गई। उन्होंने कहा कि इस फैसले के कारण करीब 18,000 मकान मालिक गंभीर समस्याओं का सामना कर रहे हैं। जिन लोगों के पास पहले से संपत्ति कर (पीटीआई) नंबर हैं, वे भी बैंक ऋण लेने, संपत्ति गिरवी रखने, घर बेचने या अतिरिक्त निर्माण कराने में असमर्थ हो गए हैं।

गांधी अस्पताल में सफल किडनी ट्रांसप्लांट पिता ने बेटे को दिया नया जीवन

अंतिम चरण की किडनी बीमारी से जूझ रहे युवक को मिली राहत, स्वास्थ्य में सुधार

हैदराबाद, 26 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। गांधी अस्पताल के सर्जनों ने अड्डागुट्टा निवासी 22 वर्षीय पी साई मोहन पर सफल जीवित-संबंधित किडनी प्रत्यारोपण सर्जरी कर एक नया जीवन प्रदान किया है। साई मोहन किडनी की अंतिम अवस्था की बीमारी से जूझ रहे थे और पिछले कुछ महीनों से डायलिसिस पर निर्भर थे। इस जीवनरक्षक सर्जरी में उनके पिता पी. नरसिम्हा राव ने अपनी किडनी दान की। कई निजी अस्पतालों में उपचार के बाद जब स्थिति गंभीर हुई, तब परिवार गांधी अस्पताल पहुंचा, जहां विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम ने विस्तृत जांच के बाद किडनी प्रत्यारोपण की सलाह दी।

डॉक्टरों के अनुसार, पिता के किडनी दान के लिए आगे आने के बाद आरोग्यश्री योजना के तहत सभी आवश्यक पूर्व-ऑपरेटिव परीक्षण किए गए और 17 मार्च को सर्जरी सफलतापूर्वक संपन्न हुई। वर्तमान में साई मोहन का स्वास्थ्य बेहतर है और उनके गुर्दे की कार्यक्षमता में सुधार हुआ है। अब उन्हें डायलिसिस की आवश्यकता नहीं है और वे सामान्य जीवन की ओर लौट रहे हैं। वहीं, उनके पिता की स्थिति भी स्थिर है और वे स्वस्थ हो रहे हैं। अस्पताल की अधीक्षक डॉ. शोभा ने बताया कि इस सफल प्रत्यारोपण में नेफ्रोलॉजी और यूरोलॉजी विभाग की संयुक्त टीम ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। टीम में डॉ. मंजुषा यादला, डॉ. श्रीकांत, डॉ. श्रीनिवास, डॉ. रविचंद्र, डॉ. विनय सहित अन्य चिकित्सक और पीजी डॉक्टर शामिल थे। इस सफल सर्जरी ने न केवल एक युवक को नया जीवन दिया, बल्कि अंगदान के महत्व को भी उजागर किया है।

पुलिस और जीएचएमसी ने मानसून तैयारियों के लिए किया समन्वय

हैदराबाद, 26 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। आगामी मानसून के मद्देनजर हैदराबाद पुलिस और जीएचएमसी ने शहरवासियों की असुविधा रोकने के लिए समन्वित रूप से कार्य करने का निर्णय लिया है।

इस संबंध में गुरुवार को पुराने पुलिस कमिश्नरेट कार्यालय, बशीरबाग में बैठक आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता हैदराबाद पुलिस कमिश्नर वीसी सज्जनार और जीएचएमसी कमिश्नर आरवी कर्णन ने की। बैठक में अधिकारियों ने शहर में नालियों की सफाई और पाइपलाइन मरम्मत को बारिश शुरू होने से पहले ही युद्धस्तरीय प्राथमिकता पर शुरू करने का निर्देश दिया। इसके अलावा शहर के शीर्ष 10 जलभराव प्रभावित स्थलों पर स्थायी समाधान सुनिश्चित करने के लिए तत्काल कार्यवाही करने और खुले मैनहोल को सुरक्षित ढकने पर जोर दिया गया। बैठक में यह भी निर्देश दिया गया कि फुटपाथों पर अतिक्रमण हटाकर पैदल यात्रियों की सुविधा सुनिश्चित की जाए, सड़क सुरक्षा के लिए स्ट्रीट लाइटों का संचालन नियमित रूप से हो और जहां आवश्यक हो नई लाइटें स्थापित की जाएं। सड़क पर इंजीनियरिंग दोषों को सुधारने और निर्माणाधीन फ्लाईओवर तथा अंडरपास के आसपास ट्रैफिक जाम रोकने के उपाय भी सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। जीएचएमसी कमिश्नर आरवी कर्णन ने कहा कि मानसून के दौरान जीवन और संपत्ति की सुरक्षा सुनिश्चित करना अधिकारियों की मुख्य जिम्मेदारी है। उन्होंने बताया कि ट्रैफिक सुधार संबंधित कार्यों के लिए प्रत्येक ज़ोन के लिए 25 करोड़ रुपये (कुल 150 करोड़ रुपये) का विशेष बजट आवंटित किया जाएगा। हैदराबाद पुलिस कमिश्नर वीसी सज्जनार ने कहा कि विभागों के बीच इस तरह की बैठकें समस्याओं का शीघ्र समाधान करने में मदद करती हैं और ट्रैफिक नियंत्रण एवं पैदल यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

पूर्व तट रेलवे

सूचना सं. eT-WAT-SOUTH-12-2026
दिनांक : 20.03.2026

कार्य का नाम : सहायक मण्डल अभियन्ता/MYD/ वाल्टियर के अधीन RYD में यार्ड रूपान्तरण के साथ टर्न टेबल एवं WMY में NCC का प्रावधान।

कार्य की अनुमानित लागत : ₹ 1,75,10,258.63, EMD : ₹ 3,50,200/-, कार्य पूरा होने की अवधि : 12 (बारह) महीने।

निविदा बंद होने की तिथि व समय : दिनांक 14.04.2026 को 1500 बजे।

ऐसी ई-निविदा के तहत डाक/कूरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही यह फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव को अवैध माना जायेगा तथा उसके बारे में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा। उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट : www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगी।

द्रष्टव्य : प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन/शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने की कम से कम 10 (दस) दिन पहले वेबसाइट का पुनःअवलोकन करें।

मण्डल रेलवे प्रबंधक (इंजीनियरिंग), वाल्टियर

PR-1266/Q/25-26

रिश्वत लेते रंगे हाथों सब-इंस्पेक्टर गिरफ्तार

निर्मल, 26 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। भ्रष्टाचार विरोधी ब्यूरो (एसीबी) ने गुरुवार को मामाडा मंडल केंद्र में एक पुलिस सब-इंस्पेक्टर को 20,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया। एसीबी अधिकारियों के अनुसार, मामाडा पुलिस स्टेशन में तैनात सहायक अधिकारी थीगला अशोक एक रियल एस्टेट एजेंट से धोखाधड़ी का मामला दर्ज न करने के एवज में रिश्वत मांग रहे थे। आरोप है कि उन्होंने एजेंट को परेशान करते हुए 40,000 रुपये की मांग की थी। बताया गया कि एजेंट ने 20,000 रुपये देने पर सहमति जताई, जिसके बाद एसीबी टीम ने जाल बिछाकर अशोक को रिश्वत लेते समय पकड़ लिया।

NOTICE FOR REGISTRATION OF NEW POLITICAL PARTY

(Published as per the directions of Telangana State Election Commission)

Dt.27/03/ 2026

Notice is hereby given to the general public that **PANJALA RAMESH President** intends to register a political party without reserved symbol with the State Election Commission, Telangana, under the name and style of **Telangana Janashakthi Party (Name of the Party)** with the location of its Head Office Banjara Hills, Hyderabad under the Registration of political parties and allotment of Symbols Order, 2018. The main office bearers of the Party are **1) PEDDI SATISH 2) PULLA BIKSHAPATHI 3) PEDDI KRISHNAVENI.** Objections, if any, for such registration from the general public, shall be sent to the Secretary, State Election Commission, Telangana, 1st Floor, DTCP Building, Opp.-PTI Building, A.C. Guards, Hyderabad-500004 within 15 days from the date of publication of this notice. If no objections are received within the time stipulated, the Commission will process to register **Telangana Janashakthi Party (Name of the Party)** as a Political Party to contest elections to Local Bodies (Sthanika Samsthalu) held on party basis in Telangana State.

PANJALA RAMESH/President
Telangana Janashakthi Party

साइबर क्राइम पुलिस ने ऑनलाइन गेमिंग धोखाधड़ी का पर्दाफाश किया

हैदराबाद, 26 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। साइबर क्राइम पुलिस, हैदराबाद सिटी ने ऑनलाइन गेमिंग/सट्टा धोखाधड़ी में शामिल चार मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों में राजेश वेंकट रामन, भामिडिपाटी अभिषेक, ऑगस्टीन विलियम्स और मन्मीत शर्मा उर्फ सोन्या (गोवा) शामिल है। इस वित्तीय नेटवर्क के माध्यम से कुल 26.07 करोड़ रुपये का लेनदेन किया गया।

पुलिस के अनुसार 24 वर्षीय एक महिला ने हैदराबाद में साइबर फ्रॉड की शिकायत दर्ज कराई। इंस्टाग्राम पर विज्ञापन पर क्लिक करने के बाद वह एक गेमिंग/कैसीनो प्लेटफॉर्म में फंसी। उसे बोनस और पहले सफल निकासी दिखाकर विश्वास जीतने के लिए लुभाया गया। उन्होंने बैंक ऑफ इंडिया, एसबीआई और इंडियन बैंक के माध्यम से कई यूपीआई ट्रांजेक्शन करके बड़ी रकम जमा की। लगातार नुकसान के बावजूद परिवार के कर्ज चुकाने की जरूरत ने उन्हें और गहरे जाल में फंसाया। अंततः उनके बैंक खाते फ्रीज कर दिए गए और सभी बचत रकम समाप्त हो गई। राजेश वेंकट रामन ने प्रत्येक लेनदेन पर 2 प्रतिशत से 3 प्रतिशत कमीशन लिया गया। राजेश ने भामिडिपाटी अभिषेक और ऑगस्टीन विलियम्स को भुगतान गेटवे संचालन के लिए नियुक्त किया। एंडी(दिल्ली) ने फर्जी कंपनियों के नाम पर म्यूल अकाउंट खोले और केवाई विवरण मन्मीत शर्मा उर्फ सोन्या को भेजे। मन्मीत ने दस्तावेज़ भामिडिपाटी अभिषेक को भेजे, जिन्होंने इसे गुजरात के सूर्योदय बैंक, अहमदाबाद को भेजा। बैंक ने 0.75 प्रतिशत कमीशन पर सेवाएं प्रदान की। राजेश ने 5 प्रतिशत कमीशन और सोन्या का 5 प्रतिशत हिस्सा रखा, शेष राशि ऐडी के खाते में ट्रांसफर की। इस मामले के फरार दो आरोपी ऐडी और ऋषभ जसवंतराय गांधी की खोज जारी है।

गांधी अस्पताल के बाहर चूहों का आतंक, फुटपाथ पर बचे भोजन से बिगड़ी सफाई व्यवस्था

हैदराबाद, 26 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। गांधी अस्पताल के मुख्य प्रवेश द्वार के बाहर फुटपाथ पर बड़ी संख्या में चूहों के घूमने का वीडियो सामने आने के बाद शहर में सार्वजनिक स्वच्छता को लेकर गंभीर चिंताएं बढ़ गई हैं। वायरल वीडियो में दर्जनों चूहे फेंके गए भोजन के लिए आपस में लड़ते और भागते नजर आ रहे हैं। यह इलाका राज्य के प्रमुख तृतीयक चिकित्सा महाविद्यालय और अस्पताल के पास होने के कारण सार्वजनिक स्वास्थ्य सुरक्षा के लिहाज से और भी संवेदनशील माना जा रहा है। जानकारी के अनुसार, अस्पताल के बाहर कई सामाजिक संगठन और व्यक्ति गरीबों व जरूरतमंदों को मुफ्त भोजन वितरित करते हैं। भोजन वितरण के बाद बचा हुआ खाना अक्सर वहीं पड़ा रह जाता है, जिसकी सफाई नहीं हो पाती। यही बचा हुआ भोजन चूहों और आवारा कुत्तों को आकर्षित करता है, जिससे गंदगी और संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग

डंपर से टकराकर ...

हादसे में टिपर चालक भी घायल हुआ है।

पीएम मोदी ने आर्थिक मदद का एलान किया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आंध्र प्रदेश के मरकापुरम जिले में हुए भीषण बस हादसे पर शोक व्यक्त किया है। उन्होंने मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख रुपये व घायलों के लिए 50-50 हजार रुपए की सहायता राशि की घोषणा की है।

सीएम ने मृतकों के परिजनों के प्रति जताई संवेदना

मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने इस दुखद घटना पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना जताई है। उन्होंने अधिकारियों को घायलों के समुचित इलाज की व्यवस्था सुनिश्चित करने और दुर्घटना के कारणों की विस्तृत जांच कर जल्द रिपोर्ट देने के निर्देश दिए हैं। यह हादसा एक बार फिर तेज रफ्तार और लापरवाही से होने वाली दुर्घटनाओं की भयावहता को उजागर करता है, जिसने कई परिवारों को एक ही पल में उजाड़ दिया।

इजराइल बोला-होर्मुज ...

हालांकि, इसे बंद करना ईरान के लिए आसान नहीं है, क्योंकि यह स्ट्रेट ईरान से करीब 2500 किमी दूर है। हालांकि यह यमन के पास स्थित है, जहां ईरान समर्थित हूती विद्रोही मौजूद हैं। पहले भी गाजा युद्ध के दौरान हूती ने ड्रोन और मिसाइल से जहाजों को निशाना बनाया था, जिससे रेड सी का ट्रैफिक प्रभावित हुआ था।

ईरान की मदद कर सकते हैं हूती विद्रोही :

यह यूरोप, एशिया और मिडिल ईस्ट को जोड़ने वाला अहम समुद्री रास्ता है। हर साल करीब 1 ट्रिलियन डॉलर (करीब 94 लाख करोड़ रुपये) का सामान इस रास्ते से गुजरता है। रोजाना लगभग 45 लाख बैरल तेल यहां से ट्रांसपोर्ट होता है।

हालांकि, इसे बंद करना ईरान के लिए आसान नहीं है, क्योंकि यह स्ट्रेट ईरान से करीब 2500 किमी दूर है। हालांकि यह यमन के पास स्थित है, जहां ईरान समर्थित हूती विद्रोही मौजूद हैं। पहले भी गाजा युद्ध के दौरान हूती ने ड्रोन और मिसाइल से जहाजों को निशाना बनाया था, जिससे रेड सी का ट्रैफिक प्रभावित हुआ था।

स्वतंत्र वार्ता

Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com

Epaper :
epaper.swatantravaartha.com

For Advertisement :
swadds1@gmail.com

कोहली ने 19 गेंदों में बनाए 45 रन

कार्तिक बोले- हर साल नया प्लान, इस बार और बेहतर दिखेंगे

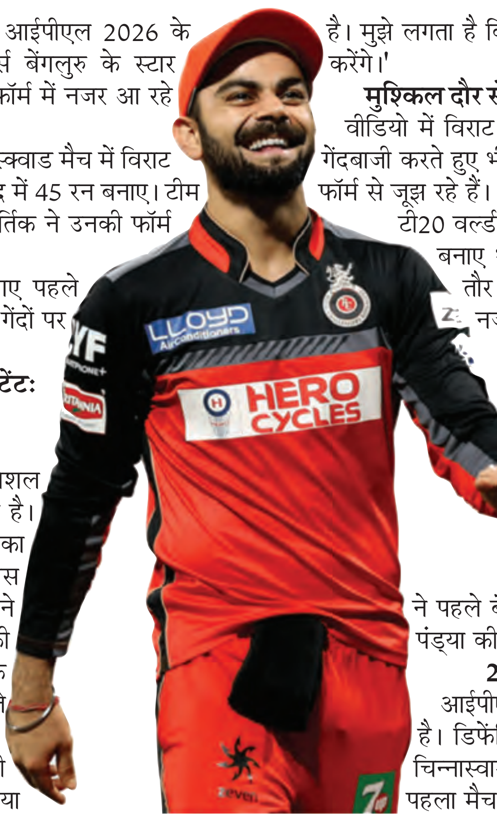

बेंगलुरु, 26 मार्च (एजेंसियां)। आईपीएल 2026 के शुरू होने से पहले रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली जबरदस्त फॉर्म में नजर आ रहे हैं।

बेंगलुरु में आरसीबी के दूसरे इंट्रा स्क्वाड मैच में विराट कोहली ने तेज पारी खेलते हुए 19 गेंद में 45 रन बनाए। टीम के मेंटर और बैटिंग कोच दिनेश कार्तिक ने उनकी फॉर्म और इरादे की तारीफ की है।

इससे पहले सोमवार को खेले गए पहले इंट्रा-स्क्वाड मैच में भी विराट ने 12 गेंदों पर 29 रन बनाए थे।

कोहली का नया प्लान और इंटेंट: कार्तिक बोले- वे खुद को बेहतर बना रहे

मैच के बाद आरसीबी ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया है। इसमें दिनेश कार्तिक ने कहा,'आज का गेम अच्छा रहा। विराट की क्लास शुरुआत में ही दिख गई थी, उन्होंने कुछ बेहतरीन शॉट्स खेले। विराट की महानता यह है कि वे हर साल एक खास प्लान और इरादे के साथ आते हैं।

आपने देखा कि उन्होंने अपनी बल्लेबाजी को किस स्तर पर पहुंचाया है। मुझे लगता है कि इस साल वे और भी बेहतर करने की कोशिश करेंगे।'

मुश्किल दौर से गुजर रहे फिल साल्ट को कोहली का साथ

वीडियो में विराट कोहली अपने ओपनिंग पार्टनर फिल साल्ट को गेंदबाजी करते हुए भी दिखे। साल्ट फिलहाल टी-20 क्रिकेट में खराब फॉर्म से जूझ रहे हैं।

टी20 वर्ल्ड कप 2026 में उन्होंने 8 पारियों में सिर्फ 130 रन बनाए थे। ऐसे में कोहली अनुभवी सीनियर खिलाड़ी के तौर पर साल्ट का हौसला बढ़ाते और उन्हें सपोर्ट करते नजर आए।

पिछले प्रैक्टिस मैच में भी दिखा था 'पाटीदार-जितेश' का जलवा

इससे पहले सोमवार को हुए पहले इंट्रा स्क्वाड मैच में विकेटकीपर बल्लेबाज जीतेश शर्मा ने 37 गेंद में 81 रन बनाए थे। कप्तान रजत पाटीदार ने 25 गेंद में 74 रन ठोके। कोहली ने वहां 12 गेंद में 29 रन बनाए थे। उस मैच में वेंकटेश अय्यर की टीम ने पहले बैटिंग करते हुए 234/7 बनाए। जवाब में कृणाल पंड्या की टीम ने 247 रन बनाकर मैच जीता।

28 मार्च को हैदराबाद से पहला मुकाबला

आईपीएल 2026 सीजन की शुरुआत 28 मार्च से हो रही है। डिफेंडिंग चैंपियन आरसीबी अपने घरेलू मैदान एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ पहला मैच खेलेगी।

आईपीएल 2026 की ओपनिंग सेरेमनी नहीं होगी

मुंबई, 26 मार्च (एजेंसियां)। बीसीसीआई ने आईपीएल 2026 को लेकर एक बड़ा फैसला किया है. उसने इसकी ओपनिंग सेरेमनी को कैंसिल कर दिया है. बीसीसीआई ने ये फैसला पिछले साल बेंगलूरू में आरसीबी के विजय जुलूस के दौरान मची भगदड़ में जान गंवाने वाले लोगों के सम्मान में लिया है. बेंगलुरु में मचे उस भगदड़ में 11 लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी थी. टीओआई की रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय क्रिकेट एंड कंट्रोल बोर्ड ने उन्हीं की याद में आईपीएल की ओपनिंग सेरेमनी को इस सीजन टाल दिया है.

बेंगलुरु में ही आईपीएल 2026 का पहला मैच

आईपीएल 2026 का आगाज 28 मार्च से हो रहा है, जिसके पहले ही मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और सनराइजर्स हैदराबाद की टीमें आमने-सामने होंगी. ये मुकाबला बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम पर ही खेला जाएगा. ये भी एक बड़ी वजह है कि बीसीसीआई ने आईपीएल 2026 के पहले मैच से पहले उसकी ओपनिंग सेरेमनी नहीं रखी.

क्यों नहीं होगी आईपीएल 2026 की ओपनिंग सेरेमनी ?

आरीसीबी ने पिछले सीजन आईपीएल का अपना पहला खिताब अपने नाम किया था, जिसके बाद उसके सेलिब्रेशन के दौरान बेंगलुरु में 4 जून 2025 को भगदड़ मच गई थी. उस भगदड़ में 11 लोगों के मारे जाने को लेकर ही बीसीसीआई ने उस सीजन ओपनिंग सेरेमनी नहीं कराने का फैसला किया है. हालांकि, टीओआई ने बीसीसीआई सेक्रेटरी देवजीत साइकिया के हवाले से लिखा कि आईपीएल के 19वें सीजन की क्लोजिंग सेरेमनी 31 मई को हो सकती है. 31 मई को ही आईपीएल 2026 का फाइनल खेला जाएगा, जिससे पहले क्लोजिंग सेरेमनी हो सकती है.

पहले भी टल चुकी है आईपीएल की ओपनिंग सेरेमनी

आईपीएल की पिछले सीजन की ओपनिंग सेरेमनी कोलकाता में हुई थी, जिसमें शाहरुख खान, श्रेया घोषाल, दिशा पाटनी और करन औजला जैसे कलाकारों ने परफॉर्म किया था.

ये कोई पहली बार नहीं है जब आईपीएल की ओपनिंग सेरेमनी को टाला गया है. इससे पहले आईपीएल 2019 की ओपनिंग सेरेमनी भी पुलवामा अटैक में शहीद हुए 40 सीआरपीएफ की जवानों की याद में नहीं हुआ था. तब ओपनिंग सेरेमनी के लिए जारी किए गए पैसों को शहीदों के परिवारों में बांट दिया गया था.

आईसीसी रैंकिंग: सूर्यकुमार यादव ने लगाई लंबी छलांग

अभिषेक शर्मा टॉप पर, ईशान किशन दूसरे स्थान पर काबिज

खेल डेस्क, 26 मार्च (एजेंसियां)। आईपीएल 2026 से पहले इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने मेंस क्रिकेट की ताजा रैंकिंग जारी की। ताजा रैंकिंग के अनुसार भारतीय बल्लेबाजों का फिर से एक बार जलवा बरकरार है। टी20 के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा और विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन शीर्ष दो में काबिज हैं। वहीं, टी20 के फाइनल में बिना खाता खोले आउट हुए कप्तान सूर्यकुमार यादव को दो पायदानों का फायदा हुआ है। वहीं, गेंदबाजों की रैंकिंग की बात करें तो टीम इंडिया के मिस्ट्री स्पिनर वरुण चक्रवर्ती 740 रेटिंग अंकों के साथ दूसरे नंबर पर और पहले स्थान पर अफगानिस्तान के पूर्व कप्तान राशिद खान काबिज है।

सूर्यकुमार यादव को दो पायदान का फायदा

आईसीसी मेंस क्रिकेट की ताजा रैंकिंग के अनुसार भारतीय टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव को दो पायदान का लाभ हुआ है। सूर्यकुमार 772 अंकों के साथ 7वें स्थान पर मौजूद हैं। इससे पहले सूर्यकुमार 9 नंबर पर मौजूद थे। ताजा रैंकिंग के बाद अब वो 7वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

अभिषेक शर्मा टॉप पर काबिज

ताजा रैंकिंग के अनुसार भारतीय टीम के ओपनर अभिषेक शर्मा शीर्ष पर हैं। अभिषेक शर्मा 875 अंकों के साथ टॉप पर बने हुए हैं। अभिषेक शर्मा पिछले कई महीनों से टॉप पर बने हुए है। वहीं, अभिषेक से नीचे ईशान किशन मौजूद हैं।

ईशान किशन दूसरे स्थान पर काबिज

टी20 वर्ल्ड कप में शानदार प्रदर्शन के बाद ईशान किशन ने आईसीसी रैंकिंग में जो लंबी छलांग लगाई थी, वो अब भी उसी जगह काबिज है। अभिषेक शर्मा 875 अंकों के साथ टॉप पर बने हुए हैं, तो ईशान किशन 871 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर मौजूद हैं। अभिषेक और ईशान के बीच महज 4 अंकों का फासला है।

आईपीएल के सेकेंड फेज का शेड्यूल रिलीज

13 अप्रैल से 24 मई तक 50 मैच, 8 डबल हेडर; टोटल 74 मुकाबले ही होंगे

मुंबई, 26 मार्च (एजेंसियां)।इंडियन प्रीमियर लीग के सेकेंड फेज का शेड्यूल रिलीज हो गया है। आईपीएल कमेटी ने शाम 6 बजे अपने सोशल मीडिया हैंडल पर इसकी जानकारी दी। 13 अप्रैल से 24 मई तक 12 वेन्यू पर 50 मैच खेले जाएंगे। इनमें 8 डबल हेडर होंगे।

डिफेंडिंग चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने रायपुर को अपना दूसरा होमग्राउंड बनाया, टीम यहां 2 मैच खेलेगी। पहले फेज में 28 मार्च से 12 अप्रैल तक 20 मैच होने हैं। प्लेऑफ का शेड्यूल अनाउंस नहीं हुआ, लेकिन फाइनल 31 मई को बेंगलुरु में ही खेला जाएगा।

टूर्नामेंट में 74 मैच ही खेले जाएंगे। लीग स्टेज में 70 मैच होंगे, वहीं प्लेऑफ स्टेज में 4 मैच खेले जाएंगे। पहले खबरें थीं कि इस सीजन 84 मैच होने हैं, लेकिन आईपीएल कमेटी ने मैचों की संख्या नहीं बढ़ाई।

एमआई बनाम सीएसके मैच 23 अप्रैल को

सेकेंड फेज की शुरुआत सनराइजर्स हैदराबाद के मैच से होगी, लेकिन टीम इस बार हैदराबाद राजस्थान रॉयल्स से भिड़ेगी। वहीं पहले फेज में टीम बेंगलुरु के मैदान पर आरसीबी से पहला मैच खेलेगी।

आईपीएल इतिहास की 2 सबसे सफल टीमें मुंबई इंडियंस और चेन्नई सुपर किंग्स 23 अप्रैल को पहली बार मुंबई में भिड़ेंगी। दोनों फिर 2 मई को चेन्नई में भी आमने-सामने होंगी। लीग स्टेज के आखिरी दिन 2 मैच होंगे। दोपहर में मुंबई का सामना राजस्थान से होगा, वहीं शाम को कोलकाता की टीम दिल्ली से भिड़ेगी।

रायपुर और धर्मशाला 2 टीमों के सेकेंड होमग्राउंड

आईपीएल में 10 टीमें हैं। सभी अपने होमग्राउंड पर 7 और अपोजिशन टीम के होमग्राउंड पर 7 मैच खेलेंगी। 10 टीमों के 10 होमग्राउंड के अलावा राजस्थान रॉयल्स, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और पंजाब किंग्स ने 2-2 होमग्राउंड चुने हैं। राजस्थान अपने शुरुआती 3 होम मैच गुवाहाटी में खेलेगी, वहीं 4 मैच जयपुर में खेले जाएंगे। बेंगलुरु का दूसरा होमग्राउंड रायपुर और पंजाब का मुल्लांपुर है।

बेंगलुरु, मुंबई, चेन्नई, कोलकाता, दिल्ली, अहमदाबाद, हैदराबाद, लखनऊ, जयपुर, धर्मशाला, रायपुर, मुल्लांपुर और गुवाहाटी टूर्नामेंट के 13 वेन्यू हैं। यहां लीग स्टेज के 70 मैच होंगे। प्लेऑफ के 4 मैच में मुल्लांपुर और बेंगलुरु में खेले जाएंगे, लेकिन इनकी तारीखें अनाउंस होना बाकी है।

सीएसके की नई ओपनिंग जोड़ी

कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ ने किया खुलासा

चेन्नई, 26 मार्च (एजेंसियां)। आईपीएल 2026 में सीएसके की ओपनिंग जोड़ी क्या होगी? कौन से दो बल्लेबाज करेंगे इनिंग की शुरुआत? इन सवालों के जवाब अब मिल चुके हैं. चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ ने खुद ही टीम की ओपनिंग जोड़ी को लेकर खुलासा किया है. ऋतुराज गायकवाड़ के बयान से साफ है कि इस बार उनकी और आयुष म्हात्रे वाली जोड़ी तो मैदान पर बिल्कुल नहीं ओपन करती दिखेगी. बल्कि, पीली जर्सी वाली टीम की एक नई ओपनिंग जोड़ी का दीदार होता दिखेगा. ऋतुराज गायकवाड़ ने सीएसके की नई ओपनिंग जोड़ी के बारे में स्टार स्पोर्ट्स से बातचीत में खुलासा किया. गायकवाड़ के सामने ओपनिंग जोड़ी के सवाल के साथ 3 ऑप्शन रखे गए थे, जिसमें उन्होंने उस एक को चुना जो वाकई आईपीएल 2026 में ओपन करने वाली है. उनसे पूछा गया कि क्या संजू सैमसन और आयुष म्हात्रे ओपन करने वाले हैं? फिर संजू सैमसन और ऋतुराज गायकवाड़? या ऋतुराज गायकवाड़ और आयुष म्हात्रे की ओपनिंग जोड़ी मैदान पर उतरने वाली है? ऋतुराज गायकवाड़ की जवाब देने की जब बारी आई उन्होंने तीनों ऑप्शन में संजू सैमसन और खुद के नाम की ओपनिंग जोड़ी पर टिक लगा दिया और उसी के साथ संकेत भी दे दिया कि आईपीएल 2026 में चेन्नई सुपर किंग्स की नई ओपनिंग जोड़ी का सामना करने के लिए उसके विरोधी तैयार रहें. संजू सैमसन, जो कि ट्रेड होकर राजस्थान रॉयल्स से सीएसके पहुंचे हैं, उनका मौजूदा फॉर्म कमाल का है. हाल ही में खत्म हुए टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भारत को चैंपियन बनाने में उनकी भूमिका सबसे बढ़कर रही थी. उन्होंने वहां भारत के लिए सबसे ज्यादा रन बनाए थे. वहीं ऋतुराज गायकवाड़ की बात करें तो उनके पास सीएसके के लिए ओपनिंग का अच्छा अनुभव तो है ही उसके अलावा वो हर परिस्थिति में ढलकर रन बनाना जानते हैं.

दिल्ली हाई कोर्ट ने गौतम गंभीर के हक में सुनाया फैसला

डीप फेक और फर्जी वीडियो को हटाने का दिया आदेश

नई दिल्ली, 26 मार्च (एजेंसियां)। टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर की तरफ से हाल ही में कुछ दिनों पहले दिल्ली हाई कोर्ट में उनके फेक वीडियो के इस्तेमाल को लेकर केस दायर किया था. अब हाई कोर्ट की तरफ से इस मामले में गंभीर के पक्ष में फैसला आ गया है. न्यायाधीश ज्योति सिंह ने इस मामले की जांच के बाद पाया कि ऐसे कई पोस्ट सोशल मीडिया पर हैं जिनमें गंभीर की पर्सनेलिटी को गलत तरीके से दिखाया गया है. हाई कोर्ट की तरफ से मेटा, गूगल और अमेजन को इन सभी पोस्ट को सोशल मीडिया से हटाने के आदेश दिए हैं.

फर्जी वीडियो पर आए लाखों व्यूज

गौतम गंभीर की कई फर्जी वीडियो सोशल मीडिया पर लगातार वायरल हो रही थीं. उनके कई डीपफेक वीडियो भी बनाए गए हैं. यहां तक की उनके कई फर्जी वीडियो ऐसे भी थे जिसमें वो हेड कोच के पद से रिजाइन कर रहे हैं.

इस वीडियो पर 29 लाख व्यूज आए थे. गंभीर ने अपनी अर्जी में ये कहा भी था कि उनकी इजाजत के बिना ही इन सब वीडियो पर सोशल मीडिया पर अपलोड किया गया. ये उनकी इज्जत और सम्मान की बात है और इसी के चलते कोर्ट की तरफ से इसमें तुरंत फैसला भी सुनाया गया है.

सोशल मीडिया पर खूब हुई ट्रोलिंग

टीम इंडिया ने गौतम गंभीर के हेड कोच बनने के बाद चैंपियंस ट्रॉफी और टी20 विश्व कप जैसे खिताब तो अपने नाम किए लेकिन रेड बॉल में टीम का प्रदर्शन काफी निराशाजनक रहा. उनके कार्यकाल में ही टीम को घरेलू सरजमीं पर 2 बार टेस्ट सीरीज में हार का सामना करना पड़ा. इसी के चलते उनको सोशल मीडिया पर खूब ट्रोल किया गया और यही वो टाइम था जब उनके फर्जी वीडियो ट्रेंड करने लगे. बतौर कोच उनके लिए अगली बड़ी चुनौती साल 2027 में होने वाला वनडे विश्व कप होने वाला है.

एसआरएच के कप्तान बने रहेंगे ईशान किशन

भारत आकर भी आईपीएल 2026 के कई मैचों से पैट कमिंस का बाहर रहना तय

नई दिल्ली, 26 मार्च (एजेंसियां)। पहले खबर आई कि पैट कमिंस आईपीएल 2026 के शुरुआती मुकाबले नहीं खेलेंगे. ऐसे में जब सवाल उठा कप्तानी कौन करेगा तो सनराइजर्स हैदराबाद ने ईशान किशन के तौर पर उसका जवाब दिया. लेकिन, फिर खबर आई कि कमिंस भारत आ रहे हैं तो सवाल उठा कि शायद ईशान किशन को एसआरएच की कप्तानी का मौका ना मिले. लेकिन अब पैट कमिंस पर आई लेटेस्ट अपडेट से साफ हो गया कि ईशान किशन अपनी टीम सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान बने रहेंगे.

आईपीएल 2026 का आगाज 28 मार्च से हो रहा है, जहां आरसीबी और एसआरएच के बीच ही ओपनिंग मैच है. पैट कमिंस 24 मार्च को ही भारत आ चुके हैं. लेकिन वो भारत आने के बावजूद एसआरएच का ओपनिंग मैच नहीं खेलेंगे. सिर्फ ओपनिंग मैच ही क्यों, आगे के भी कई मुकाबलों से वो बाहर रहेंगे. पैट कमिंस पर फिलहाल जो अपडेट है, उसके मुताबिक उनके आईपीएल 2026 के दूसरे हाफ में जाकर खेलने की संभावना है. अब अगर ऐसा है तो उनका कम से कम पहले 7-8 मैचों से तो बाहर रहना तय ही है. पैट कमिंस ने हाल ही में बिजनेस ऑफ स्पोर्ट्स नाम के पॉडकास्ट में कहा वो बेहतर फील कर रहे हैं मगर बैक इंजरी से उनकी रिकवरी अभी भी जारी है. उन्होंने कहा कि आईपीएल शुरू होने जा रहा है पर वो शुरुआती मुकाबले नहीं खेलेंगे. उन्होंने कहा कि उनके लीग के दूसरे हाफ में खेलने की संभावना है. उन्होंने आईपीएल 2026 का फाइनल खेलने का भी दम भरा. पैट कमिंस ने इस दौरान ये जरूर बताया कि वो हर तीसरे दिन नेट्स पर गेंदबाजी का अभ्यास कर रहे हैं.

पैट कमिंस के इस बयान से ये तो साफ हुआ कि उनके आईपीएल 2026 के पहले हाफ में तो खेलने की संभावना खत्म है. वहीं दूसरी चीज ये भी साफ हो गई कि ईशान किशन एसआरएच के कप्तान बनने रहेंगे. ईशान किशन ने घरेलू क्रिकेट में कमाल की कप्तानी की है. अब वो अपने उसी अनुभव को आईपीएल 2026 में एसआरएच के लिए भी प्रयोग में लाते दिखेंगे. टी20 में ईशान किशन के कप्तानी रिकॉर्ड की बात करें तो उन्होंने 29 मैचों में से 24 जीते हैं.

कप्तानों को है दिक्कत, फिर भी आईपीएल में जारी रहेगा नियम

मुंबई, 26 मार्च (एजेंसियां)। आईपीएल 2026 का आगाज 28 मार्च से हो रहा है और इससे पहले सभी 10 टीमों के कप्तानों की मुलाकात रखी गई. इस मुलाकात के दौरान आईपीएल के कुछ नियमों पर चर्चा हुई. कुछ कप्तान आईपीएल के एक नियम से खासतौर पर नाखुश हैं और उन्होंने इस बैठक में इसपर सवाल खड़े किए. आईपीएल के ज्यादातर कप्तानों ने इंपैक्ट प्लेयर नियम पर अपनी आपत्ति दर्ज की जिसको लेकर 2023 में इसके लागू होने के बाद से ही लोगों की अलग-अलग राय है. बीसीसीआई ने इस नियम को 2027 तक बढ़ा दिया है लेकिन इसपर अब भी बहस जारी है.

पीएसएल 2026 कप्तानों की

बैठक में क्या हुआ?

मुंबई में हुई सभी 10 आईपीएल टीमों के कप्तानों की बैठक में इंपैक्ट प्लेयर रूल पर चर्चा की गई. आईपीएल के एक सूत्र ने जानकारी दी कि ज्यादातर कप्तानों ने इंपैक्ट प्लेयर नियम पर अपनी बात रखी और इससे आपत्ति जताई. बैठक में बताया गया कि इस नियम की समीक्षा साल 2027 के बाद ही की जाती है, इसलिए ये इस सीजन और अगले सीजन में जारी रहेगा.

अक्षर पटेल ने किया है खुला विरोध

दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल ने इस नियम का खुला विरोध किया है. रोहित शर्मा भी इस नियम के खिलाफ आवाज उठा चुके हैं. अक्षर ने मीडिया से बातचीत में कहा था कि ये नियम उन्हें इसलिए पसंद नहीं है क्योंकि ये ऑलराउंडर्स की भूमिका को खत्म करता है. रोहित ने 2024 में कहा था कि वो इम्पैक्ट प्लेयर की सोच से सहमत नहीं हैं क्योंकि इससे भारतीय क्रिकेट में ऑलराउंडरों की कमी हो सकती है. हार्दिक पंड्या ने भी इसके खिलाफ बयान देते हुए कहा था कि इंपैक्ट प्लेयर नियम के कारण टीम में ऑलराउंडर को चुनना मुश्किल हो गया है. कई विदेशी खिलाड़ी भी इस नियम के खिलाफ बोल चुके हैं.

10 ओवर के बाद गेंद बदलने का प्रस्ताव

आईपीएल की कैप्टंस मीट में एक कप्तान ने पहली पारी के 10 ओवरों के बाद भी गेंद बदलने का प्रस्ताव रखा लेकिन इसे ज्यादा समर्थन नहीं मिला. दूसरी पारी में आमतौर पर ओस ज्यादा पड़ती है, इसलिए मौजूदा नियम लागू रहेगा. कप्तानों ने इस बैठक में आईपीएल के अधिकारियों से अभ्यास को लेकर दिशानिर्देशों के बारे में जानकारी भी हासिल की.बीसीसीआई के नए नियम के मुताबिक मैच के दिनों में किसी भी तरह की प्रैक्टिस की इजाजत नहीं होगी और अगर कोई टीम अपना अभ्यास जल्दी खत्म कर लेती है, तो दूसरी टीम को अपने अभ्यास के लिए विकेटों का उपयोग करने की इजाजत नहीं होगी.

उस्मान तारिक की नकल करना श्रीलंकाई गेंदबाज को भारी पड़ा

अंपायर ने गेंद को डेड बताया

कोलंबो, 26 मार्च (एजेंसियां)। क्रिकेट के मैदान पर पाकिस्तानी स्पिनर उस्मान तारिक के अनोखे बॉलिंग स्टाइल की नकल करना एक खिलाड़ी को भारी पड़ गया। श्रीलंका के रिचमंड कॉलेज में खेले गए एक मैच में गेंदबाज नेथुजा बशिथा ने तारिक की शैली अपनाने की कोशिश की, लेकिन अंपायर ने इसे नियमों के खिलाफ मानते हुए गेंद को डेड बॉल करार दिया। यह मैच गॉल में 21 मार्च को रिचमंड कॉलेज और महिंदा कॉलेज के बीच खेला गया था। पाकिस्तानी स्पिनर उस्मान तारिक इन दिनों अपनी अनोखी गेंदबाजी शैली के कारण काफी चर्चा में हैं। हाल ही में समाप्त हुए ICC टी-20 वर्ल्ड कप में उन्होंने अपनी गेंदबाजी से सभी को हैरान कर दिया। तारिक गेंद फेंकने से पहले कुछ सेकंड के लिए रुकते हैं, जिससे बल्लेबाजों को उनके खिलाफ खेलना मुश्किल हो जाता है। मैच के दौरान नेथुजा बशिथा ने उस्मान तारिक की तरह रुककर गेंदबाजी करने की कोशिश की। बशिथा अपने रन-अप के दौरान बीच में रुके और कई बार उछलकर गेंद फेंकी। अंपायर ने इसे तुरंत भांप लिया और गेंद को 'डेड बॉल' करार दे दिया। दरअसल, अंपायर का मानना था कि यह गेंदबाज के सामान्य बॉलिंग एक्शन का हिस्सा नहीं था, बल्कि बल्लेबाज का ध्यान भटकाने की एक कोशिश थी।

अस्पतालों के बेहतर प्रबंधन के लिए अधिकारी नियुक्त किए जाएंगे : रेवंत रेड्डी

> पूर्व बीआरएस सरकार पर सीएमआरएफ के दुरुपयोग का आरोप

हैदराबाद, 26 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने गुरुवार को विधानसभा में स्वास्थ्य क्षेत्र को मजबूत करने के लिए कई महत्वपूर्ण सुधारों की घोषणा की। इन फैसलों का उद्देश्य गरीबों को बेहतर और त्वरित चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराना है। मुख्यमंत्री ने बताया कि अब सीएम राहत कोष से शिक्षण अस्पतालों को भी फंड दिया जाएगा।

इसके साथ ही आरोग्यश्री योजना के तहत मरीजों को शिक्षण अस्पतालों में इलाज की सुविधा दी जाएगी, जिससे इन अस्पतालों में सेवाओं में सुधार होगा। उन्होंने कहा कि राज्य में 35 मेडिकल कॉलेज कार्यरत हैं, लेकिन वहां मरीजों की संख्या कम है। इसे बढ़ाने के लिए सरकार विशेष योजना बना रही है। अस्पतालों के बेहतर प्रबंधन के लिए ग्रुप-1 स्तर के अधिकारी भी नियुक्त किए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने पूर्व बीआरएस सरकार पर सीएमआरएफ के दुरूपयोग का आरोप लगाते हुए कहा कि अब ऑनलाइन सिस्टम के जरिए पारदर्शिता लाई गई है। आरोग्यश्री योजना के बकाया भुगतान पर बोलते हुए उन्होंने बताया कि पिछली सरकार के कारण 627 करोड़ रुपये का बोझ पड़ा। वर्तमान सरकार अब तक 2408 करोड़ रुपये का भुगतान कर चुकी है और बकाया घटाकर 727 करोड़ रुपये कर दिया गया है। सरकार ने गरीबों के इलाज के लिए कुल 4500 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं और 10,000 अतिरिक्त बेड बढ़ाने की योजना बनाई है। साथ ही तेलंगाना चिकित्सा विज्ञान संस्थान अस्पतालों को विशेष चिकित्सा केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा।

इसके अलावा, हैदराबाद के गोशामहल में 3000 करोड़ रुपये की लागत से नया उस्मानिया अस्पताल बनाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने 'इंदिरम्मा जीवन बीमा' योजना के तहत 1.15 करोड़ परिवारों को जीवन बीमा देने की भी घोषणा की। विदेशों में काम कर रहे तेलंगाना के डॉक्टरों को जोड़ने के लिए सरकार एक विशेष वेबसाइट भी लॉन्च करेगी, जिससे वे अपने गृह राज्य में आकर सेवाएं दे सकें। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य के साथ-साथ शिक्षा क्षेत्र को भी प्राथमिकता दी जाएगी और दोनों क्षेत्रों के लिए पर्याप्त बजट उपलब्ध कराया जाएगा।

विशाखापट्टनम-चेर्लापल्ली एक्सप्रेस को नियमित मंजूरी

हैदराबाद, 26 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। रेल मंत्रालय ने विशाखापट्टनम-चेर्लापल्ली-विशाखापट्टनम एक्सप्रेस ट्रेन को अप्रैल महीने से नियमित रूप से चलाने की मंजूरी दे दी है, जिससे यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, विशाखापट्टनम-चेर्लापल्ली एक्सप्रेस (18527) 3 अप्रैल से प्रत्येक शुक्रवार को चलेगी। वहीं, चेर्लापल्ली-विशाखापट्टनम एक्सप्रेस (18528) 4 अप्रैल से हर शनिवार को संचालित की जाएगी। इन ट्रेनों में यात्रियों की सुविधा के लिए 2ए, 3ए, स्लीपर, जनरल सेकंड क्लास और दिव्यांगजन कोच उपलब्ध होंगे। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, इस ट्रेन के नियमित संचालन से दोनों शहरों के बीच यात्रा करने वाले यात्रियों को बेहतर कनेक्टिविटी और सुविधाजनक विकल्प मिलेगा।

दुर्घटनाओं पर रेल पुलियाओं से लगेगी रोक : अश्विनी वैष्णव

> जीवनदायी विकल्प के रूप में उभरेगी रेल पुलिया

नई दिल्ली/हैदराबाद, 26 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। रेल पटरी पार करते समय होने वाली दुर्घटनाओं को अब रेलवे मिशन मोड में रोकेगा। सुविधाजनक पुलियाएं बनाकर इसे सुनिश्चित किया जाएगा। इसकी व्यापक तैयारियों के रूप में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने आज नई दिल्ली में संबंधित अधिकारियों की एक वर्कशाप की। जहां रेल पटरी के एक तरफ बस्ती है और दूसरी तरफ़ खेत, विद्यालय, श्मशान या अन्य उपयोगी एवं महत्वपूर्ण स्थान, ऐसे स्थानों पर ये रेल पुलियाएं बनाई जायेंगी। रेल मंत्री ने देशभर में ऐसी रेल पुलियाओं को बनाने का निर्देश दिया, जहां अपने रोजमर्रा के जीवन में बड़ी संख्या में लोग पटरियों को पार करते हैं। रेल मंत्री ने अधिकारियों को एक ऐसी सुविधाजनक रेल पुलिया बनाने को कहा जो पटरी पार करने वाले लोगों के लिए एक जीवनदायिनी विकल्प के रूप में उभरे।

इन रेल पुलियाओं को बनाते समय यह ध्यान रखा जाएगा कि एक आम आदमी साइकिल, मोटर साइकिल तथा कामकाज से जुड़ी अन्य चीजों को भी अपने साथ ले जा सके। इससे देशभर में पटरी पार करते समय होने वाली दुर्घटनाओं पर रोक लगेगी। देश की एक बड़ी आबादी के लिए भारतीय रेल की ये पुलिया वरदान साबित होगी। रेल मंत्री ने अधिकारियों को देश की इस बड़ी समस्या से अगले 5-6 वर्षों में निजात दिलाने को कहा। ये पुलियाएं इस प्रकार से बनाई जायेंगी ताकि पटरियों के आर पार इनका निर्माण मात्र 12 घंटे में हो सके। रेल मंत्री ने कहा कि, डिज़ाइन इस प्रकार की हो, ताकि लोगों को इसे इस्तेमाल करने में कोई हिचक न हो। जल भराव से पुलिया प्रभावित न हो। रेल पुलिया बनाने का यह महत्वपूर्ण निर्णय पिछले कई दिनों से अधिकारियों के साथ चली आ रही मंत्रणा का परिणाम है। रेल मंत्री का मानना है कि, व्यवस्था संवेदनशील हो तथा एक आम आदमी की समस्यों का सभी अधिकारी ऐसा समाधान निकालें जो आने वाले कई दशकों तक प्रभावी रहे।

बीसी उप-योजना लागू करने की मांग को लेकर बीआरएस का प्रदर्शन

कांग्रेस पर वादाखिलाफी का आरोप, गन पार्क पर विधायकों ने किया विरोध

हैदराबाद, 26 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के विधायकों और एमएलसी ने गुरुवार को गन पार्क स्थित तेलंगाना शहीद स्मारक पर बीसी उप-योजना लागू करने की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस सरकार पर पिछड़े वर्गों के साथ वादाखिलाफी करने का आरोप लगाया।

बीआरएसएलपी के उपनेता टी हरीश राव के नेतृत्व में विधायकों ने तख्तियां लेकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने चुनाव के दौरान बीसी समुदाय को 42 प्रतिशत आरक्षण और कामारेड्डी बीसी घोषणा के जरिए गुमराह किया, लेकिन सत्ता में आने के बाद अपने वादों को पूरा नहीं किया। इस मौके पर बीआरएस के उप-नेता तलसानी श्रीनिवास यादव ने कहा कि कांग्रेस ने बीसी कल्याण के लिए हर साल 20,000 करोड़ रुपये देने का वादा किया था, लेकिन इसे पूरा नहीं किया गया। उन्होंने बताया कि पहले वर्ष में 800 करोड़ रुपये आवंटित किए गए, लेकिन धनराशि जारी नहीं की गई, जबकि दूसरे वर्ष में 11,000 करोड़ रुपये आवंटित होने के बावजूद केवल 3 करोड़ रुपये ही खर्च किए गए।

श्रीनिवास यादव ने पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के नेतृत्व वाली बीआरएस सरकार की सराहना करते हुए कहा कि उनके कार्यकाल में गुरुकुल और आवासीय शिक्षण संस्थानों के माध्यम से पिछड़े वर्गों के कल्याण को मजबूत किया गया और उन्हें व्यापक राजनीतिक प्रतिनिधित्व मिला। उन्होंने यह भी कहा कि बीआरएस सरकार ने पारंपरिक जाति आधारित व्यवसायों को बढ़ावा देकर उनके जीवन स्तर में सुधार किया। उन्होंने चेतावनी दी कि बीसी समुदाय आगामी चुनावों में कांग्रेस को सबक सिखाएगा। वहीं, बीआरएस ने विधानसभा में स्थगन प्रस्ताव पेश कर बीसी उप-योजना और कल्याण योजनाओं के क्रियान्वयन पर चर्चा की मांग की है।

श्री रामनवमी शोभायात्रा के चलते यातायात मार्ग में बदलाव

हैदराबाद, 26 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद पुलिस, यातायात विभाग ने 27 मार्च को सुबह 9 बजे से सीतारामबाग मंदिर से हनुमान व्यायामशाला स्कूल, सुल्तानबाजार तक आयोजित श्री रामनवमी शोभायात्रा के कारण यातायात व्यवस्थाओं के बारे में सार्वजनिक चेतावनी जारी की है।

यात्रा मार्ग सीतारामबाग मंदिर, भोईगुड़ा कामान, मंगलहाट रोड, जाली हनुमान, धूलपेट, पुराना पुल, गांधी प्रतिमा, जुमेरात बाजार, चूड़ी बाजार, बेगम बाजार छत्री, बारथान बाजार, स.ए बाजार मस्जिद, शंकर शेर होटल, गौलिगुड़ा चमन, राम मंदिर कामान, पुतलीबावली चौराहा, आंध्र बैंक चौराहा, डीएमएचएस चौराहा, सुल्तान बाजार चौराहा, रॉयल प्लाजा टी-जंक्शन होगा। पुलिस के अनुसार शोभायात्रा मार्ग पर पहुंचने पर संबंधित मार्गों से आने वाले वाहन अन्य वैकल्पिक मार्गों पर मोड़ दिए जाएंगे। जैसे ही शोभायात्रा का हिस्सा किसी चौराहा से गुजरता है, वाहन यातायात को सामान्य किया जाएगा। प्रमुख डाइवर्जन बिंदुओं में सीतारामबाग, भोईगुड़ा कामान, जाली हनुमान, गांधी प्रतिमा, टक्करवाड़ी जंक्शन, बेगम बाजार छत्री, स.ए बाजार, पुतलीबावली, राम मंदिर कमान, सुल्तान बाजार, रॉयल प्लाजा टी-जंक्शन आदि होगा। संभावित जाम क्षेत्रों में बेगम बाजार छत्री, स.ए बाजार, अफ़ज़लगंज टी-जंक्शन, शिवाजी ब्रिज, सीबीएस, रंगमहल वाई-जंक्शन, पुतलीबावली चौराहा, कोटी आंध्र बैंक, जी.पी.ओ. एबिड्स, एम.जे. मार्केट, चादरघाट, काचीगुड़ा चौराहा, निम्बोलीअड्डा हो सकता है। पुलिस ने सभी यात्री और वाहन चालक से अनुरोध है किया है वे दी गई जानकारी के अनुसार यात्रा की योजना बनाएं और हैदराबाद ट्रैफिक पुलिस का सहयोग करें।

मार्कापुरम बस हादसे पर मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने जताया शोक

हैदराबाद, 26 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने आंध्र प्रदेश के मार्कापुरम में हुए भीषण बस हादसे पर गहरा दुख व्यक्त किया है। इस दुर्घटना में कई लोगों की मृत्यु और कई के घायल होने से मुख्यमंत्री अत्यंत व्यथित हैं। मुख्यमंत्री ने मृतकों के परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। उन्होंने बताया कि यह बस निर्मल से नेल्लोर जा रही थी, तभी यह हादसा हुआ। मुख्यमंत्री ने मुख्य सचिव रामकृष्ण राव को तुरंत मृतकों और घायलों का पूरा विवरण जुटाने के निर्देश दिए हैं। साथ ही आंध्र प्रदेश के अधिकारियों से समन्वय स्थापित कर दुर्घटना से संबंधित सभी जानकारी प्राप्त करने को कहा है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर मुख्य सचिव ने आंध्र प्रदेश के अपने समकक्ष से बातचीत कर घायलों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने का आग्रह किया है।

भद्राचलम मंदिर का 'तलंब्रालु' अब घर बैठे मिलेगा

> टीजीएसआरटीसी ने शुरू की होम डिलीवरी सेवा, 151 रुपये में बुकिंग

हैदराबाद, 26 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। भद्राचलम स्थित श्री सीता रामचंद्रस्वामी मंदिर में आयोजित श्री सीताराम कल्याणोत्सव के दौरान पूजनीय 'तलंब्रालु' को लेकर भक्तों में बढ़ती आस्था और मांग को देखते हुए तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीजीएसआरटीसी) ने इसे घर तक पहुंचाने की सुविधा शुरू की है।

टीजीएसआरटीसी ने तेलंगाना बंदोबस्ती विभाग के सहयोग से 'तलंब्रालु' की होम डिलीवरी की व्यवस्था की है। इस सेवा का लाभ लेने के लिए भक्तों को 151 रुपये का भुगतान करना होगा और अपने विवरण को नजदीकी टीजीएसआरटीसी कार्गो पार्सल केंद्र पर या ऑनलाइन वेबसाइट पर पंजीकरण कराना होगा। राज्य भर में स्थित सभी टीजीएसआरटीसी कार्गो पार्सल काउंटरों पर 'तलंब्रालु' की बुकिंग की जा सकती है। इसके अलावा, अधिक जानकारी के लिए टीजीएसआरटीसी लॉजिस्टिक्स विभाग के नंबर 9177683134, 7382924900 या 9154680020 पर संपर्क किया जा सकता है। भक्त कॉल सेंटर के नंबर 040-69440069 या 040-69440000 पर कॉल कर भी इस सेवा से संबंधित जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। इस पहल से दूर-दराज के श्रद्धालुओं को बड़ी सुविधा मिलेगी, जो स्वयं मंदिर नहीं पहुंच पाते, वे अब घर बैठे ही इस पवित्र प्रसाद को प्राप्त कर सकेंगे।

आईएनएक्सएस 2026 : वार्षिक उत्सव धूमधाम से संपन्न

नवाचार, अनुशासन और समग्र विकास पर विशेषज्ञों ने छात्रों को किया प्रेरित

हैदराबाद, 26 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। जेबीजीईआई ने बुधवार को अपने वार्षिक दिवस समारोह 'आईएनएक्सएस 2026' का आयोजन बड़े उत्साह और धूमधाम से किया। कार्यक्रम में छात्रों की प्रतिभा और उपलब्धियों का शानदार प्रदर्शन देखने को मिला। इस अवसर पर राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बोर्ड के सदस्य और डीआरडीओ के पूर्व अध्यक्ष डॉ.जी. सतीश रेड्डी ने नवाचार, अनुसंधान और तकनीकी प्रगति के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि यही तत्व राष्ट्र के भविष्य को आकार देते हैं। उन्होंने छात्रों को वैज्ञानिक सोच विकसित करने और अपने-अपने क्षेत्रों में उत्कृष्टता के लिए निरंतर प्रयास करने की प्रेरणा दी। डीसीपी योगेश गौतम ने अपने संबोधन में अनुशासन, ईमानदारी और सामाजिक जिम्मेदारी के महत्व पर प्रकाश डाला और छात्रों से जिम्मेदार नागरिक बनने का आह्वान किया।

बसवतारकम इंडो-अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट के चिकित्सा निदेशक डॉ.टी. सुब्रमण्येश्वर राव ने विशेष रूप से सेवा-उन्मुख क्षेत्रों में दृढ़ता, करुणा और समर्पण के महत्व को रेखांकित करते हुए छात्रों को समाज के प्रति योगदान देने के लिए प्रेरित किया। जेबी एजुकेशनल सोसाइटी के सचिव जेवी कृष्णा राव ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और युवा प्रतिभाओं को निखारने के प्रति संस्थान की प्रतिबद्धता को दोहराया। वहीं, जेबीईटी के प्रिंसिपल डॉ. पीसी कृष्णमाचारी ने संस्थान की शैक्षणिक उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए छात्रों को उत्कृष्टता की परंपरा को बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। निदेशक डॉ.सी. संजय ने अकादमिक शिक्षा के साथ-साथ पाठ्येतर गतिविधियों में उत्कृष्टता के महत्व को रेखांकित करते हुए छात्रों के समग्र विकास पर जोर दिया।

इस दौरान प्रबंधन ने शैक्षणिक, खेल, नवाचार सहित विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी छात्रों को स्वर्ण पदक देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम का विशेष आकर्षण नेत्र विद्यालय जूनियर और डिग्री कॉलेज फॉर ब्लाइंड के छात्रों को खेल में उनकी उल्लेखनीय उपलब्धियों के लिए सम्मानित करना रहा।

'चलो असेंबली' मार्च से पहले बेरोजगार युवाओं की धरपकड़

भर्ती में देरी पर उबाल, रातभर पुलिस ने हॉस्टल-लाइब्रेरी में चलाया अभियान

हैदराबाद, 26 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना कांग्रेस सरकार द्वारा भर्ती अधिसूचनाएं जारी करने में देरी के विरोध में गुरुवार को प्रस्तावित 'चलो असेंबली' मार्च से पहले शहर में कई बेरोजगार युवाओं को एहतियातन हिरासत में ले लिया गया। संभावित विरोध प्रदर्शन को देखते हुए पुलिस ने बुधवार और गुरुवार की दरमियानी रात को विभिन्न छात्रावासों और पुस्तकालयों में अभियान चलाया। इस दौरान कई युवाओं को हिरासत में लिया गया, जिससे शहर के कई इलाकों में तनाव का माहौल बन गया। चिक्कड़पल्ली स्थित सिटी सेंट्रल लाइब्रेरी में उस समय अफरा-तफरी मच गई जब बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी वहां पहुंचे और बेरोजगार युवाओं को हिरासत में लेने लगे। पुलिस कार्रवाई के दौरान कई युवाओं ने विरोध जताया और इसे अनुचित बताया। एक युवक ने पुलिस से तीखी बहस करते हुए कहा कि वे अपराधी नहीं, बल्कि अपने हक की नौकरी मांगने वाले बेरोजगार हैं। उसने सवाल उठाया कि उन्हें आधी रात को अपराधियों की तरह क्यों उठाया जा रहा है। बेरोजगार युवाओं की मांग है कि सरकार अपने वादे के अनुसार दो लाख रिक्त पदों के लिए जल्द भर्ती अधिसूचना जारी करे और रोजगार कैलेंडर घोषित करे। इसके अलावा, उन्होंने मांग की है कि रोजगार मिलने तक प्रति माह 4,000 रुपये की आर्थिक सहायता दी जाए। युवाओं का आरोप है कि सरकार ने अपने वादों को पूरा नहीं किया। दो साल से अधिक के कार्यकाल में केवल 16,978 पद ही भरे गए हैं, जबकि एक वर्ष में दो लाख नौकरियां देने का वादा किया गया था। हालांकि सरकार का दावा है कि अब तक 67,763 रिक्तियों की भर्ती प्रक्रिया पूरी की जा चुकी है, जिनमें से 50,785 पदों की अधिसूचनाएं पूर्ववर्ती बीआरएस सरकार के कार्यकाल में जारी की गई थीं।

मौसम का दोहरा प्रहार : दिन में भीषण गर्मी, रात में आंधी-बारिश का अलर्ट

आईएमडी ने जारी किया ऑरेंज अलर्ट, कई जिलों में 40 डिग्री पार करने की चेतावनी

हैदराबाद, 26 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद और तेलंगाना के लोगों के लिए मौसम के लिहाज से आने वाला सप्ताह चुनौतीपूर्ण रहने वाला है। एक ओर जहां दिन में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के आसपास या उससे अधिक रहने की संभावना है, वहीं शाम और रात में गरज, बिजली, ओलावृष्टि और तेज हवाओं का खतरा बना हुआ है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) हैदराबाद ने गुरुवार को दोहरी मौसम चेतावनी जारी करते हुए बताया कि राज्य के अधिकांश जिलों में अधिकतम तापमान 36 से 40 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा।

मौसम विभाग के अनुसार, आदिलाबाद, जोगुलाम्बा गदवाल, कोमराम भीम आसिफाबाद, महबूबनगर, मंचेरियल, नगरकर्नूल, नारायणपेट, निर्मल और वानापर्थी जैसे जिलों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से अधिक पहुंच सकता है। इसी के साथ आईएमडी ने इस महीने के अंत तक कई जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। चेतावनी के अनुसार, 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने, बिजली गिरने और गरज के साथ बारिश होने की संभावना है।

जिन जिलों में अलर्ट जारी किया गया है उनमें आदिलाबाद, भद्राद्री कोत्तागुडेम, हनुमाकोंडा, हैदराबाद, जगतियाल, जनगांव, जयशंकर भूपालपल्ली, जोगुलंबा गदवाल, कामारेड्डी, करीमनगर, खम्मम, कोमुरम भीम आसिफाबाद, महबूबाबाद, महबूबनगर, मंचेरियल, मेदक, मेडचल-मलकजगिरी, मुलुगु, नागरकर्नूल, नलगोंडा, नारायणपेट, निर्मल, निजामाबाद, पेद्दापल्ली, राजन्ना सिरसिला, रंगारेड्डी, संगारेड्डी, सिद्दीपेट, सूर्यापेट, विकाराबाद, वानापर्थी, वारंगल और यदाद्री भुवनगिरि शामिल हैं। मौसम विभाग ने लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है, खासकर दोपहर की तेज गर्मी और शाम के समय खराब मौसम के दौरान अनावश्यक बाहर निकलने से बचने को कहा है।

4,100 चावल के दानों पर 'राम' लिखकर महिला ने दिखाई अनूठी भक्ति

राम नवमी पर 10 दिनों की साधना, मंदिरों में अर्पित किया पवित्र अनाज

संगारेड्डी, 26 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। भगवान राम के प्रति गहरी आस्था का अनोखा उदाहरण पेश करते हुए दुंडीगल्ला पद्मा ने 4,100 चावल के दानों पर तेलुगु में 'राम' लिखकर अपनी भक्ति व्यक्त की है। उनका यह प्रयास धैर्य, समर्पण और दृढ़ संकल्प का प्रतीक बन गया है। निजामपेट मंडल के बाचेपल्ली की निवासी पद्मा ने इस कार्य को पूरा करने में लगभग 10 दिन लगाए, जिसमें वे प्रतिदिन करीब तीन घंटे तक मेहनत करती रहीं। उन्होंने राम नवमी के अवसर पर भगवान राम के प्रति अपनी श्रद्धा को कुछ विशेष तरीके से व्यक्त करने के उद्देश्य से यह अनूठा कार्य किया। पद्मा ने बताया कि उन्होंने 2025 में भी यह प्रयास किया था, लेकिन उस समय एक सप्ताह में केवल 1,500 दानों पर ही 'राम' लिख पाई थीं। इस वर्ष उन्होंने पहले से तैयारी शुरू की और 4,100 दानों पर लेखन पूरा कर लिया। उन्होंने रामिरेड्डीपेट और बाचेपल्ली स्थित भगवान राम मंदिरों में यह अनाज अर्पित किया, जहां पुजारियों द्वारा इसे अक्षंथालु (पवित्र पीले चावल) में मिलाया जाएगा। उनके पति सिद्धिरामुलु ने भी सिद्धिपेट जिले के दुब्बक के पास एक मंदिर में कुछ अनाज अर्पित किया। पद्मा ने बताया कि इस कार्य में उनके पति और दो बेटियों का पूरा सहयोग मिला, जिससे वे इसे सफलतापूर्वक पूरा कर सकीं। उन्होंने कहा कि वे हर वर्ष राम नवमी के अवसर पर इसी तरह श्रद्धा के साथ इस परंपरा को जारी रखेंगी। उनके इस अनूठे प्रयास की स्थानीय लोगों और मंदिर के पुजारियों ने सराहना की है, और इसे भक्ति का एक प्रेरणादायक उदाहरण बताया है।

हैदराबाद के बाहरी इलाके में मिले प्राचीन पाषाण युग के औजार

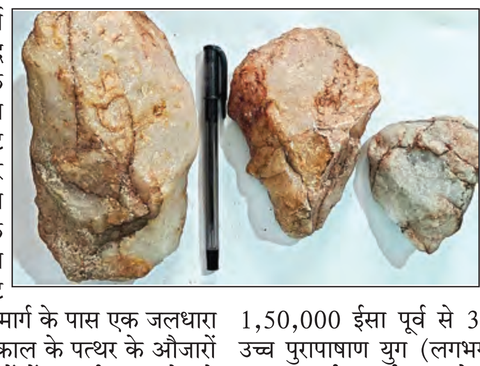

हैदराबाद, 26 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद शहर के बाहरी क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण पुरातात्विक खोज सामने आई है। क्लाइमेट फ्रंट तेलंगाना के उपाध्यक्ष मीर उमर अली खान और कोत्ता तेलंगाना चरित्र ब्रुंडम के संयोजक श्रीरामोजू हरगोपाल ने रंगारेड्डी जिले के गंडीपेट मंडल स्थित मंचिरेवुला वन मार्ग के पास एक जलधारा के किनारे निम्न पुरापाषाण काल के पत्थर के औजारों की पहचान की है। इन खोजों में क्वाट्र्ज पत्थर से बने कई औजार शामिल हैं।

इनमें 24 सेंटीमीटर लंबाई और 130 ग्राम वजन का एक बड़ा औजार, 45 ग्राम वजन का एक अन्य औजार, 15 सेंटीमीटर लंबा एक औजार और 9 सेंटीमीटर लंबा एक छोटा औजार शामिल है। इनमें से तीन औजार हाथ की कुल्हाड़ी के रूप में पहचाने गए हैं, जबकि एक परतदार औजार है और एक पत्थर के औजार बनाने के लिए तैयार किया गया कच्चा पदार्थ है। धारवाड़ विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त प्रोफेसर रवि कोरिसट्टार ने इन औजारों में से एक को निम्न पुरापाषाण काल से संबंधित बताया है और क्षेत्र में इस तरह की लगातार खोजों पर आश्चर्य व्यक्त किया है। भारतीय संदर्भ में पाषाण युग को तीन भागों में बांटा गया है- निम्न पुरापाषाण युग (लगभग 6 लाख वर्ष पूर्व से 1.5 लाख वर्ष पूर्व), मध्य पुरापाषाण युग (लगभग 1,50,000 ईसा पूर्व से 35,000 ईसा पूर्व) और उच्च पुरापाषाण युग (लगभग 35,000 ईसा पूर्व से 10,000 ईसा पूर्व)। इससे पहले भी मंचिरेवुला वन क्षेत्र में मध्य पुरापाषाण काल के शैल अवशेष और पत्थर के औजार मिल चुके हैं।

वहीं, हैदराबाद के बीएन नार पहाड़ियों से भी मध्य पुरापाषाण काल की शैल चित्रकारी और नवपाषाण काल के औजार प्राप्त हुए हैं। श्रीरामोजू हरगोपाल ने कहा कि जिस शहर में प्रागैतिहासिक साक्ष्य इतने व्यापक रूप से मौजूद हैं, वहां शहरीकरण के कारण कई महत्वपूर्ण अवशेष नष्ट हो चुके होंगे। उन्होंने इन ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि इन्हें आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित रखना हमारी जिम्मेदारी है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.